



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)  
PART II—Section 3—Sub-section (i)  
प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 383] नई दिल्ली, मंगलवार, दिसम्बर 21, 1982/अग्रहायण 30, 1904  
No. 388] NEW DELHI, TUESDAY, DECEMBER 21, 1982/AGRAHAYANA 30, 1904

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में  
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate  
compilation

नौबहन और परिवहन मंत्रालय  
(परिवहन पक्ष)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 21 दिसम्बर, 1982

(वाणिज्य पोत परिवहन)

सांकांनि० 769 (अ):—यतः वाणिज्य पोत परिवहन (प्राण रक्षा साधित्र) नियम का प्रारूप वाणिज्य पोत परिवहन अधिनियम, 1958 (1958 का 44) की धारा 288 की उपधारा (1) की अपेक्षानुसार भारत सरकार के नौबहन और परिवहन मंत्रालय की अधिसूचना, सांकांनि० 608 तारीख 15-8-1982 के अन्तर्गत भारत के राजपत्र के भाग-II, खंड-3, उपखंड (i) तारीख 10-7-1982 में प्रकाशित किया गया था, जिसमें उन सभी व्यक्तियों से जिनका उससे प्रभावित होना संभाव्य था उक्त अधिसूचना के प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों के अन्दर आक्षेप और सुमाव मांगे गए थे,

और यतः उक्त राजपत्र 20-9-1982 को जनता के लिए उपलब्ध करा दिया गया था ;

और यतः कोई आक्षेप अथवा सुमाव प्राप्त नहीं हुआ है,

अतः अब, वाणिज्य पोत परिवहन अधिनियम, 1958 (1958 का 44) की धारा 288 की उपधारा (1) और उपधारा (2) के खंड (क), (ख), (ग), (घ), (ङ), (च), (छ), (ज), (झ), (ञ) और (द) के साथ पठित धारा 435 और धारा 457 की उपधारा (2) के खंड (ए) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का पालन करते हुए और भारतीय वाणिज्य

पोत परिवहन (प्राण रक्षा साधित्र) नियम, 1956 को अधिकांत करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थातः—

नियम

1. संक्षिप्त नाम, प्रारम्भ और लागू होना:— (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम वाणिज्य पोत परिवहन (प्राण रक्षा साधित्र) नियम, 1982 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

(3) ये.....

(क) सभी समुद्रगामी भारतीय पोतों और सभी समुद्रगामी भारतीय पाल जलयानों, जिनके अन्तर्गत नौबत के यांत्रिक माधनों से युक्त मत्स्य जलयान और मत्स्य नौकाएं हैं; और

(ख) सभी समुद्रगामी पोतों और समुद्रगामी पाल जलयानों, जिनके अन्तर्गत मत्स्य जलयान और मत्स्य नौकाएं हैं, से भिन्न उन पोतों, जलयानों और नौकाएं जिन पर जब वे भारत में किसी पत्तन या स्थान पर हों या भारतीय को लागू होंगे समुद्री सीमा के भीतर हो, भारतीय ध्वज है,

परन्तु ये नियम किसी पोत या पाल जलयान जिसके अन्तर्गत कोई मत्स्य जलयान या मत्स्य नौका है, को जब वह भारत में किसी पत्तन पर या स्थान पर या भारत के राज्य क्षेत्रीय समुद्र में होने के कारण उम पर लागू नहीं होंगे, यदि वह किसी ऐसे पत्तन पर या स्थान पर नहीं होता या अथवा मौसम या किन्हीं अन्य परिस्थितियों के कारण के सिवाय यथास्थिति, पाल, पाल, जलयान, मत्स्य जलयान या मत्स्य नौका का, न

सी कप्तान, टिबलस्किपर और न स्वामी, न चार्टरकर्ता, यदि कोई हों रोक सकते या पहले से ही रोकने का प्रबन्ध करते।

2 परिभाषाएं :—इन नियमों में, जब तक कि संदर्भ में अन्यथा अभिप्रेत न हो—

(क) "अधिनियम" से वाणिज्य पोत परिवहन अधिनियम, 1958 (1958 का 44) अभिप्रेत है;

(ख) "अनुमोदित" के केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमोदित अभिप्रेत है;

(ग) "उपलवन साधित्र" से रक्षा बीया या रक्षा आंकैक से भिन्न प्रलवन उपस्कर अभिप्रेत है जो व्यक्तियों की विनिर्दिष्ट संख्या को, जो जल में है सहायता देने के लिए डिज़ाइन किया गया है और ऐसे बना हो कि वह अपने आकार और गुण धर्म का प्रतिधारित करे;

(घ) "प्रमाण-पत्र प्राप्त रक्षा नाविक" से, कर्मादल का कोई ऐसा सवस्य अभिप्रेत है जिसके पास, रक्षा नाविक (ग्रहणार्थ और प्रमाण-पत्र) नियम, 1963 द्वारा दिया हुआ दस्ता का प्रमाण-पत्र है;

(ङ) "वर्ग 'ग' नौका" से वह नौका अभिप्रेत है जो पहली अनुसूची के उपबन्धों का अनुपालन करती है;

(च) "साफ मौसम" से अभिप्रेत है—

(1) अरब सागर में 1 सितम्बर से 31 मई तक का मौसम; और

(2) बंगाल की खाड़ी में 1 दिसम्बर से 30 अप्रैल तक का मौसम;

(छ) "खराब मौसम" से अभिप्रेत है—

(1) अरब सागर में 1 जून से 31 अगस्त तक का मौसम; और

(2) बंगाल की खाड़ी में 1 मई से 30 नवम्बर तक का मौसम।

(ज) "स्कीति योग्य बचाव-तरापा" से अभिप्रेत है कोई बचाव-तरापा जो दूसरी अनुसूची के भाग 1 की अपेक्षाओं का अनुपालन करता है;

(झ) "अन्तर्राष्ट्रीय जल यात्रा" का यही अर्थ है जो अधिनियम में,

(अ) "अवतरण साधित्र" से कोई साधित्र अभिप्रेत है जो तीसरी अनुसूची की अपेक्षाओं का अनुपालन करता है;

(ट) रजिस्ट्रीकृत पोत के सम्बन्ध में "लम्बाई" से रजिस्ट्रीकृत लम्बाई अभिप्रेत है और अरजिस्ट्रीकृत पोत के सम्बन्ध में अभिप्रेत है भाये के अगले हिस्से से कुदास के शीर्ष के पिछले तरफ तक या यदि सुकान को लेने के लिए कुदाम नहीं लगा है तो सुकान दण्ड के आगे की तरफ से उस स्थान तक जहाँ सुपान खो खु से बाहर जाता है, तक की लम्बाई अभिप्रेत है;

(ठ) "रक्षा नौका" से, ऐसी नौका अभिप्रेत है जो चौथी अनुसूची की अपेक्षाओं का अनुपालन करती है;

(ड) "बचाव-तरापा" से ऐसा बचाव-तरापा अभिप्रेत है जो दूसरी अनुसूची की अपेक्षाओं का अनुपालन करता है;

(ढ) "यन्त्र-चालित रक्षा नौका" से ऐसी नौका अभिप्रेत है जो नियम 46 के उपबन्धों का अनुपालन करती है;

(ण) "मोटर रक्षा नौका" से ऐसी रक्षा नौका अभिप्रेत है जो नियम 45 की अपेक्षाओं का अनुपालन करती है;

(त) इन नियमों के सम्बन्ध में "व्यक्ति" से एक वर्ष से उपर की आयु का कोई भी व्यक्ति अभिप्रेत है और इसके अन्तर्गत पोत के कर्मादल और अधिकारी हैं;

(थ) "अन्य बचाव-तरापा", से ऐसा बचाव-तरापा अभिप्रेत है जो दूसरी अनुसूची के भाग 2 की अपेक्षाओं का अनुपालन करता है;

(द) "अनुसूची" से इन नियमों की अनुसूची अभिप्रेत है;

(ध) "लघु अन्तर्राष्ट्रीय समुद्र यात्रा से ऐसा अन्तर्राष्ट्रीय समुद्र यात्रा अभिप्रेत है जिसके दौरान पोत किसी भी समय पत्तन या उस स्थान से जहाँ यात्री और कर्मादल सुरक्षा पूर्वक रखे जा सकते थे, 200 समुद्री मील से अधिक दूर नहीं है और जो किसी देश के, जहाँ के समुद्र यात्रा प्रारम्भ होती है, गत विग्राम, पत्तन और अन्तिम गन्तव्य पत्तन के बीच 600 समुद्री मील से अधिक दूर नहीं है।

3. पोतों का वर्गीकरण—इन नियमों के प्रयोजन के लिए पोत निम्न-लिखित वर्गों में रखे जाएंगे, अर्थात् :—

(क) यात्री पोत

वर्ग 1—वर्ग 3 के पोतों से भिन्न अन्तर्राष्ट्रीय समुद्र-यात्राओं में लगे हुए यात्री पोत।

वर्ग 2—वर्ग 4 के पोतों से भिन्न लघु अन्तर्राष्ट्रीय समुद्री यात्राओं में लगे हुए यात्री पोत।

वर्ग 3—अन्तर्राष्ट्रीय समुद्री-यात्राओं में लगे हुए विशेष व्यापार यात्री पोत।

वर्ग 4—लघु अन्तर्राष्ट्रीय समुद्र यात्राओं में लगे हुए विशेष व्यापार यात्री पोत।

वर्ग 5—अन्तर्राष्ट्रीय समुद्र यात्राओं से भिन्न समुद्र-यात्राओं में लगे हुए विशेष व्यापार यात्री पोत (वर्ग 6 और वर्ग 7 के पोतों से भिन्न)।

वर्ग 6—तट व्यापार में समुद्र-यात्राओं पर लगे हुए विशेष व्यापार यात्री पोत, जिनके दौरान वे निकटतम भूमि से 20 मील से अधिक दूर नहीं जाते हैं।

परन्तु ऐसे पोतों का केवल इस कारण वर्ग 6 के पोत होना समाप्त नहीं हो जाएगा कि वे अपनी समुद्र-यात्रा के दौरान कच्छ, बाम्बे या मन्नार की खाड़ी पार करते हैं।

वर्ग 7—भारतीय पत्तनों के मध्य साफ मौसम में समुद्र यात्राओं में लगे हुए विशेष व्यापार यात्री पोत, जिनके दौरान वे निकटतम भूमि से 5 मील से अधिक दूर नहीं जाते हैं।

(ख) यात्री पोतों से भिन्न पोत

वर्ग 8—अन्तर्राष्ट्रीय समुद्र-यात्राओं में लगे हुए स्थोरा पोत।

वर्ग 9—ऐसी समुद्र-यात्राओं में लगे हुए स्थोरा पोत (वर्ग 10 के पोतों से भिन्न) जो अन्तर्राष्ट्रीय समुद्र-यात्राएं नहीं हैं।

वर्ग 10—भारत के तट व्यापार में लगे हुए स्थोरा पोत (वर्ग 9 पोतों से भिन्न) जिनके दौरान वे निकटतम भूमि से 20 मील से अधिक दूर नहीं जाते हैं।

परन्तु ऐसे पोतों का केवल इस कारण वर्ग 10 के पोत होना समाप्त नहीं हो जाएगा कि वे अपनी समुद्र-यात्रा के दौरान कच्छ, बाम्बे या मन्नार की खाड़ी पार करते हैं।

वर्ग 11—भारतीय पत्तनों के मध्य साफ मौसम के दौरान ऐसी समुद्र-यात्राओं में लगे हुए स्थोरा पोत जिनके दौरान वे निकटतम भूमि से 5 समुद्री मील से अधिक दूर नहीं जाते हैं।

वर्ग 12—टंग, टैंडर, जाच लाइटर, ड्रेजर, बजरा और हापर जो समुद्र में जाते हैं।

वर्ग 13—वर्ग 14 के पोतों से भिन्न मत्स्य जलयान,

वर्ग 14—पास जलयान जिनके अन्तर्गत पाव मत्स्य नौकाएं हैं।

वर्ग 15—कैड़ा नौकाएं।

4. वर्ग 1 के पोत—(1) यह नियम वर्ग 1 के पोतों को लागू होगा।

(2) वर्ग 1 का हर पोत—

(क) पोत की प्रत्येक ओर रखा नौकाओं की ऐसी संख्या बहुत करेगा जिनकी कुल धारिता उन व्यक्तियों की कुल संख्या के आधे को, जिन्हें पोत बहुत करने के लिए प्रमाणित है, स्थान देने के लिए पर्याप्त हो; या

(ख) रखा नौकाओं और बचाव तरापों की ऐसी संख्या बहुत करेगा जिनकी कुल धारिता व्यक्तियों की कुल संख्या को जिन्हें पोत बहुत करने के लिए प्रमाणित है, स्थान देने के लिए पर्याप्त हो:

परन्तु पोत की प्रत्येक ओर बहुत की जा रही रखा नौकाएं उस संख्या से कभी भी कम नहीं होंगी जो व्यक्तियों की कुल संख्या के, जिससे पोत बहुत करने के लिए प्रमाणित है, 37 1/2 प्रतिशत स्थान देने के लिए आवश्यक है:

परन्तु उस पोत की दशा में जिनकी कोल 28 मई, 1965 के नहूवे रखी गई थी, इस खण्ड के उपबन्ध केवल सभी लागू होंगे जब व्यक्तियों की संख्या, जिस पोत बहुत करने के लिए प्रमाणित है, इस कारण नहीं बढ़ा दी गई है कि बोर्ड पर पर्याव बचाव तरापों की संख्या, ऐसी बड़ी हुई संख्या के लिए पर्याप्त है।

(3) (क) हर पोत पर, जब वह समुद्र में है, तब उप-नियम (2) के अधीन अपेक्षित दो रखा नौकाएं, पोत की प्रत्येक ओर एक-एक भागात में तत्काल प्रयोग के लिए तैयार रखी जाएगी।

(ख) खण्ड (क) में विविष्ट दोनों रखा नौकाओं में से कोई भी लम्बाई में 8.5 मीटर से अधिक नहीं होगी, किन्तु वे मोटर रखा नौकाएं या रखा नौकाएं हो सकती हैं, और उप-नियम (4) के अनुपालन के प्रयोजन के लिए उनकी गणना की जा सकेगी।

(ग) नियम 60 के उप-नियम (13) के उपबन्धों के होते हुए भी इन रखा नौकाओं में स्केटों या आय उपयुक्त साधनों का लगा होना अपेक्षित नहीं होगा।

(4) हर पोत अपनी प्रत्येक ओर कम से कम एक मोटर रखा नौका बहुत करेगा: परन्तु किसी ऐसे पोत से, जो 30 से अधिक व्यक्तियों को बहुत करने के लिए प्रमाणित है, केवल एक ही ऐसी मोटर रखा नौका बहुत करने की अपेक्षा की जाएगी।

(5) (क) हर पोत में, जो 1500 या उससे अधिक व्यक्तियों को बहुत करने के लिए प्रमाणित है, उप-नियम (4) के अनुपालन में बहुत की जा रही प्रत्येक मोटर रखा नौका में नियम 56 के उप-नियम (1) में विनिर्दिष्ट उपस्कर की व्यवस्था होगी।

(ख) हर पोत में जो 199 से अधिक किन्तु 1500 से कम व्यक्तियों को बहुत करने के लिए प्रमाणित है, उप-नियम (4) के अनुसार बहुत की जा रही मोटर रखा नौकाओं में से कम से कम एक नियम 56 के उप-नियम (1) में विनिर्दिष्ट उपस्कर की व्यवस्था होगी।

(ग) इस नियम के अनुसार में बहुत की जा रही प्रत्येक मोटर रखा नौका में, नियम 56 के उप-नियम (2) में विनिर्दिष्ट सर्वनाइट की व्यवस्था होगी।

(6) हर पोत जो अपनी प्रत्येक ओर उपनियम (5) के खण्ड (क) के अधीन यथा-अपेक्षित उपस्कर से लगी मोटर रखा

नौका बहुत नहीं करता है, एक सुशाह्य रेडियो उपस्कर भी बहुत करेगा जो नियम 65 के उपबन्धों का अनुपालन करेगा।

(7) इस नियम के अनुपालन में बहुत की जा रही प्रत्येक रखा नौका की लम्बाई 7.3 मीटर से कम नहीं होगी।

(8) हर पोत में प्रत्येक रखा नौका डेविटों के दृष्टिकोण से संलग्न होगी जो गुणित्व प्रकार का होगा सिवाए इस बात के कि उन रखा नौकाओं के प्रचालन के लिए इनका भार 2300 किलोग्राम से अधिक नहीं है, उसकी अभ्यन्तरण स्थिति में सक्रिय-डेविट लगे होंगे।

(9) (क) उपनियम (2) के खण्ड के अनुसरण में बहुत किए जा रहे बचाव तरापे अवतरण साधनों से मुक्त होंगे।

(ख) पोत की प्रत्येक ओर कम से कम ऐसा एक साधित होगा और प्रत्येक ओर लगे हुए साधितों की संख्या में एक से अधिक का अन्तर कभी नहीं होगा।

(10) हर पोत ऐसे बचाव-तरापा बहुत करेगा जो ऐसे अवतरण साधितों युक्त नहीं हो सकेगा जिनमें, उन व्यक्तियों की कुल संख्या के 25 प्रतिशत को स्थान देने के लिए जिसे पोत बहुत करने के लिए प्रमाणित है, उस संख्या के 3 प्रतिशत के लिए उत्प्लवन साधित सहित पर्याप्त धारिता हो:

परन्तु—

(क) यदि उपनियम (2) के खण्ड (ख) के अनुसार बचाव तरापे भी बहुत किए जाते हैं तो पोत द्वारा बहुत किए गए सभी बचाव, तरापे, उपनियम (9) के अनुसरण में पोत पर लगे हुए अवतरण साधितों द्वारा अवतरित होने योग्य होंगे; और

(ख) वह पोत जो 0.33 या उससे कम के प्रविभाग का गुणक रखता है, बदले में केवल व्यक्तियों की कुल संख्या के, जिसे वह बहुत करने के लिए प्रमाणित है, 25 प्रतिशत के लिए उत्प्लवन साधित बहुत कर सकेगा।

(2) (क) हर पोत निम्नलिखित सारणी के अनुसार रखा बोयों की न्यूनतम संख्या बहुत करेगा:—

सारणी 11

पोत की लम्बाई मीटर में

पोत की लम्बाई मीटर में	बहुत कि जाने के लिए अपेक्षित रखा बोयों की न्यूनतम संख्या
61 मीटर से कम	8
61 मीटर और उससे अधिक किन्तु 122 मीटर से कम	12
122 मीटर और उससे अधिक किन्तु 183 मीटर से कम	14
183 मीटर और उससे अधिक किन्तु 244 मीटर से कम	24
244 मीटर और उससे अधिक	30

(ख) इस प्रकार बहुत किए जा रहे रखा बोयों की कुल संख्या के कम से कम आधे में, जो छः से कम नहीं होंगे, स्व-प्रज्वलन बतियों की व्यवस्था होगी;

(ग) कम से कम दो रखा बोयों में, जिसमें स्व-प्रज्वलन बतियों की व्यवस्था है, कम से कम 4 मिनट से टिकने वाले स्पष्ट दृश्यमान वर्ण के दश स्वतः सक्रिय घूम सकेंतों की व्यवस्था

होगी और वे रक्षा बोये जिनमें धूल सतहों का इस प्रकार की व्यवस्था है, नौचालन पुल से शीघ्र मुक्त होने में समर्थ होंगे।

(ब) पोत की प्रत्येक ओर कम से कम एक रक्षा बोये में, लम्बाई से कम से कम 27.5 मीटर की उत्प्लवन रक्षा रस्सों की व्यवस्था होगी।

12(क) हर पोत—

(1) यथास्थिति हर व्यक्ति के लिए या व्यक्तियों की कुल संख्या के लिए जिसे पोत बहन करने के लिए प्रमाणित है, इतने या भी अधिक हैं, पांचवी अनुसूची के भाग 1 की अपेक्षाओं के अनुसार एक रक्षा जाकेट बहन करेगा; और

(2) व्यक्तियों की कुल संख्या के कम से कम वष प्रतिशत के लिए, जिसे पोत बहन करने के लिए प्रमाणित है, पांचवी अनुसूची के भाग 2 की अपेक्षाओं के अनुसार एक रक्षा जाकेट बहन करेगा।

(ख) हर पोत, खण्ड (क) के अनुपालन में बहन की जा रही रक्षा जाकेटों के प्रतिरक्त, व्यक्तियों की उस संख्या के कम से कम पांच प्रतिशत के लिए जिसे वह बहन करने के लिए प्रमाणित है, पांचवी अनुसूची के भाग 1 की अपेक्षाओं के अनुसार एक रक्षा जाकेट भी बहन करेगा और ऐसी रक्षा जाकेट बैंक पर सम्मिलित स्थान पर ठीक प्रकार से रखी जाएगी जो सहज दृश्य रूप से चिह्नित होगा।

(13) हर पोत एक अनुमोचित रस्सों प्रयोग साधित्र बहन करेगा 5. वर्ग 2 के पोत—(1) यह नियम वर्ग 2 के पोतों का लागू होगा।

(2) (क) हर पोत में, उसकी लम्बाई के अनुसार छठी अनुसूची में उपर्युक्त सारणी के स्तम्भ (क) में विनिर्दिष्ट डेविटों के सेटों की न्यूनतम संख्या लगी होगी:

(ख) जहां केन्द्रीय सरकार का इस प्रकार समाधान हो जाता है, वहां वह पोत पर डेविट के सेटों की कम संख्या की व्यवस्था करने की अनुज्ञा देगी परन्तु फिर भी डेविट के सेटों की संख्या छठी अनुसूची के स्तम्भ (ख) में विनिर्दिष्ट न्यूनतम संख्या से कभी कम नहीं होगी:

परन्तु किसी भी पोत में डेविटों के सेटों की उस संख्या का जमा होना अपेक्षित नहीं है जो व्यक्तियों की कुल संख्या को, जिसे बहन करने के लिए पोत प्रमाणित है, स्थान देने के लिए अपेक्षित रक्षा नौकाओं की संख्या से अधिक है।

(3) डेविटों के हर सेट से एक रक्षा नौका संलग्न होगी और उपनियम (8) के उपबन्धों के अधीन रहते हुए इस प्रकार संलग्न रक्षा नौकाओं में, छठी अनुसूची में उपर्युक्त सारणी के स्तम्भ (ग) में विनिर्दिष्ट कम से कम धारिता की या उस धारिता की जो व्यक्तियों की कुल संख्या को, जिसे पोत बहन करने के लिए प्रमाणित है, यदि परिवर्ती धारिता कम हो, स्थान देने के लिए व्यवस्था होगी।

(4) (क) हर पोत पर जब समुद्र में है तब उपनियम (3) के अधीन अपेक्षित दो रक्षा नौकाएं, पोत की प्रत्येक ओर एक-एक भ्रापात में तत्काल प्रयोग के लिए तैयार रखी जाएंगी।

(ख) खण्ड (क) में निविष्ट दोनों रक्षा नौकाओं में से कोई भी लम्बाई में 8.5 मीटर से अधिक नहीं होगी किन्तु वे मीटर रक्षा नौकाएं या रक्षा नौकाएं हो सकती हैं और उपनियम (5) के अनुपालन के प्रयोजन के लिए उनकी गणना की जा सकती है।

(ग) नियम 60 के उपनियम (13) के उपबन्धों के होने हुए भी, इन रक्षा नौकाओं में स्केटों या अन्य उभयकन साधित्रों का लगा होना अपेक्षित नहीं होता।

(5) हर पोत अपनी प्रत्येक ओर कम से कम एक मोटर रक्षा नौका बहन करेगा:

परन्तु किसी ऐसे पोत से जो 30 से अधिक व्यक्तियों को बहन करने के लिए प्रमाणित है, केवल एक ऐसी मोटर रक्षा नौका बहन करने की अपेक्षा की जाएगी।

(6) उपनियम (7) और (8) के उपबन्धों के अधीन रहते हुए, जब उपनियम (3) के अनुपालन में बहन की जा रही रक्षा नौकाओं में, उन व्यक्तियों की कुल संख्या के लिए, जिन्हें पोत बहन करने के लिए प्रमाणित है, स्थान नहीं है तो ऐसे स्थान देने की कमी की पूर्ति के लिए डेविटों के प्रतिरक्त सेट, जिनमें प्रत्येक में रक्षा नौका संलग्न हो, लगे होंगे।

(7) यदि केन्द्रीय सरकार की राय में यतयात को अधिकता के कारण ऐसा अपेक्षित है तो यह, किसी पोत को, जो अधिनियम का धारा 284 के अधीन बनाए गए नियमों के उपबन्धों के अनुसार उचितप्रमाणित है, उपनियम (3) के अनुपालन में उस पोत पर रक्षा नौकाओं की व्यवस्थित धारिता से अधिकतम व्यक्तियों को बहन करने के लिए अनुज्ञा दे सकती है।

परन्तु—

(क) जब ऐसे किसी पोत की केन्द्रीय सरकार द्वारा, भारत में किसी पत्तन या स्थान से अन्तर्राष्ट्रीय समुद्र यात्रा पर जो 800 मील से अधिक किन्तु 1200 मील से अधिक नहीं है, भारत में गत विश्राम पत्तन या स्थान से बाहर अन्तिम गंतव्य पत्तन या स्थान तक समुद्र में जाने के लिए अनुज्ञा दी जाती है तो वह पोत के फनर पर स्थित व्यक्तियों के कम से कम पचहत्तर प्रतिशत को स्थान देने के लिए डेविटों से संलग्न रक्षा नौकाएं बहन करेगा,

(ख) सभी दशाओं में बहन किए जाने वाले बचाव तरापों की संख्या इतनी होगी जिससे यह सुनिश्चित हो जाए कि बचाव तरापों के साथ रक्षा नौकाओं की कुल संख्या, व्यक्तियों की कुल संख्या को, जिसे पोत बहन करने के लिए प्रमाणित है, बहन करने के लिए अनुज्ञात है, स्थान देने के लिए पर्याप्त होगी, और

(ग) यदि ऐसे किसी पोत में दो कक्ष वाले मानक के प्रविभाग की निरन्तर व्यवस्था नहीं हो सकती है, तो वह, उन व्यक्तियों के दस प्रतिशत को, जिन्हें यह बहन करने के लिए प्रमाणित है, या अनुज्ञात है, स्थान देने के लिए पर्याप्त कुल धारिता के बचाव तरापे बहन करेगा, ऐसे बचाव तरापे उनके प्रतिरक्त होंगे जिनकी यथास्थिति इस परन्तु के खण्ड (ख) के या उपनियम (8) के परन्तु के खण्ड (ख) के ओर उपनियम 12 के अनुपालन में व्यवस्था किया जाना अपेक्षित है।

(8) जहां केन्द्रीय सरकार को समाधानप्रद रूप से यह दृष्टित कर दिया जाता है कि लघु अन्तर्राष्ट्रीय समुद्र यात्रा पर लगे हुए किसी पोत में, रक्षा नौकाओं की संख्या कम किये बिना उपनियम (7) के अनुसरण में बहन किए जाने के लिए अपेक्षित बचाव तरापों का समाधानप्रद रूप से भरा जाना असंभव है वहां केन्द्रीय सरकार, उपनियम (2) के अधीन लगाए जाने के लिए अपेक्षित डेविटों के सेटों की संख्या और उपनियम (3) के अधीन डेविटों के संलग्न किए जाने के लिए अपेक्षित रक्षा नौकाओं की संख्या को कम करने के लिए, अनुज्ञा दे सकती है; परन्तु—

(क) उस पोत की दशा में जिसकी लम्बाई 58.5 मीटर से अधिक है बहन किए जाने के लिए रक्षा नौकाओं की संख्या कभी



भी चार से कम नहीं होगी, जिसमें से दो-दो पीन का प्रत्येक और हागी और उन पीन की दशा में जिसकी लम्बाई 58.5 मीटर से कम है वहन किए जाने के लिए रक्षा नौकाओं की संख्या कभी भी दो से कम नहीं होगी जिसमें से एक एक पीन की प्रत्येक और वहन की जाएगी।

(ख) सभी दशाओं में रक्षा नौकाओं और बचाव तरापों की संख्या मदैव उन व्यक्तियों की कुल संख्या को जिसे पीन वहन करने के लिए प्रमाणित या अनुज्ञात है, स्थान देने के लिए पर्याप्त होगी, और

(ग) उन पीन की दशा में, जिसमें वहन का जा रहें रक्षा नौकाओं का कुल धारिता छोटी अनुसूची में उपबर्णित सग्नल के स्तम्भ ग में विनिर्दिष्ट धारिता से कम है नियम 61 के उपनियम (2) में विनिर्दिष्ट साधनों द्वारा अवतरण किए जाने योग्य अतिरिक्त बचाव तरापों की व्यवस्था की जाएगी।

(घ) इस प्रकार वास्थित बचाव तरापों की संख्या इतनी होगी जिसमें यह सुनिश्चित हो जाए कि बचाव तरापों की कुल धारिता कम से कम, रक्षा नौकाओं की कुल धन धारिता और छोटी अनुसूची के स्तम्भ ग में विनिर्दिष्ट धन धारिता के अन्तर की 10 से विभाजित करने से प्राप्त संख्या बराबर है। यह इस शर्त के अधीन रहते हुए है कि :-

- (1) ऐसे अतिरिक्त बचाव, तरापे कम से कम 40 व्यक्तियों को स्थान देने के लिए पर्याप्त होंगे।
- (2) पीन की प्रत्येक और कम से कम एक अवतरण साधन की व्यवस्था है, और
- (3) पीन की प्रत्येक और जो हुए अवतरण साधनों की संख्या का अन्तर एक से अधिक नहीं है।

(9) हर पीन में, इस नियम को अनुपालन में वहन की जा रही रक्षा नौकाएँ लंबाई में 7.3 मीटर से कम नहीं होगी।

(10) हर पीन में इस नियम के अनुपालन में वहन किए जाने के लिए अपेक्षित डेबिट युक्त प्रकार के होंगे सिवाए इसके कि रक्षा नौकाओं के प्रचालन के लिए जिनका भार 2300 किनोग्राम से अधिक नहीं है, उनकी अवतरण स्थिति में कीफिंग डेबिट लगाए जा सकेंगे।

(11) हर पीन जो अपनी प्रत्येक और एक मीटर रक्षा नौका जिसमें नियम 56 के उपनियम (1) में विनिर्दिष्ट उपस्कर की व्यवस्था है, वहन नहीं करता, वह एक सुबाह्य रेडियो उपस्कर वहन करेगा जो नियम 65 के उपबन्धों का अनुपालन करेगा :

परन्तु यदि किसी पीन के बारे में केन्द्रीय सरकार का गमाधान हो जाता है कि समुद्र यात्रा की अधि ऐसी है कि सुबाह्य रेडियो उपस्कर को ले जाना आवश्यक है तो वह इस नियम की अपेक्षाओं से अभिमुक्ति की अनुज्ञा दे सकेगा।

(12) हर पीन, उपनियम (7) और (8) के अनुसरण में वहन किए जा रहे किसी बचाव तरापों के अतिरिक्त और बचाव तरापे वहन करेगा जो उन व्यक्तियों की कुल संख्या के दस प्रतिशत को स्थान देने के लिए, जिनके लिए पीन में रक्षा नौका स्थान की व्यवस्था है, पर्याप्त है।

(13) हर पीन, उन व्यक्तियों की कुल संख्या के पाँच प्रतिशत को जिनमें पीन वहन करने के लिए प्रमाणित है समान करने के लिए पर्याप्त उत्पन्न साधन वहन करेगा।

(14) (क) हर पीन निम्नलिखित सारणी के अनुसार अवधारित रक्षा बायो की कम से कम संख्या वहन करेगा—

#### सारणी

पीन की लंबाई मीटर में	वहन किए जाने के लिए अपेक्षित रक्षा बायो की न्यूनतम संख्या
61 मीटर से कम	8
61 मीटर और उससे अधिक किन्तु 122 मीटर से कम	12
122 मीटर और उससे अधिक किन्तु 183 मीटर से कम	18
183 मीटर और उससे अधिक किन्तु 244 मीटर से कम	24
244 मीटर और उससे अधिक	30

(ख) इस प्रकार वहन की जा रही रक्षा बायो की कुल संख्या के कम से कम में जो वह छह से कम नहीं होंगे दश स्वप्रज्वलन बलियों की व्यवस्था होगी।

(ग) कम से कम दो रक्षा बायों में, जिनमें स्वप्रज्वलन बलियों की व्यवस्था है, कम से कम 15 मिनट टिकने वाले स्पष्ट दृश्यमान वर्ण के कुणल स्वतः सक्रिय धूम्र भस्मों की भी व्यवस्था होगी और रक्षा बाय जिनमें धूम्र भस्मों की इस प्रकार की व्यवस्था है, नौचालन पूल से शीघ्र मुक्त होने में समर्थ होंगे।

(घ) पीन की प्रत्येक और कम से कम एक रक्षा बायो में, लंबाई में कम से कम 27.5 मीटर की उत्पन्न रक्षा रस्ती की व्यवस्था होगी।

(15) (क) हर पीन—

(1) फलक पर के यथाम्यति, हर व्यक्ति के लिए या व्यक्तियों की उस संख्या के लिए जिसे पीन वहन करने के लिए प्रमाणित है, इनमें जो भी अधिक है, पाँचवी अनुसूची के भाग-1 की अपेक्षाओं के अनुपालन में एक रक्षा जाकेट वहन करेगा, और

(2) व्यक्तियों की कुल संख्या के कम से कम दस प्रतिशत के लिए, जिसे पीन वहन करने के लिए प्रमाणित है, पाँचवी अनुसूची के भाग की अपेक्षाओं के अनुपालन में एक रक्षा जाकेट वहन करेगा।

(ख) हर पीन, खंड (क) के अनुपालन में वहन की जा रही रक्षा जाकेटों के अतिरिक्त, व्यक्तियों की उस संख्या के कम से कम पाँच प्रतिशत के लिए जिसे पीन वहन करने के लिए प्रमाणित है, पाँचवी अनुसूची के भाग-1 की अपेक्षाओं के अनुपालन में रक्षा जाकेट भी वहन करेगा, और ऐसी रक्षा जाकेट डेक पर समुचित स्थान पर ठीक प्रकार से रखी जाएंगी जो सहजदृश्य रूप से चिह्नित होंगी।

(16) हर एक पीन एक अनुमोदित रस्ती प्रक्षेपण साधन वहन करेगा।

6. बग 3 के पीन—(1) यह नियम बग 3 के पीनों को लागू होगा।

(2) बग 3 का हर पीन—

(क) पीन की प्रत्येक और रक्षा नौकाओं की ऐसी संख्या वहन करेगा जिनकी कुल धारिता, उन व्यक्तियों की कुल संख्या के आधे को जिनमें पीन वहन करने के लिए प्रमाणित है, स्थान देने के लिए पर्याप्त हो, या

(ख) रक्षा नौकाओं और बचाव त्त्रणों को ऐसी संध्या बहुत करेगा जिनकी कुल धारिता व्यक्तियों की कुल संख्या का, जिन्हें पोत बहुत करने के लिए प्रमाणित है, स्थान देने के लिए पर्याप्त होगी:

परन्तु पोत की प्रत्येक और बहुत की जा रही नौकाएँ, जो व्यक्तियों की कुल संख्या के जिन्हें पोत बहुत करने के लिए प्रमाणित है, 35 प्रतिशत को आवश्यक स्थान देने के लिए कभी भी कम नहीं होगी।

(3) (क) हर पोत पर जब वह समुद्र में है तब इस नियम के उपनियम (2) के अधीन अपेक्षित दो रक्षा नौकाएँ पोत की प्रत्येक और एक-एक, आपात में तत्काल प्रयोग के लिए तैयार रखी जाएंगी।

(ख) खंड (क) में निर्दिष्ट रक्षा नौकाओं में से कोई भी लम्बाई में 8.5 मीटर से अधिक नहीं होगी किन्तु वे मोटर रक्षा नौकाएँ हों मकेंगी और उपनियम (4) के अनुपालन के प्रयोजन के लिए उनकी गणना की जा सकेगी।

(ग) नियम 60 के उपनियम (13) के उपबन्धों के दोते हुए भी, इन रक्षा नौकाओं में स्केटों या अन्य उपयुक्त साधनों का लाना होना अपेक्षित नहीं होगा।

(4) हर पोत अपनी प्रत्येक और कम से कम एक मोटर रक्षा नौका बहुत करेगा;

परन्तु किसी ऐसे पोत से, जो 30 से अधिक व्यक्तियों का बहुत करने के लिए प्रमाणित है, केवल एक ही ऐसी मोटर रक्षा नौका बहुत करने की अपेक्षा की जाएगी।

(5) (क) हर पोत में, जो 1500 या उससे अधिक व्यक्तियों को बहुत करने के लिए प्रमाणित है, उपनियम (4) के अनुपालन में बहुत की हुई प्रत्येक मोटर रक्षा नौका में नियम 56 के उपनियम (1) में विनिर्दिष्ट उपस्कर होंगे।

(ख) हर पोत में, जो 199 से अधिक किन्तु 1500 से कम व्यक्तियों को बहुत करने के लिए प्रमाणित है, उपनियम (4) के अनुपालन में बहुत की जा रही मोटर रक्षा नौकाओं में से कम से कम एक में नियम 56 के उपनियम (1) में विनिर्दिष्ट उपस्कर की व्यवस्था होगी।

(ग) किसी पोत के फलक पर, जिसकी कोल 26 मई, 1965 को या उसके पश्चात् रखी गई थी, हर मोटर रक्षा नौका में जो इस नियम के अनुपालन में बहुत की जा रही है, नियम 56 के उपनियम (2) में निर्दिष्ट उपस्कर की व्यवस्था होगी।

(6) हर पोत जो अपनी प्रत्येक और उपनियम (5) की खण्ड (क) के अधीन यथा अपेक्षित मोटर रक्षा नौका बहुत नहीं करता है, एक मुवाह्य रेडियो उपस्कर भी बहुत करेगा जो नियम 65 के उपबन्धों का अनुपालन करेगा।

(7) इस नियम के अनुपालन में बहुत की जा रही प्रत्येक रक्षा नौका की लंबाई 7.3 मीटर से कम नहीं होगी।

(8) हर रात में प्रत्येक रक्षा नौका डेबिटों के पृथक सेट में संलग्न होंगे जो गुरुत्व प्रकार का होगा, सिवाए इसके कि यथास्थिति, उन रक्षा नौकाओं या नौकाओं के प्रचालन के लिए जिनका भार 2300 किलोग्राम से अधिक नहीं है, उनकी अवतरण स्थिति में लफिंग डेबिट लगे होंगे।

(9) हर पोत पर्याप्त धारिता के बचाव तराफे या उत्पन्न साधन बहुत करेगा जिनमें उन व्यक्तियों की कुल संख्या के 25 प्रतिशत को स्थान देने के लिए, जिसे पोत बहुत करने के लिए प्रमाणित है:

परन्तु इस नियम के अधीन किसी पोत में बहुत किए जा रहे बचाव तराफे जो व्यक्तियों की कुल संख्या के, जिसे पोत बहुत करने के लिए प्रमाणित है, कम से कम दस प्रतिशत का स्थान देने के लिए पर्याप्त हो।

(10) (क) हर एक पोत, निम्नलिखित सारणी के अनुसार रक्षा बॉयों की कम से कम संख्या बहुत करेगा:

#### सारणी

पोत की लंबाई मीटर में	बहुत किए जाने के लिए अपेक्षित रक्षा बॉयों की न्यूनतम संख्या
61 मीटर से कम	8
61 मीटर और उससे अधिक किन्तु 122 मीटर से कम	12
122 मीटर और उससे अधिक किन्तु 183 मीटर से कम	18
183 मीटर और उससे अधिक किन्तु 244 मीटर से कम	24
244 मीटर और उससे अधिक	30

(ख) इस प्रकार बहुत किए जा रहे रक्षा बॉयों की कुल संख्या से कम से कम आधे में, जो छह से कम नहीं होंगे कुशल स्वप्रज्वलन बलियों की व्यवस्था होगी।

(ग) कम से कम दो रक्षा बॉयों में, जिनमें स्वप्रज्वलन बलियों की व्यवस्था है कम से कम 15 मिनट टिकने वाले स्पष्ट दृश्यमान वर्ण के धूम उत्पन्न करने में समर्थ दस रक्षा बॉयों की भी व्यवस्था होगी वे रक्षा बॉय, और जिनमें धूम संकेतों की इस प्रकार व्यवस्था होगी नौकालन कक्ष से शीघ्र मुक्त होने में समर्थ होंगे।

(घ) पोत की प्रत्येक और कम से कम एक रक्षा बॉय में, लम्बाई में कम से कम 27.5 मीटर की उत्पन्न रक्षा रस्सी की व्यवस्था होगी।

(11) (क) हर पोत--

(1) फलक पर के यथास्थिति, हर व्यक्ति के लिए या व्यक्तियों की कुल संख्या के लिए जिन्हें पोत बहुत करने के लिए प्रमाणित है, इनमें जो भी अधिक है, पांचवीं अनुसूची के भाग-1 की अपेक्षाओं के अनुपालन में एक रक्षा जाकेट बहुत करेगा और

(2) व्यक्तियों की कुल संख्या के कम से कम दस प्रतिशत के लिए, जिसे पोत बहुत करने के लिए प्रमाणित है, पांचवीं अनुसूची के भाग-2 की अपेक्षाओं के अनुपालन में एक रक्षा जाकेट बहुत करेगा।

(ख) हर पोत, खंड (क) के अनुपालन में बहुत की जा रही रक्षा जाकेटों के अतिरिक्त, व्यक्तियों की उस संख्या के कम से कम पांच प्रतिशत के लिए जिसे वह बहुत करने के लिए प्रमाणित है, पांचवीं अनुसूची के भाग-1 की अपेक्षाओं के अनुपालन में रक्षा जाकेट भी बहुत करेगा, और ऐसी रक्षा जाकेट डेक पर अनुमूर्चित स्थान पर ठीक प्रकार से रखी जाएगी जो सहज-दृश्य रूप से चिह्नित होगा।

(12) हर पोत एक अनुमूर्चित रस्सी प्रक्षेपण साधन बहुत करेगा।

7. वर्ग 4 के पोत-- (1) वह नियम वर्ग 4 के पोतों की लागू होगा।

(2) (क) हर पोत में, उसकी लम्बाई के अनुसार छोटी अनुसूची में उपबर्णित सारणी के स्तम्भ (क) में विनिर्दिष्ट डेविटों के सेटों की न्यूनतम संख्या लगी होगी।

(ख) जहाँ केन्द्रीय सरकार का इस प्रकार समाधान हो जाना है वहाँ वह पोत पर डेविटों के सेटों की कम संख्या की व्यवस्था करने के लिए अनुज्ञा होगी परन्तु फिर भी डेविटों के सेटों की संख्या छोटी अनुसूची के स्तम्भ (ख) में विनिर्दिष्ट न्यूनतम संख्या से कभी भी कम नहीं होगी :

परन्तु किसी भी पोत में, डेविटों के सेटों की उस संख्या का लगा होना अपेक्षित नहीं है जो व्यक्तियों की कुल संख्या को, जिन्हें पोत बहान करने के लिए प्रमाणित है, स्थान देने के लिए अपेक्षित रक्षा नौकाओं की संख्या से अधिक है।

(3) डेविटों के हर ऐसे सेट से एक रक्षा नौका संलग्न होगी और इस प्रकार संलग्न रक्षा नौकाओं में छोटी अनुसूची में उपबर्णित सारणी के स्तम्भ ग में विनिर्दिष्ट कम से कम धारिता की या उस धारिता की जो व्यक्तियों की कुल संख्या को, जिन्हें पोत बहान करने के लिए प्रमाणित है, यदि परवर्ती धारिता कम हो, स्थान देने के लिए व्यवस्था होगी।

(4) (क) हर पोत पर, जब समुद्र में है तब उपनियम (3) के अधीन अपेक्षित दो रक्षा नौकाएँ पोत के प्रत्येक ओर एक-एक, आपात में तत्काल प्रयोग के लिए तैयार रखी जाएंगी।

(ख) खंड (क) में निविष्ट दोनों रक्षा नौकाओं में से कोई भी लम्बाई में 8.5 मीटर से अधिक नहीं होगी, किन्तु मोटर रक्षा नौकाएँ या रक्षा नौकाएँ हो सकती हैं, और उपनियम (5) के अनुपालन के प्रयोजन के लिए उनकी गणना की जा सकती है।

(ग) नियम 60 के उपनियम (13) के उपबन्धों के होते हुए भी, इन रक्षा नौकाओं में स्केटों या अन्य उद्युक्त साधनों का लगा होना अपेक्षित नहीं होगा।

(5) हर पोत कम से कम एक मोटर रक्षा नौका बहान करेगा।

(6) जहाँ उपनियम (3) के अनुपालन में बहान की जा रही रक्षा नौकाओं में पोत पर व्यक्तियों की कुल संख्या के लिए स्थान नहीं है वहाँ उपयुक्त रूप से रखे हुए बचाव तरापों की इस प्रकार व्यवस्था की जाएगी कि रक्षा नौकाओं और बचाव तरापों पर स्थान के लिए की गई व्यवस्था पोत पर के सभी व्यक्तियों के लिए पर्याप्त हो।

(7) उपनियम (6) में किसी बात के होते हुए भी वर्ग 4 का कोई पोत रक्षा नौका की धारिता से अधिक व्यक्तियों को नहीं ले जाएगा जब तक कि केन्द्रीय सरकार सुवर्ण समय पर यातायात की मात्रा के लिए न दें।

(8) जहाँ उपनियम (7) के उपबन्धों के अधीन पोत की रक्षा नौका की धारिता से अधिक व्यक्तियों को ले जाने के लिए अनुज्ञा दी जाती है और केन्द्रीय सरकार का समाधान हो जाना है कि रक्षा नौकाओं को कम किए बिना उस पोत में उपनियम (6) के अनुसार बहान किए जाने वाले बचाव तरापों की रचना असाध्य है तो वह उस पोत में ले जाए जाने वाले रक्षा नौकाओं की संख्या को कम करने की अनुज्ञा दे सकेगा। परन्तु—

(1) उस पोत की दशा में जिसकी लंबाई 58 मीटर या इससे अधिक है, बहान किए जाने के लिए रक्षा नौकाओं की संख्या कभी भी चार से कम नहीं होगी, जिनमें से दो-दो पोत की प्रत्येक ओर होंगी और उस पोत की

दशा में जिसकी लंबाई 58 मीटर से कम है बहान किए जाने के लिए रक्षा नौकाओं की संख्या कभी भी दो से कम नहीं होगी जिनमें से एक-एक पोत के प्रत्येक ओर बहान की जाएगी ;

(2) रक्षा नौकाओं और बचाव तरापों की संख्या सर्वत्र पोत पर कुल व्यक्तियों की संख्या को स्थान देने के लिए पर्याप्त होगी ;

(3) जहाँ रक्षा नौकाओं में छोटी अनुसूची में उपबर्णित सारणी के स्तम्भ ग में अपेक्षित धारिता नहीं है वह उस कमी को दूर करने के लिए व्यवस्थित बचाव तरापे नियम 61 में निविष्ट युक्तियों द्वारा, जहाँ तक साध्य हो विवरण योग्य होंगे।

(9) यदि केन्द्रीय सरकार की राय में यातायात की अधिकता के कारण ऐसा अपेक्षित है तो वह किसी पोत को भारत में किसी पत्तन या स्थान से अन्तर्राष्ट्रीय समुद्र यात्रा पर जो 600 मील से अधिक नहीं है भारत में गत विश्राम पत्तन या स्थान से भारत के बाहर अंतिम गन्तव्य पत्तन या स्थान तक समुद्र में जाने के लिए अनुज्ञा दे सकेगी :

परन्तु यह तब जब —

(1) पोतकलक पर के व्यक्तियों के कम से कम 20 प्रतिशत को स्थान देने वाली डेविटों से संलग्न रक्षा नौकाएँ बहान करता है ; और

(2) कलक पर बहान की जा रही रक्षा नौकाओं और बचाव तरापों की संख्या व्यक्तियों की कुल संख्या को, जिन्हें पोत बहान करने के लिए प्रमाणित या अनुज्ञात है स्थान देने के लिए पर्याप्त है।

(10) हर पोत में, इस नियम के अनुपालन में बहान की जा रही रक्षा नौकाओं की लम्बाई 2.3 मीटर से कम नहीं होगी।

(11) हर पोत में इस नियम के अनुपालन में बहान किए जाने के लिए अपेक्षित डेविट गुरुत्व प्रकार के होंगे, सिवाय इस बात के कि उन रक्षा नौकाओं या नौकाओं के प्रकाशन के लिए जिनका भार 2350 किलोग्राम से अधिक नहीं है, उनकी अवतरण स्थिति में लॉफा डेविट लगाए जा सकेंगे।

(12) उपनियम (5) के अनुसरण में बहान की जा रही हर मोटर रक्षा नौका एक सुबाह्य रेडियो उपस्कर बहान करेगी जो नियम 15 के उपबन्धों का अनुपालन करेगा :

परन्तु यदि किसी पोत या पोतों के किसी वर्ग के बारे में केन्द्रीय सरकार का समाधान हो जाना है कि समुद्र यात्रा की अवधि ऐसी है कि सुबाह्य रेडियो उपस्कर को ले जाना आवश्यक है तो वह इस उपनियम की अपेक्षाओं से अभिसृक्ति की अनुज्ञा दे सकेगी।

(13) हर पोत, यथास्थिति, उपनियम (6) या उपनियम (9) के अधीन बहान की जा रही रक्षा नौकाओं और बचाव तरापों के अनिवार्य बचाव तरापे या उद्भवन साधन बहान करेगा जो उन व्यक्तियों की कुल संख्या के इस प्रतिशत को स्थान देने के लिए, जिन्हें पोत बहान करने के लिए प्रमाणित है, पर्याप्त है :

परन्तु पोत में इस उपनियम के अधीन बहान किए जा रहे बचाव तरापों की संख्या कभी भी उसमें कम नहीं होगी जो व्यक्तियों की कुल संख्या के पाँच प्रतिशत को स्थान देने के लिए जिन्हें पोत बहान करने के लिए प्रमाणित है, अपेक्षित है।

- (14) (क) हर पोल निम्नलिखित सारणी के अनुसार रक्षा बोयों की कम से कम संख्या बहुत करेगा :—

**सारणी**

पोल की लंबाई मीटर में	बहुत किए जाने के लिए अतिरिक्त रक्षा बोयों की न्यूनतम संख्या
61 मीटर से कम	8
61 मीटर और उससे अधिक किन्तु 122 मीटर से कम	12
122 मीटर और उससे अधिक किन्तु 183 मीटर से कम	18
183 मीटर और उससे अधिक किन्तु 244 मीटर से कम	24
244 मीटर और उससे अधिक	30

- (ख) इस प्रकार बहुत किए जा रहे रक्षा बोयों की कुल संख्या से कम से कम आधे में, जो छह से कम नहीं होंगे, दश स्वप्रचलन बतियों की व्यवस्था होगी।
- (ग) कम से कम दो रक्षा बोयों में स्वप्रचलन बतियों की व्यवस्था है, कम से कम 15 मिनट टिकने वाले स्पष्ट दृश्यमान बार् के घूर्ण उत्पन्न करने में समर्थ दश स्वतः सक्रिय घूर्ण संकेत की भी व्यवस्था होगी और वे रक्षा बोय जिनमें घूर्ण संकेतों की इस प्रकार व्यवस्था हो नौचालन पुल से शीघ्र मुक्त होने में समर्थ होंगे।

- (घ) पोल की प्रत्येक और कम से कम एक रक्षा बोय में, लम्बाई में कम से कम 27.5 मीटर की उत्पन्न रक्षा रस्सी की व्यवस्था होगी।

- (15) (क) हर पोल —

- (1) फलक पर के, यथास्थिति, हर व्यक्ति के लिए या व्यक्तियों की उस संख्या के लिए जिसे पोल बहुत करने के लिए प्रमाणित है, उनमें जो भी अधिक है, पांचवीं अनुसूची के भाग-1 की अपेक्षाओं के अनुपालन में एक रक्षा जाकेट बहुत करेगा ; और
- (2) व्यक्तियों की कुल संख्या के कम से कम दस प्रतिशत के लिए जिसे पोल बहुत करने के लिए प्रमाणित है पांचवीं अनुसूची के भाग-2 की अपेक्षाओं के अनुपालन में एक रक्षा जाकेट बहुत करेगा।

- (ख) हर पोल, खण्ड (क) के अनुपालन में बहुत की जा रही रक्षा जाकेटों के अतिरिक्त, व्यक्तियों की उस संख्या के कम से कम पांच प्रतिशत के लिए जिसे वह बहुत करने के लिए प्रमाणित है, पांचवीं अनुसूची के भाग-1 की अपेक्षाओं के अनुपालन में, रक्षा जाकेट भी बहुत करेगा और ऐसी रक्षा जाकेट डेक पर समुचित स्थान पर ठीक प्रकार से रखी जाएंगी जो सहजदृश्य रूप में चिह्नित होगी।

- (16) हर पोल एक अनुमोदित रस्सी संश्लेषण माधिल बहुत करेगा।

8. बग 5 के पोल - (1) यह नियम बग 5 के पालों को लागू होगा।

- (2) (क) हर पोल में, उसकी लम्बाई के अनुसार छठी अनुसूची में उपरिणित सारणी के स्तम्भ ग में विनिर्दिष्ट डेविटों के सैटों की न्यूनतम संख्या लगी होगी।

- (ख) जहाँ केन्द्रीय सरकार का इस प्रकार समाधान हो जाता है, बड़ा वह पोल पर डेविटों के सैटों की कम संख्या की व्यवस्था करने

के लिए अनुज्ञा देगी परन्तु फिर भी डेविटों के सैटों की संख्या छठी अनुसूची के स्तम्भ ख में विनिर्दिष्ट न्यूनतम संख्या से कभी भी कम नहीं होगी :

परन्तु किसी भी पोल में डेविटों के सैटों की उस संख्या का लगा होना अपेक्षित नहीं है जो व्यक्तियों की कुल संख्या को जिसे पोल बहुत करने के लिए प्रमाणित है, स्थान देने के लिए अतिरिक्त रक्षा नौकाओं की संख्या से अधिक है।

- (3) डेविटों के हर ऐसे सैट से एक रक्षा नौका संलग्न होगी और इस प्रकार संलग्न रक्षा नौकाओं में छठी अनुसूची में उपरिणित सारणी के स्तम्भ ग में विनिर्दिष्ट कम से कम धारिता की या उस धारिता की जो व्यक्तियों की कुल संख्या को, जिसे पोल बहुत करने के लिए प्रमाणित है, यदि परवर्ती धारिता कम हो स्थान देने के लिए व्यवस्था होगी।

- (4) हर पोल कम से कम एक मोटर रक्षा नौका बहुत करेगा।

- (5) उपनियम (3) के अनुसरण में बहुत की जा रही रक्षा नौकाओं के साथ-साथ ऐसी अतिरिक्त रक्षा नौकाएं और वचाव नगरे या उत्पन्न साधन बहुत किया जाएगा जो व्यक्तियों की कुल संख्या के लिए जिसे पोल बहुत करने के लिए प्रमाणित है, पर्याप्त होगा ;

परन्तु रक्षा नौकाएं व्यक्तियों की कुल संख्या के 25 प्रतिशत से अन्यून को स्थान देने के लिए जिसे पोल बहुत करने के लिए प्रमाणित है, बहुत की जाएगी।

- (6) इस नियम के अनुसार बहुत की जा रही रक्षा नौकाएं जहाँ युक्ति-युक्त और साध हों, लम्बाई में 7.3 मीटर से कम नहीं होगी।

- (7) इस नियम के अनुपालन में लगाए जाने के लिए अपेक्षित डेविट मुख्य प्रकार के होंगे मिलाए इस बात के कि उन रक्षा नौकाओं या नौकाओं के प्रचालन के लिए जिनका भार 2300 किलोग्राम से अधिक नहीं है, उनके अवनत स्थिति में सक्रिय डेविट लगाए जा सकेंगे।

- (8) उपनियम (4) के अनुसरण में बहुत की जा रही हर मोटर रक्षा नौका एक सुबाह्य रेडियो उपस्कर बहुत करेगी जो नियम 65 के उपबन्धों का अनुपालन करेगा।

- (9) (क) हर पोल निम्नलिखित सारणी के अनुसार बोयों की कम से कम संख्या बहुत करेगा :—

**सारणी**

पोल की लंबाई मीटर में	बहुत किए जाने के लिए अतिरिक्त रक्षा बोयों की न्यूनतम संख्या
61 मीटर से कम	8
61 मीटर और उससे अधिक किन्तु 122 मीटर से कम	12
122 मीटर और उससे अधिक किन्तु 183 मीटर से कम	18
183 मीटर और उससे अधिक किन्तु 244 मीटर से कम	24
244 मीटर और उससे अधिक	30

- (ख) इस प्रकार बहुत किए जा रहे रक्षा बोयों की कुल संख्या के कम से कम आधे में, जो छह से कम नहीं होंगे, दश स्वप्रचलन बतियों की व्यवस्था होगी।

- (ग) पोल की प्रत्येक और कम से कम एक रक्षा बोय में, लम्बाई में कम से कम 27.5 मीटर की उत्पन्न रक्षा रस्सी की व्यवस्था होगी।



## (10) (7) हर पोट-

(1) फलक पर के, यथास्थिति, हर व्यक्ति के लिए, या व्यक्तियों की उस संख्या के लिए जिसे पोट बहुत करने के लिए प्रमाणित है, उनमें जो भी अधिक है, पांचवी अनुसूची के भाग-1 की अपेक्षाओं के अनुपालन में एक रक्षा जाकेट बहुत करेगा; और

(2) व्यक्तियों की कुल संख्या के कम से कम दस प्रतिशत के लिए, जिसे पोट बहुत करने के लिए प्रमाणित है, पांचवी अनुसूची के भाग-2 की अपेक्षाओं के अनुपालन में एक रक्षा जाकेट बहुत करेगा।

(ख) हर पोट, खण्ड (क) के अनुपालन में बहुत की जा रही रक्षा जाकेटों के अतिरिक्त, व्यक्तियों की उस संख्या के कम से कम पांच प्रतिशत के लिए जिसे पोट बहुत करने के लिए प्रमाणित है, पांचवी अनुसूची के भाग-1 की अपेक्षाओं के अनुपालन में रक्षा जाकेट भी बहुत करेगा और ऐसी रक्षा जाकेट डेक पर समुचित स्थान पर ठीक प्रकार से रखा जाएगा जो सहजदृश्य रूप में चिह्नित होगा।

(11) हर पोट एक अनुमोदित रस्सी प्रक्षेपण साधन बहुत करेगा।

9. बर्ग 2 के पोट—(1) यह नियम बर्ग 6 के पोटों को लागू होगा।

(2) (क) हर पोट में उसकी लम्बाई के अनुसार छठी अनुसूची में उपबर्णित सारणी के स्तम्भ 'क' में विनिर्दिष्ट डेविटों के सेटों की न्यूनतम संख्या लगी होगी।

(ख) जहाँ केन्द्रीय सरकार का समाधान हो जाता है वहाँ वह पोट पर डेविटों के सेटों की कम संख्या की व्यवस्था करने के लिए अनुज्ञा देगी परन्तु फिर भी डेविटों के सेटों की संख्या छठी अनुसूची के स्तम्भ 'ख' में विनिर्दिष्ट न्यूनतम से कभी भी कम नहीं होगी।

परन्तु किसी भी पोट में डेविटों के सेटों की उस संख्या का लगा होना अपेक्षित नहीं है जो व्यक्तियों की कुल संख्या को, जिसे पोट बहुत करने के लिए प्रमाणित है स्थान देने के लिए अपेक्षित रक्षा नौकाओं की संख्या से अधिक है।

(3) डेविटों के हर ऐसे सेट से एक रक्षानौका संलग्न होगी और इस प्रकार संलग्न रक्षा नौकाओं में छठी अनुसूची में उपबर्णित सारणी के स्तम्भ 'ग' में विनिर्दिष्ट कम से कम धारिता की या उस धारिता की जो व्यक्तियों की कुल संख्या को जिसे पोट बहुत करने के लिए प्रमाणित है यदि परवर्ती धारिता कम हो, स्थान देने के लिए व्यवस्था होगी।

(4) हर पोट कम से कम एक मोटर रक्षा नौका बहुत करेगा।

(5) हर पोट में इस नियम के अनुपालन में बहुत की जा रही रक्षा नौकाएं लम्बाई में 7.3 मीटर से कम नहीं होंगी,

(6) जहाँ उप-नियम (3) के अनुपालन में बहुत की जा रही रक्षा नौकाओं में पोट पर व्यक्तियों की कुल संख्या के लिए स्थान नहीं है वहाँ उपयुक्त रूप से रखे हुए बचाव तरापों की इस प्रकार व्यवस्था की जाएगी कि रक्षा नौकाओं और बचाव तरापों पर स्थान के लिए, कौ गई व्यवस्था पोट पर के सभी व्यक्तियों के लिए पर्याप्त हो।

परन्तु रक्षा नौकाओं में स्थान उनसे कम नहीं होगा जो व्यक्तियों की कुल संख्या के 2.5 प्रतिशत से अन्यून को स्थान देने के लिए जिसे पोट बहुत करने के लिए प्रमाणित है, अपेक्षित है।

(7) उपनियम (4) के अनुसरण में बहुत की जा रही हर मोटर रक्षा नौका एक सुबाह्य रेडियो उपस्कर बहुत करेगी जो नियम 65 के उपबर्णों का अनुपालन करेगा:

परन्तु यदि किसी पोट के बारे में केन्द्रीय सरकार का समाधान हो जाता है कि समूह यात्रा की अवधि ऐसी है कि सुबाह्य रेडियो उपस्कर को ले जाना अनावश्यक है तो वह इस नियम की अपेक्षाओं से अभिवृत्ति की अनुज्ञा दे सकेगी।

(8) हर पोट में इस नियम के अनुपालन में बहुत किए जाने के लिए अपेक्षित डेविट गुरुत्व प्रकार का होगा। मियाण इसके कि रक्षा नौकाओं के प्रचालन के लिए जिसका भार 2300 किलोग्राम से अधिक नहीं है उनकी प्रवर्तन स्थिति में लफिंग डेविट लगे होंगे।

(9) (क) हर पोट निम्नलिखित सारणी के अनुसार बोयों की कम से कम संख्या बहुत करेगा—

## सारणी

पोट की लम्बाई मीटर में	बहुत किए जाने के लिए अपेक्षित रक्षा बोयों की न्यूनतम संख्या
61 मीटर से कम	8
61 मीटर और उगसे अधिक किन्तु 122 मीटर से कम	12
122 मीटर और उगसे अधिक किन्तु 183 मीटर से कम	18
183 मीटर और उगसे अधिक किन्तु 244 मीटर से कम	24
244 मीटर और उगसे अधिक	30

(ख) इस प्रकार बहुत किए जा रहे रक्षा बोयों की कुल संख्या के कम से कम आधे में जो छह से कम नहीं होंगे, वक्ष स्वप्रचालन बलियों की व्यवस्था होगी।

## (10) हर पोट—

(1) फलक पर के यथास्थिति हर व्यक्ति के लिए या व्यक्तियों की उस संख्या के लिए जिसे पोट बहुत करने के लिए प्रमाणित है, उनमें जो भी अधिक है, पांचवी अनुसूची के भाग-1 की अपेक्षाओं के अनुपालन में एक रक्षा जाकेट बहुत करेगा; और

(2) व्यक्तियों की कुल संख्या के कम से कम दस प्रतिशत के लिए जिसे पोट बहुत करने के लिए प्रमाणित है, पांचवी अनुसूची के भाग-2 की अपेक्षाओं के अनुपालन में एक रक्षा जाकेट बहुत करेगा।

(11) हर पोट एक अनुमोदित रस्सी प्रक्षेपण साधन बहुत करेगा।

10. बर्ग 7 के पोट—(1) यह नियम बर्ग 7 के पोटों को लागू होगा।

(2) (क) हर पोट में उसकी लम्बाई छठी अनुसूची में उपबर्णित सारणी के स्तम्भ 'क' में विनिर्दिष्ट डेविटों के सेटों की न्यूनतम संख्या लगी होगी।

(ख) जहाँ केन्द्रीय सरकार का इस प्रकार समाधान हो जाता है, वहाँ वह हर पोट पर डेविटों के सेटों की कम संख्या की व्यवस्था करने के लिए अनुज्ञा देगी परन्तु फिर भी डेविटों के सेटों की संख्या छठी अनुसूची के स्तम्भ 'ख' में विनिर्दिष्ट न्यूनतम संख्या से कभी कम नहीं होगी

परन्तु किसी भी पोत में डेबिटों के सेटी की उस संख्या का लगा होना अपेक्षित नहीं है जो व्यक्तियों की कुल संख्या को जिसे पोत बहन करने लिए प्रमाणित है स्थान देने के लिए अपेक्षित रक्षा नौकाओं की संख्या से अधिक है।

(3) डेबिटों के हर ऐसे सेट से एक रक्षा नौका संलग्न होगी और इस प्रकार संलग्न रक्षा नौकाओं में छठी अनुसूची में उपबर्णित सारणी के स्तम्भ 'ग' में विनिर्दिष्ट कम से कम धारिता की या उन धारिता की जो व्यक्तियों की कुल संख्या को जिसे पोत बहन करने के लिए प्रमाणित है यदि परवर्ती धारिता कम हो स्थान देने के लिए व्यवस्था होगी।

(4) जहां उपनिधम (3) के अनुपालन में बहन की जा रही रक्षा नौकाओं में पोत पर व्यक्तियों की कुल संख्या के लिए स्थान नहीं है वहां अतिरिक्त बचाव तरापे या उत्प्लवन साधन बहन किया जाएगा ताकि रक्षा नौकाओं बचाव तरापे और उत्प्लवन साधन पर स्थान के लिए की गई व्यवस्था पोत पर के सभी व्यक्तियों के लिए जिन्हें पोत बहन करने के लिए प्रमाणित है पर्याप्त हों।

(5) हर पोत में, इस नियम के अनुपालन में बहन की जा रही रक्षा नौकाएं जहां व्यक्तिगुण और साध्य हो सम्बाई में 6 मीटर से कम नहीं होंगी।

(6) हर पोत में इस नियम के अनुपालन में बहन किए जाने के लिए अपेक्षित डेबिट गुणवत्त प्रकार के होंगे निम्न बात के कि रक्षा नौकाओं के प्रचालन के लिए जिनका भार 2300 किलोग्राम से अधिक नहीं है उनकी अवतरण स्थिति में लॉफिंग डेबिट लगे होंगे।

(7) (क) हर पोत कम से कम 8 रक्षा बीयों को बहन करेगा।

(ख) इस प्रकार बहन किए जा रहे रक्षा बीयों की कुल संख्या के कम से कम आधे में दक्ष स्वप्रज्वलन बलियों की व्यवस्था होगी

(8) हर पोत —

(1) फलक पर के यथास्थिति, हर व्यक्ति के लिए या व्यक्तियों की उत संख्या के लिए जिसे पोत बहन करने के लिए प्रमाणित है उनमें जो भी अधिक है पंचवीं अनुसूची के भाग 1 की अपेक्षाओं के अनुपालन में एक रक्षा जाकेट बहन करेगा; और

(2) व्यक्तियों की कुल संख्या कम से कम दस प्रतिशत के लिए, जिसे पोत बहन करने के लिए प्रमाणित है पंचवीं अनुसूची के भाग 2 की अपेक्षाओं के अनुपालन में एक रक्षा जाकेट बहन करेगा।

(9) हर पोत एक अनुमानित रस्सी प्रक्षेपण साधन बहन करेगा।

(11) (कुल 500 टन से कम) वर्ग 8 के पोत : (1) यह नियम वर्ग 8 के पोतों को जो 500 टन से कम के पोत हैं, लागू होगा।

(2) हर पोत—

(क) पोत की प्रत्येक और डेबिटों से संलग्न एक या अधिक रक्षा नौकाएं बहन करेगा जिसकी कुल धारिता पोत पर सभी व्यक्तियों को स्थान देने के लिए पर्याप्त हों; या

(ख) रक्षा नौका या डेबिटों से संलग्न वर्ग 'ग' नौका बहन करेगा जो पोत की एक ओर से जल में अवतरण की जा सके और कम से कम दो बचाव तरापे बहन करेगा जिनकी कुल धारिता फलक पर के व्यक्तियों की संख्या के बुगुने का स्थान देने के लिए पर्याप्त हो।

(3) हर ऐसे पोत में प्रत्येक रक्षा नौका या वर्ग 'ग' नौका डेबिटों के पृथक सेट से संलग्न होगी जो गुणवत्त प्रकार की या लॉफिंग प्रकार की होगी।

(4) हर ऐसा पोत कम से कम चार रक्षा बीय बहन करेगा जिनके कम से कम आधे में दक्ष स्वप्रज्वलन बलियों की व्यवस्था होगी;

(5) हर ऐसे पोत में नियम 65 की अपेक्षाओं के अनुपालन में सुबाह्य रेडियो उपस्कर की व्यवस्था होगी।

परन्तु केन्द्रीय सरकार, यदि उसका समाधान हो जाता कि समुद्र यात्रा की अवधि ऐसी है कि सुबाह्य रेडियो उपस्कर को ले जाना अयुक्त-युक्त या अनावश्यक है, तो यह किसी पोत को इस उपनियम के अपेक्षा से छूट दे सकेगी।

(6) हर ऐसे पोत में अनुमोदिन प्रक्षेपण साधन की व्यवस्था होगी।

(7) हर पोत—

(1) फलक पर हर व्यक्ति के लिए पंचवीं अनुसूची के भाग 1 की अपेक्षाओं के अनुपालन में एक रक्षा जाकेट बहन करेगा; और

(2) पोत पर बालक के लिए पंचवीं अनुसूची के भाग 2 की अपेक्षाओं के अनुपालन में एक रक्षा जाकेट बहन करेगा।

12. तेल पोतों से भिन्न कुल 500 टन या उससे अधिक किन्तु कुल (1600 टन से कम) वर्ग 8 के पोत : (1) यह नियम वर्ग 8 के पोतों को जो तेल पोतों से भिन्न है और जो कुल 500 टन या उससे अधिक किन्तु कुल 1600 टन से कम के पोत हैं, लागू होगा।

(2) हर ऐसा पोत —

(1) फलक पर के सभी व्यक्तियों को स्थान देने के लिए पोत की प्रत्येक और पर्याप्त कुल धारिता के डेबिटों से संलग्न एक या अधिक रक्षा नौकाएं बहन करेगा, या

(2) (क) डेबिटों से संलग्न या अवतरण युक्त से व्यवस्थित और नौका पीछे खाने के साधनों से व्यवस्थित मोटर मोडित वर्ग 'ग' नौका और पोत के प्रत्येक और पोत पर के सभी व्यक्तियों को स्थान देने के लिए पर्याप्त कुल धारिता के बचाव तरापे बहन करेगा; और

(ख) पोत पर व्यक्तियों की कुल संख्या के कम से कम आधे को स्थान देने के लिए पर्याप्त कुल धारिता के बचाव तरापे बहन करेगा,

परन्तु ऐसे पोत की दशा में जो निकटवर्ती पड़ोसी देशों के बीच समुद्र यात्राओं पर लगा हो, केन्द्रीय सरकार, यदि उसका समाधान हो जाता है कि समुद्र यात्रा की दशाएं ऐसी हैं कि बचाव तराओं का अनिवार्य बहन अयुक्त-युक्त या अनावश्यक है तो वह ऐसे पोत को इस उपनियम की अपेक्षाओं के अनुपालन से छूट दे सकेगी।

(3) जहां किसी पोत में आरोहण डेक से जल तक की दूरी 4.5 मीटर से अधिक है, वहां उपनियम (2) के खण्ड (क) (2) के अनुसार ऐसे पोत द्वारा बहन किए गए बचाव तरापे किसी अवतरण साधन द्वारा अवतरण होंगे और उस पोत के प्रत्येक और कम से कम एक अवतरण साधन की व्यवस्था होगी।

(4) हर पोत में प्रत्येक एक रक्षा नौका या वर्ग 'ग' नौका, पृथक डेबिटों के सेट से संलग्न होगी जो गुणवत्त प्रकार के होंगे, सिवाय इसके कि यथास्थिति, रक्षा नौकाओं के प्रचालन के लिए या ऐसी नौकाओं के प्रचालन के लिए, जिनका भार 2300 किलोग्राम से अधिक नहीं है; उनकी अवतरण स्थिति में लॉफिंग डेबिट लगाए जाएंगे।

- (5) हर पोत कम से कम आठ रखा बोये वहन करेगा, जिनमें दश स्वप्रज्वलन बलियों की व्यवस्था होगी।
- (6) हर ऐसे पोत पर नियम 65 की अपेक्षाओं के अनुपालन में सुबह्य रेडियो साधित्र की व्यवस्था होगी :
- परन्तु यदि किसी पोत के बारे में केन्द्रीय सरकार का समाधान हो जाता है कि समुद्र-यात्रा की अवधि ऐसी है कि सुबह्य रेडियो उपस्कर को ले जाना अत्युत्प्रेक्ष्य या अनावश्यक है, तो वह किसी पोत को इस नियम की अपेक्षाओं से छूट दे सकेगी।
- (7) हर ऐसा पोत एक अनुमोदित रस्सी प्रक्षेपण साधित्र वहन करेगा।
- (8) हर पोत —
- (1) पोत के फलक पर के हर व्यक्ति के लिए पांचवी अनुमूर्चा के भाग 1 की अपेक्षाओं के अनुपालन में एक रखा जाकेट वहन करेगा ; और
  - (2) फलक पर के हर बालक के लिए पांचवी अनुमूर्चा के भाग 2 की अपेक्षाओं के अनुपालन में एक रखा जाकेट वहन करेगा।
- 13 (तेल पोतों से भिन्न कुल 1600 टन या उससे अधिक) वर्ग 8 के पान—(1) यह नियम तेल पोतों से भिन्न कुल 1600 टन या उससे अधिक के वर्ग 8 के पोतों को लागू होगा।
- (2) हर ऐसा पोत, अपनी प्रत्येक और पोत पर के सभी व्यक्तियों को स्थान देने के लिए पर्याप्त कुल धारिता की एक या उससे अधिक रक्षा नौकाएं वहन करेगा।
- (3) हर ऐसे पोत, में, उपनियम (2) के अनुसरण में वहन की जा रही रक्षा नौकाएं लंबाई में 7.3 मीटर से कम नहीं होंगी।
- (4) हर ऐसे पोत में उपनियम (2) के अनुसरण में वहन की जा रही रक्षा नौकाएं मोटर रक्षा नौका होंगी।
- (5) हर ऐसे पोत में उपनियम (2) के अनुसरण में वहन की जा रही प्रत्येक रक्षा नौका पुष्क डेबियों के सैट से संलग्न होगी जो मुख्य प्रकार के होंगे, सिवाय इसके कि उन रक्षा नौकाओं के प्रचालन के लिए जिसका भार 2300 किलोग्राम से अधिक नहीं है, उनकी अवतरण स्थिति में लॉफिंग प्रकार के डेबिट लगाए जाएंगे।
- (6) (क) हर ऐसा पोत उस पर के व्यक्तियों की कुल संख्या के कम से कम आधे स्थान देने के लिए पर्याप्त कुल धारिता के बचाव तरापे सहन करेगा।
- (ख) लम्बाई में 150 मीटर या उससे अधिक के पोतों में, जिसमें पोत मध्य अधिसंरचना नहीं है, खण्ड (क) के उपबंध अनुसरण में वहन किए जा रहे बचाव तरापों के अतिरिक्त एक बचाव तरापे वहन होगा जिसमें कम से कम छह व्यक्तियों को स्थान दिया जा सकेगा ऐसा बचाव तरापे जिनका युक्तिपुक्त और साध्य हो, आगे नौभारित होगा,
- (7) हर ऐसा पोत कम से कम 8 रखा बोये वहन करेगा, जिनके आधे में स्वप्रज्वलन बलियों की व्यवस्था होगी।
- (8) हर ऐसे पोत में एक अनुमोदित रस्सी प्रक्षेपण साधित्र की व्यवस्था होगी।
- (9) हर ऐसे पोत पर नियम 65 की अपेक्षाओं के अनुपालन में क सुबह्य रेडियो साधित्र वहन करेगा।
- (10) (क) हर ऐसा पोत—
- (1) फलक पर के हर व्यक्ति के लिए पांचवी अनुमूर्चा के भाग 1 की अपेक्षाओं के अनुपालन में एक रखा जाकेट वहन करेगा, और
  - (2) फलक पर के हर बालक के लिए पांचवी अनुमूर्चा के भाग 2 की अपेक्षाओं के अनुपालन में एक रखा जाकेट वहन करेगा।
14. (कुल 500 टन या उससे अधिक के तेलपोत किन्तु कुल 1600 टन से कम) वर्ग 8 के पोत—(1) यह नियम कुल 500 टन या उससे अधिक किन्तु कुल 1600 टन से कम के वर्ग 8 के पाना का जो तेलपोत है, लागू होगा।
- (2) नियम 12 के उपबंध, कुल 500 टन या उससे अधिक के तेलपोतों को उसी प्रकार लागू होंगे जिन प्रकार वे कुल 500 टन या उससे अधिक किन्तु 1600 टन से कम तेलपोतों से भिन्न वर्ग 8 के पोतों को लागू होते हैं।
15. (कुल 1600 टन या उससे अधिक किन्तु कुल 3000 टन कम के तेल पोत) वर्ग 8 के पोत—(1) यह नियम कुल 1600 टन या उससे अधिक किन्तु कुल 3000 टन से कम के वर्ग 8 के पोतों को जो तेल पोत है, लागू होगा।
- (2) नियम 13 के उपबंध कुल 1600 टन या उससे अधिक कुल 3000 टन से कम के तेलपोतों को उसी प्रकार लागू होंगे जिन प्रकार के कुल 1600 टन के तेलपोतों से भिन्न वर्ग 8 के पोतों को लागू होते हैं, सिवाय इसके कि नियम 13 के उपनियम (2) के अनुसरण में दो रक्षा नौकाएं मोटर रक्षा नौकाएं होंगी जो तेलपोत की प्रत्येक और एक एक वहन की जाएगी।
16. (कुल 30000 टन या उससे अधिक के तेलपोत) वर्ग 8 के पोत—(1) यह नियम कुल 30000 टन या उससे अधिक के वर्ग 8 के पोतों को, जो तेलपोत है, लागू होगा।
- (2) हर ऐसा तेलपोत, पोत पर के व्यक्तियों की कुल संख्या को स्थान देने के लिए अपनी प्रत्येक और पर्याप्त कुल धारिता को कम से कम दो रक्षा नौकाएं वहन करेगा।
- (3) हर ऐसे तेलपोत में उपनियम (2) के अनुसरण में व्यवस्था की रक्षा नौकाएं पीछे की और दो पोतमध्य में वहन होंगी, सिवाय इसके कि उन तेलपोतों में जिनमें पोतमध्य अधिसंरचना नहीं है, सभी रक्षा नौकाएं पीछे की जाएगी :
- परन्तु बिना किसी पोतमध्य अधिसंरचना के किसी तेल पोत की दशा में केन्द्रीय सरकार यदि उसका समाधान हो जाता है कि पीछे की और रक्षा नौकाएं वहन करना साध्य है, निर्दिष्ट शर्तों के अधीन केवल दो रक्षा नौकाएं, प्रत्येक और एक पीछे की और वहन करने की अनुशा देगी, अर्थात् —
- (1) इस उपबंध के अनुसरण में वहन की जा रही रक्षा नौका लंबाई में 8.5 मीटर से अधिक नहीं होगी।
  - (2) प्रत्येक रक्षा नौका यथामध्य आगे को नौभारित होगी और कम से कम इतने आगे हो कि रक्षा-नौका का पिछला छोर, रक्षा नौका की लंबाई में डेढ़ गुने से अग्रतः तक नौकों के आगे हो;
  - (3) हर रक्षा नौका, समुद्र सतह के इतनी सटीक नौभारित होगी, जितनी सुरक्षित और साध्य हो।
  - (4) उपनियम (7) के अधीन वहन किए जा रहे बचाव तरापों के अतिरिक्त पोत पर के व्यक्तियों की संख्या के कम से कम आधे को स्थान देने के लिए पर्याप्त कुल धारिता के बचाव तरापे।

- (4) उपनियम (3) के परन्तुक में जैसा अन्वय उपबन्धित है उनके निर्वाह उपनियम (2) के अनुसरण में किसी ऐसे तेल पोत पर बहन की जा रही हर रक्षा नौका लबार्ड में 7.3 मोटर से कम की नहीं होगी।
- (5) उपनियम (2) के अनुसरण में किसी ऐसे तेलपोत पर बहन की जा रही हर रक्षा नौका गुप्त प्रकार के डैबिटों के पृथक सेट से संलग्न होगी।
- (6) उप नियम (2) के अनुसरण में किसी ऐसे तेलपोत पर बहन की जा रही वो रक्षा नौकाएं मोटर रक्षा नौकाएं होंगी जो तेलपोत के प्रत्येक ओर मक बहन होगी।
- (7) (क) हर ऐसा तेल-पोत, फलक पर के व्यक्तियों की कुल संख्या के कम से कम आधे को स्थान देने के लिए पर्याप्त कुल धारिता के बचाव तरापे बहन करेगा।
- (ख) (1) बिना पोत मध्य अधिसंरचना के लंबाई में 150 मीटर या उससे अधिक के तेलपोतों में खण्ड (क) के उपबन्ध के अनुसरण में बहन किए जा रहे बचाव तरापे के अतिरिक्त एक बचाव तरापा बहन किया जाएगा, जो कम से कम छह व्यक्तियों का स्थान देने के लिए समर्थ होगा।
- (2) ऐसा बचाव तरापा उतने आगे नौभारित होगा जितना युक्तियुक्त और साध्य हो।
- (8) हर ऐसा तेलपोत कम से कम फाठ रक्षा बोये बहन करेगा जिसके आधे में दश स्वप्रज्वलन बस्तियों की व्यवस्था होगी।
- (9) हर ऐसे तेलपोत में नियम 65 की अपेक्षाओं के अनुपालन में एक सुबाह्य रेडियो उपस्कर की व्यवस्था होगी।
- (10) हर ऐसे तेल-पोत में अनुमोदित रस्सी प्रक्षेपण साधित्र की व्यवस्था होगी।
- (11) हर ऐसा तेल पोत—
- (1) फलक पर के हर व्यक्ति के लिए पाचवीं अनुसूची के भाग 1 की अपेक्षाओं के अनुपालन में एक रक्षा जाकेट बहन करेगा; और
  - (2) फलक पर के हर बालक के लिए पाचवीं अनुसूची के भाग 2 की अपेक्षाओं के अनुपालन में एक रक्षा जाकेट बहन करेगा।
17. बर्ग 9 के पोत—(1) —यह नियम कुल 500 टन से कम के बर्ग 9 के पोतों को लागू होगा।
- (2) हर ऐसा पोत—
- (1) फलक पर के सभी व्यक्तियों को स्थान देने के लिए पर्याप्त कुल धारिता के डैबिटों से संलग्न एक या उससे अधिक रक्षा नौकाएं बहन करेगा; या
  - (2) डैबिटों से संलग्न अवतरण साधित्र से व्यवस्थित और नौका वापस लेने की व्यवस्था वाली एक मोटर नोडित बर्ग "ग" नौका बहन करेगा।
- (3) (क) हर ऐसा पोत उस के फलक पर के सभी व्यक्तियों को स्थान देने के लिए पर्याप्त कुल धारिता के बचाव तरापे बहन करेगा इसके अतिरिक्त वह उस पर के व्यक्तियों के आधे को स्थान देने के लिए पर्याप्त बचाव तरापे बहन करेगा।
- परन्तु निकट पड़ोसी देशों के मध्य समुद्र यात्राओं में लगे किसी पोत की वशा में केन्द्रीय सरकार, यदि उसका समाधान हो जाता है कि समुद्र यात्रा की वशाएं ऐसी हैं कि बचाव तरापों का बहन करना अयुक्तियुक्त या अनावश्यक है, तो वह ऐसे पोत को इस उपनियम की अपेक्षा से छूट दे सकेगी।
- (ख) फलक पर के व्यक्तियों की कुल संख्या के कम से कम आधे को स्थान देने के लिए पर्याप्त कुल धारिता के बचाव तरापे बहन करेगा:
- परन्तु केन्द्रीय सरकार, यदि उसका समाधान हो जाता है कि समुद्र यात्रा की अवधि ऐसी है कि सुबाह्य रेडियो उपस्कर का ले जाना अयुक्तियुक्त या अनावश्यक है, तो वह किसी पोत को इस उपनियम की अपेक्षा से छूट दे सकेगी।
- (5) हर ऐसा पोत अनुमोदित रस्सी प्रक्षेपण साधित्र बहन करेगा।
- (6) हर ऐसा पोत—
- (1) फलक पर के हर व्यक्ति के लिए पाचवीं अनुसूची के भाग 1 की अपेक्षाओं के अनुपालन में एक रक्षा जाकेट बहन करेगा, और
- अनावश्यक है, तो वह ऐसे पोत को इस उपनियम के अर्धीन अतिरिक्त बचाव तरापों को बहन करने से छूट दे सकेगी।
- (ख) खण्ड (क) के अनुसरण में बहन किये जा रहे बचाव-तरापे इस प्रकार नौभारित होंगे कि वे पोत के दोनों ओर से जल में आसानी से अन्तरित हो सकें।
- (4) हर ऐसा पोत कम से कम चार रक्षा बोये बहन करेगा जिसके आधे में दश स्वप्रज्वलन बस्तियों की व्यवस्था होगी।
- (5) हर ऐसा पोत एक अनुमोदित रस्सी प्रक्षेपण साधित्र बहन करेगा।
- (6) हर पोत—
- (1) फलक पर के हर व्यक्ति के लिए पाचवीं अनुसूची के भाग 1 की अपेक्षाओं के अनुपालन में एक रक्षा जाकेट बहन करेगा।
  - (2) पोत पर के हर बालक के लिए पाचवीं अनुसूची के भाग 2 की अपेक्षाओं के अनुपालन में एक रक्षा-जाकेट बहन करेगा।
18. (कुल 500 टन या उससे अधिक किन्तु कुल 1600 टन से कम के बर्ग 9 के पोत) 1—(1) यह नियम कुल 500 टन या उससे अधिक किन्तु कुल 1600 टन से कम के बर्ग 9 के पोतों को लागू होगा।
- (2) हर ऐसा पोत—
- (क) (1) फलक पर के सभी व्यक्तियों को स्थान देने के लिए पर्याप्त कुल धारिता डैबिटों से संलग्न एक या उससे अधिक रक्षा नौकाएं अपनी प्रत्येक ओर बहन करेगा, या
  - (2) डैबिटों से संलग्न या अवतरण साधित्र से व्यवस्थित और नौका पीछे खाने की व्यवस्था वाली एक मोटर नोडित बर्ग "ग" नौका बहन करेगा; और पोत पर सभी व्यक्तियों को स्थान देने के लिए पर्याप्त कुल धारिता के बचाव तरापे प्रत्येक ओर बहन करेगा; और
  - (ख) फलक पर के व्यक्तियों की कुल संख्या के कम से कम आधे को स्थान देने के लिए पर्याप्त कुल धारिता के बचाव तरापे बहन करेगा:
- परन्तु निकट पड़ोसी देशों के मध्य समुद्र यात्राओं में लगे किसी पोत की वशा में केन्द्रीय सरकार, यदि उसका समाधान हो जाता है कि समुद्र यात्रा की वशाएं ऐसी हैं कि बचाव तरापों का बहन करना अयुक्तियुक्त या अनावश्यक है, तो वह ऐसे पोत को इस उपनियम की अपेक्षा से छूट दे सकेगी।
- (3) हर ऐसा पोत फाठ रक्षा बोये बहन करेगा, जिसके आधे में दश स्वप्रज्वलन बस्तियों की व्यवस्था होगी।
- (4) हर ऐसा पोत नियम 65 की अपेक्षा के अनुपालन में एक सुबाह्य रेडियो उपस्कर बहन करेगा:
- परन्तु केन्द्रीय सरकार, यदि उसका समाधान हो जाता है कि समुद्र यात्रा की अवधि ऐसी है कि सुबाह्य रेडियो उपस्कर का ले जाना अयुक्तियुक्त या अनावश्यक है, तो वह किसी पोत को इस उपनियम की अपेक्षा से छूट दे सकेगी।
- (5) हर ऐसा पोत अनुमोदित रस्सी प्रक्षेपण साधित्र बहन करेगा।
- (6) हर ऐसा पोत—
- (1) फलक पर के हर व्यक्ति के लिए पाचवीं अनुसूची के भाग 1 की अपेक्षाओं के अनुपालन में एक रक्षा जाकेट बहन करेगा, और



- (2) फलक पर के हर बाणक के लिए पांचवी अनुसूची के भाग 2 की अपेक्षाओं के अनुपालन में एक रक्षा जाकेट बहून करेगा।
19. (कुल 1600 टन या उससे अधिक) वर्ग 9 के पोत:—(1) यह नियम कुल 1600 टन या उससे अधिक के वर्ग 9 के पोतों को लागू होगा।
- (2) नियम 13 के उपबन्ध 1600 टन और उससे अधिक के वर्ग 9 के पोतों को उसी प्रकार लागू होंगे जिस प्रकार वे 1600 टन और उससे अधिक के वर्ग 8 के पोतों का लागू होते हैं।
20. वर्ग 10 के पोत:—(1) यह नियम लंबाई में 25 मीटर से कम के वर्ग 10 के पोतों को लागू होगा।
- (2) हर ऐसा पोत—
- (क) फलक पर के सभी व्यक्तियों को स्थान देने के लिए पर्याप्त कुल धारिता की वर्ग 'ग' नौकाबहन करेगा; या
- (ख) फलक के सभी व्यक्तियों को स्थान देने के लिए पर्याप्त कुल धारिता के बचाव तरापे बहून करेगा, या
- (ग) फलक पर को सभी व्यक्तियों को सहारा देने के लिए तरणबेड़ा बहून करेगा।
- (3) उपनियम (2) के अनुसरण में बहून किए जा रहे हर वर्ग 'ग' नौका, बचाव तरापे या तरण साधित्र इस प्रकार नौकरित होंगे कि वे पोत की दोनों ओर से जल में आसानी से अन्तरित हो सकें।
- (4) हर ऐसा पोत कम से कम दो रक्षा बोये बहून करेगा (जिनमें से एक पर स्वप्रचलन बतियों की व्यवस्था होगी)।
- (5) हर ऐसा पोत—
- (1) फलक पर के हर व्यक्ति के लिए पांचवी अनुसूची के भाग 1 की अपेक्षाओं के अनुपालन में एक रक्षा जाकेट बहून करेगा; और
- (2) फलक पर के हर बाणक के लिए पांचवी अनुसूची के भाग 1 की अपेक्षाओं के अनुपालन में एक रक्षा जाकेट बहून करेगा।
21. (लंबाई में 25 मीटर या उससे अधिक किन्तु 35 मीटर से कम के पोत) वर्ग 10 के पोत:—(1) यह नियम लंबाई में 25 मीटर या उससे अधिक किन्तु 35 मीटर से कम के वर्ग 10 के पोतों को लागू होगा।
- (2) हर ऐसे पोत पर वर्ग 'ग' नौका इस प्रकार नौकरित होगी कि वह पोत की दोनों ओर से जल में आसानी से अन्तरित हो सके।
- (3) हर ऐसा पोत, फलक पर के सभी व्यक्तियों का, व्यवस्थित, स्थान देने के लिए या सहारा देने के लिए पर्याप्त कुल धारिता के बचाव तरापे या तरण साधित्र या दोनों का एक संयोजन बहून करेगा।
- (4) उपनियम (3) के अनुसरण में बहून किए जा रहे बचाव-तरापे और तरण साधित्र इस प्रकार नौकरित होंगे कि वे पोत के दोनों ओर से जल में आसानी से अन्तरित हो सकें।
- (5) ऐसा हर पोत कम से कम चार रक्षा बोय बहून करेगा जिनमें आधे में दक्ष स्वप्रचलन बतियों की व्यवस्था होगी।
- (6) हर ऐसा पोत—
- (1) फलक पर के हर व्यक्ति के लिए पांचवी अनुसूची के भाग 1 की अपेक्षाओं के अनुपालन में एक रक्षा जाकेट बहून करेगा; और

- (2) फलक पर के हर बाणक के लिए पांचवी अनुसूची के भाग 2 की अपेक्षाओं के अनुपालन में एक रक्षा जाकेट बहून करेगा।
22. (लंबाई में 35 मीटर या उससे अधिक किन्तु 45 मीटर से कम के पोत) वर्ग 10 के पोत:—(1) यह नियम, लंबाई में 31 मीटर या उससे अधिक किन्तु 45 मीटर से कम के वर्ग 10 के पोतों को लागू होगा।
- (2) हर ऐसा पोत फलक पर के सभी व्यक्तियों को स्थान देने के लिए पर्याप्त कुल धारिता के बेडियों में संलग्न एक या उससे अधिक वर्ग 'ग' नौका बहून करेगा।
- (3) हर ऐसा पोत फलक पर सभी व्यक्तियों को स्थान देने के लिए पर्याप्त कुल धारिता के बचाव तरापे या तरण साधित्र बहून करेगा।
- (4) उपनियम (2) और (3) के अनुसरण में बहून को जा रही वर्ग 'ग' नौकाएं, बचाव तरापे और तरण साधित्र इस प्रकार नौकरित होंगी कि वह पोत की दोनों ओर से जल में आसानी से अन्तरित किया जा सके।
- (5) हर ऐसा पोत कम से कम चार रक्षा बोय बहून करेगा जिनमें आधे में दक्ष स्वप्रचलन बतियों की व्यवस्था होगी।
6. हर ऐसा पोत—
- (1) फलक पर हर व्यक्तियों के लिए पांचवी अनुसूची के भाग 1 की अपेक्षाओं के अनुपालन में एक रक्षा जाकेट बहून करेगा; और
- (2) फलक पर हर बाणक के लिए पांचवी अनुसूची के भाग 2 की अपेक्षाओं के अनुपालन में एक रक्षा जाकेट बहून करेगा।
- (7) हर ऐसे पोत पर एक अनुमोदित रस्ती प्रक्षेपण साधित्र की व्यवस्था होगी।
23. (लंबाई में 45 मीटर या उससे अधिक किन्तु कुल 1600 टन से कम के पोत) वर्ग 10 के पोत:—(1) यह नियम, लंबाई में 45 मीटर या उससे अधिक कुल 1600 टन से कम के वर्ग 10 के पोतों को लागू होगा।
- (2) हर ऐसा पोत—
- (क) फलक पर के सभी व्यक्तियों को स्थान देने के लिए पर्याप्त कुल धारिता की एक या अधिक रक्षा नौकाएं और फलक पर सभी व्यक्तियों को स्थान देने के लिए पर्याप्त कुल धारिता के बचाव तरापे बहून करेगा; या
- (ख) बेडियों से संलग्न वर्ग 'ग' नौका और कम से कम दो बचाव तरापे, फलक पर के व्यक्तियों से दुबारे को स्थान देने के लिए पर्याप्त कुल धारिता के एक साथ नौका और बचाव तरापे बहून करेगा।
- (3) उपनियम (2) के अनुसरण में बहून किए जा रहे बचाव-तरापे इस प्रकार नौकरित होंगे कि वे पोत की दोनों ओर से जल में आसानी से अन्तरित हो सकें।
- (4) हर ऐसा पोत कम से कम चार रक्षा बोय बहून करेगा जिनमें आधे पर स्वप्रचलन बतियों की व्यवस्था होगी।
- (5) हर पोत—
- (1) फलक पर के हर व्यक्ति के लिए पांचवी अनुसूची के भाग 1 की अपेक्षाओं के अनुपालन में एक रक्षा जाकेट बहून करेगा; और

(2) फलक पर के हर बालक के लिए पांचवी अनुसूची के भाग 2 की अपेक्षाओं के अनुपालन में एक रक्षा जाकेट वहन करेगा।

(6) हर ऐसे पोत पर अनुमोचित रस्ती प्रक्षेपण साधित्र की व्यवस्था होगी।

24. (1600 टन या उससे अधिक के पोत) वर्ग 10 के पोत :-

(1) यह नियम कुल 1600 टन या उससे अधिक वर्ग 10 के पोतों को लागू होगा।

(2) नियम 18 के उपबंध कुल 1600 टन या उससे अधिक के वर्ग 10 के पोतों को उसी प्रकार लागू होंगे जैसा वे कुल 500 टन या उससे अधिक किन्तु कुल 1600 टन से कम के वर्ग 9 के पोतों को लागू होते हैं।

25. वर्ग 11 के पोत -- (1) यह नियम लंबाई में 25 मीटर से कम के वर्ग 11 के पोतों को लागू होगा।

(2) हर ऐसा पोत --

फलक पर के सभी व्यक्तियों को, यथास्थिति स्थान देने के लिए या सहायता देने के लिए पर्याप्त कुल धारिता का एक वर्ग 'ग' नौका, या बचावतरापे या तरण साधित्र वहन करेगा।

(3) उपनियम (2) के अनुसरण में वहन की जा रही वर्ग ग नौका, बचावतरापे तरण साधित्र इस प्रकार नौभरित होगा कि वह पोत को दोनों ओर से जल में अन्तर्हित हो सके।

(4) हर ऐसा पोत कम से कम दो रक्षा बोयें वहन करेगा जिनमें से एक पर दक्ष स्व-प्रज्वलन बत्ती की व्यवस्था होगी।

(5) हर ऐसा पोत --

(1) फलक पर हर व्यक्ति के लिए पांचवी अनुसूची के भाग 1 की अपेक्षाओं के अनुपालन में एक रक्षा जाकेट वहन करेगा ; और

(2) फलक पर के हर बालक के लिए पांचवी अनुसूची के भाग-2 की अपेक्षाओं के अनुपालन में एक रक्षा जाकेट वहन करेगा।

26. (लंबाई में 25 मीटर या उससे अधिक किन्तु 35 मीटर से कम के पोत) वर्ग 11 के पोत :- (1) यह नियम, लंबाई में 25 मीटर या उससे अधिक किन्तु 35 मीटर से कम के वर्ग 11 के पोतों को लागू होगा।

(2) हर ऐसा पोत --

(1) एक वर्ग ग नौका वहन करेगा और

(2) फलक पर के सभी व्यक्तियों को, यथास्थिति, स्थान देने के लिए या सहायता देने के लिए पर्याप्त कुल धारिता के बचावतरापे या तरण साधित्र वहन करेगा।

(3) उपनियम (2) के अनुसरण में वहन की जा रही वर्ग ग नौका, बचावतरापे और तरण साधित्र इस प्रकार नौभरित होगा कि वह पोत को दोनों ओर से जल में आसानी से अन्तर्हित हो सके।

(4) हर ऐसा पोत कम से कम चार रक्षा बोयें वहन करेगा जिनमें आधे में दक्ष स्व-प्रज्वलन बत्तियों की व्यवस्था होगी।

(5) हर ऐसा पोत --

(1) फलक पर के हर व्यक्ति के लिए पांचवी अनुसूची के भाग 1 की अपेक्षाओं के अनुपालन में एक रक्षा जाकेट वहन करेगा ; और

(2) फलक पर के हर बालक के लिए पांचवी अनुसूची के भाग 2 की अपेक्षाओं के अनुपालन में एक रक्षा जाकेट वहन करेगा।

27. (लंबाई में 35 मीटर या उससे अधिक किन्तु 45 मीटर से कम के पोत) वर्ग 11 के पोत :- (1) यह नियम, लंबाई में 35 मीटर या उससे अधिक किन्तु 45 मीटर से कम के वर्ग 11 के पोतों को लागू होगा।

(2) हर ऐसा पोत --

(1) फलक पर के सभी व्यक्तियों को स्थान देने के लिए पर्याप्त कुल धारिता के बेडेटों से संतृप्त एक या उससे अधिक वर्ग ग नौकाएं वहन करेगा ; और

(2) फलक पर के सभी व्यक्तियों को, यथास्थिति, स्थान देने के लिए या सहायता देने के लिए पर्याप्त कुल धारिता के बचावतरापे या तरण साधित्र वहन करेगा।

(3) उपनियम (2) के अनुसरण में वहन की जा रही वर्ग ग नौकाएं बचावतरापे और तरण साधित्र इस प्रकार नौभरित होंगी कि वह पोत को दोनों ओर से जल में आसानी से अन्तर्हित हो सके।

(4) हर ऐसा पोत --

(1) फलक पर के हर व्यक्ति के लिए पांचवी अनुसूची के भाग 1 की अपेक्षाओं के अनुपालन में एक रक्षा जाकेट वहन करेगा ; और

(2) फलक पर के हर बालक के लिए पांचवी अनुसूची के भाग 2 की अपेक्षाओं के अनुपालन में एक रक्षा जाकेट वहन करेगा।

28. (लंबाई में 45 मीटर या उससे अधिक किन्तु कुल 1600 टन से कम के पोत) वर्ग 11 के पोत -- (1) यह नियम, लंबाई में 45 मीटर या उससे अधिक किन्तु कुल 1600 टन से कम के वर्ग 11 के पोतों को लागू होगा।

(2) हर ऐसा पोत --

(1) फलक पर के सभी व्यक्तियों को स्थान देने के लिए पर्याप्त कुल धारिता की बेडेटों के संतृप्त एक या उससे अधिक वर्ग ग नौकाएं वहन करेगा ; और

(2) फलक पर के सभी व्यक्तियों को स्थान देने के लिए पर्याप्त कुल धारिता के बचावतरापे वहन करेगा।

(3) उपनियम (2) के अनुसरण में वहन की जा रही वर्ग ग नौकाएं और बचावतरापे इस प्रकार नौभरित होंगे कि वह पोत को दोनों ओर से जल में आसानी से अन्तर्हित हो सके।

(4) हर ऐसा पोत कम से कम चार रक्षा बोयें वहन करेगा जिनमें आधे में दक्ष स्व-प्रज्वलन बत्तियों की व्यवस्था होगी।

(5) हर ऐसा पोत --

(1) फलक पर के हर व्यक्ति के लिए पांचवी अनुसूची के भाग 1 की अपेक्षाओं के अनुपालन में एक रक्षा जाकेट वहन करेगा ; और

(2) फलक पर के हर बालक के लिए पांचवी अनुसूची के भाग 2 की अपेक्षाओं के अनुपालन में एक रक्षा जाकेट वहन करेगा।

29. (कुल 1600 टन या उससे अधिक के पोत) वर्ग 11 के पोत :- (1) के नियम कुल 1600 टन या उससे अधिक के वर्ग 11 के पोतों को लागू होगा।

(2) नियम 1 के उपबंध कुल 1600 टन या उससे अधिक के बर्ग 11 के पोतों को उसी प्रकार लागू होंगे जैसे वे कुल 500 टन या उससे अधिक किन्तु कुल 1600 टन से कम के बर्ग 11 के पोतों को लागू होते हैं।

30 बर्ग 12 के पोत :—(1) यह नियम तटीय समुद्र यात्राओं में लगे बर्ग 12 के पोतों को लागू होगा।

(2) नियम 20 से 24 के उपबंध, जिनमें वे दोनों नियम सम्मिलित हैं, तटीय समुद्र यात्राओं में लगे बर्ग 12 के पोतों को उसी प्रकार लागू होंगे जिस प्रकार वे बर्ग 10 के पोतों को लागू होते हैं।

31. (कुल 500 टन से कम के पोत) बर्ग 12 के पोत :—(1) यह नियम समुद्र में समीप की दूरी तक वाले कुल 500 टन से कम के बर्ग 12 के पोतों को लागू होगा।

(2) हर पोत, फलक पर के सभी व्यक्तियों को, यथास्थिति, स्थान देने या सहारा देने के लिए पर्याप्त कुल धारिता का एक बर्ग ग नौका, या एक या उससे अधिक के बचावतरापे या तरण साधित्र वहन करेगा।

(3) उपनियम (2) के अनुसरण में वहन किए जा रहे बचाव-तरापे और तरण साधित्र इस प्रकार नौभरित होंगे जिसमें वह पोत का दोनों ओर से जल में आसानी से अन्तरित हो सके।

(4) हर ऐसा पोत कम से कम चार रक्षा बोये वहन करेगा जिनके आधे में दक्ष स्व-प्रज्ज्वलन बतियों की व्यवस्था होगी।

(5) हर ऐसा पोत—

(1) फलक पर के हर व्यक्ति के लिए पांचवी अनुसूची के भाग-1 की अपेक्षाओं के अनुपालन में एक रक्षा जाकेट वहन करेगा, और

(2) फलक पर के हर बालक के लिए पांचवी अनुसूची के भाग-2 की अपेक्षाओं के अनुपालन में एक रक्षा जाकेट वहन करेगा।

32. (कुल 500 टन और उससे अधिक के पोत) बर्ग 12 के पोत :—(1) यह नियम समुद्र में समीप की दूरी तक जाने वाले कुल 500 टन और उससे अधिक के बर्ग 12 के पोतों को लागू होगा।

(2) हर ऐसा पोत एक रक्षा नौका या एक बर्ग ग नौका वहन करेगा जो पोत की दोनों ओर से जल में आसानी से अवतरण हो सके।

(3) हर ऐसा पोत, फलक पर के सभी व्यक्तियों को, यथास्थिति, स्थान देने या सहारा देने के लिए पर्याप्त कुल धारिता के बचाव तरापे या तरण साधित्र वहन करेगा।

(4) उपनियम (3) के अनुसरण में वहन किए जा रहे बचाव-तरापे और तरण साधित्र इस प्रकार नौभरित होंगे कि वे पोत की दोनों ओर से जल में अन्तरित हो सके।

(5) हर ऐसा पोत कम से कम चार रक्षा बोये वहन करेगा जिनके आधे में दक्ष स्व-प्रज्ज्वलन बतियों की व्यवस्था होगी।

(6) हर ऐसा पोत—

(1) फलक पर के हर व्यक्ति के लिए पांचवी अनुसूची के भाग-1 की अपेक्षाओं के अनुपालन में एक रक्षा जाकेट वहन करेगा; और

(2) फलक पर के हर बालक के लिए पांचवी अनुसूची के भाग-2 अपेक्षाओं की अनुपालन में एक रक्षा जाकेट वहन करेगा।

33. बर्ग 13 के पोत :—(1) यह नियम, लंबाई में 25 मीटर से कम के बर्ग 13 के पोतों को लागू होगा।

(2) हर ऐसा पोत—

फलक पर के सभी व्यक्तियों को, यथास्थिति, स्थान देने या सहारा देने के लिए पर्याप्त कुल धारिता की—

(1) एक बर्ग ग नौका, या

(2) बचावतरापे, या

(3) तरण साधित्र,

वहन करेगा।

परन्तु केन्द्रीय सरकार, यदि उसका समाधान हो जाता है, पोत की लंबाई, प्रकार या आकार ऐसा है कि इस उपनियम के उपबंधों का अनुपालन करना असाध्य है, तो वह किसी अन्य प्रकार का प्राण रक्षा साधित्र उतनी मात्रा में वहन करने की अनुज्ञा दे सकेगी जो वह इस उपनियम में विहित मात्रा में बर्गों में विनिर्दिष्ट करे।

(3) उपनियम (2) के अनुसरण में वहन की जा रही बर्ग ग नौका, बचावतरापे या तरण साधित्र इस प्रकार नौभरित होंगे कि वह पोत की दोनों ओर जल में आसानी से अन्तरित हो सके।

(4) हर ऐसा पोत कम से कम दो रक्षा बोये वहन करेगा जिनमें से, एक में दक्ष स्व-प्रज्ज्वलन बतियों की व्यवस्था होगी।

(5) हर ऐसा पोत—

(1) फलक पर के हर व्यक्ति के लिए पांचवी अनुसूची के भाग-1 की अपेक्षाओं के अनुपालन में एक रक्षा जाकेट वहन करेगा; और

(2) फलक पर के हर बालक के लिए पांचवी अनुसूची के भाग-2 की अपेक्षाओं के अनुपालन में एक रक्षा जाकेट वहन करेगा।

34. (लंबाई में 25 मीटर या उससे अधिक किन्तु 35 मीटर से कम के पोत) बर्ग 13 के पोत :—(1) यह नियम, लंबाई में 25 मीटर या उससे अधिक किन्तु 35 मीटर से कम के बर्ग 13 के पोतों को लागू होगा।

(2) हर ऐसा पोत—

फलक पर के सभी व्यक्तियों को, यथास्थिति, स्थान देने या सहारा देने के लिए पर्याप्त कुल धारिता की—

(1) एक बर्ग ग नौका, या

(2) बचावतरापे; या

(3) तरण साधित्र,

वहन करेगा :

(3) उपनियम (2) के अनुसरण में वहन की जा रही बर्ग ग नौका, बचावतरापे और तरण साधित्र इस प्रकार नौभरित होंगे कि वे पोत की दोनों ओर से जल में आसानी से अन्तरित हो सकें।

(4) हर ऐसा पोत कम से कम चार रक्षा बोये वहन करेगा जिनके आधे में दक्ष स्व-प्रज्ज्वलन बतियों की व्यवस्था होगी।

(5) हर ऐसा पोत—

(1) फलक पर हर व्यक्ति के लिए पांचवी अनुसूची के भाग-1 की अपेक्षाओं के अनुपालन में रक्षा जाकेट वहन करेगा, और

(2) फलक पर हर बालक के लिए पांचवी अनुसूची के भाग-2 की अपेक्षाओं के अनुपालन में एक रक्षा जाकेट वहन करेगा।

35. (लंबाई में 35 मीटर या उससे अधिक किन्तु 45 मीटर से कम के पोत)---(1) यह नियम लंबाई में 35 मीटर या उससे अधिक किन्तु 45 मीटर से कम के वर्ग 13 के पोतों को लागू होगा।

(2) हर ऐसा पोत, फलक पर के सभी व्यक्तियों को स्थान देने के लिए पर्याप्त कुल धारिता की डेबिटों से संलग्न रक्षा नौका या वर्ग ग नौका बहन करेगा।

(3) हर ऐसा पोत, फलक पर के सभी व्यक्तियों को, यथास्थिति, स्थान देने या सहारा देने के लिए पर्याप्त कुल धारिता के बचावतरापे या तरण साधित्र बहन करेगा।

(4) उपनियम (2) और (3) के अनुसरण में बहन की जा रही रक्षा नौका, वर्ग ग नौका, बचावतरापे और तरण साधित्र इस प्रकार नीमरित होंगे कि वे पोत की दोनों ओर से जल में प्रसरणी से प्रसरित हो सकें।

(5) हर ऐसा पोत कम से कम चार रक्षा बोय बहन करेगा, जिनके आधे में दश स्व-प्रज्वलन बतियों की व्यवस्था होगी।

(6) हर ऐसा पोत---

(1) फलक पर के हर व्यक्ति के लिए पांचवीं अनुसूची के भाग-1 की अपेक्षाओं के अनुपालन में एक रक्षा जाकेट बहन करेगा; और

(2) फलक पर के हर बालक के लिए पांचवीं अनुसूची के भाग-2 की अपेक्षाओं के अनुपालन में एक रक्षा जाकेट बहन करेगा।

36. (लंबाई में 45 मीटर या उससे अधिक किन्तु 75 मीटर से कम के पोत) वर्ग 13 के पोत---(1) यह नियम, लंबाई में 45 मीटर या उससे अधिक किन्तु 75 मीटर से कम के वर्ग 13 के पोतों को लागू होगा।

(2) हर ऐसा पोत---

(1) फलक पर के व्यक्तियों के कुल संख्या के आधे को स्थान देने के लिए पोत की प्रत्येक ओर डेबिटों से संलग्न पर्याप्त कुल धारिता की एक या उससे अधिक रक्षा नौका बहन करेगा; और

(2) फलक पर के सभी व्यक्तियों को स्थान देने के लिए पर्याप्त कुल धारिता के बचावतरापे बहन करेगा।

(3) हर ऐसा पोत कम से कम चार रक्षा बोय बहन करेगा जिनके आधे पर स्व-प्रज्वलन बतियों की व्यवस्था होगी।

(4) हर ऐसा पोत---

(1) फलक पर के हर व्यक्ति के लिए पांचवीं अनुसूची के भाग-1 की अपेक्षाओं के अनुपालन में एक रक्षा जाकेट बहन करेगा; और

(2) फलक पर के हर बालक के लिए पांचवीं अनुसूची के भाग-2 की अपेक्षाओं के अनुपालन में एक रक्षा जाकेट बहन करेगा।

(5) हर ऐसे पोत में एक अनुमोदित रस्सी प्रक्षेपण साधित्र की व्यवस्था होगी।

(6) हर ऐसे पोत में नियम 65 की अपेक्षाओं के अनुपालन में एक मुक्त हस्त रेडियो उपकरण की व्यवस्था होगी।

37. (लंबाई में 75 मीटर या उससे अधिक के पोत) वर्ग 13 के पोत---(1) यह नियम, लंबाई में 75 मीटर या उससे अधिक के वर्ग 13 के पोतों को लागू होगा।

(2) नियम 36 के उपबंध लंबाई में 75 मीटर या उससे अधिक के वर्ग 13 की उगी प्रकार लागू होंगे जैसे वे बंदई में 45 मीटर या उससे अधिक किन्तु 75 मीटर से कम के वर्ग 13 के पोतों को लागू होते हैं, यद्यपि हमसे कि लंबाई में 75 मीटर या उससे अधिक के किसी पोत के फलक पर बहन की जा रही रक्षा नौकाओं में से एक मीटर रक्षा नौका होगी।

38. वर्ग 14 के पोत---(1) यह नियम, लंबाई में 25 मीटर से कम के वर्ग 14 के पोतों को लागू होगा।

(2) हर ऐसा पोत फलक पर के सभी व्यक्तियों को, यथास्थिति स्थान देगा या सहारा देने के लिए अकेले ही या संयुक्त रूप से पर्याप्त कुल धारिता की एक नौका या बचावतरापे या तरण साधित्र बहन करेगा।

(3) हर ऐसा पोत कम से कम दो रक्षा बोय बहन करेगा जिनमें एक पर दश स्व-प्रज्वलन बतियों की व्यवस्था होगी।

(4) हर ऐसा पोत---

(1) फलक पर हर व्यक्ति के लिए पांचवीं अनुसूची के भाग-1 की अपेक्षाओं के अनुपालन में एक रक्षा जाकेट बहन करेगा; और

(2) फलक पर के हर बालक के लिए पांचवीं अनुसूची के भाग-2 की अपेक्षाओं के अनुपालन में एक रक्षा जाकेट बहन करेगा।

39. (लंबाई में 25 मीटर या उससे अधिक किन्तु 45 मीटर से कम के पोत) वर्ग 14 के पोत---(1) यह नियम, लंबाई में 45 मीटर या उससे अधिक किन्तु 45 मीटर से कम के वर्ग 14 के पोतों को लागू होगा।

(2) हर ऐसा पोत फलक पर के सभी व्यक्तियों को, यथास्थिति, स्थान देने या सहारा देने के लिए अकेले ही या संयुक्त रूप से पर्याप्त कुल धारिता की एक नौका या बचावतरापे या तरण साधित्र बहन करेगा।

(3) हर ऐसा पोत कम से कम चार रक्षा बोय बहन करेगा जिनके आधे में दश स्व-प्रज्वलन बतियों की व्यवस्था होगी।

(4) हर ऐसा पोत---

(1) फलक पर के हर व्यक्ति के लिए पांचवीं अनुसूची के भाग-1 की अपेक्षाओं के अनुपालन में एक रक्षा जाकेट बहन करेगा; और

(2) फलक पर के हर बालक के लिए पांचवीं अनुसूची के भाग-2 की अपेक्षाओं के अनुपालन में एक रक्षा जाकेट बहन करेगा।

40. (लंबाई में 45 मीटर या उससे अधिक के पोत) वर्ग 14 के पोत---(1) यह नियम, लंबाई में 45 मीटर या उससे अधिक के वर्ग 14 के पोतों को लागू होगा।

(2) हर ऐसा पोत फलक पर के सभी व्यक्तियों को स्थान देने के लिए पर्याप्त कुल धारिता की एक या उससे अधिक वर्ग ग नौकाएं बहन करेगा।

(3) उपनियम (2) के अनुसरण में बहन की जा रही वर्ग ग नौकाएं इस प्रकार नीमरित होंगी कि वे जल में प्रसरणी से प्रसरण हो सकें।

(4) हर ऐसा पोत---

(1) फलक पर के हर व्यक्ति के लिए पांचवीं अनुसूची के भाग-1 की अपेक्षाओं के अनुपालन में एक रक्षा जाकेट बहन करेगा; और



- (2) फलक पर के हर बालक के लिए पांचवीं अनुसूची के भाग-2 की अपेक्षाओं के अनुपालन में एक रक्षा जाकेट पहन करेगा।

41. बर्ग 15 के पोंत :—(1) यह नियम, लंबाई में 35 मीटर से कम के बर्ग 15 के पोंतों को लागू होगा।

- (2) हर ऐसा पोंत, फलक पर के सभी व्यक्तियों को स्थान देने के लिए पर्याप्त कुल धारिता के बचाव तरापे या तरण साधित रहन करेगा।

- (3) हर ऐसा पोंत कम से कम दो रक्षा बीये पहन करेगा जिन्हे से एक में रक्षा एवं प्रज्वलन बर्नी की व्यवस्था होगी।

- (4) हर ऐसा पोंत—

- (1) फलक पर के हर व्यक्ति के लिए पांचवीं अनुसूची के भाग 1 की अपेक्षाओं के अनुपालन एक रक्षा जाकेट पहन करेगा; और

- (2) फलक पर के हर बालक के लिए पंचवीं अनुसूची के भाग 2 की अपेक्षाओं के अनुपालन में एक रक्षा जाकेट पहन करेगा।

42. (लंबाई में 25 मीटर या उससे अधिक के पोंत) बर्ग 14 के पोंत :—(1) यह नियम लंबाई में 25 मीटर या उससे अधिक के बर्ग 14 के पोंतों को लागू होगा।

- (2) हर ऐसा पोंत, फलक पर के सभी व्यक्तियों को स्थान देने के लिए पर्याप्त कुल धारिता की एक य. उससे अधिक बर्ग ग नौकाएं पहन करेगा।

- (3) हर ऐसा पोंत, फलक पर के सभी व्यक्तियों को स्थान देने के लिए पर्याप्त कुल धारिता के बचावतरापे या तरण साधित रहन करेगा।

- (4) उपनियम (2) और (3) के अनुसरण में रहन की जा रही बर्ग ग नौकाएं, बचावतरापे या तरण साधित इस प्रकार नौबतित होंगे कि वह पोंत की दांतों और से जल में आमाना से अंतरित या अवतरित हो सके।

- (5) हर ऐसा पोंत कम से कम चार रक्षा बीये पहन करेगा जिनके आधे में रक्षा स्वप्रज्वलन वस्तियों की व्यवस्था होगी।

- (6) हर ऐसा पोंत—

- (1) फलक पर के सभी व्यक्तियों के लिए पांचवीं अनुसूची के भाग 1 की अपेक्षाओं के अनुपालन में एक रक्षा जाकेट पहन करेगा, और

- (2) फलक पर के हर बालक के लिए पंचवीं अनुसूची के भाग 2 की अपेक्षाओं के अनुपालन में एक रक्षा जाकेट पहन करेगा।

43. रक्षा नौकाओं के लिए साधारण अपेक्षाएं :—इन नियमों के अनुसरण में पोंत में रहन की जा रही सभी रक्षा नौकाएं चौथी अनुसूची में विनिर्दिष्ट अपेक्षाओं का अनुपालन करेंगी।

44. रक्षानौकाओं की रहन धारिता :—(1) (क) उपनियम (2) (3), (4) और (5) के उपबंधों के अधीन रहते हुए, उन व्यक्तियों की संख्या जिन्हें स्थान देने के लिए रक्षा नौका ठीक समझी जाएगी वह होगी जो '5' सूत्र द्वारा प्राप्त मंजूर बड़े संख्या पूर्णक के बराबर हो जहाँ '5' सातवीं अनुसूची के उपबंधों के अनुसार अवधारित घनमिटरों में रक्षा नौका, जब धारिता है और 10 प्रत्येक व्यक्ति के लिए घनमिटर में आयतन है जो 7.3 मीटर लंबाई या उससे अधिक की रक्षानौका के लिए 0.283 और 4.9 मीटर लंबाई या उससे अधिक रक्षानौकाओं की दशा में 0.396 होगा।

1102 GI/82—3

- (ख) रक्षानौका की मध्यवर्ती लंबाईयों के लिए 10 घनमान अनुमान द्वारा अवधारित किया जाएगा।

- (2) व्यक्तियों की यह संख्या जिसे स्थान देने के लिए रक्षानौका ठीक समझी गई है, रक्षा जाकेट पहने हुए उन व्यक्ति व्यक्तियों की संख्या से अधिक नहीं होगी जिन के लिए बैठने का समुचित स्थान इस प्रकार व्यवस्थित है कि व्यक्ति जब बैठे हों, वे चप्पुओं के प्रयोग या अन्य नीचे उतारकर के प्रचालन में किसी प्रकार बाधा न डालें।

- (3) कोई भी रक्षानौका 150 से अधिक व्यक्तियों को स्थान देने के लिए कि नहीं समझी जाएगी।

- (4) मोटर रक्षा नौका से निम्न कोई भी रक्षा नौका 100 से अधिक व्यक्तियों को स्थान देने के लिए ठीक नहीं समझी जाएगी।

- (5) मोटर रक्षा नौका या यंत्रनौका रक्षानौका से निम्न कोई भी रक्षानौका 60 से अधिक व्यक्तियों को स्थान देने के लिए ठीक नहीं समझी जाएगी।

45. मोटर रक्षा नौकाएं :—हर मोटर रक्षा नौका सातवीं अनुसूची की अपेक्षाओं का अनुपालन करने के अतिरिक्त निम्नलिखित अपेक्षाओं का भी अनुपालन करेगी।

- (क) इनमें सर्वत्र जन जन लगा होगा और ऐसा इंजन और इसके उपमाधन आठवीं अनुसूची की अपेक्षाओं का अनुपालन करेगी और इस प्रकार बनाए रखे जाएंगे कि सभी समय पर उपयोग में लाए जा सकें।

- (ख) इसमें खंड (घ) और खंड (ङ) में विनिर्दिष्ट गति पर 24 घंटे लगातार प्रचालन के लिए पर्याप्त ईंधन की व्यवस्था होगी।

- (ग) यह पीछे जाने में समर्थ होगी।

- (घ) यदि यह ऐसी रक्षा नौका है जिसकी नियम 4 के उपनियम (4), नियम 5 के उपनियम (5), नियम 6 के उपनियम (4), नियम 13 के उपनियम (4) के अनुसार व्यवस्था की गई है तो जब नियम 15 के उपनियम (2) या नियम 16 के उपनियम (6) के फलस्वरूप उनका विस्तार तेजपोंतों पर किया गया है तो जब इसमें व्यक्तियों की पूरी संख्या हो और उपस्कर लदे हो तो यह 6 मनुष्य प्रति घंटे की गति से शांत जल में आने जाने में समर्थ होगी।

- (ङ) यदि यह ऐसी मोटर रक्षा नौका है जिसकी खंड (घ) में विनिर्दिष्ट नियमों से निम्न किसी अन्य नियम के अनुसार व्यवस्था की गई है तो यह व्यक्तियों की पूरी संख्या और उपस्कर के साथ 4 मनुष्य मील की गति से शांत जल में आने जाने में समर्थ होगी।

46. यंत्र नौका रक्षा नौकाएं :—यंत्र नौका रक्षा नौकाओं में चौथी अनुसूची की अपेक्षाओं का अनुपालन करने के अतिरिक्त ऐसी मशीनरी लगी हुई होगी जो नवीं अनुसूची की अपेक्षाओं का अनुपालन करेगी।

47. बर्ग 'ग' नौकाएं :—बर्ग 'ग' नौकाएं पहली अनुसूची की अपेक्षाओं का अनुपालन करेंगी।

48. बचाव तरापे :—(1) बचाव तरापे दूसरी अनुसूची के भाग 1 या भाग 2 की अपेक्षाओं का अनुपालन करेगी।

- (2) दूसरी अनुसूची के भाग 1 की अपेक्षाओं के अनुपालन में बचाव तरापों का केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमोदित किसी सविस्तार स्टेशनों पर ऐसे अंतरालों पर जो 12 मास से अधिक होंगे, जो सर्वेक्षण किया जायेगा।

परन्तु यदि केन्द्रीय सरकार का समाधान हो जाता है कि ऐसे बचाव तराफों का 12 मास के अन्तराल पर सर्वेक्षण करना असाध्य है तो वह उस अन्तराल का 3 मास से अधिक के लिए विस्तार करने की अनुमति दे सकेगी।

49. उत्प्लवन साधितः—(1) उत्प्लवन साधित वसन्ती अनुसूची की अपेक्षा का अनुपालन करेगा।

(2) व्यक्तियों की वह संख्या जिसे सहाय्य देने के लिए उत्प्लवन साधित समझा जाएगा —

(क) उस अधिकतम पूर्णांक के, जो सहाय्य की किलोग्राम संख्या को जिसे उपकरण प्रत्येक जल में अपनी परत रस्सियों से सहाय्य देने में समर्थ है, 14.5 से भाग करने द्वारा प्राप्त हो, या

(ख) उस अधिकतम पूर्णांक संख्या के, जो उसके परिमाण को 30.5 द्वारा सेन्टीमीटरों में भाग करने से प्राप्त हो, इसमें से जो भी कम हो, बराबर होगी।

50. रक्षा नौकाओं, बर्ग ग नौकाओं, बचाव तराफों और उत्प्लवन साधित का विन्यासः—(1) (क) किसी रक्षा नौका या किसी बर्ग ग नौका की विभागे और व्यक्तियों की संख्या जिसे स्थान देने के लिए वह ठीक समझी गई है, इस पर स्पष्ट स्थायी अक्षरों में चिह्नित किया जाएगा।

(ख) पोत की रजिस्ट्री का पत्तन और पोत का नाम जिससे रक्षा नौका या बर्ग ग नौका संबंधित है, ऐसी रक्षा नौका या बर्ग ग नौका के माथे के दोनों ओर चिह्नित किया जाएगा।

(2) (क) व्यक्तियों को वह सहाय्य, जिसे वसन्ती अनुसूची के भाग 1 की अपेक्षाओं के अनुपालन में बचाव तराफ स्थान देने के लिए ठीक समझा गया है, बचाव तराफ पर और समुद्र के घेरे या अन्य आधार पर जिनमें बचाव तराफ, जब वह प्रयोग में नहीं है, रखा जाता है, स्पष्ट स्थायी अक्षरों में चिह्नित किया जाएगा।

(ख) ऐसे हर बचाव तराफ पर, कम संख्या विनिर्माण का नाम और विनिर्माण का वर्ष भी होगा।

(3) हर बचाव तराफ पर जो दूसरी अनुसूची के भाग 2 की अपेक्षाओं का अनुपालन करता है उस पोत का जिनमें वह रहता है नाम और रजिस्ट्री पत्तन और व्यक्तियों की वह संख्या जिसे स्थान देने के लिए वह ठीक समझा गया है, चिह्नित किया जाएगा।

(4) व्यक्तियों की वह संख्या, जिसे सहाय्य देने के लिए उत्प्लवन साधित ठीक है, उस पर स्पष्ट स्थायी अक्षरों में चिह्नित किया जाएगा।

51. रक्षा बोयः—रक्षा बोय ग्यारहवीं अनुसूची की अपेक्षाओं का अनुपालन करेंगे।

52. रक्षा बोयों बतियों, धूम संकेत और रस्सियाँ—(1) इन नियमों के अनुसार बहुत किए जा रहे रक्षा बोयों में नियम 4 के उपनियम (11), नियम 5 के उपनियम (14), नियम 6 के उपनियम (10), नियम 7 के उपनियम (14), नियम 8 के उपनियम (9) नियम 9 के उपनियम (9), नियम 10 के उपनियम (7), नियम 11 के उपनियम (4), नियम 12 के उपनियम (5), नियम 13 के उपनियम (7), नियम 19 के उपनियम (8), नियम 17 के उपनियम (4) नियम 18 के उपनियम (3), नियम 20 के उपनियम (4), नियम 21 के उपनियम (5), नियम 22 के उपनियम (5) नियम

23 के उपनियम (4), नियम 25 के उपनियम (4), नियम 26 के उपनियम (4), नियम 27 के उपनियम (4) नियम 23 के उपनियम (4), नियम 31 के उपनियम (4), नियम 32 के उपनियम (5), नियम 33 के उपनियम (4) नियम 34 के उपनियम (4), नियम 35 के उपनियम (5), नियम 36 के उपनियम (3), नियम 38 के उपनियम (3), नियम 39 के उपनियम (3), नियम 40 के उपनियम (4) और नियम 42 के उपनियम (5) में विनिर्दिष्ट मामलों पर स्वप्रचालन बतियाँ होंगी।

(2) (क) स्वप्रचालन बतियाँ बूझे बिना जल में रहने में समर्थ होंगी।

(ख) वे 45 मिनट से अधिक समय तक जल में समर्थ होंगी और उपरि गोलाई की सभी दिशाओं में 2 फीटल से अधिक दूरी की होंगी।

(3) तेल पोतों में बहुत किए जा रहे रक्षा बोयों से संलग्न स्वप्रचालन बतियाँ विद्युत बैटरी की होंगी।

(4) (क) हर पोत में, जिसकी लंबाई 25 मीटर से कम है और जो बर्ग 10 से 15 का पोत नहीं है पोत की प्रत्येक ओर एक रक्षा बोय से कम से कम 27.5 मीटर लम्बी उत्प्लवन रस्सी संलग्न होगी।

(ख) 25 मीटर से कम लम्बी हर बर्ग 10 के 15 के पोत में, पोत की प्रत्येक ओर एक रक्षा बोय से कम से कम 18 मीटर लम्बी उत्प्लवन रस्सी संलग्न होगी।

(ग) इस उपनियम के अनुपालन में रक्षा बोयों में जिनसे रस्सियाँ संलग्न हैं, स्वप्रचालन बतियाँ संलग्न नहीं होंगी।

(5) बर्ग 10, 11, 12, 13, 14 या 15 के पोत से भिन्न हर एक पोत में उपनियम (1) के उपबन्धों के अनुसार स्वप्रचालन बतियों से व्यवस्थित दो से अधिक रक्षा बोयों में कम से कम 15 मिनट के स्पष्ट दृश्यमान वर्ण के धूम उत्पन्न करने में समर्थ स्वतः सक्रिय धूम संकेतों की व्यवस्था होगी।

(6) (क) इन नियमों के अनुसार स्वप्रचालन बतियों और स्वतः सक्रिय धूम संकेतों से व्यवस्थित रक्षा बोयों, नौचालन कक्ष की प्रत्येक ओर, यदि कोई हो, बहुत कि जहाँ भी और इस प्रकार लगे होंगे कि शीघ्र निर्मुक्त होने में समर्थ हों।

(ख) खंड (क) में जहाँ विनिर्दिष्ट प्रत्येक रक्षा बोय या उस स्थिति में अन्य रक्षा बोय जहाँ स्वप्रचालन बतियों की नियुक्ति ऐसे रक्षा बोयों के धार पर निर्भर करनी है, 4-3 किलोग्राम से कम भार का नहीं होगा।

53. रस्सी प्रक्षेपण साधितः—हर एक रस्सी प्रक्षेपण साधित वार-हवीं अनुसूची की अपेक्षाओं का अनुपालन करेगा।

54. रक्षा नौकाओं और बर्ग ग नौकाओं के लिए उपस्कारः—

(1) उपनियम (2), (3) और (4) के उपबन्धों के अधीन रहने हुए हर रक्षा नौका उपस्कार निम्नलिखित प्रकार का होगा —

(क) एकद्वारी बैठक वाले उत्प्लवन कर्म चप्पू, अतिरिक्त उत्प्लवन चप्पू और एक उत्प्लवन कर्म चप्पू, मध्यमकोण के डेढ़ सेट बोरी या जंजीर द्वारा रक्षा नौका से संलग्न एक नौका हुक ;

(ख) बोरी या जंजीर द्वारा रक्षा नौका से संलग्न प्रत्येक प्लग छिद्र के लिए बांध प्लग (उसके सिवाय जहाँ सम्बन्धित स्वचालित बाल्व लगे हों) एक उलीचक और दो बाल्टियाँ

- (ग) रक्षा नौका में संलग्न एक सुकनन और एक पतावर;
- (घ) रक्षा नौका से बाहर चारों ओर झुलवायी रक्षा रस्सी, कील नितल या कील फिटिंगों के रूप में साधन ऐसी पकड़ रस्सियों सहित जो कील के नीचे परेज से सुरक्षित हो, यदि नौका उलट जाए तो व्यक्ति उसे पकड़ कर रक्षा नौका के साथ चिमट सकते हैं;
- (ङ) इस रूप में स्पष्ट रूप से चिह्नित एक लाकर, जो उपस्कर छोटी मर्बों के नौमरण के लिए उपयुक्त हों;
- (च) दो कुल्हाड़ी, रक्षा नौका के प्रत्येक सिरे पर एक;
- (छ) एक लैम्प जिसमें 12 घण्टे के लिए पर्याप्त तेल हो;
- (ज) एक जलरोधी बक्स जिसमें वायु से सरलता से न बुझने वाली दो विद्यामालाइयों के बक्स होंगे;
- (झ) मस्तूल जलरोधी रस्सियों सहित नारंगी रंग वाली पालों सहित जो पहिचान के प्रयोजन के लिए उम पोत के प्रथम और अंतिम अक्षर से चिह्नित होगी जिसकी रक्षा नौका है;
- (ञ) तेरहवीं अनुसूची के भाग 1 की अपेक्षाओं के अनुपालन में विनैकिल रखा हुए एक कम्पास;
- (ट) तेरहवीं अनुसूची के भाग 2 की अपेक्षाओं के अनुपालन में एक किरमिच लंगर;
- (ठ) पर्याप्त लंबाई और आकार के दो कर्षक रस्से जिनमें से एक रक्षा नौका के आगे मिलने गाठ से बंधा होगा ताकि यह निर्मुक्त हो सके और दूसरा रक्षा नौका के माथे पर दृढ़ता से बंधा होगा जो प्रयोग के लिए तैयार रखा जाएगा;
- (ड) एक पात्र जिसमें 4-5 लिटर शाक-मन्जी, मछली या जानत तेल हो। जल पर तेल के आसान वितरण के लिए एक साधन की व्यवस्था होगी और वह इस प्रकार से व्यवस्थित होगा कि वह किरमिच लंगर से संलग्न हो सके;
- (ढ) तेरहवीं अनुसूची के भाग 3 की अपेक्षाओं के अनुपालन में चार छतरी संकेत रकेत संकेत और तेरहवीं अनुसूची के भाग 4 के उपबन्धों के अनुपालन में छः हस्तधारित संकेत संकेत;
- (ण) तेरहवीं अनुसूची के भाग 5 की अपेक्षाओं के अनुपालन में दो उल्लवन धूँध संकेत;
- (त) तेरहवीं अनुसूची के भाग 6 की अपेक्षाओं के अनुपालन में एक प्राथमिक उपचार बक्स
- (थ) मोर्स संकेतन के लिए उपयुक्त बैटरियों के अतिरिक्त सेट के साथ एक जलसह विद्युत टार्च और एक जलसह आघात में एक अतिरिक्त बल्ब;
- (द) एक विवालाक संकेतन, वर्षण;
- (ध) टीन खोलने वाले से लगा हुआ एक जैक चाकू जो डोरी द्वारा रक्षा नौका से लगाया जाएगा;
- (न) दो छत्की उल्लवन बोकिया रस्सी;
- (प) तेरहवीं अनुसूची के भाग 8 की अपेक्षाओं के अनुपालन में एक करचल पम्प;
- (फ) एक सीटी;
- (ब) एक बर्सी, डोरी और छः काटे;
- (भ) स्पष्ट दृश्यमान वर्ग का एक ठमकन जो खुले रहने से होने वाले क्षति से अभिलेखियों की रक्षा करने में समर्थ हो।
- (म) कन्वेंशन, 1960 के भाग 5 के विनियम 16 की अपेक्षा नुसार बर्बाद संकेत सारणों को एक प्रति;
- (य) जन में व्यक्तियों को रक्षा नौका में चढ़ने के लिए समर्थ बनाने के साधन।
- (2) (क) किसी भी मोटर रक्षा नौका या यंत्र नौदित रक्षा नौका के लिए न तो मस्तूल या पाल और न चप्पुओं की आधे से अधिक संख्या को बहुत करना अपेक्षित होगा।
- (ख) ऐसी हर रक्षा नौका दो नौका हुक बहुत करेगी।
- (3) (क) हर मोटर रक्षा नौका, कम से कम दो सुबाह्य अग्नि शामक, जो तेल अग्नि को बुझाने के लिए उपयुक्त फेन या अन्य पदार्थ विनिर्जित करने में समर्थ हों बाजू की पर्याप्त मात्रा रखने वाला एक पात्र और बाजू के वितरण करने के लिए एक बैलची सहन करेगा।
- (ख) ऐसा सुबाह्य अग्नि शामक इस प्रकार के होंगे जो वाणिज्य पोत परिवहन (अग्नि साक्षित) नियम, 1969 की अपेक्षाओं का अनुपालन करते हों, निश्चय इसके कि प्रत्येक शामक की क्षमता 4-5 लीटर द्रव या इसके समतुल्य से अधिक नहीं होगी।
- (4) वर्ग 6, 10, 11 और 13 के पोतों में उपनियम (1) के खंड (झ), (घ) और (ब) में विनिर्दिष्ट उपस्कर बहुत करने की आवश्यकता नहीं है।
- (5) वर्ग 7, 11 और 12 के पोतों में उपनियम (1) के खंड (झ), (झ), (अ), (ग), (घ), फ, भ और म में विनिर्दिष्ट उपस्कर बहुत करने की आवश्यकता नहीं है।
- (6) इन नियमों के अनुसरण में बहुत को जा रही हर वर्ग ग नौका या रक्षा नौका जिनके बन्ने में वर्ग ग नौका बहुत की अनुज्ञा है, निम्नलिखित प्रकार से उपस्करयुक्त होगी :—
- (क) उल्लवन चप्पुओं को एकल संख्या और एक अतिरिक्त उल्लवन चप्पु परन्तु यह कि कमो भो तीन चप्पुओं से कम होंगे नौका से डोरी या जंजीर द्वारा संलग्न मध्यटकों का एक सेट और एक नौका हुक;
- (ख) डोरी या जंजीर द्वारा नौका संलग्न प्रत्येक प्लग छिद्र के लिए दो प्लग (सिवाय वहाँ के जहाँ समुचित स्वचालित बाल्व लगे हों) एक उल्लवक और एक बाल्टी;
- (ग) नौका से संलग्न एक सुकनन और एक पतावर;
- (घ) नौका के चारों ओर झुलवायी एक रस्सी रक्षा,
- (ङ) लाकर के रूप में स्पष्ट रूप से चिह्नित एक लाकर, जो उपस्कर की छोटी मर्बों के नौमरण के लिए उपयुक्त हों;
- (च) पर्याप्त लंबाई और लाकर का एक कर्षक रस्सा नौका के आगे मिलने गाठ से बंधा होगा ताकि यह निर्मुक्त हो सके;
- (छ) नितल कील या कील पट्टी के रूप में ऐसे साधन, जो यदि नौका उलट जाए तो व्यक्तियों को नौका की पकड़ने के लिए समर्थ बनाए;
- (ज) मोर्स संकेतन के लिए उपयुक्त बैटरियों के अतिरिक्त सेट के साथ एक जलसह विद्युत टार्च और जलसह आघात में एक अतिरिक्त बल्ब; और
- (झ) दो हल्की उल्लवन बोकिया रस्सियाँ।

55. रक्षा नौकाओं के लिए राजतः—(1) हर रक्षा नौका में उस प्रत्येक व्यक्ति के लिए जिसे स्थान देने के लिए यह ठोक समझी गई

है, कम से कम निम्नलिखित मापमान पर विनिर्दिष्ट राशन की व्यवस्था होगी—

(क) 450 ग्राम बिस्कुट

(ख) 450 ग्राम शर्करा; और

(ग) 450 ग्राम प्रथम क्वालिटी का मीठा किंवा हृद्य संश्लिष्ट दूध परन्तु वर्ग 6, 7, 10, 11, 12, 13, 14 और 15 के पोत जो देशी व्यापार की सीमाओं से आने नहीं बढ़ते हैं उन पर बहुत का हुई किन्ती रक्षा नीति को यह नियम लागू नहीं होगा।

(2) उपनियम (1) में विनिर्दिष्ट सभी खाद्य पदार्थ उपयुक्त जलरोधी आधानों में पैक किए जाएंगे और उन पर प्रत्येक व्यक्ति को उपदर्शित करने वाले लेबल लगे होंगे।

(3) (क) वर्ग 1 से वर्ग (8) जिसमें ये दोनों सम्मिलित हैं, के पोत में बहुत की जा रही है रक्षा नीति में प्रत्येक व्यक्ति के लिए जिसे यह स्थान देने के लिए ठीक समझी गई है, कम से कम 3 लिटर ताजा जल या प्रत्येक ऐसे व्यक्ति के लिए कम से कम 1 लिटर पेय जल की व्यवस्था करने में समर्थ लगभग उपसारक यंत्र के साथ कम से कम दो लिटर ताजा जल को व्यवस्था होगी और प्रत्येक वक्ता में जल की कुल मात्रा यहाँ तक साफ हो बढ़ा दी जाएगी।

(ख) खंड (क) में विनिर्दिष्ट वर्गों के पोतों में बहुत की जा रही है वर्ग 9 नौका में पर्याप्त मात्रा में जल की व्यवस्था होगी।

(4) रक्षा नौका में जल उपयुक्त आधानों में रखा जाएगा और हर आधान में कम से कम एक डिपर की जो एक डोरी के द्वारा आधानों से संलग्न होगा और 25, 50 और 100 मिलीलिटर में अंशकित तीन जंगल जल पीने के पात्रों की व्यवस्था होगी।

परन्तु दो लिटर से अधिक धारिता के आधान डिपर की व्यवस्था अनिवार्य नहीं होगी।

(5) उपनियम (4) में निविष्ट आधानों में जल यह सुनिश्चित करने के लिए कि यह पीने के लिए सदैव साफ और ठीक है, बार-बार बदला जाएगा।

56. कतिपय मोटर रक्षा नौकाओं के लिए विशेष उपस्कर—(1) वर्ग 1 और वर्ग 3 के हर पोत में, नियम 4 के उपनियम (5) के खंड (क) या नियम 6 के उपनियम (5) के खंड (क) के अनुपालन में बहुत की जा रही मोटर रक्षा नौकाओं में निम्नलिखित उपस्कर की व्यवस्था होगी, अर्थात्—

(क) एक रेडियो उपस्कर जो रेडियो विनियम, जिनेवा, 1959 का अनुपालन करेगा और उसके अतिरिक्त निम्नलिखित उपबंध भी उसकी लागू होंगे, अर्थात्—

(1) यह एक केबिन में प्रतिष्ठापित किया जाएगा जो उपस्कर और उसका प्रयोग करने वाले व्यक्ति, दोनों को जगह देने के लिए पर्याप्त बड़ा हो;

(2) व्यवस्था ऐसी होगी कि रेडियर और रिमोवर के दक्षता चूक प्रचलन में मोटर रक्षा नौका के इंजन की याधा के कारण ह्रास नहीं होगा, चाहे बैटरी चार्ज हो या न हो, और

(3) किसी इंजन बालन मॉटर या प्रचलन प्रणाली को शक्ति प्रवाह करने के लिए रेडियो बैटरी का प्रयोग नहीं किया जाएगा।

(ख) मोटर रक्षा नौका के इंजन से लगा हुआ और रक्षा नौका सभी बैटरियों को पुनः चार्ज करने में समर्थ एक डाइरेमी।

(2) (क) इस नियमों के अनुकरण के बहुत की जा रही सर्व लाईट जिनमें कम से कम 80 वाट का एक लैंप, एक प्रभाव-शाली परावर्तक और शक्ति का स्तर होगा जो, हल्के वर्ग वाली 18 मोटर चौड़ाई रखने वाली बस्तु को प्रभावित प्रदीपित 183 मोटर की दूरी पर कुल छ बड़े का अवधि तक देगा।

(ख) सर्वलाईट लगातार कम से कम 3 घंटे तक कार्य करने में समर्थ होगी।

57. रक्षा नौकाओं और वर्ग 9 नौकाओं में उपस्कर और राशन की सुरक्षा—(1) (क) किसी रक्षा नौका, वर्ग 9 नौका या अन्य नौका में व्यवस्थित उपस्कर की सभी भंडे, नौका हुक के सिवाय जो बचाव के प्रयोजन के लिए स्वतंत्र रक्षा जाएगा, रक्षा नीति या नौका के भीतर यथास्थित रूप से सुरक्षित होंगे।

(ख) कोई भी रस्ती इस रीति से प्रयोग की जाएगी कि वह उपस्कर की सुरक्षा सुनिश्चित करे और उठाने वाले हुक यदि लगे हों तो उनमें बाधा न डाले या सुगम नौरोहण को न रोके।

(ग) ऐसे उपस्कर की सभी मर्बे यथा संभव छोटी और भार में हल्की होंगी और उपयुक्त तथा संघनता से पैक की गई होंगी।

(2) रक्षा नौका में व्यवस्थित सभी राशन जलरोधी टैंकों में नौभारित किया जाएगा जो रक्षा नौका से दृढ़ता से बांधा जाएगा।

(3) भोजन और जल के राशन वाले टैंकों पर "भोजन" या "जल" जो भी समुचित हो, सहजदृश्य रूप से चिह्नित किया जाएगा।

58. बचाव तराफों के लिए उपस्कर और राशन—(1) उपनियम (2) और (3) के उपबंधों के प्रतीत रहने हुए हर एक बचाव तराफ में निम्नलिखित उपस्कर और राशन की व्यवस्था होगी—

(क) कम से कम 31 मोटर उत्पलवन रस्ती से संलग्न एक उत्पलवन बचाव क्रायट;

(ख) (1) उन बचाव तराफों के लिए 12 से अधिक व्यक्तियों को स्थान देने के लिए ठीक है, एक जैक चाकू और एक उलीचक;

(2) उन बचाव तराफों के लिए जो 13 या उससे अधिक व्यक्तियों को स्थान देने के लिए ठीक है, दो जैक चाकू और दो उलीचक;

(ग) दो स्पंज—

(घ) दो किरमिष लंगर, एक स्थायी रूप से बचाव तराफ से संलग्न और एक अतिरिक्त रस्ती सहित;

(ङ) दो पैडल;

(च) जब बचाव तराफा दूसरी अनुसूची के भाग 2 की अपेक्षाओं का अनुपालन नहीं करता हो तब उत्पलवन कक्षों में छेदों की मरम्मत करने में समर्थ करने वाला उपकरण;

(छ) जब बचाव तराफा दूसरी अनुसूची के भाग 2 की अपेक्षाओं का अनुपालन नहीं करता हो तब एक पातल मरने वाला पंप या धौकनी;

(ज) तीन निरपराधीम बोलने वाले;

(झ) तेरहवीं अनुसूची के भाग 8 की अपेक्षाओं का अनुपालन में एक प्राथमिक उपचार उपकरण;

(ञ) 25, 50 और 100 मिलीमोटर में अंशकित में एक जंगल जल पीने का पात्र,



- (ट) बैटरियों के एक अतिरिक्त सेट के साथ मोर्बे संकेतन के लिए उपयुक्त एक जल सह विद्युत टार्बे और जल सह आधान में एक अतिरिक्त बल्ब;
- (ठ) एक विद्यार्थी मिगल दर्पण और एक मिगल सीटी;
- (ड) तेरहवीं अनुसूची के भाग 3 की अपेक्षाओं के अनुपालन में दो छतरी संकेत राकेट संकेत;
- (इ) तेरहवीं अनुसूची के भाग 4 की अपेक्षाओं के अनुपालन में छः हस्तधारित संकेत संकेत-
- (ण) एक बंसी डोर और छः कांटे;
- (त) उस प्रत्येक व्यक्ति के लिए जिसे स्थान देने के लिए बचाव तारापाठीक समझा गया है, प्रति 450 ग्राम भार का कम से कम 2200 कैलोरों उत्पन्न करने वाला, 310 ग्राम पौन धम करने वाला उपयुक्त भोजन और 170 ग्राम जो शर्करा या समान रूप से उपयुक्त अन्य मिठाइयां।
- (थ) उस प्रत्येक व्यक्ति के लिए जिसे स्थान देने के लिए बचाव तारापाठीक समझा गया है, डेढ़ लीटर ताजा जल रखने वाला जल सह पात्र, जिनमें से प्रति व्यक्ति आधा लीटर ताजा जल को समान मात्रा उत्पन्न करने में समर्थ उपयुक्त लवण प्रसरित उपकरण द्वारा बदला जा सकेगा;
- (ब) प्रत्येक व्यक्ति के लिए जिसे स्थान देने के लिए बचाव तारापाठीक समझा गया है छः जहाजी मतली रोकने वाली टिकियां;
- (घ) बचाव तारापा में कैसे बंधे हुए वास्तव में जी और हिलो भाषाओं में मुद्रित अनुदेश;
- (न) सुरक्षा कवर्शन के भाग 5 के नियम 16 के अंगीत प्रवेशन बचाव संकेत, सारणी की एक प्रति।

(2) वर्ग 2 और 4 के पोतों में:

- (1) एक या अधिक बचाव तारापा जो ऐसे किसी पोत में बहन किए जा रहे बचाव तारापाओं को कुल संख्या के छठे भाग से कम न हों, उपनिधन (1) के खंड (क) से (छ) (जिनमें ये दोनों सम्मिलित हैं), (ट) (घ) और (न) में विनिर्दिष्ट उपस्कर और उसी उप-नियम के खंड (ड) और (इ) में विनिर्दिष्ट उपस्कर के आधे की व्यवस्था हो सकेगी।
- (2) खंड (1) के अनुसार उपस्थित बचाव तारापाओं से भिन्न बचाव तारापाओं में उपनिधन (1) के खंड (क) से (छ) (जिनमें ये दोनों सम्मिलित हैं) और (घ) और (न) में विनिर्दिष्ट उपस्कर की व्यवस्था होगी।
- (3) वर्ग 5, 6, 7, 10, 11, 12, 13, 14 और 15 के पोतों में बचाव तारापाओं में किरिषि संकेत के साथ जो बचाव तारापाओं से स्थायी रूप में संलग्न हैं, उन नियम के उपनिधन (1) के खंड (क), (ख), (ग), (इ), (च), (छ), (झ), (ड), (ड) और (थ) (द), (घ), (न) में विनिर्दिष्ट उपस्कर की व्यवस्था होगी।

59. प्राण रक्षा साधनों के नौकरण और चालन से संबंधित नौकरण उपबंध:--(1) प्रत्येक रक्षा नौका, वर्ग ग नौका या अन्य नौका, बचाव तारापा और उत्पन्न साधित की वस्तुओं के लिए ऐसी व्यवस्था होगी कि अन्य प्राण रक्षा साधनों के प्रवाहन में बाधा या किसी प्रकार उसके शीघ्र चालन में या अवतरण स्टेशन और वर्ग 1, 2, 3, 4 और 8 पोतों की दशा में जो अवतरण नहीं ढालेगा।

(2) रक्षा नौकाएं, वर्ग ग नौकाएं या अन्य नौकाएं, बचाव तारापा और उत्पन्न साधित इस प्रकार नौकाएं होंगे कि वे सभी का सेफन संभव समय में सुरक्षा पूर्वक अवतरित किए जा सकें और वर्ग 1, 2, 3, 4 और 8 के पोतों को दशा में या अवतरण साधनों के नीचे बचाव तारापा बहुत करते हैं, समस्त अवतरण प्रबंध 30 मिटर से अधिक नहीं होंगे।

60. रक्षा नौकाओं, वर्ग ग नौकाओं और अन्य नौकाओं का नौकरण और चालन:--(1) उपनिधन (2), (3) और (4) के उपबंधों के अधीन रहते हुए उन रक्षा नौका से भिन्न, जो वर्ग ग नौका या अन्य नौका के अनुकूल के रूप में बहन की गई है, डेबियों के एक सेट से संलग्न है, रक्षा नौका इस प्रकार व्यवस्थित होगी कि नीति की अनुकूल दशाओं में और दोनों और 15 डिग्री झुकाव होने पर भी, जब इन नियमों द्वारा अपेक्षित व्यक्तियों को पूरी संख्या और उपस्कर से लदी हों तो यह जन में अवतरित की जा सके, बिनाय इसके कि 45.7 मीटर से कम लंबाई वाले वर्ग 7 के पोतों में ऐसी रक्षा नौकाएं इस प्रकार व्यवस्थित होंगी कि पूर्वोक्त दशाओं में वे अपने अपेक्षित उपस्कर और कम से कम दो व्यक्तियों के अवतरण कर्मिंद से लदी हों तो वे जन में अवतरित की जा सकें।

(2) कोई रक्षा नौका जो वर्ग ग नौका या अन्य नौका के अनुकूल के रूप में बहन की गई है और कोई वर्ग ग नौका या अन्य नौका जो यंत्र नियंत्रित एमल भुज डेबिट से भिन्न डेबिट या डेबिटों के सेट से संलग्न है वह इन प्रकार व्यवस्थित होगी कि जब इन नियमों द्वारा अपेक्षित उपस्कर और दो व्यक्तियों, के अवतरण कर्मिंद सहित जब पोत सीधा हों तो वह पोत के किनारे एक ओर से या उन ओर से जिस ओर पोत 15 डिग्री झुका हो जल में अवतरित की जा सकती है।

(3) यंत्र नियंत्रित मल भुज डेबिट से संलग्न हर रक्षा नौका वर्ग ग नौका या अन्य नौका इन प्रकार व्यवस्थित होगी कि जब वह इन नियमों द्वारा अपेक्षित उपस्कर और दो व्यक्तियों के अवतरण कर्मिंद से लदी हो और जब पोत सीधा हों तो उसकी एक ओर से या उन ओर से जिन ओर पोत 15 डिग्री झुका हो जन में अवतरित की जा सके, उन मछरी पाइपे वाले जलयानों को दशा के बिनाय जो इन नियमों के अनुसार रक्षा नौका बहन करते हैं, रक्षा नौका इस प्रकार से व्यवस्थित होगी कि जब वह प्रोपेला उत्पन्न ओर दो व्यक्तियों के अवतरण कर्मिंद से लदी हों तो यह पोत को किसी ओर से या यदि पोत में झुकाव है तो उन ओर से जिन ओर पोत झुका हो जन में अवतरित की जा सके।

(4) नियम 11 के उपनिधन (2) के खंड (ख), नियम 23 के उपनिधन (1) के खंड (ख) और नियम 36 के उपनिधन (2) के खंड (1) के अनुपालन में बहन की जा रही हर रक्षा नौका या ग नौका, यदि डेबिट या डेबिटों से सेट से संलग्न नहीं है तो वह एक ऐसी युक्ति से संलग्न होगी जो प्रवाह नौका के अवतरण के प्रयोग के लिए व्यवस्थित होगी और जब पोत इन नियमों द्वारा अपेक्षित अपने उपस्कर और दो व्यक्तियों के अवतरण कर्मिंद से लदी हों तो पोत की ओर नौका की जल में अवतरित करने में समर्थ हों, और जब पोत सीधा हों या 15 डिग्री झुका हों तो ऐसी युक्ति रक्षा नौका या वर्ग ग नौका को पोत की उन ओर से जिन ओर वह झुका हो, जन में अवतरित करने में समर्थ हों।

(5) एक से अधिक रक्षा नौका, वर्ग ग नौका या अन्य नौका डेबिटों के किसी सेट, डेबिट या अवतरण के अन्य साधनों से संलग्न होगी।

(6) रक्षा नौकाएं केवल एक से अधिक डेक पर नौकरित की जा सकेंगी परन्तु यह तब जबकि ऊपर डेक पर नौकरित रक्षा नौकाओं को निचले डेक पर की रक्षा नौकाओं से उत्तरण को रोकने के लिए समुचित उपाय किये जाएं।

(7) (1) रक्षा नौकाएं पोत के मंदल में नहीं रखी जाएंगी,

- (2) रक्षा नौकाएं आवास स्थल और सेवा स्थानों के यथासमय समीप होंगी,
- (3) रक्षा नौकाएं ऐसी स्थिति में स्थित होंगी कि मोर्चक से निकासी और हल के पीछे के बाहर निकले हुए डालू हिस्से का विशेष ध्यान रखते हुए सुरक्षित अवतरण सुनिश्चित कर सकें और यथा साध्य यह सुनिश्चित कर सकें कि वे पोत की सीधी और अवतरित हो सकें।

(8) पोत में डेविट यथावश्यक रूप से रखे जाएंगे।

(9) इन नियमों के अनुसार व्यवस्थित डेविट विन्च, रस्से बरतनी और अवतरण साधन कौदहवी अनुमूर्ची की अपेक्षाओं का अनुपालन करेंगे।

(10) (क) निम्नलिखित वशाओं में डेविटों से संलग्न सभी रक्षा नौकाएं वर्ग ग नौकाएं या अन्य नौकाएं तार रस्से और त्रिव में युक्त होंगी :-

- (1) जब वे मुख्य डेविटों से संलग्न हों, या
- (2) जब वे यंत्र नियंत्रित एकल भुज डेविटों से संलग्न हों, या
- (3) जब वे वर्ग 1, 3, 4, 5, 8 और 9 के पोतों और लंबाई में 45 मीटर या उससे अधिक के वर्ग 13 के पोतों से लगे हो या
- (4) जब समुद्र में अवतरण की स्थिति में संलग्न रक्षा नौका, वर्ग ग नौका या अन्य नौका का भार 2300 किग्रा से अधिक हो:

परन्तु आपात रक्षा नौकाओं से भिन्न रक्षा नौकाओं की घटा में केन्द्रीय सरकार जहाँ उसका समाधान हो जाना है कि ऐसे रस्से पर्याप्त हैं, वहाँ वह बिना से लगे हुए या उनके बिना अन्य प्रकार के रस्सों के लिए प्रयुक्त हो सकेंगी।

(ख) हर पोत में, जिसमें रक्षा नौकाएं, वर्ग ग नौकाएं या अन्य नौकाएं तार रस्से से युक्त हों तो ऐसे रस्सों के जालन के लिए बिचों की व्यवस्था की जाएगी।

(ग) नियम 4 के उपनियम (3), नियम 5 के उपनियम (4) और नियम 6 के उपनियम (4) के अनुपालन में बहन की जा रही आपात रक्षा नौकाएं ऐसे बिचों से युक्त होंगी जो, जब रक्षा नौका इन नियमों द्वारा अपेक्षित अपने उपस्कर और 1016 किग्रा के बराबर वितरित भार से लदी हो तो उस प्रति मिनट 18 मीटर से अधिक गति से पुनः प्राप्त करने में समर्थ हो।

(11) सभी रक्षा नौकाएं वर्ग ग नौकाएं या अन्य नौकाएं जो बिचों से युक्त हैं, उनकी पुनः प्राप्ति के लिए प्रभावशाली हस्तगिर की व्यवस्था की जाएगी।

(12) जहाँ डेविट, शक्ति द्वारा रस्सों के कार्य द्वारा पुनः प्राप्त किए जाते हैं, वहाँ सुरक्षा युक्तियां लगी होंगी जो जब डेविट सोपान से कम से कम 10 सेण्टीमीटर दूर हों, तो यह सुनिश्चित करने के लिए कि तार रस्सा या डेविट प्रतिप्रतिबलित नहीं है, शक्ति का स्वतः काट देगा।

(13) जब तक इन नियमों में अभिव्यक्त रूप से अन्यथा उपबंधित न हो 15 डिग्री के झुकाव पर रक्षा नौकाओं के अवतरण की मुहर बनाने के लिए किसी रक्षा नौका में, जो डेविटों के अंजन नौमरेन का गर्द है, स्केट या अन्य उपयुक्त साधनों की व्यवस्था होगी, डेविट ऐसे सामर्थ्य के होंगे कि इन नियमों द्वारा अपेक्षित व्यक्तियों की पूरी संख्या और उपस्कर सहित रक्षा नौका जल में अवतरित की जा सके।

(14) पोत की दिशा के विरुद्ध पूर्ण रूप से लदी वशा में अवतरित होने में समर्थ होने के लिए अपेक्षित रक्षा नौकाओं को व्यक्तियों के सुरक्षित

नीरोहण के लिए वहाँ धारण करने के लिए साधनों की व्यवस्था की जाएगी।

(15) (क) किसी पोत में जो उस पोत से भिन्न है जिनमें रक्षा नौका, वर्ग ग नौका या अन्य नौका यंत्र नियंत्रित एकल भुज डेविट से संलग्न है, डेविट तार रस्सा पाट से लगा होगा जो इस प्रकार स्थित होगा कि जब नौका अवतरण की स्थिति में हो तो पाट नौका का केन्द्रीय लाइन के ऊपर यथासाध्य निकट हो।

(ख) ऐसा तार रस्सा पाट कम से कम दो रक्षा रस्सियों से लगा होगा जो उच्चतम समुद्र गामी डुबाव और किसी और 15 डिग्री झुके हुए पोत से जल तक पहुंचने के लिए पर्याप्त लम्बा होगा।

(16) (क) डेविटों से संलग्न रक्षा नौकाएं वर्ग ग नौकाएं और अन्य नौकाएं कार्य के लिए रस्सा तैयार रखेंगी और ऐसा रस्सा उच्चतम समुद्रगामी डुबाव और किसी और 15 डिग्री झुके हुए पोत से जल तक पहुंचने के लिए पर्याप्त लम्बा होगा।

(ख) रक्षा नौकाओं, वर्ग ग नौकाओं और अन्य नौकाओं को रस्से से अलग करने के लिए साधनों की व्यवस्था की जाएगी।

(ग) जब पंद्रहवीं अनुमूर्ची की अपेक्षाओं के अनुपालन में अलग करने वाला गियर नहीं लगा हुआ हो, तब स्विग हुक से संलग्न करने के लिए बिचले रस्से में उपयुक्त छल्ला या लम्बा योजक लगा होगा।

(घ) वे स्थान जहाँ रक्षा नौकाएं, वर्ग ग नौकाएं और नौकाएं रस्से से लगी हों परत से ऊपर हतनी ऊंचाई पर होंगे जिससे रक्षा नौकाओं वर्ग 'ग' नौकाओं और अन्य नौकाओं की जन में अवतरित करने में उनका स्वातिर्य सुनिश्चित हो जाए।

(17) (क) नियम 4 के उपनियम (4), नियम 5 के उपनियम (4), नियम 6 के उपनियम (3) और नियम 7 के उपनियम (4) के अनुपालन में बहन की जा रही हर एक आपात रक्षा नौका में, जब प्रतिफल मौसम की वशाओं में नौका समुद्र से पुनः प्राप्त की जाती है तो उसके उठाने की व्यवस्था से निचले रस्से के लगाव की मुहर बनाने वाले साधनों की व्यवस्था की जाएगी।

(ख) इन प्रयोजन के लिए, प्रत्येक डेविट के लिए पर्याप्त समर्थ और यथावश्यक लंबाई की एक कूट रस्सी की व्यवस्था की जाएगी और कूट रस्सी का एक सिधा बिचले रस्से से और दूसरा सिधा नौका पर उठाने वाला व्यवस्था से संलग्न होगा।

(ग) इसके प्रतिरुक्त निचले रस्से को उठाने वाले हुक से सीधे संलग्न होने में समर्थ बनाने के लिए उठाने के पश्चात् नौका को ठीक स्थिति में बनाए रखने के लिए भी साधनों की व्यवस्था की जाएगी।

(18) किसी पोत में, जब कोई रक्षा नौका डेविटों के किसी सेट, डेविट या अवतरण के अन्य साधनों से जो ऐसे वर्ग के पोत के लिए जो इन नियमों में विनिर्दिष्ट निति की या झुकाव की घटाओं में इन नियमों द्वारा अपेक्षित व्यक्तियों की पूरी संख्या और उपस्कर से भारित होने पर मोटा की जन में सुरक्षित रूप से अवतरित करने के लिए पर्याप्त रूप से समर्थ नहीं है, संलग्न है या जब कोई वर्ग ग नौका या अन्य नौका डेविटों द्वारा सेट डेविट या अवतरण के अन्य साधनों से जो इन नियमों द्वारा अपेक्षित व्यक्तियों की पूरी संख्या और उपस्कर से लदी ऐसे वर्ग ग नौका या अन्य नौका के सुरक्षित रूप से अवतरण करने के लिए पर्याप्त रूप से समर्थ नहीं है, संलग्न है, तो डेविटों के ऐसे प्रत्येक सेट, डेविट या अव-

तरण के अन्वय साधन प्रवेश पृष्ठ भूमि पर रंगी हुई 15.25 सेंटीमीटर चौड़ी लाल पट्टी से सहज दृश्य रूप से चिह्नित किया जाएगा।

6. बचाव तराफों, उत्पन्नन साधित्र और रक्षा बांधों का नीभरण और चालन : (1) बचाव तराफे और उत्पन्नन साधित्र इस प्रकार नीभरित होंगे कि वे नति की अनुकूल दशाओं में भी और किसी भी और 15 डिग्री झुकाव तक सुरक्षापूर्वक जल में अवतरित किए जा सकें।

(2) (क) वर्ग 1 और वर्ग 2 के हर पोत में, जो नियम 4 के उपनियम (2) के खंड (ख) का नियम 5 के उपनियम (8) के परन्तुक में मद (ग) के अनुसार बचाव तराफे बहुत करना है ऐसे बचाव तराफों के लिए तीसरी अनुसूची की अपेक्षा के अनुपालन में अवतरण साधित्र की व्यवस्था की जाएगी।

(ख) वर्ग 3 के हर पोत में, जो नियम 6 के उपनियम (2) के खंड (ख) के अनुसार बचाव तराफे बहुत करना है, ऐसे बचाव तराफों के लिए तीसरी अनुसूची की अपेक्षाओं के अनुपालन में अवतरण साधित्रों की इसी संख्या में व्यवस्था की जाएगी जो केन्द्रीय सरकार ठीक समझे जो, जहाँ तक साध्य हो, पोत की प्रत्येक और समविभाजित होंगे : परन्तु पोत की प्रत्येक और कम से कम हर समय ऐसा एक साधित्र होगा।

(ग) हर बचाव तराफा अवतरण साधित्र इस प्रकार व्यवस्थित होगा कि नति की अनुकूल दशाओं में भी और किसी और 15 डिग्री झुकाव तक प्रत्येक बचाव तराफे को जो ऐसे साधित्र के साथ प्रयोग के लिए डिजाइन किया गया है, व्यक्तियों की पूरी संख्या और उपस्कर से लदे होने पर अवतरित किया जा सके।

(घ) बचाव तराफे जिनके लिए अवतरण साधित्र की व्यवस्था की गई है, और ऐसे अवतरण साधित्र पोत के मंडाल में नहीं रखे जायेंगे और इस प्रकार रखे जायेंगे कि नौक से निकामी और हल के पीछे के बाहर निकल हुए बालू हिस्से का विवेक ध्यान रखते हुए सुरक्षित अवतरण सुनिश्चित कर सकें, और यथामाध्य यह सुनिश्चित कर सकें कि पोत को मोड़ी और अवतरित हो सके।

(ङ) बचाव तराफे, जिनके लिए अवतरण साधित्र की व्यवस्था की गई है, व्यक्तियों के सुरक्षित नीरोहण के लिए उनकी बड़ी धारण करने की पाल की ओर जाने के लिए साधनों की व्यवस्था की जाएगी।

(3) रक्षा बांधे इस प्रकार नीभरित होंगे कि सभी व्यक्तियों की उन तक सरलता से पहुँच हो सके और इस प्रकार से कि वे शीघ्रता से ठीले छोड़े जा सकें।

(4) रक्षा बांधे इस प्रकार नीभरित होंगे कि सभी व्यक्तियों की उन तक सरलता से पहुँच हो सके और उनकी स्थिति स्पष्ट रूप में और स्थायी रूप में उपस्थित की जाएगी।

62. रक्षा नौकाओं और वर्ग 'य' नौकाओं, अन्य नौकाओं और बचाव तराफों पर नीरोहण : (1) यह सुनिश्चित करने के लिए व्यवस्था की जाएगी कि रक्षा नौकाओं वर्ग 'य' नौकाओं, अन्य नौकाओं और बचाव तराफों में सीधता से और ठीक प्रकार से नीरोहण करना संभव हो।

(2) हर पोत में, जहाँ उसका परिचालन किया जाने वाला है, उस समय यात्रियों और कर्मी वन को चेतावनी देने के लिए व्यवस्था की जाएगी।

(3) (क) (1) वर्ग 8, 9 और 10 के पोतों में, जब पोत का लंबाई 45 मीटर से अधिक है, जहाँ डेबिट, रक्षा नौका को, जब वह व्यक्तियों की पूरी संख्या और उपस्कर से लदी हो जैसा कि इन नियमों द्वारा अपेक्षित है, अवतरित करने के लिए समर्थ है, वहाँ रक्षा नौका डेबिटों के प्रत्येक सेट में एक सीटों सीडी बहुत की जाएगी।

(2) वर्ग 1, 2 और 6 के पोतों में भी ऐसी व्यवस्था होगी, सिवाय इसके कि ऐसे पोतों में केन्द्रीय सरकार ऐसी सीटियों के बढव उपयुक्त यात्रिक युक्तियों की अनुज्ञा दे सकेगा परन्तु हर ऐसे पोत की प्रत्येक और कम से कम एक सीडी होगी।

(ख) वर्ग 8, 9, 10, 11, 12, 13 और 14 के पोतों में जो एक वर्ग 'य' नौका या एक रक्षा नौका बहुत करते हैं, जो जब वह इन नियमों द्वारा अपेक्षित व्यक्तियों की पूरी संख्या और उपस्कर से लदी हो अवतरित होने में समर्थ नहीं हो तो नौका में व्यक्तियों के नीरोहण के लिए यथावित साधनों की व्यवस्था की जाएगी।

(ग) कुल 500 टन या उससे अधिक के वर्ग 1 से 10 और वर्ग 11 से 14 के पोतों में बचाव तराफों में जब वे जल में हों नीरोहण को सुकर बनाने के लिए पर्याप्त सीटियों की व्यवस्था की जाएगी, सिवाय इसके कि ऐसे पोतों में केन्द्रीय सरकार ऐसी कुछ या सभी सीटियों के बढव यथावित यात्रिक युक्तियों की अनुज्ञा दे सकेगी।

(घ) इस उपनियम के उपबन्धों के अनुपालन में व्यवस्था सीटियाँ प्रतिम डूबाव तक और 15 डिग्री झुके हुए पोत से जल रेखा तक पहुँचने के लिए पर्याप्त लम्बाई की होगी।

(4) हर पोत में, इंजिन कम से बाहर स्थित साधनों की व्यवस्था की जाएगी जिससे नियत अवतरण स्वातों पर, इनमें वे भी सम्मिलित हैं जो अवतरण साधित्र के अधीन हैं रक्षा नौकाओं और बचाव तराफों में जल के निस्सारणों का निवारण किया जा सके।

63. रक्षा नौकाओं और बचाव तराफों में कर्मीवन का नियोजन :—

(1) वर्ग 1, 2, 3, 4 और 5 के पोतों में, प्रत्येक रक्षा नौका का प्रभारी एक डेफ आफिसर या एक प्रमाणपत्रित रक्षा नाविक होगा और एक द्वितीय समावेश भी नामनिर्दिष्ट किया जाएगा। भारमावक व्यक्ति, रक्षा नौका कर्मीवल की एक एक सूची रखेगा और यह देखेगा कि उसके आदेशों के अधीन रखे गए व्यक्ति अपने विभिन्न कर्तव्यों से परिचित हैं।

(2) वर्ग 1 और 3 के पोतों में बचाव तराफों के चालन और प्रचालन में प्रशिक्षित एक व्यक्ति प्रत्येक बचाव तराफे में लगाया जाएगा।

(3) (क) वर्ग 2 के पोतों में, जो अवतरण साधित्र से मुक्त बचाव तराफे बहुत करते हैं, बचाव तराफे के चालन और प्रयोग में प्रशिक्षित दो व्यक्ति प्रत्येक अवतरण साधित्र के लिए लगाए जाएंगे।

(ख) वर्ग 3, 4 और 5 के पोतों में, ऐसे बचाव तराफे बहुत करते हैं जो अवतरण साधित्र से युक्त नहीं हैं, और जो नियत अवतरण स्थान पर सन्तुष्टों में नीभरित किए जाते हैं, बचाव तराफों के चालन और प्रचालन में प्रशिक्षण एक व्यक्ति ऐसे प्रत्येक स्थान के लिए लगाया जाएगा।

(4) वर्ग 1, 2, 3, 4 और 5 के पोतों में, रेडियो उपस्कर और सर्वलैण्ट उपस्कर के परिचालन में समर्थ एक व्यक्ति ऐसे उपस्कर को बहुत करने वाली प्रत्येक रक्षा नौका में लगाया जाएगा।

(5) हर पोत जिसमें मोटर नौकाएं बहुत की जाती हैं, मोटर के परिचालन में समर्थ एक व्यक्ति प्रत्येक मोटर रक्षा नौका में लगाया जाएगा।

64. प्रमाणपत्रित रक्षा नाविक :— (1) वर्ग 1, 2, 3, 4 और 5 के हर पोत के कर्मीवन में इन नियमों के अनुसार बहुत की जा रही प्रत्येक रक्षा नौका के लिए प्रमाणपत्रित रक्षा नाविकों की संख्या भी सम्मिलित है जो निम्नलिखित सारणी में विनिर्दिष्ट संख्या से कम नहीं होगी।

## सारणी

एक रक्षा नौका के लिए विहित व्यक्तियों की संख्या	अपेक्षित प्रमाणपत्रित रक्षा नाविकों की न्यूनतम सं०
41 व्यक्तियों से कम	2
41 व्यक्तियों और उससे अधिक किन्तु 62 व्यक्तियों से कम	3
62 व्यक्तियों और उससे अधिक किन्तु 86 व्यक्तियों से कम	4
86 व्यक्तियों और उससे अधिक	5

- (2) इस नियम में विहित व्यक्तियों की संख्या से व्यक्तियों की वह संख्या अधिदेत है, जिसे रक्षा नौका इन नियमों के अंतर्गत स्थान देने के लिए ठीक समझी गई है।

65. सुबाह्य रेडियो उपकरण:—(1) नियम 5 के उपनियम (11), नियम 6 के उपनियम (6), नियम 7 के उपनियम (12), नियम 8 के उपनियम (8), नियम 9 के उपनियम (7), नियम 11 के उपनियम (5), नियम 12 के उपनियम (6), नियम 13 के उपनियम (9) नियम 16 के उपनियम (9), नियम 18 के उपनियम (4), के अनुसार बहुत किए जाने के लिए अपेक्षित सुबाह्य रेडियो उपकरण, रेडियो विनियम, जिनका 1959 की ऐसी अपेक्षाओं का अनुपालन करेगा जो उसको लागू होती हैं और द्योतित स्थान पर, आपात की वशा में रक्षा नौका और बचाव तरापे में रखने के लिए तैयार रखा जाएगा।

- (2) पोतों में जहाँ अधिरक्षताओं और वरों का विन्यास ऐसा है जिसमें मुख्य प्रविष्ट और नौका पर्वण रूप से आते और पीछे पृथक् होते हैं, ऐसा उपकरण उस रक्षा नौकाओं या बचाव तरापों के समीप रखा जाएगा जो मुख्य प्रेषित से सर्वाधिक दूर हों।

66. विद्युत प्रचालित संकेत:—वर्ग 1, 2, 3, 4 और 5 के हर पोत में, पूरे पोत में मस्टर स्टेशनों पर पुल से दिये जाने के लिए नियंत्रित विद्युत प्रचालित संकेतों की व्यवस्था की जाएगी।

67. विद्युत प्रकाश:—(1) (क) वर्ग 1, 2, 3, 4, 5 और 6 के हर पोत में, पूरे पोत में और विभाजित डेक पर, जिससे रक्षा नौकाओं और बचाव तरापों की निरीक्षण होता है विद्युत प्रकाश प्रणाली की व्यवस्था की जाएगी।

- (ख) ऐसे हर पोत में, अवतरण गियर और रक्षा नौका और बचाव तरापों में जो अवतरण की तैयारी और प्रक्रिया के दौरान काम में आते हैं, विद्युत प्रकाश की और जल, जिसमें अवतरण साधित से युक्त रक्षा नौकाएं और बचाव तरापे अवतरित किए जाते हैं, जब तक अवतरण की प्रक्रिया पूरी नहीं हो जाती है उससे प्रकाश के लिए भी और बचाव तरापों के, जिनके लिए अवतरण साधित की व्यवस्था नहीं है, नौमरण स्थान में प्रकाश के लिए व्यवस्था की जाएगी।

- (ग) प्रकाश, पोत के मुख्य विद्युत उत्पादक संयंत्र से प्रचालित किया जाएगा, और इस प्रकार व्यवस्थित होगा कि यात्री पोतों के सन्निर्माण से संबंधित अधिनियम की धारा 281 के अधीन बनाए गए नियमों के अधीन ऐसे पोतों के लिए व्यवस्था की जाने के लिए अपेक्षित शक्ति के आपात स्त्रोत में दी जा सकेगी।

- (2) वर्ग 1, 2, 3, 4, 5 और 6 के हर पोत से साधियों या कर्मियों को अधिमार्ग में हर मुख्य कक्ष से निर्गम द्वारा, पोत

के मुख्य विद्युत संयंत्र से प्रचालित आपात विद्युत लैम्प से नौमरण प्रकाशित किया जाएगा और यह इस प्रकार व्यवस्थित होगा कि यात्री पोतों के सन्निर्माण से संबंधित अधिनियम की धारा 284 के अधीन बनाए गए नियमों के अधीन, ऐसे पोतों के लिए व्यवस्था की जाने के लिए अपेक्षित शक्ति के आपात स्त्रोत में दी जा सकेगी।

- (3) (क) कुल 500 टन या उससे अधिक के वर्ग 7 से 9 के हर पोत में, अवतरण गियर, रक्षा नौकाओं और बचाव तरापों में जो अवतरण की तैयारी और प्रक्रिया के दौरान काम में आते हैं विद्युत प्रकाश और जल जिसमें अवतरण साधित से युक्त रक्षा नौकाएं और बचाव तरापे अवतरित किए जाते हैं, जब तक अवतरण की प्रक्रिया पूरी नहीं हो जाती है, उससे प्रकाश के लिए भी और बचाव तरापों में, जिनके लिए अवतरण साधित की व्यवस्था नहीं है, नौमरण स्थान में प्रकाश के लिए व्यवस्था की जाएगी।

- (ख) कुल 1600 टन या उससे अधिक के वर्ग 8 से 10 के हर पोत में, गलियों, सीढ़ियों और निर्गम द्वार के विद्युत प्रकाश के लिए ऐसी व्यवस्था होगी जिससे यह सुनिश्चित हो जाए कि पोत पर सभी व्यक्तियों की, रक्षा नौकाओं और बचाव तरापों के अवतरण स्टेशन और नौमरण स्थान तक पहुँचने में बाधा न हो।

- (ग) खंड (क) और (ख) के अधीन अपेक्षित प्रकाश, पोत के मुख्य विद्युत उत्पादक संयंत्र से प्रचालित होगा और इसके अतिरिक्त—

- (1) कुल 5000 टन या उससे अधिक के ऐसे हर पोत में, या उन पोतों की वशा में वाणिज्य पोत परिवहन (स्वयं पोत सन्निर्माण और सर्वेक्षण) नियम, 1974 के नियम 7 के उपनियम (1) के अधीन जिनको वे नियम लागू होते हैं ऐसे प्रकाश के लिए व्यवस्थित विद्युत शक्ति के आपात स्त्रोत से प्रचालित होने में समर्थ होंगे।

- (2) कुल 1600 टन से अधिक किन्तु कुल 5000 टन से कम के हर पोत में या उन पोतों की वशा में वाणिज्य पोत परिवहन (स्वयं पोत सन्निर्माण और सर्वेक्षण) नियम, 1974 के नियम 8 के उपनियम (1) के अधीन, जिनको वे नियम लागू होते हैं, ऐसे प्रकाश के लिए व्यवस्थित विद्युत शक्ति के आपात स्त्रोत से प्रचालित होने में समर्थ होंगे।

- (ब) कुल 500 टन या उससे अधिक किन्तु 1600 टन से कम के हर पोत में इस उपनियम के खंड (ग) के अधीन अधीन अपेक्षित प्रकाश पोत के मुख्य विद्युत उत्पादक संयंत्र से प्रचालित होगा और इसके अतिरिक्त ऐसे पोतों या उन पोतों की वशा में वाणिज्य पोत परिवहन (स्वयं पोत सन्निर्माण और सर्वेक्षण) नियम, 1974 के नियम 9 के उपनियम (1) के अधीन जिनको वे नियम लागू होते हैं ऐसे प्रकाश के लिए व्यवस्थित विद्युत शक्ति के आपात स्त्रोत से प्रचालित होने में समर्थ होंगे या यदि केन्द्रीय सरकार ऐसी अनुशासनी है तो इस शर्त के अधीन कि प्रकाश परीक्षण का सख्तता से निष्पेक्ष किया जा सकेगा है और अपेक्षित स्त्रोत, उन नियमों के अधीन अपेक्षित धारिता के कम हुए बिना अतिरिक्त भार या भारों या प्रदाय करने के लिए समर्थ है, तो रेडियो विनियम, जिसे 1995 के अधीन ऐसे पोतों के लिए व्यवस्थित विद्युत ऊर्जा के अपेक्षित स्त्रोत से प्रचालित होगा।

- (4) वर्ग 8, 9 और 10 के हर पोत में, जिनके उपनियम (3) लागू नहीं होता है, और वर्ग 8 के हर पोत में अवतरण की तैयारी और प्रक्रिया के दौरान अवतरण गियर और रक्षा



नौकाओं या नौकाओं में विद्युत प्रकाश के लिए और बचाव तालों के तैमरण स्थान में प्रकाश के लिए भी मापनों की व्यवस्था की जाएगी।

68. पोत के संकट संकेत—(1) वर्ग 10 से 15 के पोतों के, जो लंबाई में 24 मीटर से कम हैं, मिवाग हर पोत, मोलहकी अनुसूची के अपेक्षाओं के अनुपालन में कम से कम आरह छमरी संकट संकेत संकेत बहन करेगा।

(2) लंबाई में 24 मीटर से अधिक के पोतों से भिन्न वर्ग 10 से 15 के पोत उपनियम (3) के अनुपालन में कम से कम छल लागू तारक संकट संकेत बहन करेंगे।

(3) इस नियम के अधीन अपेक्षित कोई भी लागू तारक संकेत 15.7 मीटर से अन्यून ऊंचाई पर या साथ-साथ या पृथक् रूप से या दो अधिक लागू तारकों के उत्सर्जन में समर्थ होगा, और इन तारकों में से प्रत्येक 5 सेकेंड से अन्यून 5000 कैंडल पावर को न्यूनतम प्रतीति से अजेगी।

(4) सभी प्राणिनी संकट संकेत रोधी आधान में पैक किए जाएंगे और उन पर उनका प्रयोग उपरिष्ठ करने के लिए स्पष्ट और अमिट रूप से अपर हवल लगे होंगे।

69. समतुल्य वस्तुएं और छूट :—जहां इन नियमों द्वारा यह अपेक्षित हों कि कोई विशेष फिटिंग, सामग्री, साधन या उपकरण या उनका प्रकार, पोत में लगा या बहन किया जाएगा या कि कोई विशेष व्यवस्था की जाएगी, वहां केन्द्रीय सरकार किसी अन्य फिटिंग, सामग्री साधन या उपकरण या उनके प्रकार जो पोत में फिट होने, बहन किए जाने या किसी अन्य को जाने वाली व्यवस्था की अनुज्ञा तब दे सकती जब उसके परीक्षण के द्वारा उसका यह समाधान हो जाता है कि ऐसे अन्य फिटिंग, सामग्री, साधन या उपकरण या उसका प्रकार या व्यवस्था कम से कम उनकी प्रभावशाली है जितनी इन नियमों द्वारा अपेक्षित है।

(2) किसी पोत के स्वामी के आवेदन पर यदि केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि उस पोत में इन नियमों द्वारा अपेक्षित डेबिटों के सेटों की संख्या का फिट किया जाना साध्य या युक्तियुक्त नहीं है तो केन्द्रीय सरकार, ऐसी शर्तों के अधीन, यदि कोई हो, जिन्हें अधिरोपित करना वह ठीक समझे, उस पोत में डेबिटों के एक या अधिक सेट लगाने से छूट दे सकती; परन्तु वर्ग 2 और 4 के पोतों की दशा में फिट किए गए डेबिटों के सेटों की संख्या, नियम 5 के उप नियम (2) और (8) और नियम 7 के उपनियम (2) और (2) के अधीन छोटी अनुसूची में उपरिष्ठ सारणी के स्पष्ट छ द्वारा अवधारित न्यूनतम संख्या से किसी भी रूप में कम नहीं होगी।

(3) यदि वर्ग 1 या 3 के किसी पोत को, जब वह भारत में किसी पत्तन या स्थान से समुद्र में जाता है, विनिर्दिष्ट विशेषी पत्तनों या स्थानों के बीच, अनुज्ञात यात्री संख्या के अतिरिक्त किसी यात्री संख्या को बहन करने के लिए अनुज्ञा दी जाती है तो केन्द्रीय सरकार, ऐसी शर्तों के अधीन जिन्हें अधिरोपित करना वह ठीक समझे जहां तक ऐसे विनिर्दिष्ट पत्तनों या स्थानों के बीच समुद्र यात्रा के भाग का संबंध है, नियम 4 के उपनियम (2) और (10) और नियम 6 के उपनियम (2) और 9 के उपबन्धों के उपांतरण की अनुज्ञा दे सकती; परन्तु जहां ऐसे उपांतरणों की अनुज्ञा की गई है वहां ऐसे बचाव तालों के साथ रखा नौकाओं की कुल संख्या के लिए, जो बहन की गई है, व्यक्तियों की कुल संख्या के लिए, जिसे पोत बहन करने के लिए प्रमाणित है, सदैव पर्याप्त होंगे

और इसके अतिरिक्त बचाव तालों, व्यक्तियों की उम संख्या के दस प्रतिशत को पर्याप्त रूप से सहारा देने के लिए बहन किए जाएंगे।

4) केन्द्रीय सरकार किसी पोत को, जो प्रसामान्य रूप से अन्तर्राष्ट्रीय समुद्र यात्राओं पर नहीं लगा हो किन्तु जिसका प्रसाधारण परिस्थितियों में, इन नियमों की किसी अपेक्षा से किसी एक अन्तर्राष्ट्रीय समुद्र यात्रा पर जाना अपेक्षित हो, छूट दे सकती :

परन्तु जब तक ऐसा पोत सुरक्षा संबंधी ऐसी अपेक्षाओं का अनुपालन नहीं करता है जो केन्द्रीय सरकार की राज्य में उस समुद्र यात्रा के लिए पर्याप्त हैं जो इस पोत के द्वारा की जाती है, तब तक कोई भी ऐसी छूट नहीं दी जाएगी।

(5) यदि किसी पोत के लिए, इन नियमों के अधीन विहित न्यूनतम लंबाई की रखा नौका या नौका को बहन करना असाध्य और धनव्ययुक्त है तो केन्द्रीय सरकार उस पोत में उससे छोटी रखा नौका या नौका के बहन किए जाने की अनुज्ञा दे सकती।

(6) केन्द्रीय सरकार यदि उसका समाधान हो जाता है कि ऐसे पोत की दशा में अपेक्षा का अनुपालन असाध्य या धनव्ययुक्त है तो वह या तो आत्यंतिक रूप से या ऐसी शर्तों के अधीन जो वह ठीक समझे किन्हीं पोत को जिसका कील 26 मई, 1965 से पूर्व रखा गया था, इन नियमों को किसी अपेक्षा के लागू होने से छूट दे सकती।

#### पहली अनुसूची

(नियम 2(ऊ) और 47 देखिए)

वर्ग "ग" नौकाएं

1. हर एक वर्ग "ग" नौका बड़े कितारों से सन्निहित खुली नौका होगी।

2. वर्ग "ग" नौका ऐसे आकार और अनुपात की होगी कि जब यह व्यक्तियों की सबसे अधिक संख्या से, जिनके बैठने के लिए स्थान की व्यवस्था है और अपने पूर्ण उपस्कर से लबी है तो जलगामी होर में इसमें पर्याप्त स्थिरता और पर्याप्त फ्री बोर्ड होगा।

3. वर्ग "ग" नौका की लम्बाई कम से कम :

(क) उस पोत के लिए जिसकी लम्बाई 12 मीटर या उससे अधिक है किन्तु 24 मीटर से कम है, 4.3 मीटर होगी,

(ख) उस पोत के लिए जिसकी लम्बाई 24 मीटर या उससे अधिक है किन्तु 35 मीटर से कम है, 4.9 मीटर होगी,

(ग) उस पोत के लिए जिसकी लम्बाई 35 मीटर या उससे अधिक है किन्तु 44 मीटर से कम है, 5.2 मीटर होगी; और

(घ) उस पोत के लिए जिसकी लम्बाई 44 मीटर या उससे अधिक है, 5.5 मीटर होगी।

4. वर्ग "ग" नौका में सभी आड़े तख्ते और बगल की सीटें यथा माध्य नीचे लगी होंगी और तल फलक लगे होंगे।

5. वर्ग "ग" नौका का पिछला भाग वर्गीकार होगा और उसके मध्य में उसकी लम्बाई के कम से कम पांच प्रतिशत के बराबर औसत झुकाव होगा।

6. वर्ग "ग" नौका में आंतरिक उत्खनन साधन लगे होंगे जो इस प्रकार रखे होंगे कि प्रतिकूल मौसम की दशाओं में नौका के पूर्ण रूप लबे होने पर स्थिरता सुनिश्चित करें।

7. बरें "ग" नौका के आंतरिक उत्प्लवन साधित्र या तो बायु-चद शिबो या मुदज धातु जो 1675 ग्राम प्रति वर्ग मीटर से कम नहीं होगी या अन्य सामान यथोचित पदार्थ के होंगे।

8. लकड़ी की बरें "ग" नौका में आंतरिक उत्प्लवन साधित्र का कुल आयतन नौका की घनधारिता के कम से कम साढ़े सात प्रतिशत के बराबर होगा या तीसरी अनुसूची के पैरा 4 के अनुसार अवधारित किया जाएगा।

9. लकड़ी से भिन्न किसी सामग्री की बनी बरें 'ग' नौकाओं की उत्प्लावकता, उसी धनधारिता की लकड़ी की बरें 'ग' नौका के लिए अपेक्षित उत्प्लावकता से कम नहीं होगी और आंतरिक उत्प्लवन साधित्र का आयतन तदनुसार बढ़ा दिया जायेगा।

10. व्यक्तिओं की वह न्यूनतम संख्या, जिसके बैठने की व्यवस्था किसी बरें "ग" नौका में की जाए घनमीटर से नौका की घनधारिता को 2.65 से गुणा करने पर प्राप्त सबसे बड़ी संख्या के बराबर होगी।

#### दूसरी अनुसूची

[प्रथम 2(ज), (ड) और (घ), 48, 50 (2) और (3), 58(1),  
(च) और (छ) देखिए]

#### बचाव तरापों के लिए अपेक्षा

भाग—1

#### स्कीतियोप बचाव तरापे

1. इस भाग के पैरा 2 के उपबन्धों के अर्धम रहते हुए, हर एक स्कीतियोप बचाव तरापा निम्नलिखित अपेक्षाओं का अनुपालन करेगा :—

(क) बचाव तरापा इस प्रकार सन्निहित होगा कि जब वह पूर्ण रूप से स्कीति हो और सब से ऊपरी ठक्कन सहित प्लवमान हो तो वह जलगामी होने में स्थायी रहेगा;

(ख) बचाव तरापा इस प्रकार सन्निहित होगा कि यदि वह 18 मीटर की ऊंचाई से जल में गिराया जाए तो न तो बचाव तरापा और न इसके उपस्कर क्षतिग्रस्त हो। यदि बचाव तरापा किसी पोत पर जल से 18 मीटर से अधिक की ऊंचाई पर सौभरित किया जाना है, तो वह उस प्रकार का होगा जिसका कम से कम उस ऊंचाई से संतोषजनक रूप से पोत परीक्षण किया जा चुका है जिस ऊंचाई पर उमका सौभरण किया जाना है।

(ग) (1) बचाव तरापे के सन्निर्माण में, उच्च दृश्यमान वर्ण का ठक्कन सम्मिलित होगा जो जब बचाव तरापा फीसल हो तो स्थान पर लगाया जायेगा।

(2) ठक्कन, अनावरण से क्षति के विरुद्ध अधिभोगियों की रक्षा करने में समर्थ हो और वर्षा का पानी इकट्ठा करने के लिए साधनों की व्यवस्था की जाएगी,

(3) ठक्कन के शीर्ष पर ऐसा लैम्प लगा होगा जो समुद्र सन्निहित सैल से अपनी ज्योति प्राप्त करता हो और बचाव तरापा के अन्दर भ एक जैसा ही लैम्प लगा होगा,

(घ) (1) बचाव से कर्षक रस्सा लग, हांगा और बाहर के चारों ओर झूलवाली रस्सी लगी होगी,

(2) बचाव तरापे के अन्दर चारों ओर भी एक रक्षा रस्सी लगी होगी;

(ङ) बचाव तरापा यदि वह उल्टी स्थिति में स्कीति होता है तो एक व्यक्ति द्वारा सरलता से संघा होने योग्य होगा;

(च) बचाव तरापे में प्रत्येक मार्ग पर जल में के व्यक्तियों को फलक पर चढ़ने में समर्थ बनाने के लिए दक्ष साधन लगे होंगे;

(छ) (1) बचाव तरापा चमड़े के थैले या इस प्रकार सन्निहित अन्य आधान में रखा जाएगा जो समुद्र में होने वाली दशाओं में कठोर टूट-फूट सहन करने में समर्थ हो,

(2) चमड़े के थैले या अन्य आधान में रखा हुआ बचाव तरापा सहज रूप से उफलावक होगा।

(ज) बचाव तरापे की उफलावकता इस प्रकार व्यक्त की जाएगी कि यदि बचाव तरापे क्षतिग्रस्त हो जाए भागन स्कीत नहीं होती है तो पृथक कर्षों के समासंख्या में विभाजन द्वारा, जिसका आधा व्यक्तियों की संख्या को, जिसे स्थान देने के लिए बचाव तरापा ठीक है, जल में से बाहर निकालने में सहारा देने में समर्थ हो या अन्य समान रूप से दक्ष साधन द्वारा यह सुनिश्चित हो जाए कि उत्प्लावकता के लिए युक्तियुक्त गुंजाइश है;

(झ) बचाव तरापे, उसके चमड़े के थैले या अन्य आधान और उसके उपस्कर का कुल भार 180 कि०ग्रा० में अधिक नहीं होगा;

(ञ) व्यक्तियों की वह संख्या जिसे स्थान देने के लिए बचाव तरापा ठीक समझा जाएगा—

(1) स्कीत होने पर मुख्य उत्प्लवन ट्यूबों (जिसमें इस प्रयोजन के लिए न तो डाटे और न आड़े तबो, यदि लगे हों तो, वहीं आते हैं) के घन डेसिमीटर में मापे हुए आयतन को 96 द्वारा विभाजित करने से प्राप्त सबसे बड़ी पूर्ण संख्या; या

(2) बचाव तरापे के फर्ण (जिसमें इस प्रयोजन के लिए, आड़ा लकड़ा या तबो, यदि लगे हों तो आते हैं के बरें सेटीमीटर में मापे हुए क्षेत्रफल को 3720 द्वारा विभाजित करने से प्राप्त सबसे बड़ी पूर्ण संख्या,

इन दोनों में से जो संख्या कम हो, उसके बराबर होगी,

(ट) बचाव तरापे का फर्ण जलसह होगा और ठंडक से बचने के लिए या तो—

(1) एक या अधिक कक्ष द्वारा जिमें अधिभोगी, यदि ऐसा चाहते हैं तो स्कीत कर सकते हैं या तो स्वतः स्कीत हो जाना है और जो अधिभोगियों द्वारा अतस्कीत किया जा सकता है और पुनः स्कीत किया जा सकता है, या

(2) जो अन्य समान रूप में दक्ष साधनों द्वारा, जो स्कीत होने पर निर्भर नहीं हैं;

पर्याप्त रूप से रोधी हो सकेगा;

(ड) (1) बचाव तरापा ऐसी गैस में स्कीत किया जाएगा जो अधिभोगियों के लिए हानिकारक नहीं होगी और स्कीति या तो रस्सों के खींचने पर या किसी अन्य समान रूप में सरल और दक्ष पद्धति से स्वतः घटित होगी,

(2) ऐसे साधनों की व्यवस्था की जाएगी जिनसे, दबाव बनाए रखने के लिए हवा भरने का पम्प या धांकीरी प्रारुत का जा सके;

(ङ) बचाव तरापा यथोचित सामग्री और सन्निर्माण का होगा, और इस प्रकार सन्निहित होगा कि सभी समुद्री दशाओं में तिरत हुआ 30 दिन तक के खुले रहने के प्रभाव को सहने में समर्थ हो;

- (ड) हर बचाव तरापा जो अवतरण साधित्र के साथ प्रयोग के लिए डिजाइन किया गया है जिस प्रयोजन के लिए वह आशयित है उसके लिए समुचित रूप से सन्निहित होगा और व्यक्तियों की पूरी संख्या और उपस्कार से लदे होने पर जल में सुरक्षा पूर्वक अवतरण किए जाने के लिए पर्याप्त मजबूत होगा;
- (ण) बचाव तरापा में इस पैरा के उप पैरा (अ) के अनुसार संगणित छह व्यक्तियों से अत्युत या पञ्चम व्यक्तियों से अधिक की बहन धारिता होगी;
- (न) बचाव तरापा, लगातार 66 सेंटीग्रेड से लेकर ऋण 30 सेंटीग्रेड के ताप परिसर में प्रचालन में समर्थ होगा;
- (ध) बचाव तरापा में ऐसी व्यवस्थाएं होंगी जो उनके सरलता से अनुकरण को समर्थ बनाएं;
- (द) किमी पोत पर जिस पर गुनाह्य रेडियो उपस्कार की व्यवस्था की गई है, वहन किए जा रहे हर एक बचाव तरापा में प्रचालन की स्थिति में ऐसे उपस्कार के एरियल को स्थान देने के लिए व्यवस्था की जाएगी;
- (घ) (1) बचाव तरापा इस प्रकार नौभारित किया जाएगा कि आपान की वशा में वह सस्ता उपलब्ध हो। वह इस प्रकार नौभारित किया जाएगा कि पोत के ध्वंस होने की वशा में वह अपने नौभरण से अलग होकर स्वायत्त तैर सके, स्कान हो सके और पोत से अलग हो सके;
- (2) यदि उनका प्रयोग किया जाए तो रस्सिया प्रत्येक या समतुल्य प्रकृति का अनुमोदित स्वतः निर्मुक्ति प्रणाली के साथ लगाई जाएगी;
- (3) नियम 13 के उपनियम (6) के खण्ड (ख) द्वारा अपेक्षित बचाव तरापा मजबूती से बोधा जाएगा।

2. वर्ग 4 और 5 के पोतों में और कुल 500 टन से कम के या लम्बाई में 21 मीटर से कम के वर्ग 8 के पोतों में इस भाग के पैरा 1 के उपपैरा (ख), (ग), (ट), (ण), (त) और (घ) की अपेक्षाओं में निम्नलिखित रूप से उपान्तरण हो सकेगा —

- (क) उक्त उपपैरा (ख) में निर्दिष्ट 18 मीटर का लम्बाई डेक की ऊंचाई के समतुल्य हो सकेगी, जिस पर बचाव तरापा पात्र की निर्भर जल रेखा के ऊपर नौभारित किया जाता है किन्तु किमी भी दशा में 6 मीटर से कम नहीं हो;गी
- (ख) उक्त उपपैरा (ग) में निर्दिष्ट वर्षा जल की इकट्ठा करने के लिए साधनों की व्यवस्था करना अपेक्षित नहीं होगी;
- (ग) उक्त पैरा (ट) में बचाव तरापा के फर्श पर यथानिर्दिष्ट ठंडक के विरुद्ध रोधन प्रणाली का पालन करना अपेक्षित नहीं होगा;
- (घ) उक्त उपपैरा (ण) द्वारा अपेक्षित बचाव तरापा की न्यूनतम छह व्यक्तियों की बहन धारिता चार व्यक्तियों की हो सकेगी, परन्तु ऐसे पोतों पर जिनके फलक पर व्यक्तियों की कुल संख्या छह से कम है केवल वही बचाव तरापा वहन किए जाएंगे जो छह व्यक्तियों से कम को स्थान देने के लिए ठीक समझे जाते हैं;
- (ङ) उक्त उपपैरा (त) में निर्दिष्ट ऋण 30 सेंटीग्रेड का ताप-कम ऋण 18 सेंटीग्रेड हो सकेगा।
- (च) उक्त उपपैरा (घ) में निर्दिष्ट अनुकरण रस्सी की व्यवस्था करना अपेक्षित नहीं होगा।

## भाग 2

## बचाव तरापा

हर बचाव तरापा निम्नलिखित अपेक्षाओं का पालन करेगा :—

- (क) बचाव तरापा इस प्रकार सन्निहित होगा कि यदि वह उसके नौभरित होने की स्थिति से जल में गिराया जाए तो न तो बचाव तरापा और न उसके उपस्कार क्षतिग्रस्त हों;
- (ख) कोई बचाव तरापा जो अवतरण साधित्र के साथ प्रयोग के लिए डिजाइन किया गया है, उस प्रयोजन के लिए, जिसके लिए वह आशयित है, समुचित रूप से सन्निहित होगा और व्यक्तियों की पूरी संख्या और उपस्कार से लदे होने पर जल में सुरक्षापूर्वक अवतरण किए जाने के लिए पर्याप्त मजबूत होगा ;
- (ग) बचाव तरापा इस प्रकार सन्निहित होगा कि इसके हवा बंद डिब्बे या उल्लावक सामग्री इसके किनारों के यथा सम्भव निकट रखी हो ;
- (घ) (1) बचाव तरापा का डेक क्षेत्र, बचाव तरापा के उस भाग में स्थित होगा जो उसके अधिमोक्तियों का संरक्षण करता है;
- (2) डेक की प्रकृति ऐसी होगी जो यथासाध्य जल के प्रवेश को निवारित करे और वह अधिमोक्तियों की जल के बाहर निकालने में प्रभावशाली रूप से महारा दे;
- (ङ) बचाव तरापा में उच्च दृश्यमान वर्णों की समतुल्य व्यवस्थाओं से युक्त एक डककन लगा होगा; जो, क्षति से बचाने के लिए अधिमोक्तियों के संरक्षण में समर्थ हो, चाहे बचाव तरापा किसी प्रकार से भी तैर रहा हो;
- (च) बचाव तरापा का उपस्कार इस प्रकार नौभारित किया जाएगा कि बचाव तरापा सरलता से प्राप्त हो चाहे वह किसा प्रकार से भी तैर रहा हो;
- (छ) (1) यात्री पोतों में वहन किए जा रहे किसी बचाव तरापा और उपस्कार का कुल भार 180 कि. ग्रा. से अधिक नहीं होगा ;
- (2) स्वीरा पोतों में वहन किए जा रहे बचाव तरापा प्रावि वे पोत की दोनों ओर अवतरित किए जा सकते हैं या यदि पोत की किसी ओर से उन्हें यत्र से जल में अवतरित करने के लिए साधनों की व्यवस्था की गई है तो वे भार में किलोग्राम से अधिक हो सकते हैं।
- (घ) बचाव तरापा सभी समय, किसी तरफ से तैरने पर प्रभावशाली और स्थिर होगा ;
- (ङ) व्यक्तियों की वह संख्या, जिसे स्थान देने के लिए बचाव तरापा ठीक समझा जाएगा—
- (1) हवा बंद डिब्बों के या उल्लावक सामग्री के घन डेमीमीटर में मापे गए आयतन को 96 द्वारा विभाजन करने पर प्राप्त सबसे बड़ी संख्या; या
- (2) वर्ग सेंटीमीटर में मापे गए बचाव तरापा के डेक क्षेत्रफल को 3720 द्वारा विभाजन करने पर प्राप्त सबसे बड़ी पूर्ण संख्या; इन दोनों में से जो संख्या कम होगी, उसके बराबर होगी;
- (ज) (1) बचाव तरापा में एक संलग्न कर्बक रस्सा और बाहर के चारों ओर सुरक्षा पूर्वक झूल वाली एक रक्षा रस्सी होगी ;
- (2) बचाव तरापा के अंदर की चारों ओर एक रक्षा रस्सी लगी होगी;

- (ट) जल में के व्यक्तियों के फलक पर चढ़ने में समर्थ बनाने के लिए बचाव तरापी के हर एक द्वार पर दक्ष साधनों की व्यवस्था की जाएगी ;
- (ठ) विद्युत बैटरी प्रकार की एक उत्पन्न बन बली बचाव तरापी से डोरी द्वारा संलग्न होगी ;
- (ड) बचाव तरापी में उसको मरलता से अनुकूलित होने में समर्थ बनाने वाली व्यवस्थाएं होंगी ,
- (ढ) बचाव तरापी इस प्रकार नीमारित होगा कि पोंत के छम होने की वशा में स्वतंत्र तैर सके ।
- (ण) किसी पोंत पर जिन पर सुवाह्य रेडियो उपस्कर की व्यवस्था की गई है वहन किए जा रहे हरेक बचाव तरापी में प्रचालन की स्थिति में ऐसे उपस्कर के एरियल का ठीक प्रकार से स्थान देने के लिए व्यवस्था की जाएगी ।

### तीसरी अनुसूची

[नियम 2 (अ) और नियम 61(2) (क) और (ख) देखिए]

#### बचाव तरापी अवतरण साधित

1. "कार्यकारी" भारत की परिभाषा : इस अनुसूची में "कार्यकारी भार" पद से बचाव तरापी और इसके उपस्कर, सभी अन्य सहयुक्त गियर जिसका अवतरण की क्रिया के दौरान, अवतरण साधित द्वारा सहारा दिया जाता है और व्यक्तियों प्रत्येक व्यक्ति का भार 75 किलोग्राम माना जाए, की अधिकतम संख्या जिसे वहन करने के लिए बचाव तरापी ठीक समझा गया है, के भार का योग अभिप्रेत है ।

2. सामर्थ्य : हर बचाव तरापी, अवतरण साधित और सभी सहयुक्त गियर जिस पर, अवतरण क्रिया के दौरान कार्यकारी भार या कार्यकारी भार के कारण अधिरोपित कुल भार पड़ता है, ऐसी सामर्थ्य के होंगे कि बचाव तरापी जब व्यक्तियों की पूरी संख्या और उपस्कर से लदा हो तो जब पोंत में 10 डिग्री नति है या किसी भी ओर 15 डिग्री झुका है, तो सुरक्षापूर्वक अवतरित हो सके ।

3. सन्निर्माण : (i) हर बचाव तरापी अवतरण साधित का प्रत्येक भाग ऐसा होगा कि जब साधित, कार्यकारी भार और झुकाव तथा नति की अनुकूल वशाओं के अधीन प्रचालित है तो वह प्रयुक्त सामग्री, सन्निर्माण की रीति और उसके कार्य की प्रकृति को ध्यान में रखते हुए सुरक्षा का पर्याप्त ध्यान रखेगा ।

(ii) अग्रचन्द्रिका और दराबी चन्द्रिका के मिवाय के साधित के सभी भाग और इसके सहयुक्त गियर जिन पर कार्यकारी भार पड़ता है या जिस पर अवतरण की प्रक्रिया में साधित या बचाव तरापी की सुरक्षा निर्भर करती है वे तन्म धातु से सन्निर्मित किए जाएंगे और अग्रचन्द्रिका और दराबी चन्द्रिका से भिन्न कोई भाग डलवा धातु से तब तक सन्निर्मित नहीं किया जाएगा जब तक कि, केन्द्रीय सरकार इस प्रकार अनुज्ञा नहीं देती है ।

4. स्थैतिक भार परीक्षण : हर बचाव तरापी अवतरण साधित, कार्यकारी भार के 2.2 गुना से अभ्युत के स्थैतिक भार परीक्षण को सहन करने में समर्थ होगा ।

5. प्रचालन : (क) हर बचाव तरापी अवतरण साधित इस प्रकार डिजाइन किया जाएगा कि उस पर व्यक्तियों की पूरी संख्या और उपस्कर लदे होने पर बचाव तरापी जल में सुरक्षापूर्वक अवतरित हो सके ।

(ख) बचाव तरापी के अवतरण की गति, प्रति मिनट 18 मीटर से अभ्युत और प्रतिमिनट 36 मीटर से अधिक पर स्वतः नियंत्रित होगी और बचाव तरापी का अवतरण हर समय प्रचालक के हस्ते नियंत्रण में होगा ।

(ग) (i) अवतरण साधित का प्रचालन केवल हाथ के प्रयत्न या गुरुत्व से भिन्न साधनों के प्रयोग पर ही पूर्णतः निर्भर नहीं होगा ।

(ii) व्यवस्था ऐसी होगी कि बचाव तरापी गुरुत्व से अवतरित हो सके ।

(घ) व्यवस्था ऐसी होगी कि जल बाहिन होने पर बचाव तरापी अवतरण साधित से स्वतः निर्मुक्त हो जाएगा और बचाव तरापी को फलक पर किसी व्यक्ति द्वारा बचाव तरापी की हस्ते निर्मुक्ति के लिए व्यवस्था होगी ।

(ङ) जब बचाव तरापी अवतरण साधित में विच हों तो विच चंद्रावृत्ति अनुसूची के भाग II के पैरा 10 के अनुसार सन्निर्मित किए जाएंगे ।

6. अवतरण परीक्षण : जब बचाव तरापी का, उसके पूर्ण उपस्कर और व्यक्तियों की पूर्ण संख्या जिसे स्थान देने के लिए वह ठीक समझा गया है धन जल में तैरोहण स्थित कार्यकारी भार के 10 प्रतिशत के बराबर अवतरित भार से लदा हुआ हर एक बचाव तरापी अवतरण साधित सबसे बड़े बचाव तरापी का अवतरण करके परीक्षण किया जाएगा जिस के लिए वह आशयित है ।

7. प्रचालन परीक्षण : (i) यह सुनिश्चित करने के लिए परीक्षण किया जाएगा कि अवतरण साधित में युक्त कोई बचाव तरापी जब केवल उसके उपस्कर से लदा हो तो जब वे गुरुत्व द्वारा अवतरित हो सके ।

(ii) यदि एक से अधिक बचाव तरापी किसी अवतरण साधित से अवतरित किया जाता है तो प्रभावशाली आनुक्रमिक अवतरण निवर्णन किया जाएगा ।

### चौथी अनुसूची

[नियम 2(1), 43 और 46 देखिए]

#### रक्षा नौकाओं के लिए साधारण अपेक्षाएं

1. हर रक्षा नौका दुई किनारों से सन्निर्मित होगी ।

2. (क) किसी रक्षा नौका में जिसमें दुई आवरण लगा हुआ है आवरण भीतर और बाहर दोनों ओर से मरलता से खुलने में समर्थ होगा और रक्षा नौका के शीघ्र तैरोहण और अवतरण या अवतरण और चालन में अड़चन नहीं लगेगा ।

(ख) ऐसे आवरण के बारे में, जहां वह लगा हुआ है, यह माना जा सकेगा कि वह नियम 23 के उपनियम (1) के खण्ड (क) की अपेक्षाओं का अनुपालन करता है ।

3. तख्तों से बना हुई लकड़ी की रक्षा नौकाओं के मिवाय, हर एक रक्षा नौका में, मातवी अनुसूची के अनुसरण में अवधारित धन धारिता के 0.64 से अभ्युत का घनत्व गुणांक होगा । 0.64 से कम के घनत्व गुणांक वाली रक्षा नौकाएं अनुज्ञात की जाएंगी परन्तु यह तब जब रक्षा नौका व्यक्तियों की पूरी संख्या और साधित से लदी हो और अलकेन्द्री ऊंचाई और फीथोर्ड पर्याप्त हो ।

4. हर रक्षा नौका ऐसे आकार और अनुपात की होगी कि जब वह व्यक्तियों की पूरी संख्या और उपस्कर से भरी हो तब जलगामी होने में पर्याप्त स्थिरता और पर्याप्त फीथोर्ड होगा ।

5. हर रक्षा नौका इस प्रकार सन्निर्मित होगी कि जब वह खुले समुद्र में व्यक्तियों की पूरी संख्या और उपस्कर से भरित हो तब वह धनात्मक स्थिरता कायम रखने में समर्थ होगी ।

6. (क) हर रक्षा नौका उस प्रयाजन के लिए, जिनके लिए वह आशयित है, समुचित रूप से सन्निर्मित होगी और व्यक्तियों की पूर्ण

संख्या और उपस्कर से लदी होने पर जल में सुरक्षित रूप से अवतरित किए जा सकने के लिए पर्याप्त सामर्थ्य की होगी।

(ख) ऐसे सामर्थ्य की होगी कि यदि उस पर कम से कम 25 प्रतिशत अधिक भार हो तो उसमें अवशिष्ट प्रस्कीति नहीं होगी।

7. कोई भी रक्षा नौका लंबाई में 4.9 मीटर से कम नहीं होगी सिवाय तब के जब कि इन नियमों द्वारा विकल्प के रूप में वर्ग नौका बहन किए जाने के लिए अनुज्ञात है तो ऐसी रक्षा नौका की लम्बाई पहली अनुसूची के पैरा 3 के अनुसार यथा अवधारित वर्ग नौका की लंबाई से कम नहीं होगी।

8. किसी भी रक्षा नौका का भार, जब यह व्यक्तियों की पूरी संख्या और उपस्कर से लदी हो 20.3 टन से अधिक नहीं होगा।

9. हर रक्षा नौका में सभी आड़े तख्ते और बगल की सीटें यथा साध्य नीचे लगी होंगी और तलफलक लगे होंगे।

10. हर रक्षा नौका में, उसकी लंबाई के कम से कम चार प्रतिशत के बराबर ओसत झुकाव होगा और यह झुकाव आकार में लगभग पर-वर्तिका होगा।

11. हर रक्षा नौका में आन्तरिक उत्प्लवन साधित लगा होगा जिसमें वायुबन्ध डिब्बे या उत्प्लावक सामग्री होगी जिस पर तेल या तेल उत्पादों द्वारा प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा और जिनमें नौका पर प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा।

12. हर रक्षा नौका में आन्तरिक उत्प्लवन साधित का कुल आयतन ऐसा होगा जो कम से कम उन आयतनों के योग के बराबर होगा जो —

(क) रक्षा नौका और उसके उपस्कर का उस समय जब वह रक्षा नौका जलप्लावित हो और उसमें समुद्र जल प्रक्षिप्त हो सकता है, तो ऐसे प्लावित करने के लिए अपेक्षित है कि पोटमध्य पैरज का ऊपरी सिरा जलमग्न हो,

(ख) रक्षा नौका की धनधारिता के 10 प्रतिशत के बराबर हो।

13. उन रक्षा नौकाओं की वशा में जिसमें 100 या उससे अधिक व्यक्तियों के लिए स्थान होता है इन अनुसूची के पूर्ववर्ती पैरा 12 के खण्ड (ख) द्वारा अपेक्षित उत्प्लवन साधित का आयतन निम्नलिखित प्रकार से बढ़ाया जाएगा :—

(क) उन रक्षा नौकाओं में जिनमें 100 से लेकर 130 व्यक्तियों के लिए स्थान होता है उसी मात्रा से जो 100 व्यक्तियों पर शून्य और 130 व्यक्तियों पर रक्षा नौका की धनधारिता 1.5 प्रतिशत के बीच अंतरेशन द्वारा निर्धारित हो।

(ख) उन रक्षा नौकाओं में जिनमें 130 से अधिक व्यक्तियों के लिए स्थान होता है, रक्षा नौका धनधारिता 1.5 प्रतिशत की बराबर मात्रा से।

#### पाँचवी अनुसूची

नियम 4(12), 5(15), 6(11), 7(15), 8(10), 10(8), 11(7), 12(8), 13(10), 16(11), 17(6), 18(6), 20(5), 21(6), 22(6), 23(5), 25(5), 26(5), 27(5), 28(5), 31(5), 32(6), 33(5), 34(5), 35(6), 36(4), 38(4), 39(4), 40(5) 41(4) और 42(6) देखिए।

#### रक्षा जाकेटों के लिए अपेक्षाएं

##### भाग 1

1. इस भाग के पैरा 7 के उपबंधों के अधीन रहते हुए किसी वयस्क व्यक्ति द्वारा प्रयोग के लिए हर रक्षा जाकेट इस प्रकार पर्याप्त उत्प्लावकता

की होगी कि उसे इस भाग के पैरा 3 के खण्ड (ख) की अपेक्षाओं को पूरा करने के लिए समर्थ बनाए।

स्पष्टीकरण—इस भाग के प्रयोजन के लिए, 30 कि० ग्रा० या उससे अधिक भार वाला हर एक व्यक्ति, वयस्क समझा जाएगा।

2. हर ऐसा रक्षा जाकेट, दोनों ओर 1.27 से० मी० से अन्यून आकार के प्रक्षरों से "वयस्कों के लिए" शब्दों से और केवल एक ओर बनाने वाले का नाम या अन्य पहचान चिह्न से अमिट रूप से चिह्नित की जाएगी।

3. हर ऐसे रक्षा जाकेट निम्नलिखित अपेक्षाओं का भी अनुपालन करेगी, अर्थात् :—

(क) वह इस प्रकार सन्निमित्त होगी कि गलत रूप से पहनने की यथासंभव संभावना न हो और यह उल्टी भी पहनी जा सकेगी।

(ख) (i) वह किसी आत या अघत व्यक्ति के मुख को जल से बाहर उठाने और शरीर को खड़ी स्थिति से उसे पीछे की ओर झुके होने के साथ जल से बाहर सुरक्षापूर्वक धारण करने में समर्थ होगी,

(ii) वह, शरीर के उर्ध्वाधर से उसके पीछे की ओर झुके होने के साथ शरीर को जल में किसी स्थिति में सुरक्षित तैरने की स्थिति में घुमाने में समर्थ होगी ;

(iii) ऐसे रक्षा जाकेट की उत्प्लावकता जिससे पूर्ववर्ती कार्य करना अपेक्षित है अलक्षण जल में 24 घंटों के निमज्जन के पश्चात् पाच प्रतिशत से अधिक नहीं होगी ;

(ग) उस पर तेल या तेल उत्पादों का प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा ;

(घ) वह उच्च दृश्यमान वर्ण को होगी ;

(ङ) बचाव के सुगम बनाने के लिए यह एक छल्ले या फंदे या पर्याप्त मजबूती के उसी प्रकार की युक्ति से लगी हुई होगी ;

(च) वह कम ज्वलनशील सामग्री की बनी होगी और वह कपड़ा जिससे वह ढकी हुई है तथा उसके फीते विगलन रोकें होंगे,

(छ) वह डोरी से मजबूती से संलग्न अनुमोदित सीटी से लगी होगी ;

(ज) (i) उसमें बांधने वाले फीते होंगे जो रक्षा जाकेट कंधर से मजबूती से बंधे होंगे और 91 कि० ग्रा० भार उठाने में समर्थ होंगे ;

(ii) फीतों को बांधने की रीति ऐसी होगी कि आसानी से समझी जाए और सरलता से कार्यान्वित की जा सके ;

(iii) छालु बंध, अथ प्रयुक्त हों, तो बांधने वाले फीते से अनु-कूल आकार और मजबूती के होंगे और संशरण प्रतिरोधी सामग्री के होंगे ;

(iv) जल में, इसको पहनने वाला बिना क्षति के और रक्षा जाकेट के उतारे बिना 6.1 मीटर की उर्ध्वाधर दूरी कूब सकेगा।

4. ऐसे हर रक्षा जाकेट की उत्प्लावकता समान की हुई या अन्य समान रूप में प्रभावशाली उत्प्लावन सामग्री द्वारा व्यवस्थित होगी।

5. ऐसी हर कैपांक रक्षा जाकेट, इस भाग के पैरा 1 से 4 की अपेक्षाओं का अनुपालन करने के अनिवार्य निम्नलिखित अपेक्षाओं का भी अनुपालन करेगी, अर्थात् :—

(क) इसमें 1 कि० ग्रा० से अन्यून कैपांक होगा ;



(ख) कैपाक अण्डरी प्लवन क्वालिटी का, भली प्रकार धुना हुआ समतलता से पैक किया गया और बोज तथा अन्य बाह्य पदार्थ से मुक्त होगा ;

(ग) कैपाक तेल या तेल उत्पादों के प्रभाव से इस प्रकार संरक्षित होगा कि 48 घंटे की अवधि के लिए 3 मिलीमीटर से अत्युत्त परत की गैस तेल मिश्रण वाले विशुद्ध जल में तैरने के पश्चात् रक्षा जाकेट में उत्प्लावकता की हानि प्रारंभिक उत्प्लावकता से 2 प्रतिशत से अधिक नहीं होगी और इस परीक्षण के प्रयोजन के लिए रक्षा जाकेट इसकी प्रारंभिक उत्प्लावकता के आधे के बराबर भार से भरी जाएगी ।

(घ) (i) आच्छादन पूर्व आकृषित सूती सामग्री का होगा, जिसका करघे की स्थिति में प्रति मीटर भार 0.68 मीटर चौड़ाई के लिए 170 ग्राम से अत्युत्त और अन्य चौड़ाई के लिए इसी अनुपात में होगा ;

(ii) चपड़ा मांझी या किसी अन्य बाह्य पदार्थ की मिलावट से मुक्त होगा ;

(iii) करघे की स्थिति में धागे प्रति 25 मि० मी० दोहरे धागे के 44 बाने और दोहरे धागे के 34 बाने होंगे ।

(iv) सिलाई 25क के नंबर वाली ब्रियवा व्हाइट मॉर डोरी की क्वालिटी से अत्युत्त के निनेन के धागे में की जाएगी ।

6. ऐसी हर रक्षा जाकेट जिसमें कैपाक से भिन्न उत्प्लवन सामग्री प्रयोग की जाती है, इस भाग के पैरा 1 से 4 और 5 के खंड (घ) की अपेक्षाओं का अनुपालन करने के अतिरिक्त निम्नलिखित अपेक्षाओं का भी अनुपालन करेगी, अर्थात्:-

(क) (i) सामग्री प्रति घन मीटर 192.5 कि० ग्रा० से अधिक भार की नहीं होगी और अण्डरी क्वालिटी की और साफ होगी;

(ii) यदि सामग्री टुकड़ों में है तो हर एक टुकड़ा का आकार, जब तक ऐसे टुकड़े तह के रूप में नहीं हैं और अनुमोदित आसंजक के सहित बंधे हुए नहीं है, 164 घन सें० मी० से कम नहीं होगा ;

(ख) सामग्री रासायनिक रूप से स्थिर होगी ।

7. हर रक्षा जाकेट, जिसकी उत्प्लावकता स्कीति पर निर्भर करती है जो तेल पोतों से भिन्न वर्ग VI और VII के पोतों के कर्मीवल के बवस्यो द्वारा प्रयोग के लिए बहम की जाती है, इस भाग के पैरा 3

की अपेक्षाओं का अनुपालन करेगी और इसके अतिरिक्त निम्नलिखित अपेक्षाओं का भी अनुपालन करेगी, अर्थात्:-

(क) निम्नलिखित में से किसी एक प्रकार के दो पृथक उत्प्लावन कक्ष होंगे-

(i) कम से कम 9 कि० ग्रा० के बराबर अत्युत्त उत्प्लावकता का एक कक्ष और कम से कम 6.8 कि० ग्रा० का एक वायु कक्ष; या

(ii) दो पृथक वायु कक्ष जिनमें से प्रत्येक कम से कम 9.4 कि० ग्रा० उत्प्लावकता का होगा ;

(ख) उसके दोनों और, 25 मि० मी० से अत्युत्त आकार के कक्षों से "केवल कर्मीवल" शब्दों से और एक और केवल छोटे कक्षों में बनाने वाले का नाम या अन्य पहचान चिन्ह से अमिट रूप से चिह्नित की जाएगी ;

(ग) यह यंत्र द्वारा और संह दोनों से स्कीत होने में समर्थ होगी ।

#### भाग II

1. किसी बाणक द्वारा प्रयोग के लिए हर रक्षा जाकेट में इस प्रकार पर्याप्त उत्प्लावकता की व्यवस्था की जाएगी कि उसे भाग I के पैरा 3 के खंड (ख) की अपेक्षाओं का पूरा करने के लिए समर्थ बनाए ।

स्पष्टीकरण:- इस भाग के प्रयोजन के लिए 30 किलोग्राम से कम भार वाला हर व्यक्ति धालक समझा जाएगा ।

2. हर ऐसी रक्षा जाकेट दोनों और 12.7 मि० मी० से अत्युत्त आकार के कक्षों में "बालक के लिए" शब्दों से और एक और केवल बनाने वाले का नाम या अन्य पहचान चिन्ह से अमिट रूप से चिह्नित की जाएगी ।

3. हर ऐसी रक्षा जाकेट भाग I के पैरा 3 और 4 की अपेक्षाओं का अनुपालन करेगी ।

4. हर ऐसी कैपाक रक्षा जाकेट में 425 ग्राम से अत्युत्त कैपाक होगा और इस भाग के पैरा 1 से 3 की अपेक्षाओं का अनुपालन करने के अतिरिक्त भाग I के पैरा 5 के खंड (ख), (ग) और (घ) की अपेक्षाओं का अनुपालन करेगी ।

5. हर ऐसी रक्षा जाकेट जिसमें कैपाक से भिन्न उत्प्लवन सामग्री प्रयोग की गई है, इस भाग के पैरा 1 से 3 की अपेक्षाओं का अनुपालन करने के अतिरिक्त भाग I के पैरा 5 के खंड (घ) और पैरा 6 के उप-पैरा (क) और (ख) का अनुपालन करेगी ।

#### छठी अनुसूची

नियम 5 (2), (3) और (8) (ग) और (घ), 7(2), (3) और (8), 8(2) और (3), 9(2) और (3), 10(2) और (3) और 69(2) देखिए वर्ग II, IV, V और VI के पोतों में व्यवस्था किए जाने वाले डेविटों के सेटों की न्यूनतम संख्या और रक्षा नौकाओं की न्यूनतम घन धारिता की दर्शाने वाली सारणी

पोत की रजिस्ट्रीकृत लंबाई	डेविट सेटों की न्यूनतम सं०	असाधारण रूप से प्राधिकृत डेविटों के सेटों की न्यूनतम सं०	रक्षा नौकाओं की न्यूनतम धारिता घन मीटरों में
	क	ख	ग
मीटर	सं०	सं०	घन मीटर
37 मीटर तक	2	2	11
37 मीटर और उससे अधिक किन्तु 43 मीटर से कम	2	2	18

		क	ख	ग
43	मीटर और उससे अधिक किन्तु 49 मीटर से कम	2		
49	" 53 "	3	3	33
53	" 58 "	3	3	38
58	" 63 "	4	4	44
63	" 67 "	1	4	50
67	" 70 "	5	4	52
70	" 75 "	5	4	61
75	" 78 "	6	5	68
78	" 82 "	6	5	76
82	" 87 "	7	5	85
87	" 91 "	7	5	94
91	" 96 "	8	6	102
96	" 101 "	8	6	110
101	" 107 "	9	6	122
107	" 113 "	9	7	135
113	" 119 "	10	7	140
119	" 125 "	10	7	157
125	" 133 "	12	7	171
133	" 140 "	12	9	185
140	" 149 "	14	10	202
149	" 159 "	14	10	221
159	" 169 "	16	12	238
169	" 177 "	16	12	..
177	" 187 "	18	13	.
187	" 196 "	18	13	.
196	" 205 "	20	14	.
205	" 214 "	20	14	..
214	" 223 "	22	15	..
223	" 232 "	22	15	..
232	" 241 "	24	17	.
241	" 251 "	24	17	..
251	" 261 "	26	18	.
261	" 273 "	26	18	..
271	" 283 "	28	19	.
283	" 293 "	28	19	.
293	" 304 "	30	20	.
304	" 345 "	30	20	..

## सातवीं अनुसूची

[नियम 44(1) और 45 देखिए]

## रक्षा नौकाओं की घनधारिता गणना

1. इस अनुसूची के पैरा 4 के उपबन्धा के अधीन रहते हुए इन नियमों के प्रयोजनार्थ रक्षा नौका की घनधारिता घन मीटरों में मापी जाएगी और निम्नलिखित सूत्र के अनुसार निर्धारित की जाएगी।

(क) घनधारिता एल०/12 (4ए+2बी+4सी), जहां एल० नाव के अगले सिरे के शीर्ष पर खोल के भीतर से नौका के पिछले भाग के खम्भे के शीर्ष पर तत्सम बिन्दु तक मीटरों में रक्षा नौका की लंबाई वंशित करता है, पिछले भाग में वर्गाकार खम्भे वाली रक्षा नौका की वंश में लंबाई खिडकी के शीर्ष के भीतर तक मापी जाएगी।

ए० बी० सी० त्रसण अनुप्रस्थ काटों के उन क्षेत्रों का दर्शा करता है जो आगे से चतुर्थांश लंबाई, पातमध्य और पीछे से चतुर्थांश लंबाई पर है, जो एल० को चार बराबर भागों में विभक्त करने पर

प्राप्त तीन स्थानों के बराबर होती है (रक्षा नौका के भिरो के तत्व समधी क्षेत्र नगण्य समझे जाएंगे)।

(ख) ए० बी० सी० क्षेत्र, तीन अनुप्रस्थ काटों में से प्रत्येक को निम्नलिखित सूत्र के आनुक्रमिक प्रयोग द्वारा घन मीटरों में दिया

एच

दुआ समझा जाएगा, क्षेत्र० = ——— (ए+4 बी+2 सी+4 डी+ई),  
12

जहां एच० खोल में नील से पेरज की सतह तक, या उसके पश्चात् कुछ दशांशों में, यथा अवधारित उससे नीचे की सतह तक मीटरों में मापी गई गहराई सूचित करता है, और ए, बी, सी, डी, ई खोल के भीतर गहराई के ऊपरी और निचले बिन्दुओं पर और एक को चार बराबर भागों में विभक्त करने पर प्राप्त तीन बिन्दुओं पर मीटरों में मापी गई रक्षा नौका की क्षैतिज चौड़ाई सूचित करते हैं (सीमागत बिन्दुओं पर ए और ई चौड़ाई है और सी एच के मध्य बिन्दु पर है)।

(ग) पिछले भाग में वर्गीकार खंभे वाली रक्षा नौका की क्षमता पिछले भाग में नौकायन खंभे वाली रक्षा नौका की तरह संगणित की जाएगी।

2. यदि रक्षा नौका के दोनों छोरों में लंबाई के चतुर्थांश पर स्थित दो बिन्दुओं पर मापी हुई पेरज का झुकाव, नौका की लंबाई के एक प्रतिशत है अधिक हो जाता है, तो ए या सी अनुप्रस्थ काट क्षेत्र की संगणना में प्रयुक्त गहराई वह समझी जाएगी जो पोट मध्य गहराई में रक्षा नौका की लंबाई के 1 प्रतिशत को जोड़ कर आए।

3. यदि पोट मध्य रक्षा नौका की गहराई, चौड़ाई के पैनामीस प्रतिशत से बढ़ जाती है तो पोट मध्य अनुप्रस्थ काट बी के क्षेत्र की संगणना में प्रयुक्त गहराई, चौड़ाई के पैनामीस प्रतिशत के बराबर समझी जाएगी, और ए और सी काटों की चतुर्थांश लंबाई के क्षेत्रों की संगणना में प्रयुक्त गहराई, रक्षा नौका की लंबाई के एक प्रतिशत के बराबर इस अंतिम श्रृंखला को बढ़ाने से प्राप्त की जाती है:

परन्तु किसी भी दशा में संगणना में प्रयुक्त गहराई, इन बिन्दुओं पर वास्तविक गहराई से अधिक नहीं होगी।

4. जब तक रक्षा नौका का स्वामी, यथार्थ माप द्वारा घन क्षमता के अवधारित किए जाने की अपेक्षा नहीं करता है, यदि इस सत्र से इस अनुसूची के पैरा 1 में उपर्युक्त सूत्र द्वारा प्राप्त क्षमता से अधिक क्षमता प्राप्त नहीं होती है तो लकड़ी के तख्तों से सन्निमित्त रक्षा नौका की घन क्षमता गुणित लंबाई चौड़ाई और गहराई 0.6 द्वारा गुणा करने से प्राप्त की हुई मानी जा सकेगी लंबाई चौड़ाई और गहराई निम्नलिखित रीति से मापी जाएगी:

(क) लंबाई लाय के अगले सिरे के शीर्ष सहित तख्ते के बाहर कटाव से नौका के पिछले भाग के खंभों पर तत्संबंधी बिन्दु तक या पिछले भाग में वर्गीकार खंभे वाली रक्षा नौका की दशा में खिड़की के शीर्ष के पीछे की ओर तक,

(ख) चौड़ाई तख्ते के बाहर उन बिन्दु से जहां रक्षा नौका की चौड़ाई सबसे अधिक है,

(ग) गहराई पोट मध्य तख्ते के भीतर कील में पेरज के शीर्ष की मतलू तक किन्तु घन क्षमता की संगणना में प्रयुक्त गहराई किसी भी दशा में चौड़ाई के पैनामीस प्रतिशत से अधिक नहीं हो सकेगी।

5. मीटर रक्षा नौका या अन्य नौदन गियर में युक्त रक्षा नौका की घन क्षमता मीटर और उसके उपमाधनों या अन्य नौदन गियर के गियर भाक्स और किसी उपस्कर द्वारा जिसकी रक्षा नौका में नियम 56 के अनुपालन में व्यवस्था हो सकेगी घिरे हुए आयाम के बराबर आयाम की कुल क्षमता से कटौती करने पर प्राप्त होगी।

### आठवीं अनुसूची

[नियम 15(क) देखिए]

#### मीटर रक्षा नौका की मशीनरी

1. इंजन ठंडे मौसम से सरलता से स्टार्ट होने और तापक्रम की पराकाष्ठा की दशाओं में विश्वसनीय रूप से चलने योग्य होगा।

2. (क) कम से कम 10 डिग्री नदि की दशाओं में इंजन समुचित रूप से प्रचालित होगा।

(ख) जहां चक्रण जल पम्प लगे हैं वहां वे स्वतः लेनदेन वाले होंगे।

3. (क) इंजन और उसके उप साधन जिनमें ईंधन टंकी पाईप और फिटिंग सम्मिलित है, समुद्र में प्रतिकूल मौसम के दौरान संभव

उत्पन्न हो सकने वाली दशाओं में विश्वसनीय प्रचालन को सुनिश्चित करने के लिए पर्याप्त रूप से संरक्षित होंगे।

(ख) इसके प्रतिरिधन, इंजन खोप अग्निरोधी होगा और वायु शीतित ईजम इंजनों की दशा में इस प्रकार डिजाईन किया गया होगा कि शीतल वायु का प्रदाय निबंधित न होंगे।

4. सभी रक्षा नौकाओं में नेल के फैलने को रोकने के लिए साधनों की व्यवस्था होगी। लकड़ी की रक्षा नौका में इंजन के नीचे एक धातु ट्रे लगी हुई होगी।

5. (क) ईंधन टंकी यथेष्ट रूप से सन्निमित्त, उपयुक्त स्थिति में मजबूती से लगी हुई होगी, उसके नीचे एक धातु ट्रे होगी तथा उपयुक्त भरण, वाष्प निकास और विमोचन व्यवस्थाओं से युक्त होगी।

(ख) टंकी या उसके संयोजनों के किसी भी भाग या ईंधन पाईप या फिटिंग के किसी भी भाग का कसाव सोल्डर से नहीं होगा और इस्पात में बनी टंकियां समुद्र जल से संक्षारण के विरुद्ध धातु कुहराण या समरूप साधनों द्वारा बाहर से संरक्षित होंगी।

(ग) टंकी और उसके संयोजन कम से कम 4.5 मीटर की ऊंचाई के समान जल वायु को सहन करने योग्य होंगे।

(घ) पाइप के प्रत्येक निरे पर एक कार्क लगा होगा।

6. इंजन और ईंधन टंकी की जगह वक्षतापूर्वक संवातित होगी।

7. रक्षा नौका में व्यक्तियों को क्षति से संरक्षित करने के लिए जहां आवश्यक हो वहां शैफ्टिंग और अन्य गतिमान भागों की बाड़ लगाई जाएगी।

### नौवीं अनुसूची

(नियम 46 देखिए)

#### यंत्र चालित रक्षा नौकाओं की मशीनरी

1. नौदन गियर इस प्रकार व्यवस्थित होगा कि वह कार्य के लिए शीघ्रता से और आसानी से तैयार किया जा सके और रक्षा नौका में व्यक्तियों के शीघ्रनौरोहण में बाधा नहीं डाले।

2. यदि नौदन गियर हस्तचालित है तो वह उसके प्रयोग में अप्रशिक्षित व्यक्तियों द्वारा प्रचलित होने योग्य होगा और रक्षा नौका के प्रचालित होने पर प्रचलित किए जाने योग्य होगा।

3. नौदन गियर को, विभिन्न कद के व्यक्तियों द्वारा चलाने योग्य होने के लिए समायोजन अपेक्षित नहीं होगा और घट, भागनः या पूर्णतः लदी हुई रक्षा नौका के नौदन में प्रभावी होगा।

4. (क) नौदन गियर यथेष्ट रूप से सन्निमित्त होगा और रक्षा नौका में वक्षतापूर्वक लगा होगा।

(ख) यह सुनिश्चित करने के लिए कि धातुको के द्वारा शीत की पराकाष्ठा की दशा में संरक्षित है, किसी भी प्रचालन हैन्डल की धातु वाला भाग लकड़ी से भिन्न सामग्री द्वारा उपयुक्त रूप में आच्छादित होगा।

5. नौदन गियर इतनी पर्याप्त शक्ति का होगा कि जब रक्षा नौका इन नियमों द्वारा अपेक्षित अपने उपस्कर और व्यक्तियों की उस पूरी संख्या के बराबर, जिसे वह वहन करने के योग्य है, विनरिन भार से लदी हो, तब वह गान्त जल में 400 मीटर दूरी तक रक्षा नौका को आगे की दिशा में 3.5 गमूड़ी मील की गति से नौदित हो सके।

6. नौदन गियर रक्षा नौका को आगे या पीछे नौदित करने में समर्थ होगा और उसमें एक ऐसी युक्ति लगी होगी जिसके द्वारा किसी भी समय जब नौदन गियर प्रचालित हो तो नाविक रक्षा नौका को पीछे या आगे कर सके।

**वसती अनुसूची**

(नियम 49 देखिए)

**उत्पन्न साधित्र के लिए अपेक्षाएं**

1. (i) उत्पन्न साधित्र ऐसे सन्निधि का होगा कि पोत पर मोसम में खुले रहने पर और जल में रहने पर उनका आकार और विशेषताएं बनी रहें;

(ii) वह इस प्रकार सन्निहित होगा कि प्रयोग के पहले समायोजन की अपेक्षा न हो।

2 उत्पन्न साधित्र उस पोत-परीक्षण को सहन करने में समर्थ होगा जिसकी ऊंचाई उस डीक की ऊंचाई के समतुल्य होगी जिस पर वह पोत की निर्भरण जल रेखा के ऊपर निर्धारित है, किन्तु किसी भी वंश में निम्न-लिखित से कम नहीं होगी;

वर्ग I और वर्ग III के पोतों में बहुत किया जा रहा साधित्र 18 मी० वर्ग IV के पोतों में बहुत किया जा रहा साधित्र 6 मी०।

3 (i) उत्पन्न साधित्र किसी भी तरफ से तैरने पर प्रभावशाली और स्थिर होगा;

(ii) वह साधित्र के ऊपरी जल के किसी भाग को डुबाए बिना किसी किनारे से प्रति मीटर दूरी पर 23 किलोग्राम (कम से कम 29 किलोग्राम होगा) पकड़ रस्मियों में अलवण जल में लटकाने हुए लोहे के भार संभालने में समर्थ होगा।

4 (i) हवा बन्द डिब्बे या समतुल्य, उत्पन्नकता, साधित्र के किनारों के यथासंभव निकट रखी होगी और ऐसी उत्पन्नकता स्फीति निर्भर नहीं होगी;

(ii) उत्पादक सामग्री पर तेल या तेल उत्पादों का प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा और न ही वह उत्पन्न साधित्र पर प्रतिकूल प्रभाव डालेगी।

5 (1) (i) साधित्र के चारों ओर पकड़ रस्मियां इस रीति से लगी होंगी कि व्यक्ति को संख्या के, जिसे सहारा देने के लिए साधित्र डीक है, बराबर फंदों के संख्या की व्यवस्था हो जाए,

(ii) प्रत्येक फंदे में एक कार्ट या हल्की लकड़ी का तिरौदा होगा और गींग जाने पर फंदे की गहराई 15 सेंटीमीटर से अन्यून और 20 सेंटीमीटर से अधिक होगी।

2 (i) समग्र गहराई में 30 सेंटीमीटर से अधिक के साधित्र पकड़ रस्मियों की दो कतारें लगी होंगी जिसमें एक के संलग्न होने का स्थान, हवा बन्द डिब्बे के शीर्ष के थोड़ा नीचे और दूसरे का हवा बन्द डिब्बे के तेल के थोड़ा ऊपर और हवा बन्द डिब्बे के किनारों के तथा साधित्रजट होगा।

(ii) समग्र गहराई में 30 सेंटीमीटर या उससे कम से साधित्र पकड़ रस्मियों की एक कतार गहराई के मध्य की रस्मी से संलग्न हो सकेगी।

3 (i) पकड़ रस्मियां, परिधि में 5 सेमीटर से कम रस्से की नहीं होंगी,

(ii) वे हांचे के छिद्रों में से निकाल कर और चलन को निवारित करने के लिए गुथी होने पर साधित्र से संलग्न हो सकेंगी, या तो वे पिटवा लोहे या इस्पात जकड़नों के द्वारा साधित्र से संलग्न हो सकेंगी।

(iii) जो भी रीति अपनाई गई हो, संयोजन पकड़ रस्मियों द्वारा साधित्र को उठाने के लिए पर्याप्त सज्जत होगा।

6. उत्पन्न साधित्र कार्यक रस्से से लगा होगा।

7. (i) उत्पन्न साधित्र जब तक उसकी हाथ से उठाए बिना प्रव-तरण होने में समर्थ बनाने के लिए उपयुक्त साधनों की व्यवस्था नहीं की जाती है, भार में 181 किलोग्राम से अधिक नहीं होगा,

(ii) यदि साधित्र का भार 136 कि० ग्रा० से अधिक है तो इस प्रयोजन के लिए उपयुक्त हैन्डल या डण्डी लगाई जाएगी।

8. वर्ग 1 के पोतों में बहुत किया जा रहा उत्पन्न साधित्र चौड़ाई में 106 सेंटीमीटर से कम नहीं होगा।

**व्यारहवीं अनुसूची**

(नियम 51 देखिए)

**रक्षा बौयों के लिए अपेक्षाएं**

1. हर रक्षा बौया समतल और तिरपद रूप से प्लग किए हुए कार्य या समान रूप से दक्ष किसी उत्पादक समग्री से सन्निहित होगा, जिस पर तेल या तेल उत्पादों का प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा और उसमें खटकने हुए 14.5 कि० ग्रा० लोहे सहित कम से कम 24 घंटे तक अलवण जल में तैरने में समर्थ होगा।

2. प्लास्टिक या अन्य सांश्लिष्ट यौगिक से बना हुआ हर एक रक्षा बौया, समग्री जल या तेल उत्पादों के सम्पर्क में या तापक्रम के परिवर्तन में या खुली समुद्र यात्राओं में जाने वाले जनवायु संबंधी परिवर्तनों में अपने उत्पन्न गुणधर्म और स्थायित्व का बचाने में समर्थ होगा।

3. रक्षा बौये में नड, कार्क, गींग, दानेदार कार्क या किसी अन्य कड़ी दानेदार सामग्री नहीं भरी जाएगी और इसकी उत्पादकता उत्प-वायु कक्षों के ऊपर निर्भर नहीं होगी जिन्हें स्फीत दिए जाने की आवश्यकता होती है।

4. (i) रक्षा बौये का भीतर का व्यास 15 सें० मीटर और बाहरी व्यास 76 सें० मीटर होगा,

(ii) काट का दीर्घ कक्ष वण्ड 15 सें० मीटर होगा,

(iii) काट का लघुकक्ष वण्ड 10 सें० मीटर होगा।

5. हर रक्षा बौया, उष्ण दृश्यमान वर्ण का होगा।

6. (i) हर रक्षा बौया, उस पोत के जिसमें वह बहुत किया जाना है नाम और रजिस्ट्री पतेन से स्पष्ट प्रकार से चिह्नित किया जाएगा।

(ii) कार्क से निम्न सामग्री से सन्निहित रक्षा बौया, उस उत्पाद के लिए चिनिर्माता के व्यापार नाम से स्थायी रूप से चिह्नित किया जाएगा।

7. हर रक्षा बौये में पकड़ रस्मियां लगी होंगी जो अर्द्धांश क्वालिटी के न डुबने योग्य रस्मों की होंगी और चार समतुल्य स्थानों पर अच्छी तरह बन्धी होंगी जिससे चार रस्मों के फंदे बन जाएं और प्रत्येक फंदा 70 सें० मीटर से कम न हो।

8. वन निमित्त जाने पर रक्षा बौये का भार 6.1 कि० ग्रा० से अधिक नहीं होगा।

**बारहवीं अनुसूची**

(नियम 53 देखिए)

**रस्सी प्रक्षेपण साधित्रों के लिए अपेक्षाएं**

1. हर रस्सी प्रक्षेपण साधित्र में 4 जकेट और 4 रस्सी होंगी प्रत्येक रस्सी परिधि में 12.7 मिलीमीटर और वर्तमान लंबाई की हार्वी जिंका, भजन खिचाव 114 कि० ग्रा० में अन्यून हो।

2. हर रस्सी प्रक्षेपण साधित्र ऐसी रीति से रस्सी प्रक्षेपित करने में समर्थ होगा, कि फायर करने की दिशा की प्रत्येक और रस्सी का पाशिवक मोड़ राकेट की उड़ान के इस प्रतिशन से अधिक न हो।

3. रस्मियां और राकेट उनके प्रज्वलित करने के साधनों सहित अप-रोधी डिब्बे में रखे जाएंगे।

4. लंबाई में 44 मीटर या उससे अधिक के पोतों में बहुत कक्षा जा रहा हर रस्सी प्रक्षेपण साधित परिधि में 12.7 मिलीमीटर की रस्सी को शांत मौसम में 230 मीटर की न्यूनतम दूरी तक प्रक्षेपित करने में समर्थ होगा।

5. लंबाई में 44 मीटर या उससे अधिक के पोतों में बहुत कक्षा जा रहा हर रस्सी प्रक्षेपण साधित, परिधि में 12.7 किलोमीटर की रस्सी को शांत मौसम में 123 मीटर की न्यूनतम दूरी तक प्रक्षेपित करने में समर्थ होगा।

6. (i) राकेटों के सभी संघटक, संरचनाएं और अवयव और उनको प्रक्षेपित करने के साधन ऐसे स्वरूप और ऐसी क्वालिटी के होंगे कि काम से काम दो वर्ष की अवधि तक अच्छी औसत भण्डारण दशाओं के अधीन उनकी उपयोगिता बनाए रखने में उन्हें समर्थ बनाएं।

(2) जिस तारीख को राकेट भरा जाता है वह राकेट और उसके आधान पर अभिट रूप से स्टाम्पित की जाएगी और पैक करने की तारीख कारतूस आधार पर इसी प्रकार स्टाम्पित की जाएगी।

#### लेखनीय अनुसूची

[नियम 54(1), (अ), (ब), (ग), (घ), (च) और (प) और 58(1) (स), (ड) और (ड) देखिए]

रक्षा नौकाओं, नौकाओं और बचाव तरापों के लिए उपस्कर के विनिर्देश

#### भाग I

##### रक्षा नौकाओं के लिए कम्पास

1. (i) हर कम्पास द्रव प्रकार का होगा।

(ii) प्रयुक्त द्रव, भौद्योगिक मैग्नेटिक स्विटि और जल का मिश्रण होगा, जिसका विशिष्ट गुरुत्व, 15.5 से 0.01 पर 0.93 होगा। वह— $23.5^{\circ}$  से  $+49^{\circ}$  से  $+49^{\circ}$  से  $+49^{\circ}$  के माप पर प्रभावशाली रूप से कार्य करेगा।

2. (i) चुंबक का पर्याप्त—दैहिक बल होगा।

(ii) लगभग  $15.5^{\circ}$  से तापमान पर  $40^{\circ}$  के विक्षेप के पश्चात् 18 से 22 सेकेंड तक की अवधि, इस अवस्था का अनुपालन करने वाली समझी जाएगी। इस पैरा के प्रयोजनों के लिए "अवधि" वह समय है जो  $40^{\circ}$  के विक्षेप के पश्चात् कार्य के पूर्ण दोलन में, उसकी विश्राम स्थिति से हो कर एक पैंग और उस दशा में जिससे वह मूलतः विक्षेपित हुआ था, वापस लौट कर अपने पैंग को पूरा करने में लगता है।

3.  $23^{\circ}$  से  $+49^{\circ}$  से  $+49^{\circ}$  के रेंज में कोई प्रणाली 4 और 10 ग्राम के बीच भार सहित कम्पास द्रव में निमग्न होने पर धुरे पर स्थिर रहेगा।

4. (i) काई, व्यास में 10 मीमीटर से कम नहीं होगा और कम्पास कटोरी से उसकी दूरी कम से कम 7 मिलीमीटर होगी।

(ii) यह काई बिन्दुओं पर चिह्नित की जाएगी और आठ मुख्य बिन्दु स्पष्ट रूप से चिह्नित किए जाएंगे। काई प्रदीप्त होगा या प्रदीप्त के यथोचित साधन उसमें लगे होंगे।

5. काई का केन्द्र नीलम या समान रूप से यथोचित कठोर सामग्री का होगा।

6. काई का ध्रुव इरीडियम या समान रूप से यथोचित कठोर सामग्री का होगा।

7. द्रव के प्रकार और संकुचन के लिए की गई व्यवस्थाएं ऐसी होंगी कि कम्पास को, लौकिक बिना, बुलबुले बने बिना या अन्य दोषों के बिना,  $-23.5^{\circ}$  से  $+49^{\circ}$  से  $+49^{\circ}$  के माप रेंज को सहन कर सके।

8. (i) कम्पास कटोरी उन जिनमें से पर्याप्त रूप से तीव्र हुई होगी और समुचित रूप से रखी होगी जो पान के आगे पीछे और चौड़ाई की आर कार्य कर सकेंगी।

(ii) जिनमें लगाना उसी क्षेतिज स्थान में होगा जिसमें काई के जिनमें का बिन्दु है और बाहरी जिनमें पाने आगे रखी होगी।

(iii) कटोरी, जिनमें, या अनुसूचीय सामग्री के बक्स में रखी होगी और लबर लाइन या बिन्दु प्रदीप्त होगा या प्रदीप्त के यथोचित साधन उसमें लगे होंगे।

(iv) जब कम्पास कटोरी 10 डिग्री नत हो तो काई प्रणाली मुक्त रहेगी।

9. (i) काई के केन्द्र से लबर लाइन या बिन्दु की दशा उसी उर्वर स्थान में रहेगी जिसमें बाहरी जिनमें प्रक्ष या अन्य आगे पीछे दन रेखा है।

(ii) काई, धुरा, दैहिक और अन्य तरम लुटिया और लबर के बिन्दु के लुटिपूर्ण स्थित होने का संकलित प्रभाव ऐसा होगा कि पृथ्वी के अक्ष-क्षेत्र में लबर बिन्दु के सामने काई पर पड़ी गई दिशा में, बाहरी जिनमें प्रक्ष की चुंबकीय दिशा या आगे पीछे दन-रेखा से पश्चात्कर्ती की किसी दिशा के लिए 3 डिग्री से अधिक अन्तर होगा।

10. (i) कम्पास के संश्लेषण में प्रयुक्त धातु की न्यूनतम मोटाई निम्नलिखित होगी:—

कम्पास कटोरी	— 21 एम० डब्ल्यू० जी०
कम्पास बक्स (जिनमें)	— 24 एम० डब्ल्यू० जी०
दीप	— 24 एम० डब्ल्यू० जी०

(ii) (क) कम्पास कटोरी जिनमें पानों की लेने के लिए दक्ष रूप से मजबूत की जाएगी।

(ख) जिनमें आधार रिंग में स्वेग या स्पत किया जाएगा और चारों तरफ सोल्डर किया जाएगा।

(iii) (क) जिनमें रिंग, जहाँ पानों की या अन्य 16 मि० मि० × 3.1 मि० मि० दृढ़ अनुसूचीय धातु का होगा।

(ख) जिनमें पाने, जहाँ पानों की या अन्य कठोर अनुसूचीय सामग्री की होंगी और 6.2 मि० मि० व्यास की होंगी, वे और बियरिंग जिनमें वे लगी है, दोनों ही पूर्ण रूप से चिकनी होंगी।

11. कम्पास कटोरी के अन्दर के बिन्दु में स्कोटन का काई चिह्न दर्शित नहीं होगा।

12. सामग्री और कारीगरी आच्छादित अच्छी होंगी और कम्पास ऐसा होगा जो समुद्र में जाने की दशाओं के अधीन कार्यक्षम रहेगा।

(13) कम्पास कटोरी पर बनाने वाले या नाम या अन्य पहचान चिह्न उत्कीर्ण या स्टाम्पित होगा।

#### भाग II

यों ग नौकाओं से भिन्न रक्षा नौकाओं और नौकाओं के किराये लेंगे।

1. हर किराये लेंगे निम्नलिखित अवस्थाओं का अनुपालन करेगा:

(क) वह नंबर 1 सर्वोत्तम सन कैनवस या अन्य यथोचित सामग्री में बना होगा,

(ख) कैनवस भाग मजबूती से मिला हुआ और जीड़ों पर 44 मि० मि० की पाल रस्सी से बंधा होगा, तब रस्सी लेंगे की साक के रूप में बनाए जायेंगे और धिबल संयोजन मिरों में डोरी से बांधे जायेंगे और रस्से पारमल फे में रोक रस्सी के लिए लगाव बनाने के लिए चिह्नित होंगे और डोरी से बांधे जायेंगे।



- (ग) एक तीन पान, विम्बल को लेने के लिए वर्गीकृत आकार की एक गोल ढांग किरमिच लंगर में संलग्न होगा,
- (घ) तीनपान की लंबाई, रक्षा नौका या नौका की लंबाई के तीन गुनी होगी।
- (ङ) तीनपान में दो फेदम लंबी एक रोक रस्सी की व्यवस्था की जाएगी।

2. (1) एक घुत्ताकार किरमिच लंगर, मुंह पर जस्तेदार लोहे के एक टुक मलिन लगा होगा।

(2) किसी अन्य प्रकार का किरमिच लंगर, मुंह के आधार पर अस्ते-दार प्रसारक साधन से लगा हुआ और ऊपरी किनारे पर एक ग्रैण प्रसारक साधन से लगा होगा।

3. किरमिच लंगरों का आकार निम्नलिखित होगा—

(क) 9 मीटर से अधिक लंबी रक्षा नौकाओं के लिए अवृत्ताकार बंद होने वाला किरमिच लंगर	<p>मुंह 76 से०मी०, ऊपरी किनारा 68 से०मी० निचला किनारा 69 से० मी० प्रत्येक ओर। मुंह का क्षेत्रफल 50 वर्ग डेमी मीटर।</p>
केनवस थैले की लंबाई	1.37 मीटर
तीनपान	परिधि में 76 मि०मी०
रोक रस्सी	परिधि में 51 मि०मी०

- (ख) उन रक्षा नौकाओं के लिए जिनकी लंबाई 9 मीटर से अधिक नहीं है।
- 7 मीटर लंबी किन्तु 9 मीटर से अधिक लंबी नहीं।

घुत्ताकार किरमिच लंगर	मुंह व्यास 68 से०मी० अवृत्ताकार बंद होने वाले
किरमिच लंगर	मुंह 61 से०मी० प्रत्येक ओर
किरमिच केनवस की लंबाई	1.2 मीटर
तीनपान	परिधि में 76 मि०मी०
रोक रस्सी	परिधि में 51 मि०मी०

- (ग) रक्षा नौकाएं जो 6.7 मीटर से अधिक लंबी नहीं हैं और अन्य नौकाओं के लिए (वर्ग ग नौकाओं से भिन्न) घुत्ताकार किरमिच लंगर प्रत्येक ओर मुंह 61 से०मी० व्यास अवृत्ताकार बंद होने वाला
- किरमिच लंगर मुंह 55 से०मी० प्रत्येक ओर
- केनवस थैले की लंबाई 1 मीटर
- तीनपान परिधि में 64 मि०मी०
- रोक रस्सी परिधि में 38 मि०मी०

### भाग III

रक्षा नौकाओं और बचाव तरापों के लिए छतरी संकट राकेट संकेत।

1. (i) हर एक छतरी संकट राकेट संकेत में एक कमकीला लाल तारक होगा जो एक राकेट द्वारा अपेक्षित ऊंचाई तक प्रक्षिप्त किया जाता है और जो गिरने समय जलना है, इसके गिरने की दर एक छोटा छतरी द्वारा नियंत्रित होने पर 4.5 मी० प्रति सेकंड औसत दर तक होती है।

(ii) उसमें प्रज्वलन के स्वतः पूर्ण साधन लगे होंगे, जो इस प्रकार डिजाइन किए गए होंगे कि बाहरी सहायता के बिना हस्त धारित स्थिति से प्रचलित हो सकें और अधिभोगियों को किसी हानि के बिना राकेट को रक्षा नौका, नौका या बचाव तरापे से छोड़ने से समर्थ बनाएं।

2. (i) जब राकेट लगभग ऊर्ध्वाधर फायर किया जाता है तो तारक और छतरी, कम से कम 183 मीटर की ऊंचाई पर प्रक्षेप-पथ के शीर्ष पर या उससे पहले उत्प्रेक्षित होंगे।

(ii) राकेट समतल से 45 डिग्री के कोण पर फायर किए जाने पर भी कार्य करने में समर्थ होगा।

3. (i) तारक, कम से कम 30 सेकेंड के लिए कम से कम 15000 कैंडल शक्ति की दीप्ति से जलेगा।

(ii) यह, समुद्र सतह से कम से कम 46 मीटर ऊंचाई पर जल जाएगा।

4. (i) छतरी ऐसे आकार की होगी जो जलते हुए तारक के गिरने की दर का अपेक्षित नियंत्रण कर सके।

(ii) यह तारक से, नम्य अग्नि सह कवच द्वारा संलग्न होगा।

5. राकेट जलसह होगा और एक मिनट तक जल निम्न रहने के पश्चात् संतोषजनक रूप से कार्य करने में समर्थ होगा।

6. सभी संघटक, संरचना और अवयव ऐसे स्वरूप और क्वालिटी के होंगे जो कम से कम दो वर्ष की अवधि तक अच्छी औसत भंडारकरण वशाओं के अधीन इसका उपयोग बनाए रखने में समर्थ बनाएं।

7. (i) राकेट ऐसे आधान में पैक किया जाएगा जो प्रभावशाली रूप से सुग्राह्य होगा।

(ii) यदि धातु का बना हो तो आधान अच्छे कवचदार और लैकर किया हुआ या संरक्षण के विरुद्ध अन्यथा पर्याप्त रूप से संरक्षित होगा।

8. जिस तारीख को राकेट भरा गया है वह राकेट और आधान पर अमिट रूप से स्टाम्पित की जाएगी।

9. प्रयोग के लिए स्पष्ट और संक्षिप्त निर्देश अंग्रेजी और हिन्दी भाषा में राकेट पर अमिट रूप से मुद्रित किए जाएंगे।

### भाग IV

रक्षा नौकाओं और बचाव तरापों के लिए हस्त धारित संकट प्रवीपक संकेत

1. हर एक हस्त धारित संकट प्रवीपक संकेत में, प्रज्वलन के स्वतः पूर्ण साधन लगे होंगे जो इस प्रकार डिजाइन किए गए होंगे कि बाहरी सहायता के बिना हस्त धारित स्थिति से प्रचलित हो सकें और अधिभोगियों को हानि के बिना प्रवीपक की रक्षा नौका, नौका या बचाव तरापे से संप्रदर्शित होने में समर्थ बनाएं।

2. जहां प्रवीपक बचाव तरापे में बहल किया जाता है वह इस प्रकार संक्षिप्त होगा कि जब प्रवीपक फायर किया जाता है तो बचाव तरापे को नुकसान पहुंचाने वाला कोई बाह्य पदार्थ प्रवीपक से नहीं गिरेगा।

3. प्रवीपक कम से कम 55 सेकंड के लिए कम से कम 15000 कैंडल शक्ति की दीप्ति का एक लाल प्रकाश उत्पन्न करने में समर्थ होगा।

4. प्रवीपक जल सह होगा और एक मिनट तक जल निम्न रहने के पश्चात् संतोषजनक रूप से कार्य करने में समर्थ होगा।

5. सभी संघटक, संरचना और अवयव ऐसे स्वरूप और क्वालिटी के होंगे कि एक वर्ष से जले और प्रवीपक को कम से कम दो वर्ष की अवधि तक अच्छी औसत भंडारकरण वशाओं के अधीन उसका उपयोग बनाए रखने में समर्थ बनाएं।

6. वह शारीख जिसको संकेत भरा गया है अमिट रूप से स्टाम्पित किया जाएगा।

7. प्रयोग के लिए स्पष्ट और संक्षिप्त निदेश अंग्रेजी और हिन्दी भाषा में संकेत पर अमिट रूप से मुद्रित किए जायेंगे।

#### भाग 5

##### रक्षा नौकाओं के उत्प्लवन धूम्र संकेत

1. हर एक उत्प्लवन धूम्र संकेत में, प्रज्वलन के स्वतः पूर्ण साधन लगे होंगे।

2. संकेत जल पर तैरने समय कम से कम दो मिनट और अधिक से अधिक चार मिनट की अवधि के लिए घनी मात्रा में नारंगी रंग वाले धूम्र को उत्सर्जित करने में समर्थ होगा।

3. संकेत अवसह होगा और एक मिनट तक जल निम्न रहने के पश्चात् संतोषजनक रूप से कार्य करने में समर्थ होगा।

4. सभी संकेतक संरचना और अवयव ऐसे स्वरूप और क्वालिटी के होंगे कि एक रूप से जले और संकेत को कम से कम दो वर्ष की अवधि तक औसत भंडारण स्थानों के अर्थात् इसका उपयोग बनाए रखने में समर्थ बनाएं।

5. वह शारीख जिसको संकेत भरा गया है, अमिट रूप से स्टाम्पित किया जाएगा।

6. प्रयोग के लिए स्पष्ट और संक्षिप्त निदेश अंग्रेजी और हिन्दी भाषा में संकेत पर अमिट रूप से मुद्रित किए जायेंगे।

#### भाग 6

##### रक्षा नौकाओं के लिए प्राथमिक उपचार उपकरण बरत

रक्षा नौकाओं में हर एक प्राथमिक उपचार उपकरण बरत की व्यवस्था की जाएगी जिसमें निम्नलिखित होंगे :-

वस्तु

मात्रा

- |   |           |
|---|-----------|
| (क) निपात शारीरिक गणित के ह्रास का नवीनीकरण देने वाले (सुगन्धित अमोनिया के 6 कैप्सूल)   | 1 टिन     |
| (ख) यांत्रिक कोडीन टिकिया (टेब० कोडीन क०)   | 25 टिकिया |
| (ग) स्क्रू टर्पा वाले घात पीप में, प्रयोग के लिए निर्देशों सहित, छद्म मारफोन एड्रून मिरीन, जिसमें या तो मारफोन लक्षण जं 1 घन से० मी० में 1/4 ग्राम निर्जन मारफोन के समतुल्य से या 1 घन से० मी० में 1/2 ग्राम पेगावस्टेम बी०पी०सी० का विलयन हो | 1 पीपा    |
| (घ) मानक ड्रेसिंग 14 नंबर की मध्यम बी० पी०सी० 15 से० मी० × 10 से० मी०   | 2         |
| (ङ) मानक ड्रेसिंग 15 नंबर की बड़ी बी०पी० सी० 20 से० मी० × 10 से० मी०  | 2         |
| (च) प्रत्यास्थ आसजक ड्रेसिंग 5 से० मी० × 8 से० मी० के तीन तीन के पैकेट  | 2 पैकेट   |
| (छ) कम से कम 9.5 से० मी० चौड़ी 1.25 मीटर आधार की, त्रिकोण निर्गमिवसहित पट्टिया  | 5         |
| (ज) मकेत्र, अवशेषक, सर्पिण्डित जाला 8.5 से० मी० × 2.25 मीटर   | 3         |
| (झ) सर्पिण्डित लपेट पट्टिया 5.6 से० मी० × 3.15 मीटर   | 1         |

(अ) अतिरंजन बिना धुली पट्टी 15 से० मी० × 5.5 मीटर

1

(ट) सर्पिण्डित रूई ऊन 125 ग्राम का पैकेट

1 पैकेट

(ठ) 5 से० मी० पॉन्च लेपित, सुरक्षित

6

(ड) कोमल पैराफीन 30 ग्राम का ट्यूब

1

(ड) मोरबा रहित और जंग रोधी हस्तात को 10 से० मी० की कैंची, जिसकी 1 धार तेज, 1 भार कुन्ध हो !

1

(ण) स्फूर्ति टिकिया (10 मि० ग्रा० एम्फेटामिन मस्केट)

60 टिकिया

(न) सिलिका जेल

1 कैप्सूल

(घ) लिनेन या जलसह कागज पर मुद्रित अंग्रेजी और हिन्दी भाषा में अनुदेश

2. प्राथमिक उपचार उपकरण, बक्स, एक आधार में पैक किया जाएगा जो निम्नलिखित अपेक्षाओं का अनुपालन करेगा :-

(क) यह टिकाऊ आक्रांतासह और प्रभावशाली रूप से मुद्राबंद किया जाएगा। यह ऐसी युक्ति से मुद्राबंद किया जाएगा जो यह उप-बोध करे कि अन्तर्वस्तु सुरक्षित है।

(ख) यह ऐसे कमरे में पैक किया जाएगा जिसमें दबावभव वायु संश्लेषण तभी निकाल दी गई है।

(ग) जहाँ आधार भात का बना हुआ है, वहाँ यह अच्छा कलईदार और लौकर किया हुआ होगा और ठक्कन में हैडल लगा होगा।

(घ) अन्तर्वस्तुओं की सबवार सूची आधार के बाहर दी जाएगी।

#### भाग 7

##### रक्षा सेवाओं के लिए हस्तधारित पम्प

हर एक रक्षा नौका हस्त-धारित पम्प निम्नलिखित अपेक्षाओं का अनुपालन करेगा :

1. जब 1.2 मीटर की ऊंचाई से चूषण पर प्रति मिनट अधिक से अधिक 60 डबल स्ट्रोक पर प्रचालित हो तो धारिता निम्नलिखित से कम नहीं होगी :

(क) 7.8 मीटर या उससे अधिक लम्बी रक्षा नौकाओं में 32 लिटर प्रति मिनट, या

(ख) 7.3 मीटर से कम लम्बी रक्षा नौकाओं में 23 लिटर प्रति मिनट।

2. अपनी प्रसामान्य क्षुष्क स्थिति में (आन्तरिक ग्रीस या अन्य सहायता को अपवर्जित करके) पम्प जब कम से कम 1-2 मीटर की ऊंचाई से चूषण पर प्रचालित हो तो सरलता से अण-क्रमणीय होगा।

3. पंप के सभी भाग समग्र जल में संक्षारक प्रभाव से न प्रभावित होने वाली सामग्री के होंगे।

4. पम्प का अन्तर्भाग जिसमें वाल्व भी सम्मिलित है, आगान्त सफाई के लिए सरलता से पहुँचने योग्य होगा और पहुँच के लिए ठक्कन, स्पेनर या अन्य विशेष औजार के प्रयोग के बिना आसानी से हटाए जा सकेंगे।

5. पम्प शाखाएँ कम से कम 32 मि. मी. आन्तरिक परिधि में रखी हों संबंधनों के साथ प्रयोग के लिए यथोचित होगी। प्रधानन हिंडल का धातु भाग यह निर्दिष्ट करने के लिए कि जब पम्प अधिकतम डेढ़क में प्रयुक्त किया जाए तो चालक के हाथ संरक्षित रहे, यथोचित रूप से लकड़ी से भिन्न सामग्री से अच्छादित होगा। स्पिंडल ग्लैंड, स्पिंडल भारित मील इस प्रकार का होगा।

### भाग 8

1. इस भाग के पैरा 2 के उपबंधों के अधीन रहते हुए बचाव तारों में व्यवस्थित हर एक प्राथमिक उपचार उपकरण बक्स में निम्नलिखित होंगे।

- |   |        |
|---|--------|
| बस्तु   | मात्रा |
| (क) मानक ड्रॉसिंग 14 नंबर की मध्यम बीपीसी 15 से.मी. × 10 से. मी.  | 4      |
| (ख) मानक ड्रॉसिंग 15 नंबर की बड़ी बीपीसी 20 से.मी. × 15 से. मी.   |        |
| (ग) कम से कम 95 से.मी. चौड़ी, 1.25 मीटर आधार की त्रिकोण, निर्दिष्ट चित्र सहित पट्टियाँ  | 4      |
| (घ) विद्युत समस्थित पट्टियाँ बीपीसी 8 से.मी. × 3.5 मी.  | 10     |
| (ङ) जल या धाव की ऐन्टीसेप्टिक क्रीम, सेट्टिंग 50 प्रतिशत इन्क्यू-इन्क्यू 50 ग्रांम की ट्यूब   |        |
| (च) मोरचा रहित और जंग रोधी इस्पात की 10 से.मी. की कैंची जिसकी 1 धार तंज, 1 धार धूँद हो  |        |
| (छ) स्क्रूटोपी वाल धातु पीप में प्रयोग के लिए निवेशों सहित छह भारपीन एम्पूलमिरीज जिनमें या तो भारपीन लक्षण जो 1 घन से. मी. 1/4 ग्राम निर्जल भारपीन के समतुल्य हो या 1 घन से. मी. 1/2 ग्राम पैराफॉरेटम बीपीसी का विलयन हो। |        |
| (ज) लिनेन या जलसह कागज पर मद्रिद अंग्रेजी और हिन्दी भाषा में अनुदेश।  |        |

2. 21.3 मीटर से कम लम्बाई के वर्ग 8 के पोतों में हर एक रक्षा तारों में व्यवस्थित प्राथमिक उपचार उपकरण बक्स की अन्तर्वस्तु, इस भाग के पैरा 1 के खंड (क) में, जिसमें ये खण्ड भी सम्मिलित हैं, विनिर्दिष्ट मात्राओं की आधी तथा उक्त पैरा के खण्ड (च) और (ज) में विनिर्दिष्ट मदों सहित होंगी।

3. प्राथमिक उपचार उपकरण बक्स एक आधार में एक किया जाएगा जो टिकाऊ आद्रताग्रह और प्रभावशाली रूप में मद्राबद्ध किया जाएगा। अन्तर्वस्तुओं की मदवार सूची आधार के बाहर दी जाएगी।

### चौवहवी अनुसूची

[नियम 60 (9) देखिए]

डेविट और रक्षा नौका अवतरण गियर

### भाग 1

### साधारण

“कार्यकारी भार” की परिभाषा इस अनुसूची में “कार्यकारी भार” पद से निम्नलिखित अभिप्रेत है :-

(क) उन डेविटों के संबंध में जिनको भाग 2 के पैरा 1 का खंड (क) लागू होता है, रक्षा नौका, उसके उपस्कर, दराबी और रस्से और व्यक्तियों की, प्रत्येक व्यक्ति का भार 75 कि. ग्राम माना जाएगा, अधिकतम संख्या, जिसे वहन करने के लिए रक्षा नौका ठीक समझी गई है, भार का योग।

(ख) उन डेविटों और अवतरण के अन्य साधनों के संबंध में जिनको भाग 2 के पैरा 1 का खण्ड (ख) या (ग) लागू होता है रक्षा नौका, वर्ग ग नौका, या अन्य नौका, उसके पूरे उपस्कर, दराबी रस्से और दो व्यक्तियों से मिलकर बने प्रत्येक व्यक्ति का भार 75 कि. ग्राम माना जाएगा अवतरण कमींदल के भार का योग।

(ग) विंचों के संबंध में अवतरण करने उत्तोलित करने या भारित करने के दौरान बांच पीपे पर रस्से या रस्से से लगाया गया अधिकतम कर्षण जो किसी भी दशा में डेविट या डेविटों पर कार्यकारी भार को अवतरण करने वाले टेकल के वेग अनुपात द्वारा विभाजित करके निकाला जाए, उससे कम नहीं होगा।

### भाग 2

### संनिर्माण

1. सामर्थ्य : (क) रक्षा नौका में तथा हुआ हर एक डेविट जो उसके व्यक्तियों की पूरी संख्या से लदे होने पर जल में रखे जाने के लिए नियम 60 के उप-नियम (1) द्वारा अपने विंच, रस्से दराबी और अन्य सभी सहयुक्त अवतरण गियर सहित ऐसी सामर्थ्य के होंगे कि उसके पूरे उपस्कर और कम से कम दो व्यक्तियों के अवतरण कमींदल सहित रक्षा नौका अवतरित हो सक और जल पोत में 10 डिग्री की गति है और किसी ओर 15 डिग्री झुका हुआ है तब व्यक्तियों की पूरी संख्या सहित नौरोहण स्थिति से सुरक्षापूर्वक जल में अवतरित हो सके।

(ख) हर यंत्र नियंत्रित एकल-भुज डेविट अपने विंच, रस्से दराबी और अन्य सभी सहयुक्त अवतरण गियर सहित ऐसी सामर्थ्य के होंगे और प्रचालन गियर ऐसी शक्ति का होगा कि रक्षा नौका पूर्ण रूप से उपस्कारित और दो सदस्यों के अवतरण कमींदल सहित जल में बाहर निकाली जा सके और पोत के 25 डिग्री झुके होने से जल में सुरक्षा पूर्वक अवतरित हो सके।

(ग) उक्त डेविट में भिन्न जिसकी सामर्थ्य इस पैरा के खण्ड (क) और (ग) में विनिर्दिष्ट है डेविटों का हर एक गट, डेविट या अवतरण के अन्य साधन जिससे कोई रक्षा नौका, वर्ग “ग” नौका या अन्य नौका संलग्न है अपने विंच, रस्से, दराबी और अन्य सहयुक्त अवतरण गियर सहित ऐसी सामर्थ्य का होगा कि उसके पूर्ण उपस्कर और दो सदस्यों के अवतरण कमींदल सहित रक्षा नौका, वर्ग “ग” नौका या अन्य नौका, जब पोत में 10 डिग्री की गति है और किसी ओर 15 डिग्री झुका हुआ है, जल से बाहर निकाली जा सके और जल में सुरक्षापूर्वक अवतरित हो सके।

(घ) डेविटों का हर एक सेट डेविट या अवतरण के अन्य साधन जिससे रक्षा नौका, वर्ग “ग” नौका या अन्य नौका संलग्न है, अपने विंच और सभी सहयुक्त उत्तोलन गियर सहित ऐसी सामर्थ्य के होंगे कि नौका अपने पूरे उपस्कर और कम से कम दो व्यक्तियों के होने पर सुरक्षापूर्वक उत्तोलित हो सके और नौकरित हो सके और इसके अतिरिक्त आपात रक्षा नौका की दशा में अपने पूरे उपस्कर और 1016 कि. ग्राम के वितरित भार से लदे होने पर प्रतिमिनट कम से कम 18 मीटर की गति से वह सुरक्षापूर्वक जल से आरोहण डेक पर उत्तोलित हो सके।

2. **गुरुत्व डेबिट** :—(1) सधी गुरुत्व डेबिट इस प्रकार डिजाईन किए जाएंगे कि जलयान के सीधे खड़े होने पर और उसके सीधे किसी ओर 25 डिग्री तक या उसको सम्मिलित करते हुए झुकने होने पर पोत के भीतर से उसके बाहर स्थिति तक सम्पूर्ण डेबिट की पूरी शाल के दौरान अवतरण की घनात्मक स्थिति हो ।

(2) उन गुरुत्व प्रकार के डेबिटों जो रोलरो पर भूजा रोहण त बने हैं और जो आमत पटरी पर लगे हैं और चलते हैं, की दशा में पटरी जलयान के सीधे खड़ी होने पर क्षतिग्रस्त से कम से कम 30 डिग्री के कोण पर आगत होगी ।

3. **लिफ्टिंग डेबिट सभी राफिंग डेबिटों के प्रचालन गियर यह सुनिश्चित करने के लिए, पर्याप्त शक्ति के होंगे कि पूर्ण रूप से उपस्करित और अवतरण कमींदल सहित किन्तु जो अन्य व्यक्तियों से लदी नहीं रक्षा नौकाएं, या अन्य नौकाएं कम से कम 15 डिग्री के झुकाव के विरुद्ध निकाली जा सकें ।**

4. **यन्त्र नियंत्रित एकल भूज डेबिट** :—किसी यन्त्र नियंत्रित एकल भूज डेबिट का कार्यकारी भार 1524 किलोग्राम से अधिक नहीं होगा ।

5. **प्रतिबल** :—(क) यन्त्र नियंत्रित एकलभूज डेबिटों से भिन्न डेबिटों की दशा में अधिकतम भार और गति तथा झुकाव की दशाओं के अधीन प्रचालित होने पर डेबिट भूजाओं पर परिकल्पित प्रतिबल प्रयुक्त सामग्री की बवालटी, सन्निर्माण की रीति और भार की वास्तविक प्रकृति जिसके अधीन डेबिट है, को दृष्टि में रखते हुए पर्याप्त सुरक्षा प्रदान करेंगे ।

(ख) यंत्र नियंत्रित गंगल भूज डेबिटों की दशा में अधिकतम भार और अनुकूल झुकाव की दशाओं में प्रचालित होने पर डेबिट पर परिकल्पित प्रतिबल प्रयुक्त सामग्री की बवालटी, सन्निर्माण की रीति और भार की वास्तविक प्रकृति जिसके अधीन डेबिट है, को दृष्टि में रखते हुए पर्याप्त सुरक्षा प्रदान करेंगे ।

6. **स्थैतिक भार परीक्षण प्रत्येक डेबिट अपनी भूजा सहित सीमा में पूर्ण रूप से बाहर होने पर भूजा के द्वारा सम्भाले गए कार्यकारी भार के इस भाग से कम से कम 2-2 गुना के स्थैतिक भार परीक्षण को सहने में समर्थ होगा ।**

7. **डेबिट शीर्ष पर संयोजन** :—डेबिट के शीर्ष पर संयोजन जिनसे दराबिया लटकी हुई हैं, संयोजनों पर अधिकतम भार के कम से कम 2-1/2 गुने के प्रमाण भार परीक्षण को सहने में समर्थ होगा ।

8. **दराबिया (क) (1) रक्षा नौकाओं, वर्ग 'ग' नौकाओं या अन्य नौकाओं के उत्तोलन और अवतरण के प्रचालन में प्रयुक्त सभी दराबिया ऐसे डिजाईन की होंगी कि पर्याप्त सुरक्षा प्रदान करें ।**

(2) निचली दराबिया जब लगी हों तो डगसगाने वाली नहीं होंगी और आपात रक्षा नौकाओं की दशा में एकल होने से रस्सों के निवारित करने के लिए व्यवस्था की जाएगी ।

(3) दराबी का आकार रस्से के समानुपातक होगा ।

(ख) (1) धातु दराबी अधिकतम भार के कम 2-1/2 गुने के जिसे यह सेवा में बहन करने के लिए आशयित है, प्रमाण भार परीक्षण को सहने में समर्थ होगी ।

(2) धातु दराबी चञ्चल और दराबी गल्ले के बीच जिसमें तार रस्सा प्रयुक्त किया जाता है, दूरी यथासंगत न्यूनतम रखी जाएगी, जो किसी दराबी या अग्रचञ्चल के रिम के ऊपर चढ़ने से रस्सी को निवारित करेगी ।

(3) दराबियों के उसकी चञ्चलता से गिन संचटक भाग बन्द सामग्री के होंगे ।

(ग) लकड़ी की दराबी, दराबी पर भार के कमसे कम 2-1/2 गुना के प्रमाण भार को सहने में समर्थ होंगी । गल्लों के बीच चौड़ाई जब नया कार्डेज परिधि में 9-6 से. मी. हो जब उनके व्यास से 12-7 मि.मी. अधिक होगी और रस्सी के उनसे छोटे होने पर उनकी परिधि अनुपात में कम होगी ।

9. **तार रस्से** :—(क) रक्षा नौकाओं, वर्ग 'ग' नौकाओं या अन्य नौकाओं को अवतरण करने के लिए प्रयुक्त प्रत्येक तार रस्से का तन भार अवतरण करने, उत्तोलन करने या नौभरण के समय रस्से पर अधिकतम भार छः गुने से कम नहीं होगा ।

(ख) तार रस्से बिच के पीपे से मजबूती से संलग्न होंगे और तारों के सिरे संयोजन और अन्य भाग जिनसे रक्षा, नौका, वर्ग 'ग' नौका या अन्य नौका लटकाई जाती है, वे संयोजनों और अन्य भागों पर भार के कम से कम 2-1/2 गुना प्रमाण भार को सहने में समर्थ होंगे ।

(ग) जहाँ तार रस्सी जोड़ या पट्टी से मजबूत किए गए अक्षिपट्ट प्रयोग किए जाते हैं, वे सेवा में उन पर रखे भार के कम से कम 2-1/2 गुने के प्रमाण भार की सहन करने में तब तक समर्थ होंगे जब तक कि तार के प्रत्येक प्रकार के गुणों जिन पर वे प्रयुक्त किए गए हैं जब वे नष्ट करने के लिए परीक्षित किए जाएं सुरक्षा का कम से कम 5 गुणनखण्ड दर्शित नहीं करते ।

10. **विंच (क) (1) यंत्र नियंत्रित एकलभूज डेबिटों से भिन्न डेबिटों की दशा में विंचपीपों की दोनों रस्सों को पृथक रखने और उन्हें तत्समय वर से रस्सी को ढीला करने में समर्थ बनाने के लिए व्यवस्था की जाएगी ।**

(2) तार रस्से की लपेटन ऐसी होगी कि वे पीपों पर समरूप से लपटे जाएं और अग्र दराबी की, खांचेदार पीपों के लिए अधिक से अधिक पांच डिग्री और बिना खांचेदार पीपों के लिए तीन डिग्री अग्रता कोण बनाने के लिए, व्यवस्था की जाएगी ।

(3) यंत्र नियंत्रित एकल भूज डेबिटों की दशा में तार रस्से की लपेटन ऐसी होगी कि रस्सी पीपे पर समरूप से लपटी जाए ।

(ख) (1) विंच ब्रेक दुढ़ सन्निर्माण का ढ़ागा और अवतरण करने की सक्रिया में पूर्ण नियंत्रण और गति को सीमित करेगा;

(2) हाथ ब्रेक की इस प्रकार व्यवस्था की जाएगी कि सामान्यतः यह "जारी" स्थिति में हो और जब नियंत्रक हैंडस प्रचालित नहीं हो रहा हो तो "जारी" स्थिति को लौट आए;

(3) ब्रेक लीवर पर भार, बिना अतिरिक्त दाब के प्रभावशाली रूप से ब्रेक को चालू करने के लिए पर्याप्त होगा ;

(क) यह सुनिश्चित करने के लिए कि रक्षा नौका, वर्ग 'ग' नौका या अन्य नौका, सुरक्षा के अनुरूप अवतरण करने की दर को बिना बढ़ाए प्रीभ्रदा से अवतरित की जाती है, तो ब्रेक गियर में अवतरण की गति को स्वतः नियंत्रित करने के लिए साधन सम्मिलित होंगे;

(ब) इस प्रयोजन के लिए स्वचालित ब्रेक इस प्रकार गैट की जाएगी कि रक्षा नौका को अवतरण करने की गति 18 मीटर और 36 मीटर प्रति मिनट के बीच हो;

(6) रक्षा नौका विंचों की हाथ ब्रेक यंत्र रचना में रेषट गियर लगे होंगे ।



(7) जहाँ साध्य हो ब्रैक साधन इस प्रकार स्थित होगा कि बिच को प्रचालित करने वाले व्यक्ति को, जल में अवतरण होने की सम्पूर्ण प्रक्रिया के दौरान रक्षा नौका वर्ग 'ग' नौका या अन्य नौका का सम्प्रेक्षण करने में समर्थ बनाए परन्तु यह तब अथ कि आपात रक्षा नौकाओं को सेवा में लगे बिच किसी भी दशा में इस प्रकार रखे हुए होंगे।

(ग) प्रत्येक बिच भाग 1 की मद (ग) में यथा परिभाषित कार्यकारी भार के 1.5 गुना परीक्षण भार का अवतरण करने और धारण करने में समर्थ होगा।

(घ) बिच इस प्रकार सन्निर्मित होंगे कि जब रक्षा नौका, वर्ग 'ग' नौका या अन्य नौका का अवतरण हो रहा हो या उसे व्यक्ति से उत्तोलित किया जा रहा हो तो बिच के भागों के गतिमान हिस्सों द्वारा कैंक हैडल या हैडल घूम न जाए और रस्सों को हाथ से खोलने के लिए व्यवस्था की जाएगी।

11. कार्बेज रस्से :—

- (1) कार्बेज रस्से सनी मनीला या किसी अन्य उपयुक्त सामग्री के होंगे और टिकाऊ, न ऐठने वाले, बूढ़े रखे हुए और लचकदार होंगे।
- (2) वे किसी भी दशा में रस्से के नियत व्यास से 1 से.मी. बड़े छिद्र से, भूत रूप से गुजरने योग्य होंगे।
- (3) रक्षा नौका, वर्ग 'ग' नौका या अन्य नौका के अवतरण के लिए प्रयुक्त प्रत्येक रस्से का भंजन भार अवतरण करते या उत्तोलन करते समय रस्से पर अधिकतम भार के 6 गुने से कम नहीं होगा।
- (4) रक्षा नौका रस्से के लिए, परिधि में 6.3 से.मी. से कम का रस्सा प्रयुक्त नहीं होगा। सनीमा नीला रस्से के लिए लपेटन रीले या परत बक्से की व्यवस्था की जाएगी।

12. रक्षा स्तम्भ :—

- (1) उन सभी दशाओं में जहाँ कार्बेज रस्से प्रयुक्त किए जाते हैं किसी रक्षा नौका वर्ग, 'ग' नौका या अन्य नौका के अवतरण के लिए यथोचित रक्षा स्तम्भों या समान रूप से अन्य प्रभावशाली माधियों की व्यवस्था की जाएगी।
- (2) ऐसे रक्षा स्तम्भ या अन्य माधियत्र ऐसे स्थित होंगे जो यह सुनिश्चित करें कि उनसे सेवा की जा रही रक्षा नौका, वर्ग 'ग' नौका या अन्य नौका सुरक्षा पूर्वक अवतरित हो सके, और रस्सी मार्गदर्शक या अग्र चक्रिका इस प्रकार लगी होगी कि जो यह सुनिश्चित करें कि यह, बाहर निकालने या भूलने की प्रक्रिया के दौरान उत्थापित नहीं होंगी।

(भाग 3)

**बोर्ड पर प्रतिष्ठापन के पश्चात् परीक्षण**

1. साधारण : यह सुनिश्चित करने के लिए परीक्षण किया जाएगा कि डेविटो में संलग्न सभी रक्षा नौकाएँ, वर्ग 'ग' नौकाएँ या अन्य नौकाएँ अपेक्षित उपस्कर से लदी होने पर नौरोहण स्थिति में सुरक्षापूर्वक और सुगमता पूर्वक पुनः नौभरित की जा सके। और इस प्रकार लदी होने पर रक्षा नौका वर्ग 'ग' नौका या नौका, जब अभियुक्त हो तो बिच रस्से, दराबी और अन्य सहयुक्त गियर के दर्पण प्रतिरोध के विरुद्ध जल में गुरुत्व द्वारा अवतरित हो सके।

2. अवतरण परीक्षण :—(क) डेविटो का प्रत्येक जोड़ा जिनको भाग 2 के पैरा (1) का खण्ड (क) लागू होता है और कोई सहयुक्त रक्षा नौका, बिच और उनके ब्रैक निम्नलिखित परीक्षण सहने में समर्थ होंगे :—

(क) डेविटो के प्रत्येक सेट में रक्षा नौका, इन नियमों द्वारा अपेक्षित उपस्कर से और व्यक्तियों की पूरी संख्या जिससे स्थान देने के लिए यह ठीक समझी गई है तथा 10 प्रतिशत कार्यकारी भार के बराबर वितरित भार से लदी, नौरोहण डेक से जल में अवतरित की जाएगी, सुले मौसम में रखे गए बिच ब्रैक गीली ब्रैक तल सहित पूर्ववर्ती परीक्षण सहन करने में समर्थ होंगे।

(ख) उन डेविटो की दशा में जिनको भाग 2 के पैरा (1) का खण्ड (ख) या (ग) लागू होता है, रक्षा नौका, वर्ग 'ग' नौका या अन्य नौका, इन नियमों द्वारा अपेक्षित उपस्कर और दो व्यक्तियों के अवतरण कमींदल के भार घन कार्यकारी भार के 10 प्रतिशत के बराबर वितरित भार सहित जल में अवतरित की जाएगी।

(ग) खण्ड (क) और (ख) के अधीन अपेक्षित परीक्षा के प्रयोजन के लिए एक व्यक्ति का भार 75 कि. ग्रा. माना जाएगा।

3. आपात रक्षा नौकाओं के लिए उत्थापन परीक्षण : आपात रक्षा नौकाएँ जिनकी पुनः प्राप्ति के लिए बिचों द्वारा सेवा किया जाना इन नियमों द्वारा अपेक्षित है, इन भाग के पैरा 2 द्वारा अपेक्षित परीक्षाओं के अतिरिक्त जल के नौरोहण डेक तक, अधिकतम उत्थापन गति से, इन नियमों द्वारा अपेक्षित उपस्कर और 1016 कि. ग्रा. के वितरित भार घन कुल दस प्रतिशत उत्थापन भार, जिसमें दराबी और रस्से भी सम्मिलित है, आपात रक्षा नौका के उत्थापन द्वारा परीक्षित की जाएगी।

**पन्ध्रहवीं अनुसूची**

[निर्गम 60 (16) (ग) देखिए]

**रक्षा नौका को खोलने वाले गियर**

1. रक्षा नौका को खोलने वाले गियर की इस प्रकार व्यवस्था की जाएगी कि रक्षा नौका के दोनों सिरों की एक साथ निर्मुक्ति सुनिश्चित हो जाए।

2. निर्मुक्ति करने वाले साधन पीछे रखे जाएंगे।

3. गियर इस प्रकार का होगा जो रक्षा नौका की जब वह जल ग्राहित हो, निर्मुक्ति करेगा।

4. गियर इस प्रकार का होगा जो, यदि श्रृंखला या रस्सों पर नौकर्षण तनाव हो तो निर्मुक्ति करे।

5. हुक, ऐसे यथोचित प्रकार के होंगे कि हाथ से तुरन्त खोले जा सकें।

6. हुक के दराबी की अनी, छल्ला या श्रृंखला से लगा भ्यान उस स्थान से नीचे नहीं होगा जहाँ साधारण स्थायी हुक लगे हो।

7. गियर और निर्मुक्ति करने के लिए यंत्र इस प्रकार सन्निहित और व्यवस्थित होंगे जो बिना किसी सुरक्षा पिन के रक्षा नौका की सुरक्षा सुनिश्चित करें।

8. (क) (1) निर्मुक्ति करने के लिए साधन, कर्षण या रस्सी छोड़ना या लीवर का प्रयोग करना होगा। यदि निर्मुक्ति



रस्मी के कर्षण द्वारा की जाती है तो रस्मी समुचित रूप से आधान में रखी जाएगी, और

(2) जब कभी, गियर की सुरक्षा के लिए या दक्षतापूर्ण कार्य के लिए या क्षति से व्यक्तियों के संरक्षण के लिए आवश्यक हो तो हुकों के बीच और अन्य संयोजन भी आधान में रखे जाएंगे।

(स्) रस्मी मार्गदर्शकों की, रस्मियों का कट जाना या जाम होना विचारित करने के लिए समुचित रूप से व्यवस्था की जाएगी और रक्षा नौका के स्थायी भागों से मजबूती से संलग्न होंगे। जहां दक्षता के लिए आवश्यक है वहां रस्मियों में जंजीर लगी होगी।

9. गियर के ऐसे भाग, जिनके जंग या संरक्षण या अन्यथा जकड़ जाने की संभावना है, असंक्षारणीय धातु के बने होंगे।

10. रक्षा नौका का भार उठाने वाले गियर का कोई भी भाग ढलवा धातु से नहीं बनाया जाएगा।

11. लकड़ी के छोटे छोटे टुकड़े और सभी भाग रक्षा नौका का भार सम्भालते हैं, उनका बटक माप और अनुपात, सर्वाधिक भार से लदी हुई रक्षा नौका के, जिसमें गियर का लगा होना आवश्यक है, भार के कम से कम 2-1/2 गुना भार के अनुपात में भंडारण सामर्थ्य की व्यवस्था करने के लिए डिजाइन किए जाएंगे।

#### सोलहवीं अनुसूची

#### [नियम 68 (1) देखिए]

1. हर पोत का छतरी संकट संकेत एक चमकीली लाल तारक से बना होगा जो राकेट द्वारा अपेक्षित ऊंचाई से प्रक्षिप्त किया जाएगा और जो गिरने समय जले। इसके गिरने की दर प्रति सेकंड 4.5 मीटर की औसत दर तक छतरी द्वारा नियंत्रित होगी।

2. (1) जब राकेट लगभग उर्ध्वधरतः फायर किया जाता है तो तारक और छतरी, 229 मीटर की न्यूनतम ऊंचाई पर प्रक्षेप पथ के क्षीर्ष पर या सामने उत्क्षिप्त होंगी।

(2) इसके अतिरिक्त राकेट क्षतिज से 45 डिग्री के कोण पर फायर किए जाने पर कार्य करने में समर्थ होगा।

3. (1) तारक कम से कम 40 सेकंड के लिए कम से कम 30,000 कैंडल शक्ति की वीप्ति से जलेगा।

(2) वह समग्र मतह से कम से कम 46 मीटर की ऊंचाई पर जल जाएगा।

4. (1) छतरी ऐसे आकार की होगी कि जलते हुए तारक के गिरने की दर के अपेक्षित नियंत्रण की व्यवस्था करे।

(2) यह नम्य अग्निरोधक कवच द्वारा तारक से संलग्न होगी।

5. (1) राकेट किसी भी यथोचित रीति से प्रज्वलित हो सकेगा।

(2) यदि सेफ्टी फ्यूज द्वारा वाह्य प्रज्वलन किया गया हो तो सेफ्टी फ्यूज का बाहरी सिरा दियासलाई संरचना से अलग लगे हुए फरबल धातु से ढका हुआ होगा और एक पृथक् स्टार्ड-कर प्रत्येक राकेट से यथोचित रूप से संलग्न होगा।

6. दियासलाई संरचना, स्टार्डकर संरचना, फरबल और राकेट की समस्त बाह्य स्तह जलसह होगी।

7. राकेट एक मिनट तक जल निमग्न रहने के पश्चात और हिलाने से, लगे हुए जल के हटाने के पश्चात समुचित रूप से कार्य करने में समर्थ होगा।

8. सभी संबटक, संरचनाएं और अवयव ऐसे स्वरूप और ऐसी क्वालिटी के होंगे जो राकेट को कम से कम दो वर्ष की अवधि तक अच्छी औसत भंडारण दशाओं के अधीन उसका उपयोग बनाए रखने में समर्थ बनाएं।

9. (1) राकेट ऐसे आधान में पैक किया जाएगा जो टिकाऊ, आर्द्रतासह और प्रभावशाली रूप से मूलाबन्ध होगा।

(2) यदि धातु का बना हो तो अधन अच्छा कलाईदार और लेकर किया हुआ या संरक्षण से अन्यथा पर्याप्त रूप से संरक्षित होगा।

10. वह तरीका जिसको राकेट भरा जाता है राकेट और आधान पर अमिट रूप से स्टाम्पित की जाएगी।

11. प्रयोग के लिए स्पष्ट और संक्षिप्त निर्देश अंग्रेजी और हिन्दी भाषा में राकेट पर अमिट रूप से मुद्रित किए जाएंगे।

[फा. सं. एस डब्ल्यू/5-एम एस आर (11)/78-एम.ए.]

अनुराग भटनागर, अधर सचिव

### MINISTRY OF SHIPPING AND TRANSPORT

#### (Shipping Wing)

New Delhi, the 21st December, 1982

#### NOTIFICATION

#### MERCHANT SHIPPING

**G.S.R. 769(E).**—Whereas a draft of the Merchant Shipping (Life Saving Appliances) Rules was published as required by sub-section (1) of section 288 of the Merchant Shipping Act, 1958 (44 of 1958) in the Gazette of India in Part II, Section 3, Sub-Section (i) dated 10-7-1982 under the notification of Government of India in the Ministry of Shipping & Transport No. G.S.R. 608 dated the 15-6-1982 inviting objections and suggestions from all the persons likely to be affected thereby within forty-five days from the date of publication of the said notification in the Official Gazette;

And whereas the said Gazette was made available to the public on the 20-9-1982

And whereas no objections or suggestions have been received;

Now therefore in exercise of the powers conferred by Sub section (1) and clauses (a), (b), (c) (d), (e), (f), (g), (h), (i), (j) and (n) of Sub-section (2) of Section 288 read with clause (k) of Sub-section (2) of Section 435 and Section 457 of the Merchant Shipping Act, 1968, (44 of 1958) and in supersession of the Indian Merchant Shipping (Life Saving Appliances) Rules, 1956, the Central Government hereby makes the following rules, namely :—

(d) "Certificate Lifeboatman" means any members of the crew who holds a certificate of efficiency issued under the Mer-

chant Shipping (Life Boatman's Qualifications and Certificates) Rules, 1963;

- (e) "Class 'C' boat" means a boat which complies with the provisions of the First Schedule ;
- (f) "fair weather season" means—
  - (i) in the Arabian Sea, the season from the 1st September to the 31st May; and
  - (ii) in the Bay of Bengal the season from the 1st December to the 30th April;
- (g) "foul weather season" means—
  - (i) in the Arabian Sea, the season from the 1st June to the 31st August; and
  - (ii) in the Bay of Bengal, the season from the 1st May to the 30th November;
- (h) "Inflatable liferaft" means a liferaft complying with the requirements of Part I of the Second Schedule;
- (i) "International voyage" has the same meaning assigned to it in the Act;
- (j) "Launching appliance" means an appliance complying with the requirements of the Third Schedule;
- (k) "Length" in relation to a registered ship means registered length and in relation to an unregistered ship means the length from the fore part of the stern to the aft side of the head of the stern post, or if no stern post is fitted to take the rudder, to the foreside of the rudder stock at the point where the rudder stock passes out of the hull;
- (l) "Lifeboat" means a boat complying with the requirements of the Fourth Schedule ;
- (m) "Liferaft" means a liferaft complying with the requirements of the Second Schedule ;
- (n) "Technically propelled lifeboat" means lifeboat complying with the provisions of rule 46;
- (o) "motor lifeboat" means lifeboat complying with the requirements of rule 45;
- (p) "person" in relation to these rules means any person above the age of one year and includes ship's crew and officers;
- (q) "rigid liferaft" means a liferaft complying with the requirements of Part II of the Second Schedule ;

(r) "Schedule" means a Schedule to these rules;

(s) "short international voyage" means an international voyage in the course of which a ship is not at any time more than 200 nautical miles away from a port or place where the passengers and crew could be placed in safety and which does exceed 600 nautical miles in length between last port of call in a country where the voyage being and the final port of destination.

3. Classification of ships.—For the purposes of these rules, ships shall be arranged in the following classes, namely :—

A — Passenger Ships	
Class I	—Passenger ships engaged on international voyages other than ships of Class III.
Class II	—Passenger ships engaged on short international voyages other than ships of Class IV.
Class III	—Special Trade Passenger Ships engaged on international voyages.
Class IV	—Special Trade Passenger ships engaged on short international voyages.
Class V	—Special Trade Passenger ships (other than ships of Classes VI & VII) engaged on voyages other than international voyages.
Class VI	—Special Trade Passenger ships engaged on voyages on the coasting trade of India during the course of which they do not go more than 20 miles from the nearest land : Provided that such ships shall not cease to be ships of Class VI merely by reason of the fact that they cross during their voyage the Gulf of Kutch, Cambay or Mannar.
Class VII	—Special Trade Passenger ships engaged on voyages in fair season between port in India during the course of which they do not go more than 5 miles from nearest land.
B —Ships other than Passenger Ships	
Class VIII	—Cargo ships engaged on international voyages.
Class IX	—Cargo ships (other than ships of Class X) engaged on voyages which are not international.
Class X	—Cargo ships engaged on the coasting trade of India (other than ships of Class IX) during the course of which they do not go more than 20 miles from the nearest land : Provided that such ships shall not cease to be ships of Class X merely by reason of the fact that they cross during their voyage the Gulf of Kutch, Cambay or Mannar.
Class XI	—Cargo ships engaged on voyages during the fair weather season between ports in India during the course of which they do not go more than 5 nautical miles from the nearest land.
Class XII	—Lugs tenders, launches lighters, dredgers, berges and hoppers which go to sea.

Class XIII	—Fishing vessels other than those of Class XIV.
Class XIV	—Sailing vessels including sailing fishing boats.
Class XV	—Pleasure yachts.

4. Ships of Class I—(1) This rule shall apply to ships of Class I.

(2) Every ship of class I shall carry—

- (a) On each side of the ship, such number of life-boats as would be of sufficient aggregate capacity to accommodate on half the total number of persons the ship is certified to carry; or
- (b) lifeboats and lifecrafts in such number as would be sufficient to provide together aggregate capacity to accommodate the total number of persons the ship is certified to carry :

Provided further that in the case of a ship the keel of shall never be less than necessary to accommodate 37-1/2 per cent of the total number of persons the ship is certified to carry :

Provided further that in the case of a ship the keel of which was laid before the 26th day of May, 1965, the provisions of this clause shall apply only if the number of persons the ship is certified to carry is not increased for the reason that the liferafts available on board are adequate for such increased number.

(3) (a) On every ship, two of the lifeboats required under sub-rule (2) shall be kept ready, one on each side of the ship, for immediate use in an emergency while the ship is at sea.

(b) None of the two lifeboats referred to in clause (a) shall be of more than 8.5 metres in length but they may be motor lifeboats or lifeboats and, may be counted for the purpose of compliance with sub-rule (4).

(c) Notwithstanding the provisions of sub-rule (13) of rule 60 skates or other suitable appliances are not required to be fitted to these lifeboats.

(4) Every ship shall carry on each side of the ship at least one motor lifeboat :

Provided that a ship which is certified to carry not more than 30 persons shall be required to carry only one such motor lifeboat.

(5) (a) In every ship which is certified to carry 1500 persons or more each of the motor lifeboats carried in compliance with sub-rule (4) shall be provided with the equipment specified in sub-rule (1) of rule 56.

(b) In every ship which is certified to carry more than 199 but less than 1500 persons, at least one of the motor lifeboats carried in compliance with sub-rule (4) shall be provided with the equipment specified in sub-rule (1) of rule 56.

(c) Every motor lifeboat carried in compliance with this rule shall be provided with a search-light referred to in sub-rule (2) of rule 56.

(6) Every ship which does not carry on each side of the ship a motor lifeboat as required under clause (a) of sub-rule (5) shall also carry a portable radio equipment which shall comply with the provisions of rule 65.

(7) Every Lifeboat carried in compliance with this rule shall not be less than 7.3 metres in length.

(8) In every ship, each lifeboat shall be attached to a separate set of davits which shall be of the gravity type except that the davits of luffing type may be fitted for operating lifeboats weighing not more than 230 kgs. in their turning out condition.

(9) (a) The liferafts carried in compliance with clause (b) of sub-rule (2) shall be served by launching appliance.

(b) On each side of the ship, there shall at least be one such appliances and the difference between the number of appliances fitted on each side shall never exceed one.

(10) Every ship shall carry liferafts which may not be served by launching appliances of sufficient capacity to accommodate 25 per cent of the total number of persons the ship is certified to carry together with the buoyant apparatus for 3 per cent of that number :

Provided that—

(a) If liferafts are also carried in compliance with clause (b) of sub-rule (2), all liferafts carried by the ship shall be of a type capable of being launched by the Launching appliance fitted on the ship in compliance with sub-rule (9) and

(b) a ship which has a factor of sub-division of 0.33 or less may carry in lieu only buoyant apparatus for 25 per cent of the total number of persons it is certified to carry.

(11) (a) Every ship shall carry a minimum number of lifebuoy in accordance with the following Table :—

TABLE :	
Length of the ship in metres	Minimum number of lifebuoys required to be fitted
Less than 61 metres	8
61 metres and over but less than 122 metres.	12
122 metres and over but less than 183 metres.	18
183 metres and over but less than 244 metres.	24
244 metres and over.	30

(b) At least one half of the total number of lifebuoys so carried, subject to a minimum of 6, shall be provided with efficient self-igniting lights.

(c) At least two of the lifebuoys provided with self-igniting lights shall also be provided with an efficient self-activating smoke signal of a highly visible colour lasting for not less than 15 minutes and lifebuoys so provided with smoke signals shall be capable of quick release from the navigating bridge.

(d) At least one lifebuoy on each side of the ship shall be provided with a buoyant life line of at least 27.5 metres in length.

(12) (a) Every ship shall carry—

- (i) a life jacket complying with the requirements of Part I of the Fifth Schedule for every person on board or, as the case may be, for the number of persons it is certified to carry, whichever is more ; and
- (ii) a life-jacket complying with the requirements of Part II of the Fifth Schedule for at least ten per cent of the total number of persons the ship is certified to carry;

(b) Every ship, in addition to life-jacket carried in compliance with clause (a), shall also carry life-jackets complying with the requirements of Part I of the Fifth Schedule for at least five per cent of the number of persons it is certified to carry and such life-jackets, shall be stowed on deck at a suitable place which shall be conspicuously marked.

(13) Every ship shall carry an approved line throwing appliance.

(5) Ships of Class II.—(1) This rule shall apply to ship of Class II.

(2) (a) Every ship shall be fitted, in accordance with its length, with the minimum number of sets of davits specified in column A of the Table set out in Sixth Schedule ; and

(b) Where the Central Government is so satisfied, it shall permit a smaller number of sets of davits to be provided on a ship, so however, that the number of sets of davits shall never be less than the minimum specified in column B of the Sixth Schedule :

Provided that no ship shall be required to be fitted with a number of sets of davits which is greater than the number of lifeboats required to accommodate the total number of persons the ship is certified to carry.

(3) A lifeboat shall be attached to every such set of davits and the lifeboats so attached shall, subject to the provisions of sub-rule (8), together

provide at least the capacity specified in column C of the Table set out in the Sixth Schedule, or the capacity required to accommodate the total number of persons, which it is certified to carry, if the latter be less.

(4) (a) On every ship, two of the lifeboats required under sub-rule (3) shall be kept ready, one on each side of the ship, for immediate use in an emergency while the ship is at sea.

(b) None of the two lifeboats referred to in clause (a) shall be more than 8.5 metres in length but they may be motor lifeboats or lifeboats and may be counted for the purpose of compliance with sub-rule (5).

(c) Notwithstanding the provisions of sub-rule (13) of rule 60, skates or other suitable appliances shall not be required to be fitted to these lifeboats.

(5) Every ship shall carry on each side of the ship at least one motor lifeboat :

Provided that ship which is certified to carry not more than 30 persons shall be required to carry only one such motor lifeboat.

(6) Subject to the provisions of sub-rules (7) and (8), when the lifeboats carried in compliance with sub-rule (3) do not accommodate the total number of persons the ship is certified to carry, additional sets of davits with a lifeboat attached to each, shall be fitted to make up the deficiency in such accommodation.

(7) If in the opinion of the Central Government the volume of the traffic so requires, it may permit any ship, which is subdivided in accordance with the provisions of rules made under section 284 of the Act, to carry persons in excess of the lifeboat capacity provided on that ship in compliance with sub-rule (3) :

Provided that

(a) When such ship is permitted by the Central Government to proceed to sea from a port or place in India on an international voyage exceeding 600 miles but not exceeding 1200 miles from the last port or place of call in India to the port or place of final destination outside India, it shall carry lifeboats attached to davits affording accommodation for least seventy-five per cent of the persons on board;

(b) in all cases the number of liferafts to be carried shall be such as to ensure that total number of lifeboats together with liferafts shall be sufficient to accommodate the total number of persons the ship is certified to carry or is permitted to carry ; and

(c) if in any such ship a two-compartment standard of sub-division is not achieved



throughout, it shall carry liferafts of sufficient aggregate capacity to accommodate ten per cent of the persons which it is certified to carry or is permitted to carry, such liferafts being in addition to those required to be provided in compliance with clause (b) of this proviso or with clause (b) of the proviso to sub-rule (8), as the case may be, and with sub-rule 12.

(8) Where it is shown to the satisfaction of the Central Government that it is impracticable in any ship engaged on a short international voyage to stow satisfactorily the liferafts required to be carried in pursuance of sub-rule (7) without reducing the number of lifeboats, the Central Government may permit the number of sets of davits required to be fitted under sub-rule (2) and also the number of lifeboats required to be attached to davits under sub-rule (3) to be reduced.

Provided that,—

- (a) in the case of a ship exceeding 58.5 metres in length the number of lifeboats to be carried shall never be less than four, two of which shall be on each side of the ship and in the case of ship of less than 58.5 metres in length the number of lifeboats to be carried shall be less than two, one of which shall be carried on each side of the ship;
- (b) in all cases the number of lifeboats and liferafts shall always be sufficient to accommodate the total number of persons the ship is certified or permitted to carry; and
- (c) in the case of a ship in which the aggregate capacity of the lifeboats carried on board is less than the capacity specified in column C of the Table set out in the Sixth Schedule additional liferafts of the type capable of being launched by the appliances referred to in sub-rule (2) of rule 61 shall be provided; and
- (d) the number of liferafts so provided shall be such as to ensure that the total capacity of liferafts is at least equal to the number obtained by dividing by 10 the difference between the aggregate cubic capacity of the lifeboats and the cubic capacity specified in column C of the Sixth Schedule, subject to the condition that—
  - (i) such additional liferafts shall be sufficient for accommodating at least 40 persons;
  - (ii) at least one launching appliance is provided on each side of the ship; and

(iii) the difference between the number of launching appliances fitted on each side of the ship does not exceed one.

(9) In every ship the lifeboats carried in compliance with this rule shall not be of less than 7.3 metres in length.

(10) In every ship the davits required to be carried in compliance with this rule shall be of the gravity type except that luffing type davits may be fitted for operating lifeboats weighing not more than 2300 Kgms. in their turning out condition.

(11) Every ship which does not carry on each side of the ship a motor lifeboat provided with equipment specified in sub-rule (1) of rule 56, shall also carry a portable radio equipment which shall comply with the provisions of rule 65 :

Provided that if in the case of any ship the Central Government is satisfied that the duration of a voyage is such as to render the carriage of a portable radio requirement unnecessary, it may permit the requirement of this rule to be dispensed with.

(12) Every ship shall in addition to any lifeboats carried in pursuance of sub-rule (7) and (8), carry additional liferafts sufficient to accommodate ten per cent of the total number of persons for whom lifeboat accommodation is provided in the ship.

(13) Every ship shall carry buoyant apparatus sufficient to support five per cent of the total number of person the ship is certified to carry.

(14) (a) Every ship shall carry at least the number of lifebuoys determined in accordance with the following Table :—

TABLE

Length of the ship in metres	Minimum number of lifebuoys required to be carried
Less than 61 metres	8
61 metres and over but less than 122 metres	12
122 metres and over but less than 183 metres	18
183 metres and over but less than 244 metres	24
244 metres and over	30

(b) At least one-half the total number of lifebuoys so carried subject to a minimum of six, shall be provided with efficient self-igniting lights.

(c) At least two of the lifebuoys provided with self-igniting lights shall also be provided with an efficient self-activating smoke signal of highly visible colour lasting for not less than 15 minutes and lifebuoys so provided with smoke signals shall be capable of quickrelease from the navigating bridge.

(d) At least one lifebuoy on each side of the ship shall be provided with buoyant life line of at least 27.5 metres in length.

(15) (a) Every ship shall carry—

- (i) a life-jacket complying with the requirements of Part I of the Fifth Schedule for every person on board or, as the case may be, for the number of persons it is certified to carry, whichever is more; and
- (ii) a life-jacket complying with the requirements of Part II of the Fifth Schedule for at least ten per cent of the total number of persons the ship is certified to carry;

(b) Every ship, in addition to life-jackets carried in compliance with clause (a), shall also carry life-jackets complying with the requirements of Part I of the Fifth Schedule for at least five per cent of the number of persons the ship is certified to carry and such life-jackets shall be stowed on deck at a suitable place which shall be conspicuously marked.

(16) Every ship, carry an approved line throwing appliance.

6. Ships of Class III.—(1) This rule shall apply to ships of Class III.

(2) Every ship of Class III shall carry —

- (a) on each side of the ship, such number of lifeboats as would be of sufficient aggregate capacity to accommodate one-half of the total number of person the ship is certified to carry; or
- (b) lifeboats and liferafts in such number as would be sufficient to provide together aggregate capacity to accommodate the total number of persons the ship is certified to carry :

Provided that lifeboats carried on each side of the ship shall never be less than necessary to accommodate 35 per cent of the total number of persons the ship is certified to carry.

(3) (a) On every ship, two of the lifeboats required under sub-rule (2) of this rule shall be kept ready, one on each side of the ship, for immediate use in an emergency while the ship is at sea.

(b) None of the lifeboats referred to in clause (a) shall be more than 8.5 metres in length but they may be motor lifeboats or lifeboats and may be courted for the purpose of compliance with sub-rule (4).

(c) Notwithstanding the provisions of sub-rule (13) of rule 60, skates or other suitable appliances are not required to be fitted to these lifeboats.

(4) Every ship shall carry on each side of the ship at least one motor lifeboat :

Provided that a ship which is certified to carry not more than 30 persons shall be required to carry only one such motor lifeboat.

(5) (a) In every ship which is certified to carry 1500 persons or more each of the motor lifeboats carried in compliance with sub-rule (4) shall be provided with the equipment specified in sub-rule (1) of rule 56.

(b) In every ship which is certified to carry more than 199 but less than 1500 persons, at least one of the motor lifeboats carried in compliance with sub-rule (4) shall be provided with the equipment specified in sub-rule (1) of rule 56.

(c) Every motor lifeboat on board a ship, the keel of which was said on or after the 26th day of May, 1965 carried in compliance with this rule may be provided with a search light referred to in sub-rule (2) of rule 56.

(6) Every ship which does not carry on each side of the ship a motor lifeboat as required under clause (a) of subrule (5) shall also carry a portable radio equipment which shall comply with the provisions of rule 65.

(7) Every lifeboat carried in compliance with this rule shall not be less than 7.3 metres in length.

(8) In every ship, each lifeboat shall be attached to a separate set of davits which shall be of gravity type except that the davits of luffing type may be fitted for operating lifeboats or boats, as the case may be, weighting not more than 2300 Kgms, in their turning out condition.

(9) Every ship shall carry liferafts and buoyant apparatus of sufficient capacity to accommodate twenty-five per cent of the total number of persons the ship is certified to carry :

Provided that the number of liferafts as carried on board any ship under this rule shall be sufficient to accommodate at least ten per cent of the total number of persons the ship is certified to carry.

(10) (a) Every ship shall carry minimum number of life buoys in accordance with the following table :

TABLE	
Length of the ship in metres	Minimum number of lifebuoys required to be carried
Less than 61 metres	8
61 metres and over but less than 122 metres	12
122 metres and over but less than 183 metres	18
183 metres and over but less than 244 metres	24
244 metres and over	30

(b) At least one-half of the total number of lifebuoys so carried, subject to minimum of six, shall be provided with efficient self-igniting lights.

(c) At least two of the lifebuoys provided with self-igniting lights shall also be provided with an efficient self activating smoke signal capable of producing smoke of a highly visible colour lasting for less than 15 minutes and lifebuoys so provided with smoke signals shall be capable of quick release from the navigating bridge.

(d) At least lifebuoy on each side of the ship shall be provided with a buoyant life line of at least 27.5 metres in length.

(11) (a) Every ship shall carry—

(i) a life-jacket complying with the requirements of Part I of the Fifth Schedule for every person on board or as the case may be, for the number of persons it is certified to carry, whichever is more; and

(ii) a life-jacket complying with the requirements of Part II of the Fifth Schedule for at the least ten per cent of the number of persons the ship is certified to carry.

(b) Every ship, in addition to life-jackets carried in compliance with clause (a), shall also carry life-jackets complying with the requirements of Part I of the Fifth Schedule for at least 5 per cent of the number of persons it is certified to carry and such life-jackets shall be stowed on deck at a suitable place which shall be conspicuously marked.

(12) Every ship shall carry an approved line throwing appliance.

7. Ships of class IV.—(1) This rule apply to ships of Class IV.

(2) (a) Every ship shall be fitted, in accordance with its length, with the minimum number of sets of davits specified in column A of the Table set out in the Sixth Schedule.

(b) Where the Central Government is so satisfied, it shall permit a smaller number of sets of davits to be provided on a ship so however that the number of sets of davits shall never be less than the minimum specified in column B of the Sixth Schedule :

Provided that no ship will be required to be fitted with a number of sets of davits which is greater than the number of lifeboats required to accommodate the total number of persons the ship is certified to carry.

(3) A lifeboat shall be attached to each set of davits, and the lifeboats so attached shall together provide at least the capacity specified in column C of the Table set out in the Sixth Schedule, or the capacity required to accommodate the

total number of persons which the ship is certified to carry, if the latter be less.

(4) (a) On every ship, two of the lifeboats required under sub-rule (3), shall be kept ready, one of each side of the ship, for immediate use in an emergency, while the ship is at sea.

(b) None of the two lifeboats referred to in clause (a) shall be more than 8.5 meters in length but they may be motor lifeboats or lifeboats and may be counted for the purpose of compliance with rule (5).

(c) Notwithstanding the provisions of sub-rule (13) of rule 60, skates or suitable appliances shall not be required to be fitted to these lifeboats or boats.

(5) Every ship shall carry at least one motor lifeboat.

(6) Where the lifeboats, carried in compliance with sub-rule (3) do not accommodate the total number of persons on board, life rafts suitably placed shall be provided so that the accommodation provided on lifeboats and life rafts sufficient for all persons, on board.

(7) Notwithstanding anything contained in sub-rule (6) no ship of Class IV shall carry persons on board in excess of lifeboat capacity unless it is so permitted by the Central Government for the reasons of volume of traffic containing at the relevant time

(8) Where under the provisions of sub-rule (7) a ship is permitted to carry persons on board in excess of lifeboat capacity and the Central Government is satisfied that it is impracticable in that ship to stow the lifeboats required to be carried in accordance with sub-rule (6) without reducing the number of lifeboats, it may permit a reduction in the number of lifeboats to be carried by such ship :

Provided that—

(i) that number of lifeboats shall, in the case of a ship of 58 meters in length or over, never be less than four, two of which shall be carried on each side of the ship and in the case of a ship of less than 58 meters in length, the number of lifeboats so carried shall never be less than two, one of which shall be carried on each side of the ship;

(ii) the number of lifeboats and life rafts shall always be sufficient to accommodate the total number of persons on board; and

(iii) where lifeboats provided do not give capacity required by column C of the Table set out in the Sixth Schedule, the life rafts provided for making good the deficiency shall, as far as practicable, be capable of being launched from devices referred to in rule 61.

(9) If in the opinion of the Central Government the volume of the traffic so requires, it may permit any ship to proceed to sea from a port or place in India on an international voyage exceeding 600 miles but not exceeding 1200 miles from the last port or place of call in India to the port or place of final destination outside India :

Provided that —

(i) the ship carries lifeboats attached to davits according accommodation for at least 70 per cent of persons on board ;

(ii) the number of lifeboats and life rafts carried on board are sufficient to accommodate the total number of persons the ship is certified or permitted to carry.

(10) In every ship, lifeboats carried in compliance with this rule shall not be less than 7.3 meters in length.

(11) In every ship the davits required to be carried in compliance with this rule shall be of the gravity type except that luffing type davits may be fitted for operating lifeboats or boats weighing not more than 2300 Kgs, in their turning out condition.



(12) Every motor lifeboat carried in pursuance of sub-rule (5), shall carry a portable radio equipment which shall comply with the provisions of rule 65 :

Provided that if in the case of any ship or class of ships the Central Government is satisfied that the duration of voyage is such as to render the carriage of a portable radio equipment unnecessary it may permit the requirement of this sub-rule to be dispensed with.

(13) Every ship shall carry, in addition to the lifeboats and liferafts carried under sub-rule (6) or as the case may be sub-rule (9) liferafts and buoyant apparatus sufficient to accommodate ten per cent of the total number of persons the ship is certified to carry :

Provided that the number of liferafts, carried on board any ship under this sub-rule shall never be less than required to accommodate at least five per cent of the number of persons the ship is certified to carry.

(14) (a) Every ship shall carry at least the number of lifebuoys in accordance with the following Table :—

TABLE

Length of ship in metres	Minimum number of lifebuoys required to be carried
Less than 61 metres	8
61 metres and over but less than 122 metres	12
122 metres and over but less than 183 metres	18
183 metres and over but less than 244 metres	24
244 metres and over	30

(b) At least one-half the number of lifebuoys so carried subject to a minimum of six, shall be provided with efficient self-igniting lights.

(c) At least two of the lifebuoys provided with self-igniting lights shall also be provided with an efficient self-activating smoke signal capable of producing smoke of a highly visible colour for not less than 15 minutes and lifebuoys so provided with smoke signal shall be capable of quick release from the navigating bridge.

(d) At least one lifebuoy on each side of the ship shall be provided with a buoyant life line of at least 27.5 metres in length.

(15) (a) Every ship shall carry—

(i) a life-jacket complying with the requirements of Part I of the Fifth Schedule for every person on board or as the case may be, for the number of persons it is certified to carry, whichever is more; and

(ii) a life-jacket complying with the requirements of Part II of the Fifth Schedule for at least ten per cent of the total number of persons the ship is certified to carry.

(b) Every ship in addition to life-jackets, carried in compliance with clause (a), shall also carry life-jackets complying with the requirements of Part I of the Fifth Schedule for at least five per cent of the number of persons the ship is certified to carry and such life-jackets shall be showed in deck at a suitable place which shall be conspicuously marked

(16) Every ship shall carry an approved line throwing appliance.

8. Ships of Class V.—(1) This rule shall apply to ships of Class V.

(2) (a) Every ship shall be fitted in accordance with its length with the minimum number of sets of davits specified in column A of the Table set out in the Sixth Schedule.

(b) Where the Central Government is so satisfied it shall permit a smaller number of sets of davits to be provided

on a ship so however that the number of sets of davits shall never be less than the minimum number specified in column B of the Sixth Schedule :

Provided that no ship shall be required to be fitted with the number of sets of davits which is greater than the number of lifeboats required to accommodate the total number of persons the ship is certified to carry.

(3) A lifeboat shall be attached to each set of such davits and the lifeboat, so attached shall together provide at least the capacity specified in column C of the Table set out in the Sixth Schedule, or the capacity required to accommodate the total number of persons which the ship is certified to carry, if the later be less.

(4) Every ship shall carry at least one motor lifeboat.

(5) Such additional lifeboats and liferafts or buoyant apparatus shall be carried as shall be sufficient together with the lifeboats, carried in pursuance of sub-rule (3), for the total number of persons the ship is certified to carry :

Provided that lifeboats shall be carried to accommodate not less than twenty-five per cent of the total number of persons the ship is certified to carry.

(6) That lifeboats carried in compliance with this rule where reasonable and practicable shall not be less than 7.3 metres in length.

(7) Davits required to be fitted in compliance with this rule, shall be of the gravity type except that luffing type davits may be fitted for operating lifeboats or boats weighing not more than 2300 kgms, in their turning out condition.

(8) Every motor lifeboat carried in pursuance of sub-rule (4) shall carry a portable radio equipment which shall comply with the provisions of rule 65.

(9) (a) Every ship carry at least the number of lifebuoys in accordance with the following Table :—

TABLE

Length of the ship in metres	Minimum number of lifebuoy required to be carried,
Less than 61 metres	8
61 metres and over but less than 122 metres	12
122 metres and over but less than 183 metres	18
183 metres and over but less than 244 metres	24
244 metres and over	30

(b) At least half the number of lifebuoys so carried subject to a minimum of six, shall be provided with efficient self-igniting lights.

(c) At least one lifebuoy on each side of the ship shall be provided with a buoyant lifeline of at least 27.5 metres in length.

(10) (a) Every ship shall carry—

(i) a life-jacket complying with the requirements of Part I of the Fifth Schedule for every person on board or, as the case may be, for the number of persons it is certified to carry, whichever is more; and

(ii) a life-jacket complying with the requirements of Part II of the Fifth Schedule for at least ten per cent of the total number of persons the ship is certified to carry.

(b) Every ship, in addition to life-jackets carried in compliance with clause (a), shall also carry life-jacket complying with the requirements of Part I of the Fifth Schedule for



at least five per cent of the number of persons the ship is certified to carry and such life-jackets shall be stowed on deck at a suitable place which shall be conspicuously marked.

(11) Every ship shall carry an approval line throwing appliance.

9. Ships of Class VI.—(1) This rule applies to ships of Class VI.

(2) (a) Every ship shall be fitted, in accordance with its length, with the minimum number of sets of davits specified in Column A of the Table set out in the Sixth Schedule.

(b) Where the Central Government is so satisfied, it shall permit a smaller number of sets of davits to be provided on a ship, so however that the number of sets of davits shall never be less than the minimum number specified in Column B of the Table set out in the Sixth Schedule :

Provided that no ship will be required to be fitted with a number of sets of davits which is greater than the number of lifeboats required to accommodate the total number of persons the ship is certified to carry.

(3) A lifeboat shall be attached to each set of davits, and the lifeboats so attached shall together provide at least the capacity specified in Column C of the Table set out in the Sixth Schedule, or the Capacity requirements accommodate the total number of persons which the ship is certified to carry if the latter be less.

(4) Every ship shall carry at least one motor lifeboat.

(5) In every ship, lifeboats carried in compliance with this rule shall not be less than 7.3 metres in length.

(6) Where the lifeboats carried in compliance with sub-rule (3) do not accommodate the total number of persons on board, additional lifeboats liferafts or buoyant apparatus shall be carried so that accommodation provided on lifeboats liferafts and buoyant apparatus so carried is sufficient for all persons on board :

Provided that accommodation provided in lifeboats shall in no case be less than twenty-five percent of the total number of persons the ship is certified to carry

(7) Every motor lifeboat carried in pursuance of sub-rule (4) shall carry a portable radio equipment which shall comply with the provisions of rule 65 :

Provided that if in the case of any ship the Central Government is satisfied that the duration of the voyage is such as to render the carriage of a portable radio equipment unnecessary, it may permit the requirement of the sub-rule to be dispensed with.

(8) In every ship, the davits required to be carried in compliance with this rule shall be of gravity type except that luffing type davits may be fitted for operating lifeboats weighing not more than 2300 kilograms in their turning out condition.

(9) (a) Every ship shall carry at least the number of lifebuoys in accordance with the following Table :

TABLE

Length of the ship in metres	Minimum number of lifebuoys required to be carried
Less than 61 metres	8
61 metres over but less than 122 metres	17
122 metres and over but less than 183 metres	18
183 metres and over but less than 244 metres	24
244 metres and over	39

(b) At least one-half the number of lifebuoys so carried, subject to a minimum of six, shall be provided with efficient self igniting lights.

(10) Every ship shall carry—

(i) life-jacket complying with the requirements of Part I of the Fifth Schedule for every person on board, or, as the case may be, for the number of persons it is certified to carry, whichever is more and

(ii) a life-jacket complying with the requirements of Part II of the Fifth Schedule for at least ten per cent of the total number of persons the ship is certified to carry.

(11) Every ship shall carry an approved line throwing appliance.

10. Ships of Class VII.—(1) This rule applies to ships of Class VII.

(2) (a) Every ship shall be fitted, in accordance with its length with the minimum number of sets of davits specified in Column A of the Table set out in the Sixth Schedule.

(b) Where the Central Government is so satisfied, it shall permit a smaller number of sets of davits to be provided on a ship, so however that the number of sets of davits shall never be less than the minimum number specified in Column B of the Table set out in the Sixth Schedule.

Provided that no ship will be required to be fitted with a number of sets of davits which is greater than the number of lifeboats required to accommodate the total number of persons the ship is certified to carry.

(3) A lifeboat shall be attached to each set of davits and the lifeboats so attached shall together provide at least the capacity specified in Column C of the Table set out in the Sixth Schedule, or the capacity required to accommodate the total number of persons which the ship is certified to carry, if the latter be less.

(4) Where the lifeboats carried in compliance with sub-rule (3) do not accommodate the total number of persons on board, additional liferafts or buoyant apparatus shall be carried so that accommodation provided on lifebuoys, liferafts and buoyant apparatus so carried is sufficient for all persons the ship is certified to carry.

(5) In every ship, lifeboats carried in compliance with this rule shall, where reasonable and practicable be not less than 6 metres in length.

(6) In every ship the davits required to be carried in compliance with this rule shall be of the gravity type except that luffing type davits may be fitted for operating lifeboats weighing not more than 2300 kilograms in their turning out condition.

(7) (a) Every ship shall carry at least 8 lifebuoys.

(b) At least one-half the number of lifebuoys so carried shall be provided with efficient self-igniting lights.

(8) Every ship shall carry—

(i) a life-jacket complying with the requirements of Part I of the Fifth Schedule for every person on board, or, as the case may be, for the number of persons it is certified to carry whichever is more; and

(ii) a life-jacket complying with the requirements of Part II of the Fifth Schedule for at least ten per cent of the total number of persons the ship is certified to carry.

(9) Every ship shall carry an approved line throwing appliance.

11. Ships of Class VIII (less than 500 tons gross).—(1) This rule applies to ships of Class VIII being ships of less than 500 tons gross.

(2) Every such ship shall carry—

(a) on each side one or more lifeboat attached to davits of sufficient aggregate capacity to accommodate all persons on board; or

- (b) a lifeboat or Class C boat attached to davits capable of being launched from one side of the ship and at least two liferafts, of sufficient aggregate capacity to accommodate twice the number of persons on board.

(3) In every ship each lifeboat or Class C boat shall be attached to a separate set of davits which shall be of the gravity type or of the luffing type.

(4) Every such ship shall carry at least four lifebuoys one-half of which shall be provided with efficient self-igniting lights.

(5) Every such ship shall be provided with a portable radio equipment complying with the requirements of rule 65 :

Provided that the Central Government may, if it is satisfied that the duration of voyage is such as to render carriage of portable radio equipment unreasonable or unnecessary, exempt any ship from the requirement of this sub-rule.

(6) Every such ship shall be provided with an approved line throwing appliance.

(7) Every such ship shall carry,—

(i) a life jacket complying with the requirement of Part I of the Fifth Schedule for every person on board; and

(ii) a life-jacket complying with the requirements of Part II of the Fifth Schedule for every child on board.

12. Ships of Class VIII (500 tons gross or over but less than 1600 tons gross other than tankers).—(1) This rule applies to ships of Class VIII being ships of 500 tons gross or over but less than 1600 tons gross other than tankers.

(2) Every such ship shall carry,—

(a) (i) on each side one or more lifeboats attached to davits of sufficient aggregate capacity to accommodate all persons on board; or

(ii) a motor propelled Class C boat attached to davits or provided with launching device and arrangement for recovering the boat; and on each side liferafts of sufficient aggregate capacity to accommodate all persons on board; and

(b) liferafts of sufficient aggregate capacity to accommodate at least half the total number of persons on board.

Provided that in the case of any ship engaged on voyages between near neighbouring countries the Central Government may, if it is satisfied that the conditions of voyage are such as to render carriage of liferafts unreasonable or necessary, exempt such ship from complying with the requirement of this clause.

(3) Where the distance from the embarkation deck to water is more than 4.5 meters in any ship, the liferafts carried by such ship in accordance with clause (a) (ii) of sub-rule (2) shall be capable of being launched by launching device and there shall be provided at least one launching device on each side of the ship.

(4) In every ship each lifeboat or class C boat shall be attached to a separate set of davits which shall be of the gravity type except that davits of luffing type may be fitted for operating lifeboats, or as the case may be boats weighing not more than 2300 kilograms in their turning out condition.

(5) Every such ship shall carry at least eight lifebuoys one-half of which shall be provided with efficient self-igniting lights.

(6) Every such ship shall be provided with a portable radio equipment complying with the requirements of rule 65 :

Provided that the Central Government may if it is satisfied that the duration of the voyage is such as to render

carriage of portable radio equipment unreasonable or unnecessary, exempt any ship from the requirements of the sub-rule.

(7) Every such ship shall be provided with an approved line throwing appliance.

(8) Every such ship shall carry,—

(i) a life-jacket complying with the requirements of Part I of the Fifth Schedule for every person on board; and

(ii) a life-jacket complying with the requirements of Part II of the Fifth Schedule for every child on board.

13. Ships of Class VIII (1600 tons gross or over other than tankers).—(1) This rule applies to ships of Class VIII being ships of 1600 tons gross or over, other than tankers.

(2) Every such ship shall carry on each side thereof one or more lifeboats of sufficient aggregate capacity to accommodate all persons on board.

(3) In every such ship, the lifeboats carried in pursuance of sub-rule (2) shall not be less than 7.3 metres in length.

(4) In every such ship, one of the lifeboats carried in pursuance of sub-rule (2) shall be a motor lifeboat.

(5) In every ship, each lifeboat carried in pursuance of sub-rule (2) shall be attached to a separate set of davits which shall be of the gravity type except that luffing type davits may be fitted for operating lifeboats weighing not more than 2300 kilograms in their turning out condition.

(6)(a) Every such ship carry liferafts of sufficient aggregate capacity to accommodate at least half the total number of persons on board.

(b) In ships of 150 meters or over in length, with no midships super-structure there shall be carried one liferaft in addition to those carried in pursuance of the provision of clause (a), which shall be capable of accommodating at least six persons. Such liferaft shall be stowed as far forward as is reasonable and practicable.

(7) Every such ship shall carry at least 8 lifebuoys one half of which shall be provided with self-igniting lights.

(8) Every such ship shall be provided with an approved line throwing appliance.

(9) Every such ship shall carry a portable radio equipment complying with the requirements of rule 65.

(10) (a) Every such ship shall carry,—

(i) a life-jacket complying with the requirements of Part I of the Fifth Schedule for every person on board; and

(ii) a life-jacket complying with the requirements of Part II of the Fifth Schedule for every child on board.

14. Ships of class VIII (Tankers of 500 tons gross or over but less than 3000 tons gross).—(1) This rule applies to ships of Class VIII being tankers of 500 tons gross or over but less than 1600 tons.

(2) The provisions of rule 12 shall apply to tankers of 500 tons gross or over in the like manner as they apply to ships of Class VIII, being ships other than tankers, of 500 tons gross or over but less than 600 tons gross.

15. Ship of class VIII (tankers of 1600 tons gross or over but less than 3000 tons gross).—(1) This rule applies to ships of Class VIII being tankers of 1600 tons gross or over but less than 3000 tons gross.

(2) The provisions of rule 13 shall apply to tankers of 1600 tons gross or over but less than 3000 tons gross in the like manner as they apply to Class VIII ships being ships other than tankers of 1600 tons gross or more except that two of the lifeboats provided in pursuance of sub-rule

(2) of rule 13 shall be motor life boats which shall be carried out one on each side of the tanker.

16. Ships of Class VIII (Tankers of 3000 tons gross or over.—(1) This rule applies to ships of Class VIII being tons gross or over but less than 3000 tons gross in the like manner as they apply to Class VIII ships being ships other than tankers of 1600 tons gross, or more except that two of tankers of 3000 tons gross or over.

(2) Every such tanker shall carry on each side thereof atleast two lifeboats of sufficient aggregate capacity to accommodate the total number of persons on board.

(3) In every such tanker two of the lifeboats provided in pursuance of sub-rule (2) shall be carried aft and the remaining two amidships except that in tankers which have no amidships superstructure all lifeboats shall be carried aft :

Provided that in the case of any tanker without any amidships superstructure the Central Government may, if it is satisfied that it is impracticable to carry four lifeboats aft, permit carriage aft of only two lifeboats, one on each side, subject to the following conditions, namely :—

- (i) no lifeboat carried in pursuance of this provision shall exceed 8.5 metres in length;
- (ii) each lifeboat shall be stowed as far forward as practicable and atleast so far forward that the after end of the lifeboat is forward of the propellers by not less than one and a half times the length of the lifeboat ;
- (iii) each lifeboat shall be stowed as near the sea level as is safe and practicable ;
- (iv) liferafts of sufficient aggregate capacity to accommodate at least one-half the number of persons on board are carried in addition to those carried under sub-rule (7).

(4) Save as otherwise provided in proviso to sub-rule (3) every lifeboat carried on board any such tankers in pursuance of sub-rule (2) shall be of not less than 7.3 metres in length.

(5) Every lifeboat carried on board any such tanker in pursuance of sub-rule (2) shall be attached to a separate set of davits of the gravity type.

(6) Two of the lifeboats carried on board any such tanker in pursuance of sub-rule (2) shall be motor lifeboats which shall be carried one on each side of the tanker.

(7) (a) Every such tanker shall carry liferafts of sufficient aggregate capacity to accommodate atleast one-half the total number of persons on board.

(b) In tankers of 150 metres or over in length with no amidships superstructure, there shall be carried one liferaft in addition to those carried in pursuance of the provision of clause (a), which shall be capable of accommodating atleast six persons. Such liferaft shall be stowed as far forward as is reasonable and practicable.

(8) Every such tanker shall carry atleast eight lifebuoys one-half of which shall be provided with efficient self-igniting lights.

(9) Every such tanker shall be provided with a portable radio equipment complying with the requirements of rule 65.

(10) Every such tanker shall be provided with an approved line throwing appliance.

(11) Every such tanker shall carry—

- (i) a life-jacket complying with the requirements of Part I of the Fifth Schedule for every person on board; and
- (ii) a life-jacket complying with the requirements of part II of the Fifth Schedule for every child on board.

17. Ships of Class IX.—(1) This rule applies to ships of Class IX being ships of less than 500 tons gross.

(2) Every such ship shall carry—

- (i) one or more lifeboats attached to davits of sufficient aggregate capacity to accommodate all persons on board ; and
- (ii) a motor propelled class C boat attached to davits or provided with launching device and arrangement for recovering the boat.

(3) (a) Every such ship shall carry liferafts of sufficient aggregate capacity to accommodate all persons on board. In addition, it shall carry liferafts sufficient to accommodate half the persons on board ;

Provided that in the case of any ship engaged on voyages between near neighbouring countries, the Central Government may, if it is satisfied that conditions of the voyage are such as to render carriage of additional liferafts unreasonable or unnecessary, exempt such ship from carrying additional liferafts under this sub-rule.

(b) The liferafts carried in pursuance of clause (a) shall be so stowed that they can be readily transferred to water from either side of the ship.

(4) Every such ship shall carry atleast four lifebuoys one-half of which shall be provided with efficient self-igniting lights.

(5) Every such ship shall carry an approved line throwing appliance.

(6) Every such ship shall carry—

- (i) a life-jacket complying with the requirements of Part I of the Fifth Schedule for every person on board; and
- (ii) a life-jacket complying with the requirements of Part II of the Fifth Schedule for every child on board.

18. Ships of Class IX (500 tons gross or over but less than 1600 tons gross).—This applies to ships of Class IX, being ships of 500 tons gross or over but less than 1600 tons gross.

(2) Every such ship shall carry—

- (a) (i) on each side one or more lifeboats attached to davits of sufficient aggregate capacity to accommodate all persons on board; or
- (ii) a motor propelled Class C boat attached to davits or provided with launching device and arrangement for recovering the boat; and on each side liferafts of sufficient aggregate capacity to accommodate all persons on board; or
- (b) liferafts of sufficient aggregate capacity to accommodate atleast half the total number of persons on board ;

Provided that in the case of any ship engaged on voyages between near neighbouring countries the Central Government may, if it is satisfied that the conditions of voyage are such as to render carriage of liferafts unreasonable or unnecessary, exempt such ship from complying with the requirement of this clause.

(3) Every such ship shall carry 8 lifebuoys one half of which shall be provided with efficient self-igniting lights.

(4) Every such ship shall carry a portable radio equipment complying with the requirement of rule 65 :

Provided that the Central Government may, if it is satisfied that the duration of the voyage is such as to render the carriage of portable radio equipment unreasonable or unnecessary, exempt any ship from the requirement of this sub-rule.

(5) Every such ship shall be provided with an approved line throwing appliance.

(6) Every such ship shall carry—

- (i) a life-jacket complying with requirements of Part I of the Fifth Schedule for every person on board; and



- (ii) a life-jacket complying with the requirement of Part II of the Fifth Schedule for every child on board.

(19) Ships of Class IX (1600 tons gross or over).—(1) This rule applies to ships of Class IX, being ships of 1600 tons gross or over.

(2) The provisions of rule 13 shall apply to ships of Class IX of 1600 tons and over in the like manner as they apply to ships of Class VIII of 1600 tons and over.

20. Ships of Class X.—(1) This rule applies to ship of Class X, being ships less than 25 metres in length.

(2) Every such ship shall carry—

- (a) a Class C boat of sufficient aggregate capacity to accommodate all persons on board; or
- (b) liferafts of sufficient aggregate capacity to accommodate all persons on board; or
- (c) buoyant apparatus to support all persons on board.

(3) Every Class C boat, liferafts or buoyant apparatus carried in pursuance of sub-rule (2) shall be so stowed that it can be readily transferred to the water from either side of the ship.

(4) Every such ship shall carry atleast two lifebuoys one of which shall be provided with self-igniting lights.

(5) Every such ship shall carry—

- (i) a life-jacket complying with the requirements of Part I of the Fifth Schedule for every person on board; and
- (ii) a life-jacket complying with the requirements of Part II of the Fifth Schedule for every child on board.

21. Ships of Class X (ships of 25 metres in length or more but less than 35 metres in length).—(1) This rule applies to ships of Class X being ships of 25 metres in length or more but less than 35 metres in length.

(2) Every such ship shall carry a Class C boat so stowed that it can be readily transferred to the water from either side of the ship.

(3) Every such ship shall carry liferafts or buoyant apparatus or a combination of both of sufficient aggregate capacity to accommodate of, as case may be, to support all persons on board.

(4) Liferafts and buoyant apparatus carried in pursuance of sub-rule (3) shall be so stowed that they can be readily transferred to the water from either side of the ship.

(5) Every such ship shall carry atleast four lifebuoys one-half of which shall be provided with efficient self-igniting lights.

(6) Every such ship shall carry—

- (i) a life-jacket complying with the requirements of Part I of the Fifth Schedule for every person on board; and
- (ii) a life-jacket complying with the requirements of Part II of the Fifth Schedule for every child on board.

22. Ships of Class X (Ships of 35 metres or more but less than 45 metres in length).—(1) This rule applies to ships of Class X being ships of the 35 metres or more but less than 45 metres in length.

(2) Every such ship shall carry one or more Class C boats attached to davits of sufficient aggregate capacity to accommodate all persons on board.

(3) Every such ship shall carry liferafts or buoyant apparatus of sufficient aggregate capacity to accommodate all persons on board.

(4) Class C boats, liferafts and buoyant apparatus carried in pursuance of sub-rules (2) and (3) shall be so stowed that they can be readily transferred to the water from either side of the ship.

(5) Every such ship shall carry atleast four lifebuoys one-half of which shall be fitted with efficient self-igniting lights.

(6) Every such ship shall carry—

- (i) a life-jacket complying with the requirements of Part I of the Fifth Schedule for every persons on board; and
- (ii) a life-jacket complying with the requirements of Part II of the Fifth Schedule for every child on board.

(7) Every such ship shall be provided with an approved line throwing appliance.

23. Ships of Class X (Ships of 45 metres or over but less than 1600 tons gross).—(1) This rule applies to ships of Class X, being ships of 45 metres or over in length but less than 1600 tons gross.

(2) Every such ship shall carry—

- (a) one or more lifeboats of sufficient aggregate capacity to accommodate all persons on board and liferafts of sufficient aggregate capacity to accommodate all persons on board, or
- (b) a Class C boat attached to davits and atleast two liferafts, the boat and liferafts together of sufficient aggregate capacity to accommodate twice the number of persons on board.

(3) Life rafts carried in pursuance of sub-rule (2) shall be so stowed that they can be readily transferred to the water from either side of the ship.

(4) Every such ship shall carry atleast four lifebuoys, one-half of which shall be provided with efficient self-igniting lights.

(5) Every ship shall carry—

- (i) a life-jacket complying with the requirements of Part I of the Fifth Schedule for every person on board; and
- (ii) a life-jacket complying with the requirements of Part II of the Fifth Schedule for every child on board.

(6) Every such ship shall be provided with an approved line throwing appliance.

24. Ships of Class X (Ships of 1600 tons or over).—(1) This rule applies to ship of Class X, being ships of 1600 tons gross or over.

(2) The provisions of rule 18 shall apply to ships of Class X of 1600 tons gross or over in the like manner as they apply to ships of Class IX being ships of 500 tons gross or over but less than the 1600 tons gross.

25. Ships of Class XI.—(1) This rule applies to ships of Class XI being ships of less than 25 metres in length.

(2) Every such ship shall carry—

- (a) class C boat; or
- (b) liferafts; or buoyant apparatus of sufficient aggregate capacity to accommodate or, as the case may be, support all persons on board.

(3) Class C boat liferafts or buoyant apparatus carried in pursuance of sub-rule (2) shall be so stowed that they can be transferred to the water from either side of the ship.

(4) Every such ship carry atleast two life-buoys one half of which shall be provided with efficient self-igniting lights.

(5) Every such ship shall carry—

- (i) a life-jacket complying with the requirements of Part I of the Fifth Schedule for every person on board; and



- (ii) a life-jacket complying with the requirements of Part II of the Fifth Schedule for every child on board.

26. Ships of Class XI (ships of 25 metres or more but less than 35 metres).—(1) This rule applies to ships of Class XI, being ships of 25 metres or more but less than 35 metres in length.

- (2) Every such ship shall carry—

- (i) a Class C boat ; and

- (i) liferafts or buoyant apparatus of sufficient aggregate capacity to accommodate or, as the case may be, to support, all persons on board.

- (3) Class C boat liferafts and buoyant apparatus carried in pursuance of sub-rule (2) shall be stowed that they can be readily transferred to the water from either side of the ship.

- (4) Every such ship shall carry atleast four lifebuoys, one-half of which shall be provided with efficient self-igniting light.

- (5) Every such ship shall carry—

- (i) a life-jacket complying with the requirements of Part I of the Fifth Schedule for every person on board ; and

- (ii) a life-jacket complying with the requirements of Part II of the Fifth Schedule for every child on board.

27. Ships of Class XI (ships of 35 metres or more but less than 45 metres).—(1) This rule applies to ships of Class XI, being ships of 35 metres or more but less than 45 metres in length.

- (2) Every such ship shall carry—

- (i) one or more Class C boats attached to davits of sufficient aggregate capacity to accommodate all persons on board ; and

- (ii) liferafts or buoyant apparatus of sufficient aggregate capacity to accommodate or, as the case may be, support all persons on board.

- (3) Class C boats, liferafts and buoyant apparatus carried in pursuance of sub-rule (2) shall be so stowed that they may be readily transferred to the water from either side of the ship.

- (4) Every such ship shall carry atleast 4 lifebuoys, one-half of which shall be provided with efficient self-igniting lights.

- (5) Every such ship shall carry—

- (i) a life-jacket complying with the requirements of Part I of the Fifth Schedule for every person on board ; and

- (ii) a life-jacket complying with the requirements of part II of the Fifth Schedule for every child on board.

28. Ships of Class XI (ships of 45 metres or more but less than 1600 tons gross).—(1) This rule applies to ships of Class XI, being ships of 45 metres in length or over but less than 1600 tons gross.

- (2) Every such ship shall carry—

- (i) one or more class C boats attached to davits of sufficient aggregate capacity to accommodate all persons on board ; and

- (ii) liferafts of sufficient aggregate capacity to accommodate all persons on board.

- (3) Class C boats and liferafts carried in pursuance of sub-rule (2) shall be so stowed that they may be readily transferred to the water from either side of the ship.

- (4) Every such ship shall carry atleast 4 lifebuoys one half of which shall be provided with efficient self-igniting lights.

- (5) Every such ship shall carry—

- (i) a life-jacket complying with the requirements of Part I of the Fifth Schedule for every person on board ; and

- (ii) a life-jacket complying with the requirements of Part II of the Fifth Schedule for every child on board.

29. Ships of Class XI ships of 1600 tons gross or more).—(1) This rule applies to ships of Class XI, being ships of 1600 tons gross or over.

- (2) The provisions of rule 18 shall apply to ships of Class XI of 1600 tons gross or over in the like manner as they apply to ships of Class IX of 500 tons gross or over but less than 1600 tons gross.

30. Ships of Class XII.—(1) This rule applies to ships of Class XII which are engaged on coastal voyages.

- (2) The provisions of rules 20 to 24, inclusive apply to ships of Class XII engaged on coastal voyages in the like manner as they apply to ships of Class X.

31. Ships of Class XII ships of less than 500 tons gross).—(1) This rule applies to ships of Class XII being ships of less than 500 tons gross which go short distance to sea.

- (2) Every ship shall carry a Class C boat or one or more liferafts or buoyant apparatus of sufficient aggregate capacity to accommodate, or as the case may be, support all persons on board.

- (3) Liferafts and buoyant apparatus carried in pursuance of sub-rule (2) shall be so stowed that they can be readily transferred to the water from either side of the ship.

- (4) Every such ship shall carry atleast 4 life-buoys one-half of which shall be provided with efficient self-igniting lights.

- (5) Every such ship shall carry—

- (i) a life-jacket complying with the requirements of Part I of the Fifth Schedule for every person on board, and

- (ii) a life-jacket complying with the requirements of Part II of the Fifth Schedule for every person on board ; and

32. Ships of Class XII (ships of 500 tons gross and above).—(1) This rule applies to ships of Class XII of 500 tons gross and above which go short distances to sea.

- (2) Every such ship shall carry a lifeboat or a Class C boat which can be readily lowered into the water from either side of the ship.

- (3) Every such ship shall carry liferafts or buoyant apparatus of sufficient aggregate capacity to accommodate or, as the case may be, support all persons on board.

- (4) Liferafts and buoyant apparatus carried in pursuance of sub-rule (3) shall be so stowed that they can be transferred to the water from either side of the ship.

- (5) Every such ship shall carry atleast 4 life-buoys one-half of which shall be fitted with efficient self-igniting lights.

(6) Every such ship shall carry—

- (i) a life-jacket complying with the requirements of Part I of the Fifth Schedule for every person on board; and
- (ii) a life-jacket complying with the requirements of Part II of the Fifth Schedule for every child on board.

33. Ships of Class XIII.—(1) This rule applies to ships of class XIII being ships of less than 25 metres in length.

(2) Every such ship shall carry—

- (i) a Class C boat; or
- (ii) liferafts; or
- (iii) buoyant apparatus

of sufficient aggregate capacity to accommodate or, as the case may be, support persons on board :

Provided that the Central Government may, if satisfied that the length, type or size of the ship is such as to render compliance with the provisions of this sub-rule impracticable, permit any other type of life saving appliance, in such quantity as it may specify to be substituted for those prescribed in this sub-rule.

(3) The Class C boat, liferafts or buoyant apparatus carried in pursuance of sub-rule (2) shall be so stowed that they can be readily transferred to the water from either side of the ship.

(4) Every such ship shall carry atleast two lifebuoys one of which shall be provided with an efficient self-igniting lights.

(5) a life-jacket complying with the requirements of Part I of the Fifth Schedule for every person on board; and

(ii) a life-jacket complying with the requirements of Part II of the Fifth Schedule for every child on board.

34. Ships of Class XIII (ships of 25 metres or over but less than 35 metres).—(1) This rule applies to ships of Class XIII, being ships of 25 metres or over but less than 35 metres in length.

(2) Every such ship shall carry—

- (i) a Class C boat; or
- (ii) liferafts; or
- (iii) buoyant apparatus.

of sufficient aggregate capacity to accommodate, or as the case may be, support all persons on board.

(3) The Class C boat, liferafts and buoyant apparatus carried in pursuance of sub-rule (2)

shall be so stowed that they can be readily transferred to the water from either side of the ship.

(4) Every such ship shall carry at least four lifebuoys, one-half of which shall be provided with efficient self-igniting lights.

(5) Every such ship shall carry—

- (i) a life-jacket complying with the requirements of Part I of the Fifth Schedule for every person on board ; and
- (ii) a life-jacket complying with the requirements of Part II of the Fifth Schedule for every child on board.

35. Ships of class XIII (ships of 35 metres or over but less than 45 metres).—(1) This rule applies to ships of Class XIII, being ships of 35 metres or over but less than 45 metres in length.

(2) Every such ship shall carry a lifeboat attached to davits or Class C boat of sufficient aggregate capacity to accommodate all persons on board.

(3) Every such ship shall carry liferafts or buoyant apparatus of sufficient aggregate capacity to accommodate or, as the case may be, support all persons on board.

(4) The life boat, Class C boat, liferafts and buoyant apparatus carried in pursuance of sub-rules (2) and (3) shall be so stowed that they can be readily transferred to the water from either side of the ship.

(5) Every such ship shall carry atleast 4 lifebuoys one-half of which shall be provided with efficient self-igniting lights.

(6) Every such ship shall carry—

- (i) a life-jacket complying with the requirements of Part I of the Fifth Schedule for every person on board; and
- (ii) a life-jacket complying with the requirement of Part II of the Fifth Schedule for every child on board.

36. Ships of Class XIII (ships of 45 metres or over but less than 75 metres).—(1) This rule applies to ships of Class XIII, being ship of 45 metres or over but less than 75 metres in length.

(2) Every such ship shall carry—

- (i) one or more lifeboats attached to divits on each side of the ship of sufficient aggregate capacity to accommodate one-half the total number of persons on board; and
- (ii) two liferafts of sufficient aggregate capacity to accommodate all persons on board.

(3) Every such ship shall carry atleast 4 lifebuoys one-half of which shall be provided with self-igniting lights.

(4) Every such ship shall carry—

- (i) a life-jacket complying with the requirements of Part I of the Fifth Schedule for every person on board; and
- (ii) a life-jacket complying with the requirements of Part II of the Fifth Schedule for every child on board.

(5) Every such ship shall be provided with an approved line throwing appliance.

(6) Every such ship shall be provided with a portable radio equipment complying with the requirements of rule 65.

(37) Ships of Class XIII (Ships of 75 metres or over).—(1) This rule applies to ships of Class XIII, being ships of 75 metres or over in length.

(2) The provisions of rule 36 shall apply to ships of Class XIII of 75 metres or over in length in the like manner as they apply to ships of Class XIII of 45 metres or over but less than 75 metres in length, except that one of the lifeboats carried on board any ship of 75 metres or over in length shall be a motor lifeboat.

38. Ships of Class XIV.—(1) This rule applies to ships of Class XIV, being ships of less than 25 metres in length.

(2) Every such ship shall carry a boat or life-rafts or buoyant apparatus which singly or collectively provide sufficient aggregate capacity to accommodate, or as the case may be, support all persons on board.

(3) Every such ship shall carry at least two lifebuoys one of which shall be provided with an efficient self-igniting light.

(4) Every such ship shall carry—

- (i) a life-jacket complying with the requirements of Part I of the Fifth Schedule for every person on board; and
- (ii) a life-jacket complying with the requirements of Part II of the Fifth Schedule for every child on board.

39. Ships of Class XIV (ships of 25 metres or more but less than 45 metres).—(1) This rule applies to ships of Class XIV, being ships of 25 metres or more but less than 45 metres in length.

(2) Every such ship shall carry a boat or life-rafts or buoyant apparatus which singly or collectively provide sufficient aggregate capacity to accommodate, or, as the case may be, support all persons on board.

(3) Every such ship shall carry at least 4 life-buoys one-half of which shall be provided with efficient self-igniting lights.

(4) Every such ship shall carry—

- (i) a life-jacket complying with the requirements of Part I of the Fifth Schedule for every person on board; and
- (ii) a life-jacket complying with the requirements of Part II of the Fifth Schedule for every child on board.

40. Ships of Class XIV (ships of 45 metres or more).—(1) This rule applies to ships of Class XIV, being ships of 45 metres or more in length.

(2) Every such ship shall carry one or more Class C boats of sufficient, aggregate capacity to accommodate all persons on board.

(3) Class C boats carried in pursuance of sub-rule (2) shall be so stowed that they can be readily lowered into the water.

(4) Every such ship shall carry at least 4 life-buoys one-half of which shall be provided with efficient self-igniting lights.

(5) Every such ship shall carry—

- (i) a life-jacket complying with the requirements of Part I of the Fifth Schedule for every person on board;; and
- (ii) a life-jacket complying with the requirements of Part II of the Fifth Schedule for every child on board.

41. Ships of Class VX.—(1) This rule applies to ships of Class XV being ships of less than 25 metres in length.

(2) Every such ship shall carry liferafts of buoyant apparatus of sufficient aggregate capacity to accommodate all persons on board.

(3) Every such ship shall carry at least two lifebuoys which shall be provided with an efficient self-igniting light.

(4) Every such ship shall carry—

- (i) a life-jacket complying with the requirements of Part I of the Fifth Schedule for every person on board; and
- (ii) a life-jacket complying with the requirements of Part II of the Fifth Schedule for every child on board.

42. Ships of Class XV (ships of 25 metres or over).—(1) This rule applies to ships of Class XV, being ships of 25 metres or over in length.

(2) Every such ship shall carry one or more Class C boats of sufficient aggregate capacity to accommodate all persons on board.

(3) Every such shall carry liferafts of buoyant apparatus of sufficient aggregate capacity to accommodate all persons on board.

(4) The Class C boats liferafts of buoyant apparatus carried in pursuance of sub-rules (2) and



(3) shall be so stowed that they can readily be launched or lowered into the water from either side of the ship.

(5) Every ship shall carry at least four life-buoys one-half of which shall be provided with efficient-igniting lights.

(6) Every such ship shall carry—

- (i) a life-jacket complying with the requirements of Part I of the Fifth Schedule for all persons on board; and
- (ii) a life-jacket complying with the requirements of Part II of the Fifth Schedule for every child on board.

43. General requirements for lifeboats.—All lifeboats carried on board ships in pursuance of these rules shall comply with the requirements specified in the Fourth Schedule.

44. Carrying capacity of lifeboats.—(1)(a) subject to the provisions of sub-rules (2), (3) (4) and (5), the number of persons a lifeboat shall be deemed fit to accommodate shall be equal to the greatest whole number obtained by the formula.

$$\frac{V}{X}$$

where “V” is the cubic capacity of the lifeboat in cubic metres determined in accordance with the provisions of the Seventh Schedule and V is the volume in cubic metres for each person which shall be 0.283 for a lifeboat 7.3 metres in length or over and 0.396 in the case of lifeboats of 4.9 metres in length.

(b) For intermediate length of lifeboats, the value of X shall be determined by interpolation.

(2) The number of persons which a lifeboat is deemed fit to accommodate shall not exceed the number of adult persons wearing life-jackets for which there is proper seating accommodation arranged in such a way that the persons when seated do not interfere in any way with the use of cars or operation of other propulsion equipment.

(3) No lifeboat shall be deemed fit to accommodate more than 150 persons.

(4) No lifeboat other than a motor lifeboat shall be deemed fit to accommodate more than 100 persons.

(5) No lifeboat other than a motor lifeboat or a mechanically propelled lifeboat shall be deemed fit to accommodate more than 60 persons.

45. Motor Lifeboats.—Every motor lifeboat in addition to complying with the requirements of

the Seventh Schedule, shall comply with the following requirements, namely :—

- (a) it shall be fitted with a compression ignition engine and such engine and its accessories shall comply with the requirements of the Eighth Schedule and shall be so maintained as to be ready for use at all times;
- (b) it shall be provided with sufficient fuel for 24 hours continuous operation at the speed specified in clause (d) or clause (e).
- (c) it shall be capable of going astern;
- (d) if it is a lifeboat provided in accordance with subrule (4) of rule 4, sub-rule (5) of rule 5, sub-rule (4) of rule 6, sub-rule 4 of rule 13 when extended to tankers by virtue of the provision of sub-rule (2) of rule 15 or sub-rule (6) of rule 16 it shall be capable of going ahead in smooth water when loaded with its full complement of persons and equipment at a speed of 6 knots, per hour;
- (e) if it is a motor lifeboat provided in accordance with any other rule excepting rules referred to in clause (d), it shall be capable of going ahead in smooth water with its full complement of persons and equipment at a speed of 4 knots.

46. Mechanically propelled lifeboats.—Mechanically propelled lifeboats, in addition to complying with the requirements of the Fourth Schedule, shall be fitted with machinery which shall comply with the requirements of the Ninth Schedule.

47. Class C boats.—Class C boat shall comply with the requirements of the First Schedule.

48. Liferrafts.—(1) Liferrafts shall comply with the requirements of either Part I or Part II of the Second Schedule.

(2) Liferrafts complying with the requirements of Part I of the Second Schedule shall be surveyed at a servicing station approved by the Central Government at intervals of not more than 12 months :

Provided that if the Central Government is satisfied that it is impracticable to survey such liferaft at an interval of 12 months it may permit that interval to be extended by not more than 3 months.

49. Buoyant apparatus.—(1) Buoyant apparatus shall comply with the requirements of the Tenth Schedule.



(2) The number of persons which a buoyant apparatus shall be deemed fit to support shall be equal to—

- (a) the greatest whole number obtained by dividing by 14.5 the number of kgms. of iron which the apparatus is capable of supporting from its grab lines in fresh water; or
- (b) the greatest whole number obtained by dividing its perimeter in centimetres by 30.5;

which is less.

50. Marking of lifeboats, class C boats, liferafts and buoyant apparatus.—(1) (a) The dimension of a lifeboat or a Class C boat and the number of persons which it is deemed fit to accommodate shall be clearly marked on it in permanent characters.

(b) the name and port of registry of the ship to which the lifeboat or the class C boat belong shall be painted on each side of the bow of each such lifeboat or Class C boat.

(2) (a) The number of persons which a liferaft complying with the requirements of Part I of the Second Schedule is deemed fit to accommodate shall be clearly marked in permanent character on the liferaft and on the valise or other container in which the liferafts is contained when not in use.

(b) Every such liferaft shall also bear a serial number and the manufacture's name and the year of manufacture.

(3) Every liferaft which complies with the requirements of Part II of the Second Schedule shall be marked with the name and port of registry of the ship in which it is carried and with the number of persons it is fit to accommodate.

(4) The number of persons a buoyant apparatus is fit to support shall be clearly marked on it in permanent character.

51. Lifebuoys.—Lifebuoys shall comply with the requirements of the Eleventh Schedule.

52. Lifebuoys light, smoke signals and lines.—

(1) Lifebuoys carried in accordance with these rules shall have attached to them self-igniting lights on the scales specified in sub-rule (22) of rule 4, sub-rule (14) of rule 5, sub-rule (10) of rule 6, sub-rule (14) of rule 7, sub-rule (9) of rule 8, sub-rule (9) of rule 9, sub-rule (7) of rule 10, sub-rule (4) of rule 11, sub-rule (5) of rule 12, sub-rule (7) of rule 13, sub-rule (8) of rule 16, sub-rule (4) of rule 17, sub-rule (3) of rule 18, sub-rule (4) of rule 20, sub-rule (5) of rule 21, sub-rule (5) of rule 22, sub-rule (4) of rule 23, sub-rule (4) of rule 25, sub-rule (4) of rule 26, sub-rule (4) of rule 27, sub-rule (4) of rule 28,

sub-rule (4) of rule 31, sub-rule (5) of rule 32, sub-rule (4) of rule 33, sub-rule (4) of rule 34, sub-rule (5) of rule 35, sub-rule (4) of rule 36, sub-rule (3) of rule 38, sub-rule (3) of rule 39, sub-rule (4) of rule 40 and sub-rule (5) of rule 42.

(2) (a) The self-igniting lights shall be capable of remaining in water without getting extinguished.

(b) They shall be capable of burning for not less than 45 minutes and shall have a luminosity of not less than 2 candellas in all directions of the upper hemisphere.

(3) The self-igniting lights attached to lifebuoys carried in tankers shall be of an electric battery type.

(4) (a) In every ship not being a ship of class X to XV less than 25 metres in length one lifebuoy on each side of the ship shall have attached to it a buoyant line of at least 27.5 metres in length.

(b) In every ship of Class X to XV of less than 25 metres in length one lifebuoys on each side of the ship shall have attached to it a buoyant line of at least 18 metres in length.

(c) The lifebuoys having lines attached to them in compliance with this sub-rule shall not have self-igniting lights attached to them.

(5) In every ship, other than a ship of Class X, XI, XII, XIII, XIV or XV, not less than two of the lifeboats provided with self-igniting lights in accordance with the provisions of sub-rule (1) shall be provided with a self-activating smoke signal capable of producing smoke of a highly visible colour for at least 15 minutes.

(6) (a) The lifebuoys provided with self-igniting lights and self-activating signals in accordance with these rules shall be carried on each side of navigating bridge if any, and so fitted as to be capable of quick release.

(b) Each of the lifebuoys referred to in clause (a) and any other lifeboats in position where the release of self-igniting light depends upon the weight of such lifebuoy shall weigh not less than 4.3 kgms.

53. Line throwing appliances.—Every line throwing appliance shall comply with the requirements of the Twelfth Schedule.

54. Equipment for lifeboats and Class C boats.—(1) Subject to the provisions of sub-rules (2), (3) and (4), the equipment of every lifeboat shall be as follows :

- (a) a single banked complement of buoyant oars, two spare buoyant oars and a buoyant steering oar; one set and a

- hull of crutches attached to the lifeboat by lanyard or chain and a boat-hook;
- (b) Two plugs for each plug hole (except where proper automatic valves are fitted) attached to the lifeboat by lanyards or chains; a bailer and two buckets;
- (c) a rudder attached to the lifeboat and a tiller;
- (d) a life line bracketed round the outside of the lifeboat; means to enable persons to cling to the lifeboat if upturned in the form of bilge keels or keel rails, together with grab lines secured from gunwale under the keel;
- (e) a locker, conspicuously marked as such, suitable for the stowage of small items of equipment;
- (f) two hatchets, one at each end of the lifeboat;
- (g) a lamp with oil sufficient for 12 hours;
- (h) a watertight box containing two boxes of matches not readily extinguished by wind;
- (i) a mast or masts with galvanized wire stays together with orange coloured sails which shall be marked for identification purposes with the first and last letter of the name of the ship to which the lifeboat belongs;
- (j) a compass in binnacle complying with the requirements of Part I of the Thirteenth Schedule;
- (k) a Sea anchor complying with the requirements of Part II of the Thirteenth Schedule;
- (l) two painters of sufficient length and size. One shall be secured to the forward end of the lifeboat with strap and toggle so that it can be released and the other shall be firmly secured to the stem of the lifeboat and be ready for use;
- (m) a vessel containing 4.5 litres of vegetable, fish or animal oil. A means shall be provided enabling easy distribution of oil on water and it shall be so arranged that it can be attached to the sea anchor;
- (n) for parachute distress rocket signals complying with the requirements of Part III of the Thirteenth Schedule, and six hand-held distress flare signals complying with the provision of Part IV of the Thirteenth Schedule;
- (o) two buoyant smoke signals complying with the requirements of Part V of the Thirteenth Schedule;
- (p) a first aid outfit complying with the requirements of Part VI of the Thirteenth Schedule;
- (q) a waterproof electric torch suitable for morse signalling together with one spare set of batteries and one spare bulb in a water proof container;
- (r) a day light signalling mirror;
- (s) a jack knife fitted with a tin-opener to be kept attached to the lifeboat with the lanyard;
- (t) two light buoyant heaving lines;
- (u) a manual pump complying with the requirements of Part VIII of the Thirteenth Schedule;
- (v) a whistle;
- (w) a fishing line and six hooks;
- (x) a cover of highly visible colour capable of protecting the occupants against injury by exposure;
- (y) a copy of Rescue Signal Table as required under regulation 16 of Part V of the Safety Convention;
- (z) means to enable persons in the water to climb into the lifeboat.
- (2) (a) No motor lifeboat or mechanically propelled lifeboat shall be required to carry a mast or sails, nor more than half the complement of oars.
- (b) Every such lifeboat shall carry two boat hooks.
- (3) (a) Every motor lifeboat shall carry at least two portable fire extinguishers capable of discharging foam or other substance suitable for extinguishing oil fires, a receptacle containing a sufficient quantity of sand and a scoop for distributing the sand.
- (b) such portable fire extinguishers shall be of a type complying with the requirements of the Merchant Shipping (Fire Appliances) Rules, 1969 except that the capacity of each extinguisher shall not be required to exceed 4.5 litres of fluid or its equivalent.
- (4) Ships of Classes VI, X, XIII XIV need not carry the equipments specified in clauses (i), (r) and (w) of sub-rule (1).
- (5) Ships of classes VII, XI and XII need not carry the equipments specified in clauses (i), (j), (n), (o), (v), (x) and (y), of sub-rule (1).
6. Every class C boat carried in pursuance of these rules, or a lifeboat in lieu of which carriage of a Class C boat is permitted, shall be equipped as follows :—
- (a) a signal complement of buoyant oars and one spare buoyant oar provided that there shall never be less than three oars: one set of crutches attached to the boat by lanyard on chain and a boathook;
- (b) two plugs for each plughole (except

where proper automatic valves are fitted) attached to the boat by lanyard or chain; a bailer and a bucket;

- (c) a rudder attached to the boat and a tiller;
- (d) a life line bracketed round the outside of the boat ;
- (e) a locker, conspicuously marked as such suitable for the stowage of small items equipment;
- (f) a painter of sufficient length and size secured to the forward end of the boat with strop and toggle so that it can be released;
- (g) means to enable persons to cling to the boat if upturned in the form of bilge keels or keel rails;
- (h) a waterproof electric torch suitable for morse signalling together with one spare set of batteries and one spare bulb in a waterproof container; and
- (i) two light buoyant having lines.

55. Rations for lifeboats.—(1) Every lifeboat shall be provided with at least the rations specified in the following scale for each person it is deemed fit to accommodate :

- (a) 450 grams of biscuits;
- (b) 450 grams of barley sugar; and
- (c) 450 grams of sweetened condensed milk of first quality.

Provided that this rule shall not apply to any lifeboat carried in ships of Classes VI, VII, X, XI, XII, XIII, XIV and XV which do not proceed outside Home-Trade Limits.

(2) All the foodstuffs specified in sub-rule (1) shall be packed in suitable water tight containers and labelled to indicate the contents.

(3) (a) Every lifeboat carried in ships of classes I to VIII (both inclusive) shall be provided with at least 2 litres of fresh water for each of the number of persons it is deemed fit to accommodate or at least two litres of fresh water for each such person together with a desalting apparatus capable of providing at least one litre of drinking water for each such person and in either case the total quantity of water shall be increased as far as practicable.

(b) Every Class C boat carried in ships of classes referred to in clause (a) shall be provided with adequate quantity of water.

(4) The water shall be kept in the lifeboat in suitable containers and every container shall be provided with at least one dipper which shall be attached to such containers by a lanyard, and three rust proof drinking vessels graduated in 25, 50 and 100 milli litres.

Provided that a container of not more than two litres capacity shall not be required to be provided with a dipper.

(5) The water in containers referred to in sub-rule (4) shall be frequently changed so as to ensure that it always clean and fit for drinking.

56. Special equipment for certain motor lifeboats.—(1) In every ship of classes I and III, the motor lifeboats which are carried in compliance with clause (a) of sub-rule (5) of rule 4 and clause (a) of sub-rule (5) of rule 6 shall be provided with the following equipment, namely :—

- (a) a radio equipment which shall comply with the Geneva Radio Regulations Geneva, 1959 and in addition, the following provisions shall apply thereto, namely :—
  - (i) it shall be installed in a cabin large enough to accommodate both the apparatus and the person using it;
  - (ii) the arrangement shall be such that the efficient operation of the transmitter and received shall not be impaired through interference from the engine of the motor lifeboat whether a battery is on charge or not; and
  - (iii) the radio battery shall not be used to supply power to any engine starting motor or ignition system.
- (b) a dynamo fitted to the engine of the motor lifeboat and capable of recharging all batteries in the life boat.

(2) (a) A search light carried in pursuance of these rules shall include a lamp of at least 80 watts, an efficient reflector and a source of power which will give effective illumination of a light coloured object having width of about 18 metres at a distance of 183 metres for a total period of six hours.

(b) The search light shall be capable of working for at least 3 hours continuously.

57. Security of equipment and rations in lifeboats and Class C boats.—(1) (a) All items of equipment provided in a lifeboat class C boat or other boat with the exception of a boat hook which shall be kept free for landing off purposes shall be suitably secured within the lifeboat or boat.

(b) Any lashing shall be carried out in such a manner as to ensure the security of the equipment and so as not to interfere with the lifting hooks, if fitted, or to prevent ready embarkation.

(c) All items of such equipment shall be as small and as light in weight as possible and shall be packed in suitable and compact form.

(2) All the rations provided in a lifeboat shall be stowed in water-tight tanks which shall be firmly secured to the lifeboat.

(3) The tanks for the food and water rations shall be conspicuously marked 'food' or 'water' whichever is appropriate.

58. Equipment and rations for liferafts.—(1) Subject to the provisions of sub-rule (2) and (3), the equipment and rations provided in every liferaft shall be as follows:—

- (a) one buoyant rescue quito attached to at least 31 metres of buoyant line;
- (b)(i) for liferafts which are fit for accommodating not more than 12 persons—one safety knife and one bailer;
- (ii) for liferafts which are fit for accommodating 13 persons or more—two safety knives and two bailers.
- (c) two sponges;



- (d) two sea anchors, one permanently attached to the liferaft and one spare with line ;
  - (e) two paddles ;
  - (f) one repair outfit capable of repairing punctures in buoyancy compartments unless the liferaft complies with the requirements of Part II of the Second Schedule ;
  - (g) one topping up pump or bellows unless the liferaft complies with the requirements of Part II of the Second Schedule ;
  - (h) three safety tin openers ;
  - (i) a first-aid outfit complying with the requirements of Part VIII of the Thirteenth Schedule ;
  - (j) one rust proof drinking vessel graduated in 25, 50 and 100 milli litres ;
  - (k) one waterproof electric torch suitable for more signalling together with one spare set of batteries and one spare bulb in a water proof container ;
  - (l) one day-light signalling mirror and one signalling whistle ;
  - (m) two parachute distress rocket signals complying with the requirements of Part III of Thirteenth Schedule ;
  - (n) six hand held distress flare signals complying with the requirements of Part IV of the Thirteenth Schedule ;
  - (o) one fishing line and six hooks ;
  - (p) 340 grams of suitable non-thirst provoking food providing at least 2200 calories per 450 grams weight and 170 grams of barley sugar or other equally suitable sweet for each person liferaft is deemed fit to accommodate ;
  - (q) watertight receptacles containing one half litres of fresh water for each person the liferaft is deemed fit to accommodate, of which 1/2 litre per person may be replaced by a suitable de-salting apparatus capable of producing an equal amount of fresh water ;
  - (r) six anti-seasickness tablets for each person which the liferaft is deemed fit to accommodate ;
  - (s) instructions printed in the English and Hindi languages on how to survive in the liferaft ;
  - (t) one copy of Rescue Signal Table as required under Regulation 16 of Part V of the safety convention.
- (2) In ships of Classes II and IV-A. One or more liferafts, not being less than one sixth of the total number of liferafts carried in any such ship, may be provided with the equipment specified in clauses (a) to (g) (both inclusive), (k), (s) and (t) of sub-rule (1) and with one-half of the equipment specified in clauses (m) and (n) of that sub-rule.
- (iii) Liferafts other than those equipped in accordance with clause (i), shall be provided with equipment specified in clauses (a) to (g) (both inclusive) and (r) and (t) of sub-rule (1).
- (3) In ships of classes V, VI, VII, X, XI, XXIII, XIV and XV liferafts shall be provided with the equipment specified in clauses (a), (b), (c), (e), (f), (g), (i), (m), (n), (q), (r), (s) and (t) of sub-rule (1) of this rule together with sea-anchor which shall be permanently attached to the liferaft.

59. General provisions relating to the stowage and handling of life-saving appliances.—(1) The arrangements for each lifeboat, Class C boat or other boat, liferaft, and article of buoyant apparatus shall be such that it will not interfere with the operation of other life saving appliances or impede in any way their prompt handling or the marshalling of persons at the launching station or their embarkation.

(2) Lifeboats, class C boats or other boats, liferafts and buoyant apparatus shall be so stowed that they can all be launched safely in the shortest possible time and the overall launching period shall not exceed 30 minutes in the case of ships of classes I, II, III, IV and VIII which carry liferafts under launching appliances.

60. Stowage and handling of lifeboats, class C boats and other boats.—(1) Subject to the provisions of sub-rules (2), (3) and (4), a lifeboat attached to a set of davits, other than a lifeboat which is carried as an alternative to a class C boat or other boat, shall be so arranged that even under unfavourable conditions of trim and upto 15 degrees of list

either way it can be put into the water when loaded with its full complement of persons and equipment required by these rules, except that in ships of under 45.7 meters in length of class VII such lifeboats may be so arranged that in the aforesaid conditions they can be put into water when loaded with their required equipment and a launching crew of at least two persons.

(2) Any lifeboat which is carried as an alternative to a Class C boat or other boat and any Class C boat or other boat which is attached to a davit or of a set of davits other than a mechanically controlled single arm davit shall be so arranged that when loaded with its equipment required by these rules and a launching crew of two persons, it can be put into the water on either side of the ship when the ship is upright or from the side of the list when the ship is listed to 15 degrees towards that side.

(3) Every lifeboat, class C boat or other boat attached to a mechanically controlled single arm davit shall be so arranged that when loaded with its equipment required by these rules and a launching crew of two persons it can be put into the water on one side of the ship when the ship is upright or is listed upto 15 degrees towards that side, except that in the case of fishing vessels which carry lifeboats, class C boats or other boats in accordance with these rules the lifeboat shall be so arranged that when loaded with its required equipment and a launching crew of two persons it can be put into water from either side of the ship, or if the ship has a list from the side to which the ship is listed.

(4) Every lifeboat or class C boats carried in compliance with clause (b) of sub-rule (2) of rule 11, clause (b) of sub-rule (2) of rule 23 and clause (1) of sub-rule (2) of rule 36, if not attached to a davit or a set of davits, shall be attached to a device which shall be provided primarily for the purpose of launching the boat and which shall be capable of putting the boat into the water from one side of the ship when it is loaded with its equipment required by these rules and a launching crew of two persons; and when the ship is upright or listed upto 15 degrees such device shall be capable of putting the lifeboat or class C boat into the water from the side of the ship towards which it is listed.

(5) Not more than one lifeboat, class C boat or other boat shall be attached to any set of davits, davit or other means of launching.

(6) Lifeboats may only be stowed on more than one deck provided that proper measures are taken to prevent lifeboats on a lower deck being fouled by those stowed on a deck above.

(7) (i) Lifeboats shall not be placed in the bow of the ship; (ii) Lifeboats shall be positioned as close to the accommodation and service spaces as is possible; (iii) Lifeboats shall be situated in such a position as to ensure safe launching, in particular, having regard to the clearance from the propeller and the steep over-hanging portions of the hull with the object of ensuring, as far as practicable, that they can be launched down the straight side of the ship.

(8) Davits shall be suitably placed in the ships.

(9) Davits, winches, falls, blocks and other launching gear provided in accordance with these rules shall comply with the requirements of the Fourteenth Schedule.

(10) (a) All lifeboats, class C boats or other boats attached to davits shall be served by wire rope falls and winches into the following cases :—

- (i) when they are attached to gravity davits; or
- (ii) when they are attached to mechanically controlled single arm davits; or
- (iii) when they are fitted to any ship of classes I, II, III, IV, V, VIII, IX and ships of class XIII of 45 meters or more in length; or
- (iv) when the weight of the attached lifeboat, class C boat or other boat in the lowering condition exceeds 2300 kilograms :

Provided that the Central Government may permit other types of falls to be fitted with or without winches in cases of lifeboats other than emergency lifeboats where it is satisfied that such falls are adequate.

(b) In every ship in which lifeboats, class C boats or other boats are served by wire rope falls, winches shall be provided for handling such falls.

(c) Emergency lifeboats carried in compliance with sub-rule (3) of rule 4, sub-rule (4) of rule 5, and sub-rule (4) of rule 6 shall be served by winches which are capable of recovering them at a speed of not less than 18 metres per minute when the lifeboats is loaded with its equipment required



by these rules and a distributed load equal to 1016 Kgs.

(11) Efficient hand gear shall be provided for the recovery of all lifeboats, class C boats or other boats which are served by winches.

(12) Where davits are recovered by action of the falls by powers, safety devices shall fitted which will automatically cut-off the power when the davits are at least 10 centimetres away from the steps to ensure that the wire rope falls or davits are not over-stressed.

(13) Unless expressly provided otherwise in these rules, to facilitate the launching of lifeboats, against a list of 15 degrees skates or other suitable means shall be provided for any lifeboat stowed under davits which are of such strength that the lifeboat can be lowered with its full complement of persons and its equipment required by these rules.

(14) Means shall be provided for bringing the lifeboats, which are required to be capable of being lowered in the full loaded condition against the ship's side for holding them there for the safe embarkation of persons.

(15) (a) In any ship other than ship in which the lifeboat, class C boat or other boat is attached to a mechanically controlled single arm davit, the davits shall be fitted with a wire rope span so positioned that when the boat is in the lowering position, the span is as near as practicable over the centre line of the boat.

(b) Such a wire rope span shall be fitted with at least two wire lines which shall be long enough to reach the water with the ship at its highest seagoing draught and listed to 15 degree either way.

(16) (a) Lifeboats, class C boats and other boats attached to davits shall have the falls ready for service and such falls shall be at least long enough to reach the water with the ship at its highest seagoing draught and listed to 15 degrees either way.

(b) Means shall be provided for detaching the lifeboats, class C boats or the other boats from the falls.

(c) Lower fall blocks shall be fitted with a suitable ring or a long link for attaching to the sling books, unless disengaging gear complying with the requirements of the Fifteenth Schedule is fitted.

(d) The points of attachment of the lifeboats, class C boats and other boats to the falls shall be at such height above the gunwater as to ensure stability when lowering the lifeboats, class C boats or other boats.

(17) (a) Every emergency lifeboat carried in compliance with sub-rule (3) of rule 4, sub-rule (4) of rule 5, sub-rule (3) of rule 6, and sub-rule (4) of rule 7 shall be provided with means for facilitating the attachment of the lower fall blocks to the lifting arrangements of the boat when the boat is recovered from the sea adverse weather conditions.

(b) For this purpose a pendant of adequate strength and suitable length shall be provided for each davit, and one end of the pendant shall be attached to the lower fall block and other end to the lifting arrangement on the boat.

(c) In addition, means shall also be provided for hanging off the boat after hoisting to enable the lower fall block to be attached directly to the lifting hook.

(18) In any ship, when a lifeboat is attached to any set of davits, davit or other means of launching not of sufficient strength for safe lowering of the boat into the water when loaded with its full complement of persons and equipment required by these rules under conditions of trim or of list specified in these rules for the class of such ship, or when any class C boat or other boat is attached to any set of davits or davit or other means of launching which are not of sufficient strength for safe lowering of such class C boat or other boat when loaded with its full complement of persons and equipment required by these rules, each such set of davits, davit or other means of launching shall be conspicuously marked with a red band 15.25 centimetres wide painted on a white background.

61. Stowage and handling of liferafts, buoyant apparatus and lifebuoys (i), liferafts and buoyant apparatus shall be so stowed that they can be put into water safely even under unfavourable conditions of trim and upto 15 degrees of list either way.

(2) (a) In every ship of classes I and II which carries liferafts in accordance with clause (b) of sub-rule (2) of rule 4, or item (c) of proviso

to sub-rule (8) of rule 5, launching appliances complying with the requirements of the Third Schedule shall be provided for such liferafts.

(b) In every ship of class III which carries liferafts in accordance with clause (b) of sub-rule (2) of rule 6, there shall be provided launching appliances complying with the requirements of the Third Schedule, in such number as the Central Government may consider sufficient, which shall, as far as practicable, be distributed equally on each side of the ship :

Provided that there shall never be less than one such appliance on each side of the ship.

(c) Every liferaft launching appliance shall be so arranged that even under unfavourable conditions of trim and of list upto 15 degrees either way, each liferaft which is designed for use with such an appliance can be launched when loaded with its full complement of persons and equipment.

(d) Liferafts for which launching appliances are provided and such launching appliances, shall not be placed in the bows of the ship and shall be so placed as to ensure safe launching having particular regard to clearance from the propeller and steeply over-hanging portions of the hull aft, and to ensure, so far as is practicable that they can be launched down the straight side of the ship.

(e) Means shall be provided for bringing liferafts for which launching appliances are provided against the ships side and for holding them therefore the safe embarkation of persons.

(3) Lifebuoys shall be so stowed as to be readily accessible to all persons on board and in such a way that they can be rapidly cast loose.

(4) Life-jackets shall be so stowed as to be readily accessible to all persons on board and their position shall be clearly and permanently indicated.

62. Embarkation into lifeboats, class C boats, other boats and liferafts.—(1) Arrangements shall be made to ensure that it is possible to effect embarkation into the lifeboats, class C boats, other boats and liferafts rapidly and in good order.

(2) In every ship arrangements shall be made for warning the passengers and crew when the ship is about to be abandoned.

(3) (a) (i) In ships of classes VIII, IX and X when the length of the ship exceeds 45 metres, one ladder shall be carried at each set of lifeboat davits where the davits are capable of lowering the lifeboat when loaded with its full complement of persons and equipment required by these rules.

(ii) Such provision shall also be made in ships of classes I, II and VI except that in such ships the Central Government may permit such ladders to be replaced by suitable mechanical devices provided that there shall not be less than one ladder on each side of every such ship.

(b) In ship of classes, VIII, IX, X, XI, XIII and XIV which carry a class C boat or a lifeboat which

is not capable of being lowered into the water when loaded with its full complement of persons and its equipment required by these rules suitable means shall be provided for embarking persons into the boat.

(c) In ships of classes I to X and ship of classes XI to XIV of 500 tons gross or over, sufficient ladders shall be provided to facilitate embarkation into the liferafts when water borne except that in such ships the Central Government may permit replacement of some or all such ladders by suitable mechanical devices.

(d) The ladders provided in compliance with the provisions of this sub-rule shall be of sufficient length to reach the water-line with the ship at its lightest draught and listed to 15 degrees either way.

(4) Every ship be provided with means situated outside the engine room where by any discharge of water into the lifeboats or into liferafts at fixed launching positions including those under launching appliances can be prevented.

63. Manning of lifeboats and liferafts.—(1) In ships of classes I, II, III, IV and V a deck officer or a certificated life-boatman shall be placed in charge of each lifeboat and a second-in command shall also be nominated. The person in charge shall have a list of the lifeboats crew and shall see that the persons placed under his orders are acquainted with their several duties.

(2) In ship of classes, I and III a person trained in the handling and operation of liferafts shall be assigned to each liferaft.

(3) (a) In ships of class II carrying liferafts served by launching appliances two persons trained in the handling and operation of liferafts shall be assigned to each launching appliance.

(b) In spite of classes III, IV and V carrying liferafts not served by launching appliances which are stowed in groups at fixed launching position, a person trained in the handling and operation of liferafts shall be assigned to each such position.

(4) In ships of classes I, II, III, IV and V a person capable of working the radio equipment and search light equipment shall be assigned to each lifeboat carrying such equipment.

(5) In every ship in which motor lifeboats are carried a person capable of working the motor shall be assigned to each motor lifeboat.

64. Certificated lifeboatman.—(1) The crew of every ship of classes I, II, III, IV and V shall include for each lifeboat carried in compliances with these rules, a number of certificated lifeboatmen not less than that specified in the following Table.

TABLE

Prescribed complement of a lifeboat	Minimum number of certificated lifeboatman required
Less than 41 persons	2
41 persons and more but less than 62	3
62 persons and more but less than 86 persons	4
86 persons and more	5

(2) In this rule, "prescribed complement" means the number of persons which the lifeboat is deemed fit to accommodate under these rules.

65. Portable radio equipment.—(1) The portable radio equipment required to be carried in compliance with sub-rule (11) of rule 5, sub-rule (6) of rule 6, sub-rule (12) of rule 7, and sub-rule (8) of rule 8 and sub-rule (7) of rule 9, sub-rule (5) of rule 11, sub-rule (6) of rule 12, sub-rule (9) of rule 13, sub-rule (9) of rule 16 and sub-rule (4) of rule 18 shall comply with such of the requirements of the Geneva Radio Regulations, Geneva, 1959 as apply thereto and shall be kept in a suitable place ready to be moved into a lifeboat or a liferafts in case of emergency.

(2) In ships where the disposition of superstructures or deck houses is such as to involve substantial fore and aft separation of the main transmitter and lifeboats such equipment shall be kept in the vicinity of these lifeboats or liferafts which are farthest away from the main transmitter.

66. Electrically operated signals.—Every ship of classes I, II, III, IV and V shall be provided throughout the ship with electrically operated signals controlled from the bridge for summoning passengers to muster stations.

67. Electric lighting.—(1) (a) In every ship of classes I, II, III, IV, V and VI an electric lighting system shall be provided throughout the ship and in particular upon the decks from which lifeboats and liferafts are embarked.

(b) Provision shall also be made in every such ship for the electric lighting of the launching gear and of the lifeboat and of liferaft launching appliances where provided and the liferafts which they served during the preparation for and process of launching and also for illuminating the water into which the lifeboats and liferafts served by launching is completed and for lighting the stowage position of liferafts for which launching appliances are not provided.

(c) The lighting shall be operated from the ship's main generating plant and shall be so arranged that power may be supplied from the emergency source of power required to be provided for on such ships under the rules made under section 184 of the Act relating to the construction of passenger ships.

(2) In every ship of Classes I, II, III, IV, V and VI, the exist from every main compartment occu-

pied by passengers or crew shall be continuously lighted by an emergency electric lamp, operated from the ship's main generating plant and shall be so arranged that power may be supplied from the emergency source of power required to be provided for on such ship under the rules made under section 284 of the Act relating to the construction of passenger ships.

(3)(a) In every ship of classes VII to X of 500 tons gross or over provision shall be made for the electric lighting of the launching gear and of the lifeboats and of the liferafts which they serve, during the preparation for the process of launching and also for lighting the water into which the lifeboats and the liferafts served by launching appliance are launched until the process of launching is completed, and for the lighting of the stowage position of liferafts for which launching appliances are not provided.

(b) In every ship of classes VIII to X of 1600 tons gross or over, provision shall be made for the electric lighting of the alleyways, stairways, and exists so as to ensure that access of all persons on board to the launching stations and stowage positions of lifeboats and liferafts is not impeded.

(c) The lighting required under clauses (a) and (b) shall be operated from the ship's main electric generating plant and, in addition, shall be capable of being operated—

(i) in every such ship of 5000 tons gross or over, from an emergency source of electric power provided for such lighting in such ships or under sub-rule (1) of rule 7 of the Merchant Shipping (Cargo Ship Construction and Survey) Rules, 1974, in the case of ships to which those rules apply ;

(ii) in every ship of over 1000 tons, gross but under 5000 tons gross, from an emergency source of electric power provided for such lighting in such ships or under sub-rule (1) of rule 7 of the Merchant Shipping (Cargo Ship Construction and Survey) Rules, 1974, in the case of ships to which those rules apply.

(d) In every ship of 500 tons gross or over but of under 1600 tons gross, the lighting required under clause (a) of this sub-rule shall be operated from the ship's main electric generating plant and, in addition, shall be capable of being operated from an emergency source of electric power provided for such lighting in such ships or under sub-rule (1) of rule 9 of Merchant Shipping (Cargo Ship Construction and Survey) Rules, 1974, in the case of ships to which those rules apply, or if the Central Government so permits from the reserve source or electrical energy provided for on such ship, under the Geneva Radio Regulations, Geneva, 1959, subject to the condition that lighting circuit can be readily disconnected and the said reserve source is capable of supplying the additional load or loads

without failing below the capacity required under those rules.

(4) In every ship of classes VIII, IX and X to which sub-rule (3) does not apply, means shall be provided for the electric lighting of the launching gear and lifeboats or boats during the preparation for and the process of launching and also for the lighting of the stowage position of the liferafts.

68. Ships distress signals.—(1) Every ship except ships of classes X to XV which are less than 24 metres in length shall carry not less than twelve parachute distress rocket signals complying with the requirements of the Sixteenth Schedule.

(2) Ships of classes X to XV other than ships above 24 metres in length shall carry not less than six red star distress signals which shall comply with sub-rule (3).

(3) Any red star signal required under this rule shall be capable of emitting two or more red stars either together or separately at or to a light or not less than 45.7 metres and each of these stars shall burn with a minimum luminosity of 300 candle power for not less than 5 seconds.

(4) All pyrotechnic distress signals shall be packed in a watertight container and shall be clearly and indelibly labelled to indicate their purpose.

69. Equivalents and exemptions.—(1) Where these rules require that a particular fitting, material, appliance or apparatus, or type thereof, shall be fitted or carried in a ship, or that any particular provisions shall be made, the Central Government may permit and other fitting, material, appliance or apparatus or type thereof to be fitted or carried or any other provision to be made in a ship, if it is satisfied by trial thereof that such other fitting, material, appliance or apparatus, or type thereof or provision is at least as effective as that required by these rules.

(2) If it appears to the Central Government on the application of the owner of any ship, that it is not practicable or reasonable to fit in that ship the number of sets of davits required by these rules, the Central Government may permit one or more sets of davits to be dispensed with in that ship, subject to such conditions, if any, as it may think fit to impose :

Provided that in the case of ships of classes II and IV the number of sets of davits fitted, shall subject to the provisions of sub-rules (2) and (8) of rule 5 and sub-rules (2) and (11) of rule 7, in no case be less than the minimum number determined by column B of the Table set out in the Sixth Schedule.

(3) If a ship of class I or Class III is permitted to carry between specified ports or places abroad a number of passengers in addition to the number allowed when the ship proceeded to sea from a port or place in India, the Central Government may, subject to such conditions as it may think fit



to impose, permit as regards the part of the voyage between such specified ports or places, and modifications of the provisions of sub-rules (2) and (10) of rule 4 and sub-rules (2) and (9) of rule 6 as may be specified by it :

Provided that where such modifications are permitted the total number of lifeboats together with such liferafts are carried shall be always sufficient for the total number of persons which the ship is certified to carry and, in addition on liferafts shall be carried sufficiently to support ten per cent of that number of persons.

(4) The Central Government may exempt any ship not normally engaged on international voyages but which, in exceptional circumstances, is required to undertake a single international voyage, from any of the requirements of these rules :

Provided that no such exemption shall be granted unless such a ship complies with the safety requirements, which in the opinion of the Central Government are adequate for the voyage which is to be undertaken by the ship.

(5) If it is impracticable or unreasonable for a ship to carry a lifeboat or boat of the minimum length prescribed under these rules, the Central Government may permit a smaller lifeboats or boat to be carried in that ship.

(6) The Central Government may either absolutely or subject to such conditions as it may think fit, exempt any ship the keel of which was laid prior to 26th day of May, 1965, from the applications of any requirements of these rules if it is satisfied that the compliance with the requirement is either impracticable or unreasonable in the case of such ship.

### THE FIRST SCHEDULE

[See rules 2(e) and 47]

#### Class 'C' Boats

1. Every Class 'C' boat shall be an open boat constructed with rigid sides.

2. A Class 'C' boat shall be of such form and proportions that it shall have ample stability in a seaway and sufficient freeboard when loaded with the greatest number of persons for whom seating is provided and with its full equipment.

3. The length of Class 'C' boat shall be at least—

- 4.3 metres for a ship whose length is 12 metres or more but less than 24 metres ;
- 4.9 metres for a ship whose length is 24 metres or more but less than 35 metres ;
- 5.2 metres for a ship whose length is 35 metres or more but less than 44 metres and
- 5.5 metres for a ship whose length is 44 metres or more.

4. All thwart and side rails in Class 'C' boat shall be fitted as low in the boat as practicable and bottom boards shall be fitted.

5. A Class 'C' boat shall be square-sterned and shall have a mean sheer at least equal to five per cent of its length.

6. A Class 'C' boat shall be fitted with internal buoyancy appliances which shall be so placed as to secure stability when the boat is fully laden under adverse weather conditions.

7. The internal buoyancy appliances a Class 'C' boat shall consist either of air cases constructed of copper or muntz metal of not less than 1675 grams to the superficial metre, or of other equal suitable material.

8. The total volume of the internal buoyancy appliances in a wooden Class 'C' boat shall be at least equal to seven and one-half per cent of the cubic capacity of the boat which shall be determined in accordance with paragraph 4 of the seventh Schedule.

9. The buoyancy of a Class 'C' boat which is made of any material other than wood shall be not less than that required for a wooden class 'C' boat of the same cubic capacity and the volume of the internal buoyancy appliances shall be increased accordingly.

10. The minimum number of persons for whom seating shall be provided a class 'C' boat shall be equal to the greatest number obtained by multiplying by 2.65 the cubic capacity of the boat in cubic metres.

### THE SECOND SCHEDULE

(See rules 2(h), (m) and (q), 48, 50(2) and (3), 50(i), (f) & (g) )

#### REQUIREMENT FOR LIFERAFTS

##### PART I

#### INFLATABLE LIFERAFTS

1. Subject to the provision of paragraph 2 of this Part every inflatable liferafts shall comply with the following requirements :—

- the liferafts shall be so constructed that when fully inflated and floating with the cover uppermost, it shall be stable in a seaway ;
- the liferaft shall be so constructed that if it is dropped into the water from a height of 18 metres neither the liferaft nor its equipment will be damaged; If the liferaft is to be stowed on a ship at a height, above the water, of more than 18 metres, it shall be of a type which has been satisfactorily drop tested from a height atleast equal to the height at which it is stowed.



- (c) (i) the construction of the liferaft shall include a cover of a highly visible colour which shall be set in place when the liferaft is inflated ;  
 (ii) this cover shall be capable of protecting the occupants against injury from explosive and means shall be provided for collecting rain ;  
 (iii) the top of the cover shall be fitted with a lamp which derives its luminosity from a sea-activated cell and a similar lamp shall also be fitted inside the liferaft ;
- (d) (i) the liferaft shall be fitted with a painter and shall have a lifeline bracketed round the outside ;  
 (ii) a lifeline shall also be fitted round the inside of the liferaft ;
- (e) the liferaft shall be capable of being readily righted by one person if it inflates in an inverted position ;
- (f) the liferaft shall be fitted at each opening with efficient means to enable persons in the water to climb on board ;
- (g) (i) the liferaft shall be contained in a valise or other container so constructed as to be capable of withstanding hard wear under conditions encountered at sea ;  
 (ii) the liferaft in its valise or other container shall be inherently buoyant ;
- (h) the buoyancy of the liferaft ; shall be so arranged as to ensure by a division into a even number of separate compartments, half of which shall be capable of supporting out of the water the number of persons which the liferaft is fit to accommodate or by some other equally efficient means, that there is reasonable margin of buoyancy if the raft is damaged or partially fails to inflate ;
- (i) the total weight of liferaft, its valise or other contained and its equipment shall not exceed 180 kgms.
- (j) the number of persons which is liferaft shall be deemed fit to accommodate shall be equal to -  
 (i) the greatest whole number obtained by dividing by 96 the volume, measured in cubic decimetres of the main buoyancy tubes (which for this purpose shall include neither the arches nor the thwarts if fitted) when inflated; or  
 (ii) the greatest whole number obtained by dividing by 3720 the areas, measured in square centimetres of the floor (which for this purpose may include the thwart or thwarts if fitted, whichever number shall be the less;
- (k) the floor of the liferaft shall be waterproof and shall be capable of being sufficiently insulated against cold either—  
 (i) by means of one or more compartments which the occupants can inflate if they so desire or which inflate automatically and can be deflated and re-inflated by the occupants; or  
 (ii) by other equally efficient means not dependent on inflation ;
- (l) (i) the liferaft shall be inflated by a gas which is not injurious to the occupants and the inflation shall take place automatically either on the pulling of a line or by some other equally simple and efficient method;  
 (ii) means shall be provided whereby a topping-up pump or bellows may be used to maintain pressure ;
- (m) the liferaft shall be of suitable material and construction and shall be so constructed as to be capable, of withstanding exposure for 30 days afloat in all sea conditions;
- (n) every liferaft which is designed for use with a launching appliance shall be properly constructed for the purpose for which it is intended and shall be of sufficient strength to permit it to be safely lowered into the water when loaded with its full complement of persons and equipment;
- (o) the liferaft shall have a carrying capacity calculated in accordance with subparagraph (j) of this paragraph of not less than six persons or more than twenty-five persons ;
- (p) the liferaft shall be capable of operating throughout a temperature range of 66° to minus 30°C ;
- (q) the liferaft shall be fitted with arrangements enabling it be readily towed.
- (r) every liferaft carried on a ship which is provided with portable radio equipment shall be provided with arrangement for accommodating properly in the operating position the aerial of such equipment.
- (s) (i) The liferaft shall be so stowed as to be readily available in case of emergency. It shall be stowed in such a manner as to permit it to float free from its stowage, inflated and brakefree from the ship in the event of sinking  
 (ii) Is used, lashings shall be fitted with an approved automatic release system of a hydrostatic or equivalent nature.

- (iii) The liferaft required by clause (b) of sub-rule (6) of rule 13 of clause (b) of sub-rule (7) of rule 16 may be securely fastened.

2. In ships of Classes IV and V and in ships of Class VIII of under 500 tons gross or under 21 metres in length, the requirements of sub-paragraphs (b), (e), (k) (o), (p) and (q) of paragraph of this part may be modified as follows:—

- (a) the height of 18 metres referred to in the said sub-paragraph (b) may be the height equivalent to what the deck on which the liferaft is stowed above the ship's light water liferaft but in no case less than 6 metres;
- (b) means for collecting rain referred to in the said sub-paragraph (c) shall not be required to be provided;
- (c) the method for insulating the floor of the liferaft against cold as referred to in the said sub-paragraph (k) shall not be required to be complied with;
- (d) the minimum carrying capacity of liferaft required by the said sub-paragraph (o) as six persons may be four persons, provided that liferafts which are deemed fit to accommodate less than six persons shall only be carried on such ships on which the total number of person on board is less than six;
- (e) the temperature of minus 30°C referred to in the said sub-paragraph (p) may be minus 18°C;
- (f) the arrangements for towing referred to in said sub-paragraph (q) shall not be required to be provided.

## PART II

### RIGID LIFERAFTS

Every rigid liferaft shall comply with the following requirements :—

- (a) the liferaft shall be so constructed if it is dropped into the water from its stowed position neither the liferaft nor its equipment will be damaged;
- (b) any liferaft which is designed for use with a launching appliance shall be properly constructed for the purpose for which it is intended and shall be of sufficient strength to permit it to be safely lowered into the water when loaded with its full complement of persons and equipment;
- (c) the liferaft shall be so constructed that its air cases or buoyant material are placed as near as possible to its sides;

- (d) (i) The deck area of the liferaft shall be situated within that Part of the liferaft which affords protection to its occupants;
- (ii) the nature of the deck shall be such as to prevent so far as practicable the ingress of water and it shall effectively support the occupants out of the water;
- (e) the liferaft shall be fitted with a cover of equivalent arrangements of a highly visible colour, which shall be capable of protecting the occupants against injury whichever way up the liferaft is floating;
- (f) the equipment of the liferaft shall be so stowed as to be readily available whichever way up the liferaft is floating;
- (g) (i) the total weight of any liferaft and its equipment carried in passenger ships shall not exceed 180 kgms.
- (ii) liferafts carried in cargo ships may exceed 180 kgms. in weight if they are capable of being launched from both side of the ship or if means are provided for putting them into the water mechanically on either side of the ship;
- (h) the liferaft shall at all times, be effective and stable when floating either way up;
- (i) the number of persons which the liferaft shall be deemed fit to accommodate shall be equal to—
- (i) the greatest whole number obtained by dividing by 96 the volume measured in cubic decimetres of the air cases or of buoyant material; or
- (ii) the greatest, whole number obtained by dividing by 3720 the deck area of the liferaft measured in square centimetres; whichever number shall be the less.
- (j) (i) the liferaft shall have a painter attached and a lifeline securely becketed round the outside;
- (ii) a lifeline shall also be fitted round the inside of the liferaft;
- (k) the liferaft shall be fitted at each opening with efficient means to enable persons in the water to climb on board;
- (l) a buoyant light of the electric battery type shall be attached to the liferaft by a lanyard;
- (m) the liferaft shall be fitted with arrangements enabling it to be readily towed;
- (n) liferaft shall be so stowed as to float free in the event of the ship sinking;

- (o) every liferaft carried on a ship which is provided with portable radio equipment shall be provided with arrangement for accommodating properly in the operating position the aerial of such equipment.

### THE THIRD SCHEDULE

[See rules 2 (j) and 61 (2) (a) and (b)]

#### LIFERAFT LAUNCHING APPLIANCES

1. Definition of "Working Load".—In this schedule the expression "Working Load" means the sum of the weight of the liferaft and its equipment, all other associated gear that is supported by the launching appliances during the launching operation and the maximum number of persons which the liferaft is deemed fit to carry, the weight of each person being taken to be 75 kgs.

2. Strength.—Every liferaft launching appliance and all associated gear which during the launching operation is subjected to the working load or total load imposed due to the working load shall be of such strength that the life raft when loaded with its full complement of persons and equipment can be safely lowered when the ship has a trim of up to 10 degree and is listed up to 15 degrees either way.

3. Construction.—(i) Each part of every liferaft launching appliance shall be such that the appliance is operating under the working load and unfavourable conditions of list and trim it shall have an adequate factor of safety having regard to the material used, the method of construction and the nature of its duty.

(ii) Except for load sheaves and block sheaves all parts of the appliance and its associated gear which are subjected to the working load or on which the safety of the appliance or the liferaft while in the process of launching depends shall be constructed of ductile material and no part other than lead sheaves and block sheaves shall be constructed of cast metal unless the Central Government so permits.

4. Static Load Test.—Every liferaft launching appliance shall be capable of withstanding a static load test of not less than 2.2 times the working load.

5. Operation.—

- (a) Every liferaft launching appliance shall be so designed that the liferaft when loaded with its full complement of persons and equipment can be safely lowered into the water.
- (b) The speed of lowering of the liferaft shall be automatically controlled at not

less than 18 metres per minute nor more than 36 metres per minute and the descent of the liferaft shall be at all times under the manual control of the operator.

- (c) (i) Operation of the launching appliance shall not be solely dependent on the use or means other than manual effort or gravity.

- (ii) The arrangements shall be such that the liferaft can be lowered by gravity.

- (d) Arrangements shall be such that on becoming water-borne the liferaft shall be automatically released from the launching appliance, and there shall be provisions for the manual release of the liferaft by a persons on board the liferaft.

- (e) When liferaft launching appliances incorporate winches, the winches shall be constructed in accordance with paragraph 10 of part II of the Fourteenth Schedule.

6. Powering Test.—Every liferaft launching appliance shall be tested by lowering the largest liferaft it is intended to serve when loaded with its full equipment and a distributed weight equal to the full number of persons which it is deemed fit to accommodate plus ten per cent of the working load from the embarkation position into the water.

7. Operational Tests.—(i) Tests shall be made to ensure that any liferaft served by any launching appliance when loaded only with its full equipment can be lowered by gravity into the water.

(ii) If more than one liferaft is serviced by any launching appliance effective successive launching shall be demonstrated.

### THE FOURTH SCHEDULE

[See rules 2(1), 43 and 46]

#### GENERAL REQUIREMENTS FOR LIFEBOATS

1. Every lifeboat shall be constructed with rigid sides

2. (a) In any lifeboat fitted with a rigid shelter, the shelter shall be capable of being readily opened from both inside and outside and shall not impede rapid embarkation and disembarkation or the launching and handling of the lifeboat.

2. (b) Such a shelter where fitted may be accepted as complying with the requirements of clause (a) of sub-rule (1) of rule 54.

3. Every lifeboat, except wooden lifeboats made of planks; shall have a block coefficient of the cubic capacity as determined in accordance with the Seventh Schedule of not less than 0.64. Lifeboats having a block coefficient of less than 0.64 will be permitted provided the metacentric weight and the freeboard when the lifeboat is loaded with full complement of persons and equipment is adequate.

4. Every lifeboat shall be of such form and proportions that it shall have ample stability in a seaway, and sufficient freeboard when loaded with its full complement of persons and equipment.

5. Every lifeboat shall be so constructed that it shall be capable of maintaining positive stability when open to the sea and loaded with its full complement of persons and equipment.

6. (a) Every lifeboat shall be properly constructed for the purpose for which it is intended and shall be of sufficient strength to permit its being safely lowered into the water when loaded with its full complement of persons and equipment.

(b) It shall be of such strength that it will not suffer residual deflation if subjected to an overload of at least 25 per cent.

7. No lifeboat shall be less than 4.9 metres in length except that where these rules permit a lifeboat to be carried as an alternative to a Class C boat, the length of such lifeboat shall not be less than that of the Class C boat as determined in accordance with paragraph 3 or the First Schedule.

8. No lifeboat when laden with its full complement of persons and equipment shall weigh more than 20.3 tonnes.

9. In every lifeboat all thwart and side seats shall be fitted as low in the lifeboat as practicable and bottom boards shall be fitted.

10. Every lifeboat shall have a mean sheer at least equal to four per cent of its length and the sheer shall be approximately parabolic in form.

11. Every lifeboat shall be fitted with internal buoyancy appliances which shall consist either of air cases or buoyant material which shall not be adversely affected by oil or oil products and which shall not adversely affect the boat.

12. In every lifeboat the total volume of the internal buoyancy appliances shall be such that it will be at least equal to the sum of the volumes of :—

- (a) that required to float the lifeboat and its full equipments when the lifeboat is flooded and open to sea so that the top of the gunwale amidship is not submerged;

- (b) that equal to ten per cent of the cubic capacity of the lifeboat.

13. In the case of lifeboat which accommodate 100 or more persons the volume of the buoyancy appliances required by clause (b) of the preceding paragraph 12 of the Schedule shall be increased as follows :—

- (a) in lifeboats which accommodate from 100 to 130 persons by an amount determined by interpolating between nil at 100 persons and 1.3 per cent of the cubic capacity of the lifeboat at 130 persons;
- (b) in lifeboats which accommodate over 130 persons by an amount equal to 1.5 per cent of the cubic capacity of the lifeboat.

### THE FIFTH SCHEDULE

(see rules 4(k), 5(15), 6(11), 7(15), 8(10), 10(8), 11(7), 12(8), 13(10), 16(11), 17(6), 18(6), 20(5), 22(6), 23(5), 25(5), 26(5), 27(5), 28(5), 31(5), 32(5), 33(5), 34(5), 35(6), 36(4), 38(4), 39(4), 40(5), 41(4) and 42(6)).

### Requirement of Life Jacket

#### PART I

1. Subject to the provisions of paragraph 7 of this part, every life-jacket for use by an adult person shall provide adequate buoyance so as enable it to satisfy the requirements of clause (b) of paragraph 3 of this part.

Explanation :—For the purpose of this part, every person weighing 30 Kilograms or more shall be deemed to be an adult person.

2. Every life-jacket shall be marked indelibly on both sides in letters not less than 1.27 centimetres in size with the words 'For Adults' and on one side only with the maker's name or other identification mark.

3. Every such life-jacket shall also comply with the following requirements namely :—

- (a) it shall be so constructed as to eliminate as far as possible all risk of its being on incorrectly and it shall be capable of being worn inside out;
- (b) (i) it shall be capable of lifting the face of an exhausted or unconscious person out of the water and holding it safely above the water with the body inclined backwards from its vertical position;
- (ii) it shall be capable of turning the body in the water from any position to a safe floating position with the body inclined backwards from its vertical;



(iii) the buoyancy of the life-jackets required to provide the foregoing performance shall not be reduced by more than five per cent after 24 hours submersion in fresh water ;

(c) it shall not be adversely affected by oil or oil products ;

(c) it shall be of a highly visible colour ;

(e) it shall be fitted with ring or loop or similar device of adequate strength to facilitate rescue ;

(f) it shall be made of materials of low flammability and the fabric with which it is covered and its tapes shall be rotproof ;

(g) it shall be fitted with an approved whistle firmly attached by a lanyard

(h) (i) it shall have fastening tapes securely attached to the life-jacket cover and capable of taking a load of 91 k. gms.

(ii) the method of fastening the tapes shall be such as to be easily understood and capable of being easily carried out;

(iii) metal fastening when used shall be of a size and strength consistent with the fastening tapes and of corrosion resistant materials ;

(iv) it shall allow the wearer to pump, a vertical distance of 6.1 metres into the water without injury and without dislodgement of the life-jacket.

4. The buoyancy of every life-jacket shall be provided by kapok or other equally effective buoyant material.

5. Every such Kapok life-jacket shall in addition to complying with the requirements of paragraph 1 to 4 of this part comply with the following requirements namely :—

(a) it shall contain not less than 1 k.gm. of Kapok ;

(b) the kapok shall be of good floatation quality, well teased, evenly packed and free from seeds and other foreign matter;

(c) The kapok shall be protected from the effects of oil or oil products so that the loss of buoyancy in the life-jacket after floating in disturbed water containing a layer of not less than 3 millimetres in depth of a mixture of gas oil for a period of 48 hours, shall not exceed 2 per cent of the initial buoyancy and for the purpose of this test the life-jacket shall be loaded with weights equal to half its initial buoyancy ;

(d) (i) the covering shall be of pre-shrunk cotton material, the weight of which in loom-state per metre shall be not less than 170 gms. for a width of 0.68 metre and in proportion for other width.

(ii) the fabric shall be free from admixture of sizing or other foreign matter ;

(iii) the threads per 25 m.m. in loom-state shall be warp 44 two-fold threads and waft 34 two-fold threads;

(iv) the sewing shall be carried out with linen thread of not less quality than No. 25a fine cord whitemore cord.

(6) Every such life-jacket using a buoyant material other than kapok shall in addition to complying with the requirements of paragraphs 1 to 4 and clause (d) of paragraph 5 of this part comply with the following requirements :—

(a) (i) the materials shall not weigh more than 192.5 K.gms. per cubic metre and shall be of good quality and clean ;

(ii) if the materials is in pieces, the size of each piece shall be not less than 164 cubic centimetres unless such pieces are in layer form and are fastened together with an approved adhesive ;

(b) the material shall be chemically stable.

7. Every life-jacket the buoyancy of which depends on inflation which may be carried for use by members of the crews of ships, other than tankers, of Classes VI and VII, shall comply with the requirements of paragraph (3) of this part and in addition shall comply with the following requirements namely :—

(a) it shall have two separate buoyancy compartments in either of the following forms—

(i) one compartment of inherent buoyancy equal to at least 9 K.gms. and one air compartment of at least 6.8 K.gms., or

(ii) two separate air compartments each of at least 9.4 K.gms. buoyancy ;

(b) it shall be marked indelibly on both sides in letters not less than 25 m.m. in size with the words "CREW ONLY" and on one side only with the maker's name or other identification mark in smaller letters ;

(c) it shall be capable of being inflated both mechanically and by mouth.

## PART II

1. Every life-jacket for use by a child shall provide adequate buoyancy so as to enable it to satisfy the requirements of clause (b) of paragraph 3 of Part I.

Explanation :—For the purpose of this Part, every person weighing less than 30 Kilograms shall be deemed to be a child.

2. Every such life-jacket shall be marked indelibly on both sides in letters not less than 12.7 mm in size with the words "FOUR CHILD" and on one side only with the maker's name or other identification mark.

3. Every such life-jacket shall comply with the requirements of paragraphs 3 and 4 of Part I.

4. Every such kapok life-jacket shall contain not less than 425 gms. kapok and shall in addition to complying with the requirements of paragraphs 1 to 3 of this Part comply with the requirements of clause (b), (c) and (d) of paragraph 5 of Part I.

5. Every such life-jacket using a buoyant material other than kapok shall in addition to complying with the requirements of paragraphs 1 to 3 of this Part comply with clause (d) of paragraph (5) and sub-paragraphs (a) and (b) of paragraph 6 of Part I.

A		B		C	
78	" 82	" 6	5	76	
82	" 87	" 7	5	85	
87	" 91	" 7	5	94	
91	" 96	" 8	6	102	
96	" 101	" 8	6	110	
101	" 107	" 9	6	122	
107	" 113	" 9	7	135	
113	" 119	" 10	7	146	
119	" 125	" 10	7	157	
125	" 133	" 12	7	171	

135 metres and over but less than 140 metres

		12	9	185	
140	" 149	" 14	10	202	
149	" 159	" 14	10	221	
159	" 169	" 16	10	238	
169	" 177	" 16	12	—	
177	" 187	" 18	13	—	
187	" 196	" 18	13	—	
196	" 205	" 20	14	—	
205	" 214	" 20	14	—	
214	" 223	" 22	15	—	
223	" 232	" 22	15	—	
232	" 241	" 24	17	—	
241	" 251	" 24	17	—	
251	" 261	" 26	18	—	
261	" 271	" 26	18	—	
271	" 283	" 28	19	—	
283	" 293	" 28	19	—	
293	" 304	" 30	20	—	
304	" 345	" 30	20	—	

## THE SIXTH SCHEDULE

[See rules 5(2), (3) and (8) (c) and (d), 7(2) 3 and (8), 8(2) and (3), 9(2), and 10(2) and (3) 69(2)].

Table showing the minimum number of sets of davits and minimum cubic capacity of lifeboat to be provided in ships of classes II, IV, V and VI.

Registered length	Minimum number of sets of davits	Smaller number of sets of davits authorised exceptionally	Minimum capacity of life boats in cubic metres
A	B	C	
Metres	Nos.	Nos.	Cubic metres
upto 37 metres	2	2	11
37 metres and over but less than 43 m.	2	2	18
43 " 49 Metres	2	2	26
49 " 53 "	3	3	33
53 " 58 "	3	3	38
58 " 63 "	4	4	44
63 " 67 "	4	4	50
67 " 70 "	5	4	52
70 " 75 "	5	4	61
75 " 78 "	6	5	68

## THE SEVENTH SCHEDULE

[See rules 44(1) and (45)]

## CALCULATION OF CUBIC CAPACITY OF LIFEBOATS

1. Subject to the provisions of paragraph 4 of this Schedule the cubic capacity of lifeboat for the purpose of these rules shall be measured in cubic metres and shall be determined by Stirling's (Simson) Rules, which may be considered as given by the following formula :—

(a) Cubic capacity =

$$(a) \text{ Cubic capacity} = \frac{L}{12}(4A+2B+4C), \text{ where } L \text{ denotes the length,}$$

of the lifeboat in metres from the inside of the shell at the top of the stem to the corresponding point at the top of the stern post; in the case of a lifeboat with a square stern the length is measured to the inside of the top of the transom :

A.B.C., denote respectively the areas of the cross-section at the quarter length forward, amidships and the quarter length left which correspond to the three points obtained by dividing L into four equal parts (the areas corresponding to the two ends of the lifeboat shall be considered negligible).

(b) The areas A.B.C., shall be deemed to be given in square metres by the successive application of the following formula to each of the three cross sections :—

$$\text{Area} = \frac{h}{12} (a + 4b + 2c + d + e), \text{ where } h = \text{depth}$$

notes the depth measured in metres inside the shell from the keel to the level of the gunwale, or, in certain cases, to a lower level as determined hereafter ; and a.b.c.d.e. denote the horizontal breadths of the lifeboat measured in metres inside the shell at the upper and lower points of the depth and at the three points obtained by dividing into four equal parts (a and e being the breadths at the extreme points, and c at the middle point of h).

(c) The capacity of square-sterned lifeboat shall be calculated as if the lifeboat had a pointed stern.

2. If the sheer of the gunwale, measured at the two points situated at the quarter of the length of the lifeboat from the ends, exceeds one per cent of the length of the lifeboat, the depth employed in calculating the area of the cross section A or C shall be deemed to be depth amidships plus 1 per cent of the length of the lifeboat.

3. If the depth of the lifeboat amidships exceeds forty-five per cent of the breadth, depth employed in calculating the area of the amidship cross-section B shall be deemed to be equal to forty-five per cent of the breadth, and the depth employed in calculating the areas of the quarter length section A and C is obtained by increasing this last figure by an amount equal to one per cent of the length of the lifeboat :

Provided that in no case shall the depth employed in the calculation exceed the actual depth at these points.

4. Unless the owner of the lifeboat requires the cubic capacity to be determined by exact measurement, the cubic capacity of a lifeboat constructed of wooden planks may be assumed to be the product of the length, the breadth and the depth multiplied by 0.6 if this formula does not give a greater capacity than that obtained by the formula set out in paragraph (1) of the Schedule. The dimensions shall be measured in the following manner :—

- (a) Length—From the intersection of the outside of the planking with the top of the stem to the corresponding point at the sternpost, or in the case of squaresterned lifeboat, to the after side of the top of the transom ;
- (b) Breadth—From the outside of the planking at the point where the breadth of the lifeboat is greatest.
- (c) Depth—Amidship inside the planking from the keel to the level of the top of

the gunwale but the depth used in calculating the cubic capacity may not in any case exceed forty-five per cent of the breadth.

5. The cubic capacity of a motor lifeboat or a lifeboat fitted with other propelling gear shall be obtained from the gross capacity deducting a volume equal to that occupied by the motor and its accessories or the gear box of the other propelling gear, and any equipment with which the lifeboat may be provided in compliance with rule 56.

## THE EIGHTH SCHEDULE

[See rule 445(a)]

### MACHINERY OF MOTOR LIFEBOATS

1. The engine shall be capable of being readily started in cold weather and of running reliably under conditions of extremes of temperature.

2. (a) The engine shall operate properly under conditions of at least 10 degrees trim.

(b) Circulating water pumps where fitted shall be self-priming.

3. (a) The engine and its accessories, including the fuel tank, pipes and fittings, shall be adequately protected to ensure reliable operation under conditions likely to arise at sea during adverse weather.

(b) The engine casing shall additionally be fire-resisting and in the case of air-cooled diesel engines shall be so designed that the supply of cooling air is not restricted.

4. Means shall be provided in all lifeboats to prevent the spread of oil. In a wooden lifeboat a metal tray shall be fitted under the engine.

5. (a) The fuel shall be substantially constructed securely fixed in position with a metal tray underneath and fitted with suitable filling, vapour venting and relief arrangements.

(b) No part of the tank or its connections or any part of the fuel piping or fittings shall depend on soft solder for tightness, and tanks, made of steel shall be protected externally against corrosion by sea water by metal spraying or similar means.

(c) The tank and its connections shall be capable of withstanding hydraulic pressure corresponding to a head of least 4.5 metres.

(d) A cock shall be fitted at each end of the pipe.

6. The engine and fuel tank spaces shall be efficiently ventilated.

7. The shafting and other moving parts shall be fenced where necessary to protect the persons in the lifeboat from injury.

## THE NINTH SCHEDULE

(See rule 16)

## MACHINERY OF MECHANICALLY PROPELLED LIFEBOATS

1. The propelling gear shall be so arranged that it can be rapidly and easily made ready for service and will not interfere with the rapid embarkation of persons into the lifeboat.

2. If the propelling gear is manually operated it shall be capable of being operated by persons untrained in its use and shall be capable of being operated when the lifeboats is flooded.

3. The propelling gear shall not require adjustment to enable it to be worked by persons of different stature and it shall be effective in propelling the life boat partially fully loaded.

(4) (a) The propelling gear shall be substantially constructed and fitted to the lifeboat in an efficient manner.

(4) (a) The propelling gear shall be substantially constructed and sheathed by material other than wood to ensure that the hands of the operators are protected in conditions of extreme cold.

5. The propelling gear shall be of sufficient power to enable the lifeboat when loaded with its equipment required by these rules and a distributed weight equal to the full number of persons which it is fit to carry, to be propelled at a speed ahead of at least 3.5 knots in smooth water over a distance of 400 metres.

6. The propelling gear shall be capable of propelling the lifeboat ahead or astern and a device shall be fitted by means of which the helmsman can cause the lifeboat to a stern or ahead any time when the propelling gear is in operation.

## THE TENTH SCHEDULE

(See rule 49)

## REQUIREMENTS FOR BUOYANT APPARATUS

1. (i) Buoyant apparatus shall be of such construction that it retains its shape and properties when exposed to the weather on board ship and when in the water :

(ii) it shall be constructed so as not to require adjustment prior to use.

2. Buoyant apparatus shall be capable of withstanding a drop test, the height of which shall be equivalent to that of the deck on which it is stowed above the ship's light water line, but in no case less than the following :—

Apparatus carried in ships of Class I and Class III . . . 10 metres.

Apparatus carried in ships of Class IV.

(meters)

3. (i) Buoyant apparatus shall be effective and stable when floating either way up :

(ii) it shall be capable of supporting a weight of iron suspended in fresh water from grab lines, 23 Kms per meter of length along any edge (subject to a minimum of 29 Kgms) without immersing any part of the upper surface of the apparatus.

4(i) The aircases or equivalent buoyancy shall be placed as near as possible to the sides of the apparatus, and such buoyancy shall be dependent upon inflation ;

(ii) Buoyant material shall not be adversely affected by oil or oil products nor shall it adversely affect the buoyant apparatus.

5. (1)(i) Grab lines shall be fitted all round the apparatus in such a manner as to provide a number of equal loops corresponding to the number of persons which the apparatus is fit to support.

(ii) Each loop shall have cork or light wood float and the depth of the loop when wet shall not be less than 15 centimetres and not more than 20 centimetres.

(2) (i) On apparatus exceeding 30 centimetres in overall depth two rows of grab lines shall be fitted, one having its points of attachment a little below the top of the air cases and the other a little above the bottom of the air cases and as close to the sides of the air cases as is practicable;

(ii) On apparatus of 30 centimetres or less in overall depth one row of grab may be attached along the line of the middle of the depth

3(i) The grab lines shall be of rope of not less than 5 centimetres in circumference ;

(ii) They may be attached to the apparatus by being passed through holes in the framing and being inter-laced to prevent movement, or they may be attached to the apparatus by means of wrought iron or steel fastenings.

(iii) Whichever method is adopted the attachment shall be strong enough to permit the apparatus being lifted by the grab lines.

6. Buoyant apparatus shall be fitted with a painter.

7. (i) Buoyant apparatus shall not exceed 181 Kgms in weight unless suitable means are provided to enable it to be launched lifting by bands;

(ii) If the weight of the apparatus exceeds 136 kgms. suitable handless or rungs shall be fitted for this purpose.

8. Buoyant apparatus carried in ships of Class I shall not be less than 106 centimetres in breadth.



## THE ELEVENTH SCHEDULE

(See rule 51)

### REQUIREMENTS FOR LIFEBOUYS

1 Every lifebuoy shall be constructed of cork, evenly formed and securely plugged, or of other equally efficient buoyant material which shall not be adversely affected by oil or oil products and shall be capable of floatation in fresh water for at least 24 hours with 14.5 Kgs. of iron suspended from it.

2. Every lifebuoy made of plastic or other synthetic compounds shall be capable of retaining its buoyant properties and durability in contact with sea water or oil products or under variation of temperature or climatic changes prevailing in open sea voyages.

3. A lifebuoy, shall not be filled with rushes, cork, shavings, granulated cork or any other loose granulated material and its buoyancy shall not be end upon air compartments which require to be inflated.

(i) The inside diameter of a lifebuoy shall be 45 centimetres and the outside diameter 76 centimetres.

the major axis of the section shall be 15 centimetres;

(iii) the minor axis of the section shall be 10 centimetres.

5. Every lifebuoy shall be of a highly visible colour.

6. (i) Every lifebuoy shall be marked in block letters with the name and the port of registry of the ship in which it is carried;

(ii) lifebuoys constructed of materials other than cork shall be permanently marked with the manufacturer's trade name for that product.

7. Every lifebuoy shall be fitted with grab lines which shall be of good quality unsinkable line and well secured at four equidistant points, providing four loops of lines each not less than 10 centimetres.

8. The weight of a lifebuoy shall not exceed 6.1 K.gms when newly constructed.

## THE TWELFTH SCHEDULE

(See rule 53)

### REQUIREMENTS FOR LINE THROWING APPLIANCES

Every line-throwing appliance shall include 4 rockets and 4 lines, each line being 12.7 millimetres in circumference and of prescribed length,

and having a breaking strain of not less than 114 K.gms.

2. Every line-throwing appliance shall be capable of throwing the line in such a manner that the lateral deflection of the line on either side of the direction of firing does not exceed ten per cent of the length of flight of the rocket

3. The lines and the rockets, with the means of igniting them, shall be kept in a watertight case.

4. Every line-throwing appliance carried in ships of 44 metres in length shall be capable of throwing a line 12.7 millimetres in circumference a minimum distance of 230 metres in calm weather.

5. Every line-throwing appliance carried in ships of less than 44 metres in length, shall be capable of throwing a line 12.7 millimetres in circumference a minimum distance of 123 metres in calm weather.

6. (i) All components, composition and ingredients of the rockets and the means of igniting them shall be of such a character and of such quality as to enable them to maintain their service ability under good average storage conditions for a period of at least two years.

(ii) The date on which the rocket is filled shall be stamped indelibly on the rocket and its container and the date of packing shall be similarly equipped on the cartridge containers.

## THE THIRTEENTH SCHEDULE

[See rules 54(1) (j), (k), (n), (o), (p) and (u) and 58(1) (i), (m) and (n)]

### SPECIFICATIONS OF EQUIPMENT FOR LIFEBOATS BOATS AND LIFERAFTS

#### PART I

#### COMPASSES FOR LIFEBOATS

1. (i) Every compass shall be of the liquid type.

(ii) liquid used shall be a mixture of industrial methylated spirit and water, specific gravity 0.93 at 15.50° C. It shall function sufficiently over a temperature range of—23.5°C to +49°C.

2. (i) The magnet shall have ample directive force.

(ii) A Period of 18 to 22 seconds after a deflection of 40 degrees at a temperature of about 15.5° C shall be deemed to comply with this requirement. For the purposes of this paragraph a 'period' is the time taken by a complete oscillation of the card after a deflection of 40 degrees, a swing past the position of rest and back again to the completion of its swing on the side to which it was originally deflected.

3. Over a range of  $-23^{\circ}\text{C}$  to  $+49^{\circ}\text{C}$  the card system when immersed in the compass liquid shall rest on the pivot with a weight between 4 and 10 grammes.

4. (i) The card shall be not less than 10 centimetres in diameter and shall have a clearance from the bowl of at least 7 millimetres.

(ii) It shall be marked to half points, the eight principal points being distinctively marked. The card shall be luminised or fitted with a suitable means of illumination.

5. The centre of the card shall be of sapphire or equally suitable hard material.

6. The pivot of the card shall be of iridium or equally suitable hard material.

7. The arrangements made to allow for the expansion and contraction of the liquid shall enable the compass to withstand a temperature range of  $-23.5^{\circ}\text{C}$  to  $+49^{\circ}\text{C}$  without leakage, formation of bubbles or other defects.

(i) The bowl shall be adequately weighted and properly poised in the gimbals which shall give a fore and aft and thwartship action.

(ii) The gimbaling shall be in the same horizontal plane as the point of suspension of the card and the outer gimbal pins shall be placed fore and aft.

(iii) The bowl shall be placed in a binnacle or box of non-magnetic material and the lubber line or point shall be luminised or fitted with suitable means of illumination.

(iv) The card system shall remain free when the bowl is tilted by 10 Degrees.

9. (i) The direction of the lubber line or point from the centre of the card shall lie in the same vertical plane as the outer gimbal axis or other fore and aft datum line.

(ii) The cumulative effect of card, pivot directional and other similar errors, and of inaccurate positioning of the lubber's point, shall be such that in the undisturbed earth's field the direction as read on the card against the lubber's point shall not differ by more than 3 degrees from the magnetic direction of the outer gimbal axis or other fore and aft datum line for any direction of the latter.

10.(i) The minimum thickness of the metal used in the construction of the compass shall be as follows :—

Compass-bowl	—21 S.W.G.
Binnacle	—24 S.W.G.
	—24 S.W.G.

(ii) (a) The compass bowl shall be efficiently stiffened to take gimbal pins.

(b) The binnacle shall be swaged or spun into the base ring and soldered all round.

(iii) (a) The gimbal ring shall be of naval brass or other rigid non-magnetic metal 16 m.m. by 3.1 m.m.

(b) Gimbal pins shall be of naval brass or other hard non-magnetic material of 6.2 m.m. diameter, both they and the bearings in which they are engaged shall be perfectly smooth.

11. The point inside the bowl shall show no sign of blistering.

12. The materials and workmanship shall be good throughout and the compass shall be such as will remain efficient under sea-going conditions.

13. The bowl of the compass shall be engraved or stamped with the maker's name or other identification mark.

## PART II

Sea Anchor for Lifeboats and Boats other than Class C Boats

1. Every sea anchor shall comply with the following requirements :—

(a) It shall be constructed of No. 1 best flax canvas, or other suitable material ;

(b) The canvas part shall be strongly sewn together and be roped at the seams with 44 m.m. bolt rope; the ropes then being formed into a bridle with a thimble seized in the connecting end, and the ropes extended and seized into a parcelled loop to form the attachment for the tripping line;

(c) A hawser shall be attached to the sea anchor by means of a shackle of suitable size to take the thimble;

(d) The length of the hawser shall be three times the length of the lifeboat or boat;

(e) A tripping line two fathoms longer than the hawser shall be provided.

2. (i) A circular sea anchor shall be fitted at the mouth with a galvanised iron hoop.

(ii) Any other type of sea anchor shall be fitted with galvanised iron spreaders across the mouth and with an ash spreader at the upper edge.

3. The size of such anchors shall be as follows :—

(a) For lifeboats over 9 metres in length  
Non-circular folding sea anchors—  
Mouth 76 cms.  
Upper edge 68 cms.

lower edge 68 cms.

each side.

Area of mouth 50 square decimetres.

Length of canvas bag—1.37 metres.

Hawser—76 m.m. in circumference.

Tripping line—51 m.m. in circumference.

- (b) For lifeboats not over 9 metres in length—7 metres in length but not over 9 metres in length.

Circular sea anchors—Mouth 68 cms. diameter.

Non-circular folding sea anchors—

Mouth 61 cms. each side.

Length of canvas bag—1.2 metres.

Hawser—76 m.m. in circumference.

Tripping line—51 m.m. in circumference.

- (c) For lifeboats not over 6.7 metres in length and other boats (other than Class C boats)—

Circular sea anchors—Mouth 61 cms. diameter.

Non-circular folding sea-anchors—

Mouth 55 cms. each side.

Length of canvas bag—1 metre.

Hawser—64 m.m. in circumference.

Tripping line—38 m.m. in circumference.

### PART III

#### PARACHUTE DISTRESS ROCKET SIGNALS FOR LIFEBOATS AND LIFERAFTS

(i) Every parachute distress rocket signal shall consist of a single bright red star which is projected to the required height by means of rocket, and which burns while falling, its rate of fall being controlled by means of a small parachute to an average rate of 4.5 metres per second.

(ii) It shall be fitted with a self-contained means of ignition, so designed as to operate from the hand-held position without external aid, and as to enable the rocket to be discharged from a life-boat, boat or life-raft without harm to the occupants.

2. (i) When the rocket is fired approximately vertically, the star and parachute shall be ejected at or before the top of the trajectory, at a minimum height of 183 metres.

(ii) The rocket shall also be capable of functioning when fired at an angle of 45 degrees to the horizontal.

3. (i) The star shall burn with a minimum luminosity of 15,000 candle power for not less than 30 seconds.

(ii) It shall burn out at a height of not less than 46 metres from the sea level.

4. (i) The parachute shall be of such a size as to provide the required control of the rate of fall of the burning star.

(ii) It shall be attached to the star by means of flexible fire-proof harness.

5. The rocket shall be waterproof and capable of satisfactory functioning after immersion in water for one minute.

6. All components, compositions and ingredients shall be of such a character and of such a quality as to enable the rocket to maintain its serviceability under good average storage conditions for a period of at least two years.

7. (i) The rocket shall be packed in a container which shall be effectively sealed.

(ii) If made of metal, the container shall be well tinned and lacquered or otherwise adequately protected against corrosion.

8. The date on which the rocket is filled shall be stamped indelibly on the rocket, and on the container.

9. Clear and concise directions for use in the English and Hindi languages shall be printed indelibly on the rocket.

### PART IV

#### HAND HELD DISTRESS FLARE SIGNALS FOR LIFEBOATS AND LIFERAFTS

1. Every hand-held distress flare signal shall be fitted with a self-contained means of ignition so designed as to operate from a hand-held position without external aid and as to enable the flare to be displayed from a lifeboat, boat or liferaft without harm to the occupants.

2. Where the flare is carried in a life-raft it shall be so constructed that when the flare is fired, no burning composition will fall from the flare which might cause damage to the liferaft.

3. The flare shall be capable of emitting a red light of minimum luminosity of 15,000 candle power for not less than 35 seconds.

4. The flare shall be water-proofed and capable of satisfactory functioning after immersion in water for one minute.

5. All components, composition and ingredients shall be of such a character and of such a quality as to burn evenly and as to enable the flare to maintain its serviceability under good average storage conditions for a period of at least two years.

6. The flare shall be stamped indelibly with the date on which it is filled.

7. Clear and concise directions for use in the English and Hindi languages shall be printed indelibly on the flare.

## PART V

### BUOYANT SMOKE SIGNALS FOR LIFEBOATS

1. Every buoyant smoke signal shall be fitted with self-contained means of ignition.

2. The signals shall be capable, while floating on the water, of emitting of dense volume of orange-coloured smoke for a period of not less than two minutes and not more than four minutes.

3. The signal shall be waterproofed and capable of satisfactory functioning after immersion in water for one minute.

4. All components, composition and ingredients shall be of such a character and of such a quality as to burn evenly and as to enable the signal to maintain its serviceability under good average storage conditions for a period of at least two years.

5. The signal shall be stamped indelibly with the date on which it is filled.

6. Clear and concise directions for use in the English and Hindi languages shall be printed indelibly on the signal.

## PART VI

### FIRST AID OUTFITS FOR LIFEBOATS

1. The contents of every first aid outfit provided in a lifeboat shall include the following :—

Article	Quantity
1	2
(a) Collapse Revivers (6 capsules of Fragrant Ammonia)	1 Tin
(b) Compound Code—in Tablets (Tab. Code in Co.)	25 Tablets
(c) Six Morphine Ampoule Syringes containing a solution of either morphine salt equivalent to Anhydrous Morphine 1/4 gr. in 1 cc. or Papaveretum B.P.C. 1/2 gr. in 1 c.c. in screw capped metal drum with directions for use.	1 Drum
(d) Standard Dressings No. 14 medium B.P.C. 15 cms × 10 cms	2
(e) Standard Dressings No. 15 large B.P.C. 20 cms × 16 cms.	2
(f) Elastic Adhesive Dressings 5 cms × 8 cms Packets of three.	2 Packets
(g) Bandages Triangular illustrated, not less than 90 cms wide 1.52 metre base	5
(h) Gauze, white absorbent, compressed, 85 cms × 2.25 metres.	3
(i) Roller Bandage, compressed 5.6 cms × 3.5 metres.	4

1	2
(j) Bandage, unbleached Calico 15 cms × 5.5 metres	1
(k) Cotton wool compressed 125 grams packet	1 Packet
(l) Safety pkns, brass plated 5 cms.	6
(m) Soft paraffin 30 grams tube	1
(n) Scissors, 10 cms, 1 sharp, 1 blunt point of rustless and stainless steel	1
(o) Energy tablets (10 mg. amphetamine Sulphate)	60 Tablets
(p) Silica Gel	1 Capsule
(q) Instructions in the English and Hindi languages printed on linen or waterproof paper.	

The first aid outfit shall be packed in a container which shall comply with the following requirements :—

- It shall be durable, damp-proof, and effectively sealed. It shall also be sealed with a device to indicate that the contents are intact.
- It shall be packed in a room from which atmospheric moisture has been removed as far as possible.
- Whether the container is made of metal, it shall be well tinned and lacquered, and a handle shall be fitted to the lid.
- An itemized list of contents shall be given on the outside of the container.

## PART VII

### MANUAL PUMPS FOR LIFEBOATS

Every lifeboat manual pump shall comply with the following requirements :—

The capacity when operated at not more than 60 double strokes per minute at 1.2 metres suction head, shall be not less than—

- 32 litres per minute in lifeboats of 7.3 metres in length or over; or
- 23 litres per minute in lifeboats of less than 7.3 metres in length.

2. In its normal dry state (excluding internal grease or other assistance) the pump shall be readily self-priming when operated at a suction head of not less than 1.2 metres.

3. All parts of the pump shall be of material unaffected by the corrosive effects of sea water.

4. The interior of the pump, including valves, shall be readily accessible for emergency cleaning, and the cover for access shall be capable of being easily removed without the use of a spanner or other special tool.

5. The pump branches shall be suitable for use with rubber hose connections of at least 32 mm bore. The metal part of the operating handle



shall be suitably sheathed by material other than wood to ensure that the hands of the operator are protected when the pump is used in extreme cold. One spindle gland shall be of the spring loaded seal ring type.

### PART VIII

1. Subject to the provisions of paragraph (2) of this part the contents of every first aid outfit provided in a liferaft shall include the following :—

Article	Quantity
1	2
(a) Standard dressing No. 14 Medium B.P.C. 15 cms × 10 cms	4
(b) Standard dressings No. 15 large B.P.C. 20 cms × 15 cms	4
(c) Bandages, Triangular, illustrated, not less than 25 cms side, 1.25 metres base	4
(d) Open Wove Bandages, B.P.C. 8 cms × 3.5 metres	10
(e) Antiseptic Burn or Wound Cream, Certimide B.P.C. 0.5% w/w/ 50 gm. tube	2
(f) Scissors 10 cms, 1 sharp, 1 blunt point, of rustless and stainless steel	1
(g) Six morphine Ampoule Syringe containing a solution of either morphine salt equivalent to Anhydrous Morphine 1/4gr. in 1 c.c. or Papaveretum B.P.C. 1/2 gr. in 1 c.c. in screw capped metal drum with directions for use	1 drum
(h) Instructions in the English and Hindi languages printed on linen or waterproof paper.	

2. In ships of class VIII of less than 21.3 metres in length the contents of the first aid outfit provided in every liferaft shall be one-half of the quantities specified in clauses (a) to (e) inclusive of paragraph 1 of this part together with the items specified in clauses (f) and (h) of the said paragraph.

3. The first aid outfit shall be packed in a container which shall be durable damp-proof and effectively sealed. An itemized list of contents shall be given on the outside of the container.

### THE FOURTEENTH SCHEDULE

[see rule 60/60(9)]

### DAVITS AND LIFEBOATS LAUNCHING GEAR

#### PART I

#### GENERAL

Definition of "Working Load"—In this Schedule the expression "Working Load" means :—

- (a) in relation to davits to which clause (a) of paragraph 1 of Part II applies, the sum of the weight of the lifeboat, its full equipment, the blocks and falls, and the maximum number of persons which the lifeboat is deemed to carry the weight of each person being taken to be 75 Kgms.
- (b) in relation to davits and other means of launching to which clause (b) or (c) of paragraph 1 of Part II applies, the sum of the weight of the lifeboat, class C boat or other boat, its full equipment, the blocks and falls, and a launching crew consisting of two persons, the weight of each person being taken to be 75 Kgms.
- (c) in relation to winches the maximum pull exerted by the fall of falls at the winch drum during lowering, hoisting or stowing which in any case is to be taken as not less than the working load on the davit or davits divided by the velocity of the lowering tackle.

### PART II

#### CONSTRUCTION

1. Strength.—(a) Every davit serving a lifeboat which is required by sub-rule (1) of rule 60 to be put into the water when loaded with its full complement of persons shall, together with its winch, falls, blocks and all other associated lowering gear be of such strength that the lifeboat with its full equipment and manned, by a launching crew of not less than two persons can be truned out and then safely lowered into the water from the embarkation position with its full complement of persons, when the ship has a trim of up to 10 degrees and is listed upto 15 degrees either way.
- (b) Every mechanically controlled single-arm davit shall together with winch falls, blocks and all other associated lowering gear be of such strength and the operating gear shall be of such power that the lifeboat when full equipped and manned with a launching crew of two members can be turned out and then safely lowered into the water with the ship listed to 25 degrees.
- (c) Every set of davits, or other means of launching to which a lifeboat, class C boat or other boat is attached other than a davit the strength of which is specified in clause (a) or (b) of this paragraph, shall together with its winch, falls, blocks and other associated lowering gear be of such strength that

the lifeboat, Class C boat or other boat with its full equipment and manned by a launching crew of two members, can be turned out and then safely lowered into the water when the ship has trim of 10 degrees and is listed up to 15 degrees either way.

- (d) Every set of davits, davit or other means of launching to which lifeboat class C boat or other boat is attached, other than a davit the strength of associated hoisting gear shall be of such strength that the boat can be safely hoisted and stowed when loaded with its full equipment and at least two persons, and in addition in the case of an emergency lifeboat that it can be safely hoisted from the water to the embarkation deck at a speed of not less than 18 metres per minute when loaded with its full equipment and a distributed load of 1016 Kgms.

2. Gravity davits.—(i) All gravity davits shall be so designed that there is a positive turning out moment during the whole of the davit travel from the inboard to the outboard position when the vessel is upright and also when the vessel is listed at any angle upto and including 25 degrees either way from upright.

(ii) In the case of gravity type davits comprising arms mounted, on rolls which engage with and travel down fixed inclined trackways, the trackways shall be inclined at an angle of not less than 30 degrees to the horizontal when the vessel is upright.

Luffing davits.—The operating gear of all luffing type davits shall be of sufficient power to ensure that the lifeboats, class C boats or other boats fully equipped and manned with the launching crew, but not added with the persons, can be turned out against a list of at least 15 degrees.

4. Mechanically controlled single arm davits.—The working load of any mechanically controlled single arm davit shall not exceed 1524 Kgms.

Stresses.—(a) In case of davits other than mechanically controlled single arms davits the designed stress on the davits arms, when operating under maximum load and conditions of trim and of list shall afford an adequate factor of safety having regard to the equality of the material used, the method of construction and the nature of the load to which the davits are subjected.

- (b) In the case of mechanically controlled single arm davits the designed stress, on the davit when operating under

maximum load and conditions of favourable list shall afford an adequate factor of safety having regard to the quality of the material used, the method of construction, and the live nature of the load to which the davit is subjected.

6. Static load test.—Each davit with its arm at full out-reach shall be capable of withstanding a static load test of not less than 2.2 times that part of the working load supported by the arm.

7. Attachments at the davit head.—The attachments at the davit head from which the blocks are suspended shall be capable of withstanding a proof load test of not less than  $2\frac{1}{2}$  times the maximum load on the attachments.

8. Blocks.—(a) (i) All blocks used in the operation of hoisting and lowering of lifeboats, class C boats or other boats shall be of a design that affords an adequate factor of safety.

(ii) Lower blocks, when fitted, shall be non-topping and in the case of emergency lifeboat provision shall be made to prevent the falls from cabling.

(iii) The size of blocks shall be commensurate with the size of the falls.

(b) (i) A metal block shall be capable of withstanding a proof load test of not less than  $2\frac{1}{2}$  times the maximum load it is intended to carry in service.

(ii) The clearance between the sheaves and the block checks of metal blocks in which wire rope is used shall be kept to a practical minimum that will prevent the rope from overriding the rim of the sheave or any block or lead sheave.

(iii) Component parts of blocks other than their sheaves shall be of ductile material.

(c) a wood block shall be capable of withstanding a proof load of not less than  $2\frac{1}{2}$  times the load on the block. The width between the checks shall be 12.7 mm. greater than the diameter of new cordage ropes when these ropes are 9.6 cms. in circumferences, and less in proportion to the circumference of the ropes when they are smaller.

Wire ropes.—(a) The breaking tensile load of each wire rope used for lowering lifeboats, class C boats or other boats shall be not less than six times the maximum load on the wire rope when lowering, hoisting or stowing;

(b) Wire ropes shall be securely attached to the drum of the winch, and the end attachments of the wires and other parts from which the lifeboat, class C boat

or other boat is to be suspended shall be capable of withstanding a proof load of not less than  $2\frac{1}{2}$  times the load on such attachments and other parts; and

- (c) Where wire rope splices or ferrule-secured eye terminals are used they shall be capable of withstanding a proof test of not less than  $2\frac{1}{2}$  times the load imposed on them in service unless samples representing each side of wire on which they are used, show a factor of safety of at least 5 when tested to destruction.

Winches.—(a) (i) In the case of davits other than mechanically controlled single-arm davits, which drums shall be arranged to keep the two falls separate and to enable them to pay out at the same rate;

- (ii) The leads of the wire-ropes shall be such that they will wind evenly on the drums and lead blocks shall be arranged to give fleet angle or angle of lead of not more than five degrees for grooved drums and three degrees for ungrooved drums; and

- (iii) In the case of mechanically controlled single-arm davits, the lead of the wire rope fall shall be such that the fall winds evenly on the drum.

(b) (i) Winch brakes shall be of robust construction and afford complete control and limitation of speed in the operation of lowering;

- (ii) The hand brake shall be arranged that it is normally in the "ON" position and returns to the "ON" position when the control handle is not being operated;

- (iii) The weight in the brake level shall be sufficient to operate the brake effectively without additional pressure;

- (iv) The brake gear shall include means for automatically controlling the speed of lowering to ensure that the lifeboat, Class C boat or other boat is lowered expeditiously without exceeding a rate of lowering consistent with safety;

- (v) For this purpose, the automatic brake shall be set to give a speed of lowering of the lifeboat of between 18 and 36 metres per minute;

- (vi) Ratchet gear shall be incorporated in the hand brake mechanism of lifeboat winches; and

- (vii) Where practicable the brake gear shall be so situated as to enable the man operating the winch to have the lifeboat, class C boat or other boat under observation during the whole process of

its being launched into the water, provided that winches serving emergency lifeboats shall in any case be so placed.

- (c) Each winch shall be capable of lowering and holding a test load of 1.5 times the working load as defined in item (c) of Part I, and

(d) Winches shall be so constructed that the crank handle or handles are not rotated by moving parts of the winch when the lifeboat, Class C boat or other boat is being lowered or when it is being hoisted by power and provision shall be made to allow the falls to be manually unwound.

11. Cordage rope falls.—(i) Cordage rope falls shall be of manilla or some other suitable material and shall be durable, unkinkable, firm laid and pliable;

- (ii) The rope shall be able to pass freely under any conditions through a hole 1 cm. larger than the nominal diameter of the rope;

- (iii) The breaking load of each rope used for lowering lifeboat, Class C boats or other boats shall be not less than 6 times the maximum load on the rope when lowering or hoisting; and

- (iv) Rope of less than 6.3 cms. in circumference shall not be used for lifeboat falls. Winding reels or flaging boxes for the manilla rope falls shall be provided.

12. Bollards.—(i) Suitable bollards or other equally effective appliances for lowering any lifeboat, Class C boat or other boat shall be provided in all cases where cordage rope falls are used.

- (ii) Such bollards or other appliances shall be sited so as to ensure that the lifeboat, Class C boat or other boat served by them can be safely lowered, and fairleads or lead sheaves shall be fitted so as to ensure that it shall not be lifted during the process of turning out or swinging out.

### PART III

#### TESTS AFTER INSTALLATION ON BOARD

1. General.—Tests shall be made to ensure that all lifeboats, Class C boats or other boats attached to davits can be restowed from the embarkation position safely and with facility when loaded with the required equipment and that when so loaded the lifeboat, Class C boat or other boat can when released be lowered by gravity into the water against the frictional resistance of the winch, falls, blocks and other associated gear.

2. Lowering tests.—(a) Each pair of davits to which clause (a) of paragraph (1) of Part II applies and any associated lifeboat winches and their brakes shall be capable of withstanding the following test :—

The lifeboat at each set of davits shall be lowered from the embarkation deck into the water loaded with the equipment required by these rules and a distributed weight equal to the full number of persons which it is deemed fit to accommodate plus 10 per cent of the working load, winch brakes exposed to the weather shall be capable of withstanding the foregoing test with braking surface wetted.

- (b) In the case of davits to which clause (b) or (c) of paragraph (1) of Part II applies, the lifeboat, Class C boat or other boat shall be lowered into the water with the equipment required by these rules and a distributed weight equal to the weight of a launching crew of two persons plus 10 per cent of the working load; and
- (c) For the purpose of the tests required under clause (a) and (b) the weight of a person shall be taken to be 75 kgms.

3. Hoisting tests for emergency lifeboat.—Emergency lifeboats which are required by these rules to be served by winches for recovery shall in addition to the tests required by paragraph 2 of this part be tested by hoisting the emergency lifeboat with the equipment required by these rules and a distributed load of 1016 Kgms. plus ten per cent of the total holding load, including blocks and falls, from the water to the embarkation deck, at the maximum hoisting speed.

#### THE FIFTEENTH SCHEDULE

[See rule 60(16)(c)]

##### LIFEBOAT DISENGAGING GEARS

1. Lifeboat disengaging gears shall be so arranged as to ensure simultaneous release of both ends of the lifeboat.
2. The means of effecting release shall be placed aft.
3. The gear shall be of type which will permit the release of the lifeboat only when it is waterborne.
4. The gear shall be of a type which will permit release should there be a towing strain on the link or falls.

5. The hooks shall be suitable for instant unhooking by hand.

6. The point of attachment of the hook to the eye, ring or link of the block shall not be lower than when ordinary fixed hooks are fitted.

7. The gear and mechanism for effecting release shall be so constructed and arranged as to ensure the safety of the lifeboat independently of any safety pins.

8. (a) (i) The means for effecting release shall be by hauling on or letting go a line or by using a lever. If release is effected by a pull upon a line shall be properly cased in; and

(ii) Roads or other connections between chooks shall also be cased in whenever this is necessary for the safety or the efficient action of the gear or for the protection of persons from injury.

(b) The fairleads shall be properly arranged to prevent the lines from jamming or nipping, and shall be strongly attached to permanent parts of the lifeboat. The lines shall be fitted with chains where necessary for efficiency.

Such parts of the gear as would otherwise be likely to be set fast by rust or corrosion shall be made of non-corrodible metal.

No parts of the gear taking the weight the lifeboat shall be made of cast metal.

The scantlings and proportions of all parts which support the weight of the lifeboat shall be designed to provide breaking strength proportionate to a load of at least 2½ times the weight of the heaviest loaded lifeboat in which the gear is intended to be fitted.

#### THE SIXTEENTH SCHEDULE

[See rule 68(ii)]

##### SHIPS PARACHUTE DISTRESS ROCKET SIGNALS

1. Every ship's parachute distress rocket signal shall consist of a single bright red star which is projected to the required height by means of a rocket, and which burns while falling, its rate of fall being controlled by means of a parachute to an average rate of 4.5 metres per second.
2. (i) When the rocket is fixed approximately vertically, the star and parachute shall be ejected at or before the top of the trajectory at a minimum height of 229 metres.
- (ii) The rocket shall in addition be capable of functioning when fired at an angle of 45 degrees to the horizontal.



3. (i) The star shall burn with a minimum luminosity of 30,000 candle power for not less than 40 seconds.

(ii) It shall burn out at a height of not less than 46 meters from the sea level.

4. (i) The parachute shall be of such size as to provide the required control of the rate of fall of the burning star.

(ii) It shall be attached to the star by means of a flexible fireproof harness.

5. (i) The rocket may be ignited by any suitable method.

(ii) If external ignition by means of a safety fuse is employed, the outer end of the safety fuse shall be covered with a metal ferrule primed with match composition and a separate striker shall be suitably attached to each rocket.

6. The match composition, the striker composition, the ferrule, and the whole of the external surface of the rocket shall be water-proofed.

7. The rocket shall be capable of functioning properly after immersion in water for one minute and removal of the adhering water by shaking.

8. All components, compositions and ingredients shall be of such a character and of such a quality as to enable the rocket to maintain its serviceability under good average storage conditions for a period of at least two years.

9. (i) The rocket shall be packed in a container which shall be durable, damp-proof and effectively sealed.

(ii) If made of metal the container shall be well timed a lacquered, or otherwise adequately protected against corrosion.

10. The date on which the rocket is filled shall be staped indelibly on the rocket and on the container.

11. Clear and concise directions for use in the English and Hindi languages shall be printed indelibly on the rocket.

[F. No. SW/5-MSR(II)/78-MA]

ANURAG BHATNAGAR, Under Secy.